पुलिस कवायद

नियम-पुस्तक

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो
गृह मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली

प्रस्तावना

पुलिस ड्रिल मैनुअल का पिछला संस्करण इस ब्यूरो द्वारा 1977 में निकाला गया था। इस संस्करण को काफी सराहा गया तथा केंद्र और राज्यों के पुलिस बलों से इस मैनुअल की मांग लगातार आती रही है।

2. इस मांग को पूरा करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि इस मैनुअल में यथावश्यक संशोधन करके इसे पुनः प्रकाशित कराया जाए। इस मैनुअल में आवश्यक संशोधन केंद्रीय अद्ध-सैनिक बलों, राज्य पुलिस बलों एवं राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद के परामर्श के बाद किया गया है।

3. उपर्युक्त संशोधन के अतिरिक्त इस मैनुअल में तीन नए अध्याय जोड़े गए हैं -- पासिंग आउट परेड (दीक्षांत परेड), कलर प्रदान परेड (अलंकरण परेड), फेयरवेल परेड (विदाई परेड)।

4. इस मैनुअल में यथा-स्थान विभिन्न कमांडों के हिंदी पर्यायों को शामिल करने के साथ उनकी एक समेकित सूची अनुलग्नक के रूप में दी गई है।

5. इस विषय पर आपके विचारों व सुझावों का स्वागत है।

(एन.के. सिंह)
महानिदेशक
पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

दिनांक :

विषय सूची

खण्ड सं

अध्याय-1

परिभाषाएं ... 10

अध्याय-2

1. कवायद का उद्देश्य ... 12
2. कवायद शिक्षण के सिद्धांत ... 12
3. तैयारी ... 13
4. शिक्षण का तरीका ... 13
5. प्रशिक्षण के समय की व्यवस्था और समाप्ति ... 14
6. पिछड़ा हुआ जवान ... 14
7. कवायद सीखने वाले रंगरूट के लिए सामान्य हिदायतें ... 14
8. कमान शब्द (वर्डस ऑफ कमांड) ... 15
9. निरीक्षण ... 17

अध्याय-3

स्कवाड कवायद थम की हालत में

10. फासला रख कर स्क्वाड बनाना ... 20
11. सावधान ... 20
12. विश्राम की स्थिति में खड़े होना ... 21
13. आराम से खड़े होना ... 21
14. स्क्वायड का निर्धारित फासले से सजना ... 21
15. गिनती से मुड़ना और आधा मुड़ना... 22

अध्याय-4

मार्च करना

16. कदमों के बीच फासला और मार्च करने की गति ... 24
17. मार्चिंग के समय जवानों की स्थिति ... 24
18. तेज चाल और धीरे चाल में चलना ... 25
19. कदम आगे और पीछे ले जाना ... 28
20. धीरे और तेज चाल में कदम बदलना ... 28
21. दौड़ चाल में मार्च करना ... 29
22. धीरे चाल, तेज चाल और दौड़ चाल में चलना ... 29
23. बगली कदम... 30
24. मार्च करते समय मुड़ना... 31

अध्याय-5

बिना शस्त्र के सैल्यूट करना

25. थम पर सैल्यूट करना ... 33
26. मार्च करते हुए सैल्यूट करना ... 34
27. बिना शस्त्र के विसर्जन करना ... 35

अध्याय-6
28. प्रस्तावना ... 37
29. बेटन एवं केन में अंतर ... 37
30. छड़ी की स्थिति ... 37
31. छड़ी से सैल्यूट करना ... 38
32. छड़ी से विसर्जन.... 39
33. बेटन/केन के साथ मार्च करते हुए ड्रिल करना ... 39

अध्याय-7
सैल्यूट के बारे में सामान्य अनुदेश
34. बिना टोपी या पगड़ी पहने और सादी पोशाक आदि में सैल्यूट करना... 41
35. विविध... 41

अध्याय-8
थम पर तीन लाइनों में कवायद करना
36. स्क्वाड का प्लाटून बनाना.... 44
37. खाली फाइल (ब्लैंक फाइल) 45
38. सजना (ड्रेसिंग) 45
39. चलने की कवायद ... 46
40. प्लाटून लाइन में और तीनों-तीन में.... 47
41. मार्च करते समय सजना 48
42. लाइन में मार्च करना.... 48
43. एक फलैंक को लाइन बदलने के लिए दिशा निर्देश देना... 49
44. तीनों-तीन में मार्च करना... 51
45. चलती हुई प्लाटून को तीनों-तीन से लाइन बनाने के लिए मोड़ना ... 51
46. चलते हुए लाइन से तीनों-तीन में मुड़ना... 52
47. तीनों-तीन में घूमना ... 53
48. तीनों-तीन से एक ही दिशा में लाइन बनाना ... 53

अध्याय-9
दो लाइनें बनाना
49. तीन लाइन से दो लाइन बनाना... 55
50. दो लाइनों से तीन लाइनें बनाना ... 55

अध्याय-10
एक फाइल में मार्च करना

51. तीनों-तीन में दाहिनी तरफ मुंह करके खड़े होने वाले ऐसे स्क्वाड का, जिसमें सामने की लाइन बायीं ओर हो, एक फाइल में मार्च करना... 56
52. तीन लाइनों के स्क्वाड द्वारा आगे बढ़ने की दिशा में एक फाइल में मार्च करना... 56

अध्याय-11

शस्त्र कवायद

53. सामान्य नियम-राइफल अभ्यास ... 58
54. आदेश पर राइफल सहित लाइन बनाना... 58
55. सावधान ... 58
56. विश्राम और आराम से खड़ा होना... 59
57. कंधे शस्त्र और बाजू शस्त्र ... 59
58. कंधे शस्त्र से सलामी शस्त्र और सलामी शस्त्र से कंधे शस्त्र ... 61

59. संगीन लगाना, संगीन उतारना ... 62
60. कंधे शस्त्र से सैल्यूट करना ... 63
61. बाजू शस्त्र से बाएं शस्त्र और बाएं शस्त्र से बाजू शस्त्र ... 64
62. कंधे शस्त्र से बाएं शस्त्र और बाएं शस्त्र से कंधे शस्त्र ... 64
63. निरीक्षण के लिए बाएं शस्त्र, बोल्ट चलाना ... 65
64. बाएं शस्त्र से जांच शस्त्र, बोल्ट चलाना, जांच शस्त्र से बाएं शस्त्र, जांच शस्त्र से बाजू शस्त्र ... 65
65. बाजू शस्त्र से तोल शस्त्र और तोल शस्त्र से बाजू शस्त्र ... 66
66. कंधे शस्त्र से तोल शस्त्र और तोल शस्त्र से कंधे शस्त्र ... 67
67. कंधे शस्त्र से संभाल शस्त्र और संभाल शस्त्र से कंधे शस्त्र ... 67
68. बाजू शस्त्र से संभाल शस्त्र और संभाल शस्त्र से बाजू शस्त्र ... 68
69. तोल शस्त्र पर बदल शस्त्र ... 69
70. भूमि शस्त्र, उठा शस्त्र ... 69
71. समतोल शस्त्र ... 70
72. लटका शस्त्र ... 70
73. बाजू शस्त्र ... 70
74. कंधे शस्त्र से तान शस्त्र ... 70
75. बाजू शस्त्र से तान शस्त्र और तान शास्त्र से बाजू शस्त्र ... 71
76. कंधे शस्त्र से ऊंचा बाएं शस्त्र और ऊंचा बाएं शस्त्र से कंधे शस्त्र ... 71
77. बाजू शस्त्र से ऊंचा बाएं शस्त्र और ऊंचा बाएं शस्त्र से बाजू शस्त्र ... 71
78. बाजू शस्त्र से बगल शस्त्र... 72

अध्याय-12

किरच कवायद

79. किरच कवायद की हरकतें ... 73
80. किरच के साथ सैल्यूट करना ... 74
81. सामान्य टिप्पणियां ... 75

अध्याय-13

क्षेत्र में फैले हुए दल को कवायद का आदेश

82. प्रस्तावना ... 76
83. आदेश शब्द ... 76
84. हाथ के संकेत ... 81
85. राइफल के साथ संकेत ... 82
86. सीटी बजाकर नियंत्रण रखना ... 82

अध्याय-14

सड़क पर लाइन बनाना

87. सड़क की दोनों तरफ से सुरक्षा करना ... 83
88. सिमटना ... 83
89. बारी-बारी सड़क के दोनों ओर सुरक्षा करना ... 84
90. सिमटना ... 84
91. प्लाटून या कंपनी का मध्य से परिनियोजन ... 84
92. गाड़ियों और पैदल यात्रियों के गुजरने के लिए सड़क को दो भागों में बांटना ... 85
93. सिमटना ... 85

अध्याय-15

कंपनी कवायद

94. कंपनी में अफसरों और जवानों की संख्या ... 86
95. अफसरों और अंडर अफसरों की विरचना (फार्मोशन) और स्थान ... 86
96. सजना ... 87
97. प्लाटूनों के निकट कॉलम में लाइन बनाने वाली कंपनी ... 88
98. थमते हुए कंपनी द्वारा लाइन (रैंक) बदलना ... 88
99. निकट कॉलम की कार्रवाई ... 88
100. कॉलम कार्रवाई ... 90
101. लाइन कार्रवाई 92
102. तीनों-तीन के कॉलम में हरकतें ... 93
103. प्लाटून की तीनों-तीन की लाइन से (कॉलम फासले में) कार्रवाई ... 94
104. विसर्जन ... 95

अध्याय-16

समारोह कवायद

105. सामान्य व्यवस्थाएं ... 97
106. निरीक्षण या समीक्षा परेड ग्राउंड ... 98
107. यूनिट-संगठन ... 99
108. परेड फार्मेशन ... 100
109. पैदल यूनिट का कदवार खड़ा होना ... 100
110. पैदल यूनिट की संख्याएं नियम करना ... 100
111. निरीक्षण और समीक्षा के लिए आम हिदायतें... 101

112. अफसरों के लिए विशेष हिदायतें ... 101
113. निरीक्षण या समीक्षा अफसरों की अगवाई करना ... 102
114. राष्ट्रपति और राज्यपालों की अगवाई करना ... 102
115. निरीक्षण ... 103
116. मार्च पास्ट ... 103
117. अफसरों की जगह ... 104
118. कंपनीवार मार्च पास्ट करती हुई बटालियन ... 104
119. कूच कॉलम में मार्च करना... 105
120. तेज चाल में प्लाटूनवार मार्च पास्ट करना ... 105
121. धीरे चाल में प्लाटूनवार मार्च पास्ट करना 106
122. समीक्षा क्रम में आगे बढ़ना ... 107
परिशिष्ट क, ख, ग, घ, ड, और च, छ

अध्याय-17

गार्ड और संतरी

123. परिभाषाएं ... 107
124. गार्ड आरोहण 114
125. गार्ड को कार्यमुक्त करना, तैनाती करना और विसर्जित करना ... 117
126. संतरियों और बदलियों की तैनाती, उन्हें कार्यमुक्त करना, मार्च करवाना और विसर्जित करना ... 119
127. गार्ड को दिन में निरीक्षण के लिए 'लाइन बन' करना ... 119
128. गार्ड को रात के समय लाइन बन करना ... 120
129. संतरियों के लिए सामान्य नियम ... 121
130. गार्ड और संतरियों को दिए जाने वाले सामान्य अनुदेश और उनके द्वारा किया जाना वाला सामान्य अभिनंदन ... 121

अध्याय-18

सलामी गारद

131. संख्या एवं रचना ... 123
132. वर्दी... 125
133. विरचना (फार्मेशन) ... 125
134. ए.डी.सी (परिसहायक) ... 126
135. संचालन अफसर... 126
136. झंडा... 126
137. सैल्यूट ... 126
138. राष्ट्रीय गान... 127
139. निरीक्षण ... 127
140. सामान्य ... 128

अध्याय-19

हर्ष-फायर

141. अवसर ... 129
142. कार्यविधि और कमान शब्द ... 129
143. परेड पर जय बोलना ... 130

अध्याय-20

पासिंग आउट परेड (दीक्षांत परेड)

144. प्रस्तावना ... 131
145. सामान्य निदेश ... 131
146. परेड की संरचना... 131
147. संगठन/संस्थान के प्रमुख का अभिनंदन ... 133
148. विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्तियों का आगमन ... 133
149. विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा परेड का निरीक्षण ... 134
150. शपथ ग्रहण ... 134
151. मार्च पास्ट समारोह ... 135
152. निरीक्षण क्रम में बढ़ना और संस्थान प्रमुख द्वारा रिपोर्ट, पुरस्कार-वितरण एवं विशिष्ट व्यक्तियों का भाषण ... 138
153. परेड मांग (परेड निष्क्रमण) ... 139
154. विशेष नोट ... 139

अध्याय-21

अलंकरण परेड (खण्ड-1)

155. कलर की परिभाषा, उसके भाग व उनके माप ... 141
156. कैरी बैल्ट और उसकी सज्जा ... 141
157. कलर की सज्जा ... 142
158. कलर को खोलना एवं बंद करना... 142
159. उठाव निशान एवं बाजू निशान.... 142
160. उठाव निशान से कांधे निशान और कांधे निशान से उठाव निशान ... 143
161. कलर का फहराना, पकड़ना एवं झुकाना ... 143
162. कलर पार्टी और मार्ग रक्षी ... 144

(खण्ड-2)

163. सामान्य निदेश ... 145
164. अति विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा कलर प्रदान ... 145
165. परेड की संख्या ... 145
166. परेड का विरचना 146
167. बंद कलर का आगमन ... 148
168. पुलिस महानिदेशक का अभिनंदन ... 148
169. विशिष्ट/अति विशिष्ट व्यक्ति का आगमन 148
170. अति विशिष्ट व्यक्ति द्वारा परेड का निरीक्षण ... 149
171. परेड ट्रूप ... 149
172. खाली वर्ग की विरचना.... 150
173. ड्रमों का जमा होना एवं समर्पण क मापदंड ... 150
174. कलर प्रदान करना ... 151

175. निरीक्षण लाइन पर परेड की पुनः विरचना ... 151
176. समारोह-मार्च पास्ट ... 152
177. निरीक्षण क्रम में बढ़ना और अति विशिष्ट व्यक्ति का भाषण ... 153
178. कलर की वापसी ... 153
179. परेड का सौंपना ... 154

अध्याय-22

फेयरवैल परेड (विदाई परेड)

180. प्रस्तावना ... 155
181. सामान्य निदेश ... 155
182. परेड की संख्या ... 155
183. परेड की विरचना ... 156
184. पदमुक्त (जानेवाले) अधिकारी का आगमन ... 157
185. पदमुक्त (जानेवाले) अधिकारी द्वारा परेड का निरीक्षण ... 157
186. समारोह-मार्च पास्ट ... 158
187. निरीक्षण क्रम में खड़े होने एवं भाषण का दिया जाना ... 158
188. पदमुक्त (जानेवाले) अधिकारी की जय-जयकार ... 158
189. सामान्य नोट ... 158

अध्याय-23

अन्त्येष्टि कवायद (ड्रिल)

190. अन्त्येष्टि के समय की जानेवाली कार्रवाई ... 159
191. कब्रिस्तान या शमशान में पहुंचने पर की जाने वाली कार्रवाई ... 160
192. सर्विस के दौरान प्रक्रिया ... 160
193. दागने की प्रक्रिया ... 161
194. शवपेटी ले जाने की प्रक्रिया ... 161
195. उल्टा शस्त्र और शोक शस्त्र करने की प्रक्रिया ... 161
196. अन्त्येष्टि ड्रिल के दौरान तलवार का प्रयोग ... 163
197. अनुबंधन-कमान शब्द ... 164

अध्याय-1

परिभाषाएं

1. संरेखण (अलाइनमेंट) - कोई भी सीधी पंक्ति जिस पर आदमियों को खड़ा किया गया हो या किया जाना हो।

2. कालम - आदमियों को समानांतर और उत्तरवर्ती संरेखण में एक दूसरे के पीछे खड़ा होना तथा एक दूसरे से इतनी दूरी पर खड़ा होना कि दोनों बाजू 90 अंश का कोण बनाते हों। इससे ऐसी पंक्तियां बनेंगी जिनमें से प्रत्येक में तीन कदमों का फासला होगा।

3. निकट कालम (क्लोज कालम) - ऐसा कॉलम जिसके बीच का फासला जरूरत के अनुसार कम कर दिया गया हो। सामान्य प्रयोजन के लिए प्लाटून के निकट कॉलम 12 कदमों की दूरी पर बनाए जाएंगे। कवायद के लिए 7 कदमों का फासला अधिक सुविधाजनक होगा।

4. कूच कॉलम - तीनों-तीन का ऐसा कॉलम जिसमें कॉलम के किसी भी भाग में तीन आदमियों से अधिक आदमी पंक्तिबद्ध न खड़े हों। इसमें अफसर तथा अधिसंख्य (स्यूपर्न्यू-मरीज) शामिल हैं। इसमें आदमी सड़क पर सिमटकर मार्च करते हैं।

5. तीनों-तीन कॉलम- ऐसा कॉलम जिसमें अफसर और अधिसंख्य अपने अपने स्थान पर खड़े रहते हैं, केवल यूनिट का कमान अफसर यूनिट या सब-यूनिट के आगे खड़ा होता है।

6. एक दूसरे के ठीक पीछे खड़ा होना (कवरिंग)- ऐसी कार्रवाई जिसमें आदमी दूसरे आदमी के ठीक पीछे खड़ा होता है।

7. गहराई (डेप्थ)- आदिमियों द्वारा आने से पीछे तक घेरा गया स्थान डेप्थ कहलाता है।

8. निदेश स्टाफ (डायरेक्टिंग बाडी)- आदमियों के समूह यूनिट या अधीनस्थ यूनिट जिस पर किसी फार्मेशन के बहुत से हिस्सों की दिशा फासला और संरेखण या सापेक्षिक स्थिति निर्भर करती है।

9. फासला - आदमियों या आदमियों के समूह के बीच आगे पीछे तक की दूरी को फासला कहते हैं।

10. सजना (ड्रेसिंग)- ठीक ढंग से सीधी लाइन बनाकर पंक्ति बद्ध खड़े होना है।

11. फाइल - आगे की पंक्ति में खड़ा होने वाला आदमी तथा उसके पीछे खड़े होने वाले अन्य आदमियों को फाइल कहते हैं।

12. खाली (ब्लैंक) फाइल - ऐसी या केवल मध्य लाइन का आदमी नहीं होता। फाइल जिसमें मध्य तथा पिछली लाइन का आदमी नहीं होता या केवल मध्य लाइन का आदमी नहीं होता। खाली फाइल बाएं से दूसरी फाइल होती है। यदि आदमी दो लाइनों में खड़े हों तो बाएं से तीसरी फाइल खाली फाइल होती है।

13. फ्लैंक - आदमियों के समूह दोनों तरफ के भाग को फ्लैंक कहते हैं यह उसके अगले या पिछले तरफ के भाग से एकदम विपरीत होता है।

14. निदेश देने वाली फ्लैंक - वह फ्लैंक जिसको देखकर सभी यूनिट मार्च करते हैं या पंक्ति बद्ध खड़े होते हैं।

15. भीतरी (इनर) फ्लैंक - यह निर्देश देने वाली फ्लैंक के नजदीक फ्लैंक होता है तथा जब समूह अपनी दिशा बदलता है तब यह धुरी का कार्य करता है।

16. बाहरी (आउटर) फ्लैक - यह भीतरी या निर्देश देने वाली फ्लैंक के विपरीत होता है। (बहुधा इसे विपरीत फ्लैंक कहा जाता है।)

17. फार्मिंग - दिशा बदलने के तरीके को फार्मिंग कहते है जो व्हीलिंग के विपरीत होता है।

18. सामने (फ्रंट) - किसी निर्धारित समय पर आदमी जिस दिशा की ओर मुंह करके खड़े हों या आगे बढ़ रहे हों फ्रंट कहलाता है।

19. पुलिस विन्यास का अग्रभाग (फ्रंटेज) - मैदान का फैलाव जिसे आदमियों के समूह ने अपनी बगल के फासले से घेर रखा हो।

20. इन्क्लाइन (आधामुड़) - बिना सीधी पंक्ति को बदले हुए ऐसी स्थिति में आना जिसमें आधा दाहिने तथा आधा बाएं मुड़कर और पीछे दोनों ओर एक साथ आगे बढ़ा जाता है।

21. बीच का फासला (इंटरवल) - एक फ्लैंक से दूसरी फ्लैंक तक बने हुए संरेखण पर आदमियों या आदमियों के समूहों के बीच का पार्श्विक स्थान। पैदल आदमियों के बीच फासला दो कुहनियों की दूरी से मापा जाए। प्रत्येक पैदल आदमी के लिए दो लाइनों के बीच 24 इंज पार्श्विक स्थान रखा जाए। तीन रैंकों के बीच एक हाथ लंबा पार्श्विक स्थान हो। एक हाथ लंबा स्थान नापते समय मुट्ठी बंद रखी जाए।

22. पंक्ति - जिस पंक्ति में यूनिट खड़ी हो उसे पंक्ति कहते हैं।

23. मार्कर - कुछ परिस्थितियों में गति संबंधी दिशा निर्देश देने के लिए या फार्मेशन या संरेखण का विनियमन करने के उद्देश्य से बिंदू निर्धारित करने के लिए लगाए गए कार्मिक।

24. मास - प्लाटनों के निकट कॉलम की पंक्ति में खड़े होने पर कंपनियों सहित बटालियनों के बीच में रखा जाने वाला 5 कदम का फासला।

25. खुली लाइन (ओपन आर्डर) - समारोह या निरीक्षण के प्रयोजन के लिए लाइनों के बीच बढ़ा हुआ फासला।

26. निकट लाइन (क्लोज आर्डर) - पंक्ति के रैंकों में रखा जाने वाला सामान्य फासला।

27. पेस - पैरों के फासले को मापने का नाप जो 30 इंच का होता है। गति की रफ्तार को भी पेस कहते हैं।

28. रैंक - आदमियों की साथ-साथ बनी हुई पंक्ति।

29. सिंगल फाइल - आदमियों की एक ऐसी पंक्ति जिसमें केवल एक आदमी आगे होता है और बाकी सब उसके पीछे (एक दूसरे के पीछे मार्चिंग के आम फासले पर खड़े होते हैं।)

30. अधिसंख्य - ऐसे एन.सी.ओ. आदि जो यदि फाइल फार्मेशन में हों तो तीसरी लाइन बनाते हैं। यदि तीनों-तीन में हों तो चौथी पंक्ति में खड़े होते हैं।

31. हीलिंग - ऐसी हरकत जिसके द्वारा परेड करते हुए आदमियों का एक समूह अपनी दिशा बदलता है। इसमें फाइल का प्रत्येक रैंक इनर फ्लैंक के गिर्द घूमता है परंतु अपनी ड्रैसिंग को पूर्ववत बनाए रखता है।

अध्याय - 2

खण्ड - 1

कवायद का उद्देश्य

परेड के मैदान में होने वाली कवायद का मुख्य उद्देश्य रंगरूट में ऊंचे दर्जे के अनुशासन के पालन की भावना का निर्माण करना, उसे बनाए रखना, अच्छी वेषभूषा पहनना तथा रंगरूट और पुलिस बल में स्वाभिमान को बनाए रखना है। पुलिस बल में उक्त गुणों को विकसित करके साथ-साथ परेड के मैदान में सही ढंग से कवायद करने पर अप्रत्यक्षरूप से, आदमी में आत्मसम्मान की भावना का विकास होता है जिससे पुलिस बल शक्तिशाली होता है, उनमें एकता और एक समान उद्देश्य की भावना विकसित होती है। कवायद करने से शरीर और मन में सामंजस्य स्थापित होता है। शरीर और मन के इसी सामंजस्य के आधार पर इन्हें सेवा संबंधी अन्य प्रशिक्षण देने में सहायता मिलती है।

2. किसी विशिष्ट परेड में भाग लेने वाले जवानों द्वारा की गई उच्च स्तर की कवायद केवल उन्हीं के लिए महत्वपूर्ण नहीं होती बल्कि कवायद के दर्शकों को भी बल के जवानों पर विश्वास और गर्व महसूस होता है। सामान्यतः जनता नगरों और ग्रामीण इलाकों में ड्यूटी पर तैनात पुलिस के एक जवान या इनके किसी छोटे मोटे दस्ते को तो प्रायः देखती है लेकिन पुलिस की बड़ी फार्मेशनों को एक दक्ष और अनुशासित रूप में देखने--परखने के बहुत कम अवसर मिलते हैं। पुलिस बल के लिए समारोह कवायद ही एक ऐसा अवसर होता है जब वह जनता के सामने अपने ऊंचे दर्जे के प्रशिक्षण और अनुशासन का पूरा-पूरा प्रदर्शन कर सकता है।

3. कवायद जवानों को फील्ड कार्य का प्रशिक्षण देने में भी महत्वपूर्ण सहायता करती है क्योंकि कवायद से जवान आदेशों का कड़ाई तथा निश्चित रूप से पालन करना सीखता है तथा बल के जवानों में उस बल के लिए गर्व और विश्वास का अहसास पैदा होता है। सही ढंग से कवायद करने से जवानों को अपना व्यक्तिगत एहसास भुला कर सामूहिक वजूद का एहसास करने में सहायता मिलती है जिससे सामूहिक मनोबल और मिल जुलकर कार्य करने की भावना विकसित होती है।

खण्ड - 2

2. कवायद शिक्षण के सिद्धांत

कवायद प्रशिक्षण को इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि प्रशिक्षण देना एक कला है और इसका इसी दृष्टि से अध्ययन करना आवश्यक है। उसे हमेशा अपने विषय के मुख्य उद्देश्य को ध्यान में रखना चाहिए। यह उद्देश्य है उच्च स्तर का अनुशासन विकसित करना और रखना, वेशभूषा तथा आचरण अच्छा रखना तथा कोर की भावना को बनाए रखना। वह हमेशा अपने स्क्वाड को उन गुणों के बारे में बताते रहे जिन्हें कवायद के माध्यम से जवानों में विकसित किया जाना है। कवायद प्रशिक्षक को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि उसकी स्क्वाड विभिन्न शारीरिक हरकतों के मूल उद्देश्यों को समझती है। उसे केवल अपने आदेशों की तामीर करवाने वाला ही नहीं बन जाना चाहिए और न ही उसे यह समझ लेना चाहिए कि चिल्लाने और धमकाने आदि से उद्देश्य की प्राप्ति हो सकती है। इसके साथ साथ अपने स्क्वाड के प्रति उसका रवैया दृढ़ और सुनिश्चित होना चाहिए। कवायद प्रशिक्षक से जवानों की सभी हरकतों में केवल बहुत ही उच्च स्तर देखने की अपेक्षा रखनी चाहिए। अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए स्वयं प्रशिक्षक में वे सब गुण होने चाहिए जिन्हें कवायद द्वारा विकसित करने का उद्देश्य हो। वस्तुतः उसे स्वयं अपना उदाहरण देकर ही जवानों को प्रशिक्षित करना चाहिए।

खण्ड - 3

3. तैयारी

एक कवायद प्रशिक्षक को अपना पाठ उसी प्रकार विस्तृत रूप से सावधानी पूर्वक और ध्यानपूर्वक तैयार करना चाहिए जिस प्रकार अन्य विषयों के पाठ तैयार किए जाते हैं। उसे पहले ही अपने पाठ के बारे में विचार कर लेना चाहिए तथा जिस विषय के बारे में सिखाना हो उसके बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। कवायद प्रशिक्षक को अपने पाठ्य विषय की रूपरेखा तैयार करते समय अपने स्क्वाड की स्थिति और क्रम व्यवस्था का ध्यान रखना चाहिए। स्क्वाड को इस प्रकार व्यवस्थित करना चाहिए कि इसके किसी सदस्य का चेहरा या पीठ सूरज की ओर न रहे। यदि संभव हो तो पूरे स्क्वाड को छाया में ही रखा जाए।

खण्ड - 4

4. शिक्षण का तरीका

कवायद में हरकत शिक्षण का मुख्य साधन है। केवल शब्दों का कोई महत्व नहीं है। स्क्वाड अधिक बोलने वाले प्रशिक्षक का सम्मान नहीं करेगा। अतः निम्नलिखित बातों का हमेशा ध्यान रखना चाहिए :

(क) पूरा प्रदर्शन

(ख) स्पष्टीकरण के साथ साथ संख्या-वार प्रदर्शन (यदि अधिसंख्या उपस्थिति हों तो प्रदर्शन के लिए उनकी सेवाएं उपयोग में लाई जाएं।) शिक्षक ड्रिल की हरकतों के बारे में बताएंगे।

(ग) स्क्वाड द्वारा संख्या के अनुसार सामूहिक अभ्यास।

(घ) संख्या के अनुसार अलग-अलग अभ्यास।

(ङ) स्क्वाड द्वारा सामूहिक रूप से गिनती करते हुए अभ्यास।

(च) स्क्वाड द्वारा सामूहिक रूप से समय का अनुमान लगाते हुए अभ्यास।

2. प्रशिक्षक कवायद की हरकतों के पूर्ण प्रदर्शन के समय अपनी हरकतों के बारे में स्पष्टीकरण न दे। वह किसी गलत तरीके से हरकत का प्रदर्शन नहीं करेगा। प्रशिक्षक व्यक्तिगत अभ्यास के समय प्रत्येक व्यक्ति की हरकतों की जांच करेगा और उसकी गलतियां उसको बताएगा।

3. कवायद प्रशिक्षक को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि वह अन्य प्रशिक्षकों के समान एक प्रशिक्षक है। उसे अपने स्क्वाड को शिक्षण देते समय शिक्षण के सामान्य सिद्धांत और पद्धतियां अपनानी चाहिए। किंतु इसके साथ-साथ इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि वह जो प्रदर्शन करेगा उससे स्क्वाड की कार्यक्षमता घटेगी या बढ़ेगी। अपने स्क्वार्ड को कवायद संबंधी कोई आदेश वास्तव में देते समय वह स्वयं भी सावधान की स्थिति में खड़ा रहेगा। हालांकि इसके बाद वह स्क्वाड की चूकों और गलतियों की जांच करने के लिए कोई भी हरकत करने के मामले में स्वतंत्र होगा।

4. प्रशिक्षित व्यक्ति को कवायद करवाते समय प्रशिक्षक को सावधान की स्थिति के अलावा अन्य स्थिति में आना आवश्यक नहीं होगा किंतु प्रशिक्षक का अपने स्क्वाड के सामने प्रदर्शन करना और स्क्वाड की गलतियां ठीक करना आवश्यक और वांछनीय है। दूसरे इस बात पर जितना अधिक बल दिया जाए उतना ही कम है कि कवायद में प्रशिक्षण को उदाहरण प्रस्तुत करके बढ़िया और प्रभावी बनाया जा सकता है। प्रशिक्षक के विभिन्न गुण अर्थात् व्यक्तिगत तौर-तरीके और प्रबंध का स्क्वाड पर लाजमी तौर पर और पूरा-पूरा प्रभाव पड़ता है। अतः प्रशिक्षक का कर्तव्य है कि वह स्क्वाड के सामने अपना उच्च आदर्श प्रस्तुत करे और स्क्वाड के व्यक्तियों को अपने उदाहरण द्वारा उस स्तर तक लाने के लिए शिक्षण के मूलभूत तरीकों का इस्तेमाल करे।

खण्ड - 5

5. प्रशिक्षण के समय की व्यवस्था और समाप्ति

शिक्षण की समय सारणी इस प्रकार बनाई जाए कि इसमें विविधिता रहे। निरुद्देश्य कवायद की असंगठित अवधियां निरर्थक होती हैं और इससे स्क्वाड कुछ भी नहीं सीख पाता। किसी भी एक प्रकार की कवायद के लिए एक बार में पंद्रह मिनट से अधिक समय नहीं देना चाहिए।

2. एक बार में चालीस मिनट से अधिक प्रशिक्षण नहीं देना चाहिए। कवायद के आखिरी पांच मिनटों में ''अच्छी कवायद'' करवाई जाए अर्थात वह हरकत जिसके बारे में प्रशिक्षक यह समझता है कि उसका स्क्वाड उसे भली भांति कर सकता है। इस प्रकार जब स्क्वाड परेड के मैदान से जाएगा तब उसके मन में कुछ कर सकने और अपने प्रदर्शन के बारे में गर्व की भावना होगी।

खण्ड - 6

6. पिछड़ा हुआ जवान

कवायद प्रशिक्षण को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने स्क्वाड में किसी पिछड़े हुए जवान को भला बुरा न कहे और न ही अपने कटाक्ष का शिकार बनाए। किसी जवान में यह भावना पैदा नहीं होने देना चाहिए कि वह स्क्वाड में पिछड़ा हुआ या कमजोर है। शिक्षक को बार-बार पिछड़े जवान का नाम नहीं पुकारना चाहिए। प्रशिक्षक को बड़ी सर्तकता से धीरे-धीरे स्क्वाड में पिछड़े हुए जवान के पास जाकर उसके सामने खड़े होकर बताना चाहिए कि वह कहां गलती कर रहा है। इस प्रकार धैर्यपूर्वक और समझदारी से सिखाने से धीरे-धीरे सीखने वाले जवान में सुधार होगा इस प्रकार उचित व्यवहार में यही पिछड़ा हुआ व्यक्ति अंत में स्क्वाड का सबसे अच्छा जवाब बन जाएगा।

खण्ड - 7

7. कवायद सीखने वाले रंगरूट के लिए सामान्य हिदायतें

कवायद का उद्देश्य अनुशासन सिखाना और बनाए रखना है। कवायद बहुत ही अच्छी तरह से हो यह अत्यंत जरूरी है। खराब ढंग से कवायद करने से अनुशासन बिगड़ता है। यह बात अत्यंत महत्व रखती है कि कवायद किस प्रकार की जा रही है। विविध प्रकार की और बहुत अधिक ड्रिल करने की अपेक्षा थोड़े समय के लिए अच्छी कवायद करना बेहतर है तथापि यह जरूरी है कि कवायद का स्तर पहले की अपेक्षा निरंतर उच्च बनाया जाए और ड्रिल के लिए जितना समय दिया जा सकता हो उसमें कमी की जानी चाहिए।

2. परेड के मैदान में प्रत्येक हरकत चुस्ती से की जानी चाहिए। मुड़ते समय सावधान या विश्राम की स्थिति में आते समय जोर से पैर पटकने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

3. निम्नलिखित खण्डों में दिया गया कवायद की हरकतों का ब्यौरा केवल प्रशिक्षकों की जानकारी के लिए है। ये अनुदेश परेड के मैदान में खण्ड जवानों का शब्दशः न सुनाए जाएं।

4. जब रंगरूटों को कोई विशिष्ट गति या हरकत सिखानी हो तब प्रशिक्षक पहले, अपने चारों तरफ स्क्वाड को इकट्ठा करेगा और उन्हें सरल भाषा में यह बताएगा कि उन्हें क्या करना है। जब उसे पता चल जाए कि स्क्वाड में रंगरूट उसकी बात समझ गए हैं तो वह स्वयं वह विशिष्ट हरकत करके दिखाए। हरकत दिखाते समय यह स्वयं या अपने प्रदर्शनकर्ता द्वारा की गई हरकत का ब्यौरा स्क्वाड को देगा। इसके बाद स्कवाड को वहीं हरकत करने के लिए कहा जाएगा, पहले संख्या के अनुसार, बाद में अलग-अलग अभ्यास करवा कर, क्षीसरे चरण में सामूहिक रूप से समय गिन कर और चौथे चरण में समय का अनुमान लागते हुए कार्रवाई कराएगा। इस संदर्भ में इस बात पर जोर दिया जाता है कि रंगरूट हरकतों का अभ्यास करके उन्हें सीखेंगे। अतः अलग अलग अभ्यास करवाते समय उनकी गलतियां सुधारी जाएं।

5. रंगरूटों को यह बात सिखाई जाए कि परेड करते समय प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य होगा कि वह हर समय सिधाई में हो, चाहे डाएरेक्टिंग फ्लैंक किसी भी फ्लैंक में क्यों न हो। यह सिद्धांत खड़े होते समय तथा चल

कर थम होने के बाद भी अमल में लाया जाए लेकिन सेरिमोनियल ड्रिल में तब तक ऐसा नहीं किया जाएगा जब तक उन्हें किसी हरकत के पूरा होने के बाद सिधाई लेने का या सजने का आदेश न मिले।

6. जवानों को शिक्षण के दौरान अभ्यास के मध्य, थोड़े समय के लिए विश्राम का समय दिया जाए।

7. जब स्क्वाड के कुछ जवानों की विशिष्ट हरकत की अलग-अलग परीक्षा ली जा रही हो तो उस समय बाकी जवानों को आराम से खड़े होने की आज्ञा दी जाए या उन्हें अपने समय में अभ्यास करने दिया जाए।

8. कवायद की जिन हरकतों में दो या उससे अधिक कारवाई हो उनमें रंगरूट को प्रत्येक हरकत के बाद रुकने के समय में एक-सा विराम देने का प्रशिक्षण दिया जाए। आरंभिक शिक्षण के समय स्क्वाड का हर जवान हर हरकत करते समय गिनती बोलेगा। ऐसा करने से एक मिनट में 40 हरकत निश्चित हो जाती है।

खण्ड - 8

8. कमान शब्द (वर्डस् आफ कमाण्ड)

1. अच्छी कवायद अच्छे कमान शब्दों पर निर्भर करती है।

2. कवायद प्रशिक्षकों और कवायद करवाने वाले जिम्मेदार व्यक्तियों को कमान शब्द बोलने का बार-बार अभ्यास करना चाहिए। इससे उनमें स्पष्ट और जोर से कमान देने के मामले में आत्म विश्वास आएगा तथा उन्हें अपनी आवाज को सबसे अच्छी तरह प्रयोग करने की आदत पड़ेगी। इस संबंध में यह बात ध्यान में रखी जाए कि छह व्यक्तियों की स्क्वाड को उतने जोर से कमान देने की आवश्यकता नहीं है जितनी एक बटालियन को।

3. जिन कमानों में एक ही शब्द हो और उनसे पहले सतर्क करने वाले शब्द का इस्तेमाल किया जाए तो कमान शब्द का प्रारंभिक या सतर्क करने वाला भाग सुविचारित और स्पष्ट होना चाहिए तथा नियमानुसार अंतिम या हरकत के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द में केवल एक शब्द या अक्षर होना चाहिए और इस शब्द का उच्चारण तेजी से करना चाहिए (उदाहरणार्थ 'प्लाटून' शब्द धीरे-धीरे बोला जाए और 'थम' तेजी से बोला जाए) 'सतर्क' करने और 'हरकत' करने के कमान शब्दों के बीच एक-सा विराम दिया जाए। किंत यदि ऐसा कोई दिया जाने वाला आदेश हो जिसका जल्दी से पालन न हो सकता हो (उदाहरणार्थ घूमना जिसके पालन में कुछ समय लगता है) उसे धीरे-धीरे बोला जाए। उदाहरणार्थ 'बाएं घू- म'।

4. इस पुस्तिका में सतर्क करने और हरकत करने के लिए दिए गए कमान शब्द सामान्यतः केवल एक बाजू को (फ्लैंक) आधार मानकर लिखे गए हैं जिनमें यथा आवश्यक परिवर्तन करके दूसरी फ्लैंक के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

5. कमान शब्द सदैव साफ और संक्षिप्त होने चाहिए। अस्पष्ट और धीरे-धीरे बोले गए शब्दों से हरकतों की गति भी मंद हो जाती है। अतएवं इनसे बचना चाहिए।

6. कमान शब्द बोलते समय प्रशिक्षकों को सावधान की मुद्रा में खड़ा होना चाहिए, स्क्वाड के साथ-साथ नहीं चलना चाहिए। प्रशिक्षकों को एक ही स्थान पर सावधान की मुद्रा में खड़े होकर जवानों से हमेशा चुस्त और फुर्तीलेपन का आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए।

7. एक बात हमेशा ध्यान में रखनी चाहिए कि कमान शब्द आदेश होता है। इनका पालन चुस्ती से और सही ढंग से होना चाहिए। शिक्षक को कमान शब्द बोलने के बाद स्क्वाड की कवायद की हरकतों का अवलोकन करना चाहिए तथा हरकत को धीरे-धीरे करने की प्रवृत्ति को रोकना चाहिए। उदाहरणार्थ यदि जवानों को सावधान होने के लिए कहा जाए या कोई हरकत पूरी होने के बाद आराम की मुद्रा में खड़े होने के लिए कहा जाए तो पूर्णतः स्थिर और शांत रहने पर जोर दिया जाए। स्क्वाड को कवायद करते समय आपस में बातचीत नहीं करनी चाहिए। कवायद के संबंध में यह सिद्धांत होना चाहिए कि दूसरी मुद्रा तब तक आरंभ न की जाए जब तक पहली मुद्रा एकदम सही-सही प्रकार से नहीं कर ली जाती। यदि शुरू-शुरू में गलतियों और धीरे-धीरे हरकत करने की आदत को सुधारने की ओर ध्यान नहीं दिया गया तो आगे चलकर स्क्वाड में अनुशासन नहीं रहेगा। अनुशासन के अभाव में कोई शक्ति उन्हें प्रशिक्षित नहीं कर सकती और नहीं कोई जवान अपनी ड्यूटी दक्षतापूर्वक कर सकता है।

8. यदि कोई कमान शब्द देने के बाद स्क्वाड को अपनी पहले वाली अवस्था में लाना होता तो 'जैसे थे' शब्द कहा जाए।

9. ड्रिल करने के लिए बनाए गए कमान शब्द युद्ध-क्षेत्र (फील्ड) में प्रयोग के लिए नहीं है। ये कमान शब्द रंगरूटों के दिमाग और शरीर को प्रशिक्षण देने के लिए बनाए गए हैं ताकि नेता के आदेशों का कठोरतापूर्वक पालन करने की इनकी आदत बन जाए।

क्लोज आर्डर ड्रिल करने वाले जवानों को दिए जाने वाले कमान शब्दों का समय नीचे सारणी में बताया गया है :

कमान शब्द	**धीमी चाल में**	**तेज चाल में**
1. थम	(2) जैसे ही बायां पैर दाहिने पैर की सेध में जमीन पर आता है।	(3) जैसे ही दाहिने पैर जमीन पर लगता है।
2. पीछे मुड़	जैसे ही दाहिना पैर जमीन पर बाएं पैर की सीध में आता है।	जैसे ही बायां पैर जमीन पर लगता है।
3. दाहिने मुड़, आधा दाहिने मुड़, दाहिने बन, दाहिने को स्क्वाड बना।	जैसे ही आगे बढ़ने के लिए बायां पैर दाहिने पैर की सीध में आ जाता है।	जैसे ही दाहिना पैर जमीन पर लगता है।
4. बाएं मुड़, आधा बाएं मुड़, बाएं बन, बाएं को स्क्वाड बना	जैसे ही दाहिना पैर आगे आते हुए बाएं पैर की सीध में आ जाता है।	जैसे ही बायां पैर जमीन पर लगता है।
5. कदम ताल	जैसे ही दाहिना पैर आगे आते हुए दाएं पैर की सीध में आ जाता है।	जैसे ही बायां पैर जमीन पर लगता है।
6. कदम ताल पर थम	जैसे ही दाहिना घुटना पूरा ऊपर उठे।	जैसे ही दाहिना पैर जमीन पर लगता है।
7. कदम ताल पर आगे	जब बायां पैर जमीन को छूता है।	जब बायां पैर जमीन पर लगता है।
8. तेज चाल में आ, तेल चल	.. वही	..
9. धीरे चाल में आ, धीरे चल	..	जैसे ही बायां पैर जमीन पर लगता है।
10. दौड़ चाल में आ, दौड़ के चल		जैसे ही बायां पैर जमीन पर लगता है।

खण्ड - 9

9. निरीक्षण

1. (1) जब तीन रैंक में परेड कर रहे स्क्वाड का निरीक्षण करना हो तो निरीक्षण के लिए रैंकों को खोलना होगा और निरीक्षण होने के बाद निकट लाइन में लाना होगा। इसके लिए निम्नलिखित आदेश होंगे :-

(क) खुली लाइन चल : इसमें सामने की लाइन दो कदम आगे और पिछली लाइन दो कदम पीछे होगी।

(ख) निकट लाइन चल : इसमें सामने की लाइन दो कदम पीछे और पिछली लाइन दो कदम आगे होगी। रैंक फिर से निकट लाइन बनाएंगे। अगला रैंक दो कदम पीछे जाएगा और पिछला रैंक दो कदम आगे बढ़ेगा। इस पूरे समय के दौरान बीच वाली रैंक सावधान की स्थिति में स्थिर खड़ी रहेगी।

(2) कवायद प्रशिक्षक अपने जवानों की व्यक्तिगत सफाई, हथियार तथा अन्य साज सामान और वर्दी की हालत देखेगा। जवानों को हमेशा साफसुथरी और चुस्त वर्दी पहनने पर जोर दिया जाए। इस संबंध में शिक्षक नए रंगरूट के सामने स्वयं एक ऐसा उच्च आदर्श प्रस्तुत करेगा जिसका वह रंगरूट अनुकरण करेगा। मनुष्य, अच्छी आदतें किसी का प्रत्यक्षण उदाहरण देखकर जल्दी सीखता है किसी अन्य पद्धति से नहीं।

(3) कवायद प्रशिक्षकों को निरीक्षण के तरीके के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वह परेड की ओर एक बार देखकर पता लगा सके कि उसके जवान अच्छी तरह से वर्दी में हैं या नहीं।

(4) यदि किसी ऐसे जवान को अपनी वर्दी ठीक करने का आदेश दिया गया हो जो सामने या बीच की लाइन में खड़ा हो तो वह एक कदम आगे बढ़ेगा तथा यदि ऐसा जवान पिछली लाइन में खड़ा हो तो वह एक कदम पीछे जाएगा तथा वर्दी ठीक करने के बाद वे अपनी-अपनी लाइन में आ जाएंगे।

(5) अनुभव प्राप्त हो जाने के बाद निम्नलिखित मुद्दे अभ्यास जनित हो जाते हैं और इनका पता निरीक्षण के दौरान और जवानों द्वारा उनके अनुपालन के समय लग जाता है।

जब तक वर्दी इस्तेमाल करने लायक हो उसे पहनना चाहिए। वर्दी अगर कुछ घिसी हुई भी हो तब भी वह साफ सुथरी सही ढंग से प्रेस और मरम्मत की हुई होनी चाहिए।

(6) निरीक्षण कार्य आमतौर पर सामने की लाइन के दाहिने जवान से शुरू किया जाता है और ऊपर से नीचे की तरफ जारी रखा जाता है। सामने की लाइन का निरीक्षण पूरा होने के बाद मध्य और पिछली लाइन का निरीक्षण किया जाता है। हथियारों का निरीक्षण करने के पहले आदमियों का निरीक्षण किया जाता है। अगली लाइन का निरीक्षण पूरा करने के बाद अन्य दोनों लाइनों का इस प्रकार निरीक्षण किया जाता है।

2. सामान्य प्रभाव :- क्या जवान साफ सुथरा है, क्या उसकी वर्दी साफ और चुस्त है, प्रेस हुई है, ठीक ढंग से पहनी हुई है? क्या उसके हथियार साफ हैं क्या वह सावधान की स्थिति में सही ढंग से खड़ा है?

टिप्पणी : निरीक्षण शुरू करने से पहले देखा जाए कि सब जवान सही स्थिति में खड़े हैं और यदि कोई जवान सही स्थिति में न खड़ा हो तो उसे ठीक कर देना चाहिए। निरीक्षण के दौरान निरीक्षण करने वाले अफसर के साथ प्लाटून या टुकड़ी का कमाण्डर भी होना चाहिए। प्लाटून या टुकड़ी का कमाण्डर निरीक्षण करने वाले अफसर की बातों को नोट करेगा।

3. सिर का पहनावा

(क) ''सामने'' से

(1) क्या हैट, पगड़ी या कैप साफ है तथा इसमें पसीना और तेल आदि तो नहीं लगा हुआ?

(2) क्या सिर का पहनावा सही ढंग से सिर पर रखा गया है या पीछे की ओर जा रहे हैं या एक ओर झुका हुआ है?

(ख) ''पीछे से''

(1) क्या सिर का पहनावा पीछे से साफ है?

(2) क्या बाल छोटे हैं? यदि इस संबंध में कोई शक हो तो जवान से टोपी आदि उतारने के लिए कहा जाए जिससे यह पता लग सके कि बाल बढ़े तो नहीं है?

4. चेहरा और गर्दन साफ हो तथा दाढ़ी बनाई हुई हो।

टिप्पणी :- इस बात का ध्यान रखें कि जवानों की आंखें निरीक्षण करने वाले अफसर का पीछा न करें।

5. कमीज

(क) सामने से -

(1) कमीज अच्छी तरह फिट होनी चाहिए तथा ठीक प्रकार से अंदर दबी हुई और मुड़ी हुई होनी चाहिए।

(2) कमीज में अच्छी तरह से कलफ लगी हो यदि लंबी आस्तीन की कमीज पहनी हो तो बाहें भली-भांति मुड़ी हों।

(3) बटन टूटे हुए न हों तथा मजबूती से लगे हुए हों।

(4) रैंक का ओहदा और पदनाम के बैज आदि साफ होने चाहिए तथा ठीक लगे हों।

(5) सिलाई की जगह से धागे आदि निकले हुए नहीं होने चाहिए।

(6) यदि ट्यूनिक पहनी हो तो इस बात का ध्यान रखें कि इसमें कलफ अच्छी तरह लगी हुई हो तथा कमीज का कालर और टाई सही ढंग से लगे हैं और साफ हैं।

(7) देखें कि बटन साफ हैं और सही ढंग से लगाए गए हैं।

(ख) पीछे से :

(1) क्या कालर साफ है?

(2) क्या कमीज का पिछला भाग ठीक प्रकार से अंदर दबा हुआ और नीचे खिचा हुआ है?

6. पेटी (बेल्ट)

(क) सामने से :

(1) यह इतनी मजबूती से और कस कर बांधी गई होती कि मार्च करते समय संगीन के वजन से एक तरफ नीचे न खिसक जाए।

(2) वक्कल आगे ठीक बीच में तथा कमीज की बटनों की सीध में होने चाहिए। यदि बेब वल्ट हो तो पीतल के लूप बक्कल से एक इंच दूर होने चाहिए।

(3) बेल्ट की पीतल और चांदी की फिटिंग अच्छी प्रकार पालिश होनी चाहिए।

(4) यदि ट्यूनिक पर क्रास बोल्ट पहनी हो तो यह देखे कि यह कालर से पहने के दो बटनों को बीच से क्रास करें।

(ख) पीछे से :

(1) यदि बेल्ट के साथ फ्राक पहना हो तो यह बाएं कूल्हे की तरफ हो - हथियारों के नीचे या पीठ के पतले भाग में नहीं होनी चाहिए।

(2) बेल्ट के पिछले फिटिंग साफ होने चाहिए।

7. हाथ : हाथ साफ होने चाहिए। इन पर तंबाकू या किसी अन्य चीज के दाग नहीं होने चाहिए। नाखून साफ तथा कटे हुए होने चाहिए।

8. निकर और पैंट

(1) निकर और पैंट भली भांति विशेष रूप से कमर से, फिट हों।

(2) ये विनियमों में दिए तरीके से मिली हो, इनमें कलफ ठीक लगी हुई हो तथा क्रीज ठीक हो।

9. हौजटाप्स

(1) ये अनुमोदित रंग की हो।

(2) ये घुटने के एकदम नीचे बंधे हुए हों तथा इसके ऊपरी मोड़ सही ढंग से मुड़े हुए हों और यह मोड़ लगभग 4 इंच का हो।

(3) यदि गेटर पहने हों तो इन्हें भी देख लें।

10. पट्टी और एन्कलेट

पट्टियां :

(1) स्वीकृत डिजाइन और रंग की हों।

(2) ये भली भांति बंधी हुई हों तथा टेप का बो एंकल की सीध में और सफाई से बधा हो।

(3) यदि घुटने के आसपास लपेटा जाए तो इसमें दो से अधिक घेरे नहीं दिखाई देने चाहिए।

एंकलट

(1) इनका आकार जरूरत के अनुसार होना चाहिए। ये इतने बड़े होने चाहिए कि इनमें सलवट न पड़े तथा साइड से बाहर न निकल जाएं या उभर न आए। इनको इतनी मजबूती से बांधा जाए कि ये सीधे रहें - और घुटने के पास मुड़ न जाएं।

(2) किनारा और फीते घिसे हुए नहीं होने चाहिए।

(3) यदि बक्कल पीतल के हों तो इन्हें आगे और पीछे दोनों तरफ से साफ किया जाए।

11. बूट

(क) सामने से

(1) बूट अच्छी तरह से मरम्मत किए हुए हों, इनमें दरारे न हों, फीते मजबूत हों, ये मुड़े हुए या गांठ वाले न हों तथा इतने कसकर बंधे होने चाहिए कि फीतों के छेद सट जाएं।

(2) बूट सफाई के पालिश हुए हों।

(3) सावधान की स्थिति में पैरों का कोण सही (30 डिग्री) हो। यदि हथियार उठाये हों तो कुंदे का अगला भाग बूट के पंजे की सीध में हो।

(ख) पीछे से :-

(1) दोनों एड़ियां एक साथ और एक लाइन में हों।

(2) बूट के तले अच्छी तरह से मरम्मत शुदा है या नहीं और उन पर स्टड लगे हुए हैं या नहीं यह देखने के लिए कुछ जवानों को एक पैर एक साथ उठाने के लिए कहें।

12. हथियारों का निरीक्षण

(1) हथियार साफ तथा सूखे होने चाहिए।

(2) स्लिंग मजबूत और ठीक से बंधी हुई हों।

(3) आर्डर के लिए तैयार रहने की पोजीशन में यह देखें कि साइट गिरी हुई हो तथा सुरक्षा तालक (सेफ्टी कैच) पीछे हो।

अध्याय - 3

स्क्वाड-कवायद - थम की हालत में

खण्ड -1

10. फासला रखकर स्क्वाड बनाना

एक लाइन में एक हाथ की दूरी पर कुछ जवानों को खड़ा किया जाता है। इस प्रकार खड़े होने पर स्क्वाड को, फासले पर खड़ा स्क्वाड कहा जाता है।

2. एक लाइन में खड़े स्क्वाड को अच्छी तरह हिदायत दी जा सकती है। किंतु स्थान की कमी हो तो स्क्वाड को दो लाइनों में खड़ा किया जा सकता है। ऐसा होने पर पिछली लाइन के जवान पहली लाइन में खड़े जवानों के बीच के फासले में खड़े होंगे जिससे मार्चिंग करते समय वे अध्याय 4 के खण्ड-2 में निर्दिष्ट स्थान पर खड़े हो सकें।

जब रंगरूट खण्ड-5 में दिए अनुसार सजना सीख जाएं तो उन्हें बिना किसी अगले आदेश के लाइन में खड़ा होना, जल्दी से सीधी पंक्ति बनाना तथा फासला ठीक करना सिखाया जाएगा।

स्क्वाड में किसी भी पोजीशन पर खड़े रहने पर किस प्रकार सजा जाता है यह सीखने के लिए रंगरूट के खड़े रहने का स्थान बदलते रहना चाहिए।

खण्ड- 2

11. सावधान

'स्क्वाड सावधान'

निम्नलिखित स्थिति में आएं :- दोनों एड़ियां मिली हुईं तथा सिधाई में हों। पैर आगे से 30 डिग्री के कोण पर हों और घुटने सीधे हों शरीर तना हुआ हो तथा शरीर में जांघों से ऊपर सिधाई हो (कंधे सीधे और सामने से बराबर हों) कंधे नीचे की ओर तथा मामूली से पीछे की ओर हों जिससे छाती सामान्यतः उठी हुई रहे तथा इसके लिए विशेष जोर न लगाना पड़े तथा छाती कड़ी न करनी पड़े। बाहें कंधों से इस प्रकार सिधाई पर लटकी हों जितना बाहों को प्राकृतिक रूप से मोड़ सकने के लिए जरूरी हो। हाथ की कलाइयां सीधी हों मुट्ठी बंद हो तथा थोड़ी सी कसी हुई हों। अंगुलियों का पिछला हिस्सा जांघों को कुछ छूता हुआ हो। अंगूठा सामने की तरफ और तर्जनी के पास हो और दोनों अंगूठे पैंटों या निकरों की सिलाई के साथ लगे हों। गर्दन सीधी हो। सिर गर्दन पर बीचों बीच हो आगे की ओर निकला हुआ न हो, आंखें अपनी ऊंचाई की सीध में ठीक सामने देख रही हों।

शरीर का भार दोनों पैरों पर बराबर-बराबर होना चाहिए तथा यह पैरों के अगले भाग और एड़ियों पर भी बराबर-बराबर हो।

सांस की गति सामान्य हो तथा न शरीर का कोई भाग अंदर की ओर सिकोड़ा हुआ हो और न ही बाहर की ओर निकाला हुआ हो ।

इस स्थिति में जवान तैयार होता है, कमान-शब्द कहे जा सकते हैं और जब किसी वरिष्ठ अधिकारी से बात करनी हो या अधिकारी उसे संबोधित कर रहा हो तो जवानों को तब भी इस स्थिति में रहना होता है।

सामान्य गलतियां

(1) शरीर का तना होना और ऐसी कृत्रिम स्थिति में होना जिसमें सांस लेने में रुकावट पैदा हो ;

(2) आंखों का अस्थिर होना और हिलना ;

(3) पैर और शरीर सामने सिधाई पर न होना ; एड़ियों का न मिलना ; एक पैर आगे और दूसरा पीछे होना ;

(4) बाहें कुछ झुकी हुई और आगे को निकली हुई होना ;

(5) हाथों का पिछला हिस्सा आगे होना जिससे, स्कंधास्थि (शोल्डर ब्लेड) अधिक खिंची हुई और छाती सिकुड़ी हुई हो।

खण्ड - 3

12. विश्राम की स्थिति में खड़े होना

विश्राम

बायां पैर करीब-करीब 12 इंच बाएं को ले जाएं जिससे शरीर का बोझ दोनों पैरों पर बराबर रहे। इसी समय दोनों हाथ पीछे ले जाओ और दाहिने हाथ का पिछला भाग बाएं हाथ की हथेली पर रखो तथा अंगुलियां तथा अंगूठे से हल्के से पकड़ो तथा बाजुओं को पूरा सीधा होने दो।

जब रंगरूट लाइन में खड़ा हो तब सीध में खड़े होने के बाद विश्राम की स्थिति में खड़ा होगा।

सामान्य गलतियां

(1) पैर को 12 इंच से ऊपर न ले जाना।

(2) दाहिने पैर को हिलाना तथा सीध में न आना।

(3) पैर ऊपर उठाते समय कमर झुकाना।

खण्ड- 4

13. आराम से खड़े होना

आराम से

जवान अंग, सिर तथा शरीर की हरकत कर सकता है लेकिन वह पैर नहीं हिलाएगा जिससे सावधान की स्थिति में आने पर सीध बनी रहे। किसी भी झुकी हुई मुद्रा में खड़े होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यदि जवान का दोनों में से कोई भी पैर हिलेगा तो लाइन सीधी नहीं रहेगी।

''स्क्वाड'' आदि का संकेत मिलने पर स्क्वाड विश्राम की स्थिति में आ जाएगा।

सामान्य गलतियां

(1) पैर हिलाना जिससे सीध बिगड़ जाती है।

(2) झुकना और बातचीत करना।

14. स्क्वाड का निर्धारित फासले से सजना :

एक लाइन में सजना

दाहिने/बाएं-सजना

जिस दिशा में सजने का आदेश दिया गया हो उसमें दाहिने या बाएं खड़े जवान को छोड़कर अन्य सभी जवान एक छोटा तेज कदम (15 इंच) आगे बढ़ेंगे, उस स्थिति में थोड़ी देर रुकेंगे और इसके बाद अपना सिर तथा आंख उस दिशा में दाहिनी या बायीं ओर करेंगे जिस दिशा में सजने का आदेश दिया गया हो तथा अपनी दाहिनी बाजू सीधी फैलाएंगे (सिर्फ सामने की लाइन के जवान) यदि रायफल हाथ में हो तो बायां हाथ बायीं दिशा की ओर फैलाएंगे, मुट्ठी बंद होगी तथा अपनी दाहिनी ओर खड़े जवान के कंधे को स्पर्श करेगी तथा बाद में छोटे-छोटे कदमों से जवान सीध में खड़े हो जाएंगे तथा तब तक सीध में आते रहेंगे जब तक उन्हें अपने से दूसरे नंबर पर खड़े जवान के चेहरे का निचला भाग दिखाई न देने लगे। पैरों की हरकत द्वारा ही शरीर को आगे या पीछे ले जाना चाहिए। कंधे खीचें हुए हों और अपनी वास्तविक स्थिति में हों, जब स्क्वाड भली भांति सज जाए तब शिक्षक निम्नलिखित कमान देगा :-

'सामने देख'

आदेश प्राप्त होते ही सिर तथा आंखों को एक ही झटके से फुर्ती से सामने किया जाएगा तथा हाथों को नीचे लाया जाएगा और जवान सावधान की स्थिति में आ जाएंगे।

सामान्य गलतियां :

(1) दोनों पैर एक साथ जमीन से ऊपर उठा कर आगे की ओर उछलना।

(2) पैर और कंधे सामने की तरफ सीधे न रखना। सीध में खड़े होते समय आगे झुकना।

(3) पैर हिलाते समय कमर का झुकना।

(4) गलत दूरी, फासला ठीक न रखना और सीध में न होना।

खण्ड - 6

15. गिनती से मुड़ना और आधा मुड़ना

1. गिनती से दाहिने मुड़ना - दाहिने मुड़ - एक - उक्त आदेश प्राप्त होने पर दोनों घुटनों को सीधा और शरीर को तानकर दाहिनी एड़ी पर दाहिने पंजे तथा बाय पंजे पर बायीं एड़ी को उठाते हुए 90 अंश पर दाहिने मुड़ो।

यह आरंभिक हरकत पूरी होने के बाद दाहिना पैर जमीन पर बराबर हो तथा बायीं एड़ी उठी हुई हो तथा ऐसा करते हुए दोनों घुटने सीधे हों। शरीर का वजन दाहिने पैर पर हो तथा शरीर तना हुआ हो।

दो- बाएं पैर को चुस्ती से पूरी तरह जमीन से ऊपर उठा कर दाहिने पैर पर लाया जाए।

2. गिनती से बाएं मुड़ना - बाएं मुड़ एक - दो - दाया पैर फुर्ती से बाएं पैर के पास लाएं

उक्त हरकत के लिए दाहिने के स्थान पर बायां कहा जाए जोर शेष आदेश उपर्युक्त से विपरीत क्रम में दिए जाएं।

3. गिनती से आधा मुड़ना - आधा दाहिने मुड़ - एक

इस आदेश पर उसी प्रकार हरकत की जाती है जैसे दाहिने मुड़ का हुक्म मिलने पर की जाती है। केवल 90 अंश मुड़ने के बजाय 45 अंश पर मुड़ा जाता है।

''स्क्वाड दो'' ऊपर दिए अनुसार।

टिप्पणी : सजने और कवर करने के विभिन्न पहलू तत्काल बताये जाएं। प्रत्येक जवान का दाहिना कंधा अगले जवान की पीठ के मध्य में रहे और मध्य और पिछली लाइन के व्यक्तियों का बायां कंधा मूलतः कवर किए गए जवान की पीठ के मध्य में होना चाहिए।

4. गिनती से पीछे मुड़ना

स्क्वाड पीछे मुड़ - एक

ऐसा आदेश मिलने पर दोनों घुटनों को सीधा रखते हुए शरीर तानकर पूरी तरह अपने दाहिने 180 अंश पर दाहिनी एड़ी तथा बाएं पंजे पर घूमकर तथा दाहिने पंजे तथा बायीं एड़ी को ऊपर उठाया जाए लेकिन दाहिनी एड़ी जमीन पर मजबूती से जमा ली जाए। यह हरकत पूरी होने पर दाहिना पैर जमीन पर रखा जाए, बायीं एड़ी ऊपर उठाई जाए, दोनों घुटने सीधे रखे जाएं और शरीर (जो तना हुआ हो) का वजन दाहिने पैर पर हो। मुड़ने की पहली हरकत के दौरान दोनों हाथ शरीर से लगे होने चाहिए तथा हाथ न हिलें।

टिप्पणी : (1) पैंट की प्रत्येक टांग को प्रत्येक हाथ के अंगूठे और तर्जनी से सिलाई वाली जगह को हल्के से पकड़ने पर बहुत सहायता मिलती है/ऐसा करने पर हाथ इधर-उधर तब नहीं हिलेंगे जब स्क्वाड इस कवायद का पर्याप्त अभ्यास कर लें तब पैंट को अंगूठों तर्जनियों से पकड़ने की परिपाटी समाप्त कर दी जाए।

(2) यह कवायद पूरी होने के बाद दोनों जांघों को परस्पर मिलाए रखने में भी इससे सहायता मिलेगी क्योंकि इससे शरीर को संतुलित रखने में सहायता मिलेगी।

'स्क्वाड- दो'

बाएं पैर को जमीन से पूरी तरह ऊपर उठा कर चुस्ती से दाहिने पैर तक लाया जाए।

सभी स्थितियों से मुड़ने के समय हथियार बाजू (साइड) में रखे जाने चाहिए जैसे सावधान की स्थिति में किया जाता है। मुड़ते समय ''समय का ध्यान रखते हुए'' आदेश ''दाहिने'' या बाएं, या पीछे मुड़ आधा दाहिने (या बाएं) मुड़ के लिए होते हैं। ऊपर वर्णित हरकतें मुड़ आधे मुड़ या का आदेश प्राप्त होने पर की जाएं तथा ये दोनों गतियां स्पष्ट तौर पर अलग-अलग की जाएं।

सामान्य गलतियां :

(1) शरीर का वजन पिछले पैर पर डालना, अगले पैर की एड़ी को सामान्य ढंग से घुमाने की बजाय जमीन पर घुमाना।

(2) पिछले पैर को आगे लाते समय हाथ हिलाना।

(3) पैर लाते समय कमर झुकाना।

(4) शरीर और कंधे को पहली हरकत में न रखकर सीधे मुड़ना।

अध्याय - 4
मार्च करना

खण्ड- 1

16. कदमों के बीच फासला और मार्च करने की गति -

1. धीरे और तेज चाल में दो कदमों के बीच 30 इंच का फासला होता है। लंबे कदम में 33 इंच का फासला होता है। दौड़ चाल में कदमों का फासला 40 इंच और छोटे कदम में 21 इंच तथा बगली कदम में 12 इंच का फासला होता है।

2. धीरे चाल में एक मिनट में 70 कदम चलना होता है और तेज चाल में 120 कदम चला जाता है। यह 100 गज के बराबर होता है।

3. किंतु रंगरूटों के प्रशिक्षण के प्रारंभिक कुछ सप्ताहों में रंगरूट मार्चिंग आदेश प्राप्त होने पर तेज चाल में एक मिनट में 130 कदम चलता है।

4. दौड़ चाल में एक मिनट में 180 कदम चलेगा जो 200 गज के बराबर होता है।

5. बगली चाल में चलने का समय तेज चाल के समय के समान होता है।

6. रंगरूट या रंगरूटों के स्क्वाड को जब तक कि जरूरी न हो ड्रम और पेस स्टिक के लगातार प्रयोग के बिना मार्चिंग सिखाई जाए। जिस समय जवान थम की पोजीशन में हो उस समय पहले ड्रम जवानों की चलने की रफ्तार के अनुसार बजाया जाएगा तथा इसी प्रकार से जवानों के चलने की कार्रवाई के साथ-साथ ड्रम बजाया जाएगा। जब जवानों के खड़े होने पर ड्रम बज रहा हो तो जवान समय का ध्यान रखेंगे। जब ड्रम बजना बंद हो जाएगा तो प्रशिक्षक स्क्वाड कार्रवाई करने का आदेश देगा।

मार्च करते समय कदमों के फासले की जांच पेस स्टिक से की जाएगी और फासले को ठीक किया जाएगा। यह जांच समय-समय पर की जाएगी।

7. कवायद के मैदान में 100 और 200 गज के फासले पर निशान लगाए जाएंगे तथा जवानों को समय के अनुसार सही कदम लेने का अभ्यास करवाया जाएगा।

खण्ड - 2

17. मार्चिंग के समय जवानों की स्थिति -

1. मार्च करते समय रंगरूट अपने सिर तथा शरीर को अध्याय-3 के खण्ड-2 में बताए अनुसार रखेगा। रंगरूट को अपने शरीर का संतुलन रखना होगा। धीरे चाल में उसके हाथ और बाजू शरीर के दोनों ओर स्थिर रहने चाहिए। तेज चाल में बाजुओं को अपनी स्वाभाविक स्थिति में रखा जाए और दोनों बाजू कंधे से पूरे स्वाभाविक रूप से आगे पीछे हिलाएं, बाजुओं को कमर पेटी (बेल्ट) के अगले तथा पिछले हिस्से की सीध तक उठाया जाए मुट्ठियां बंद होनी चाहिए लेकिन कस कर नहीं रखनी चाहिए और अंगूठे को हमेशा सामने रखना चाहिए।

2. रंगरूट को कवायद सिखाते समय हाथों को पूरी तरह आगे पीछे हिलाने का प्रशिक्षण देते समय शुरू-शुरू में कठिनाई महसूस हो सकती है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि रंगरूटों को मार्चिंग के समय हाथों को पूरी ऊंचाई तक उठाने पर कम जोर देना चाहिए। ज्यों-ज्यों शिक्षण आगे बढ़े हाथों को ठीक प्रकार से हिलाने पर जोर दिया जाए तथा हाथ कमर पेटी के सामने वाले तथा पिछले हिस्से की सीध तक ले जाने के लिए कहा जाए। यह समझ में आ जाएगा कि यदि हाथों को पिछली ओर पूरी तरह सही ढंग से हिलाने पर बल दिया जाए तो अगली ओर हाथ ले जाने का कार्य अपने आप सही ढंग से आ जाता है।

3. टांगों को स्वाभाविक रूप से कूल्हों के जोड़ से आगे की ओर लाना चाहिए। जैसे ही टांग आगे की ओर आये उसे रखने के पहले घुटने के पास पर्याप्त रूप से मोड़े जिससे पैर जमीन से ऊपर उठ सके। पैर को

पीछे ले जाये बिना सीधा आगे लाया जाए तथा घुटने के साथ सीधे जमीन पर रखा जाए। लेकिन ऐसा करते समय शरीर को झटका नहीं लगना चाहिए।

किसी जवान द्वारा पंजों को बाहर या भीतर या दोनों तरफ किए जाने पर उसे रोका जाए।

4. यद्यपि बहुत से रंगरूटों को एक स्क्वाड से रुक-रुक कर कवायद करवाई जाती है किंतु उन्हें स्वतंत्र रूप से और निश्चित रूप से इस प्रकार हरकत करनी चाहिए कि जैसे उन्हें एक इकाई के रूप में सिखाया जा रहा हो। इस प्रकार रंगरूट फासले और समय को ध्यान में रखते हुए तथा स्क्वाड के दूसरे जवान की ओर ध्यान न देकर सजते हुए मार्च करना और सही कदम उठाना सीख जाएंगे।

5. स्क्वाड को चलाने से पहले स्क्वाड का प्रशिक्षक यह मान कर चलेगा कि स्क्वाड का प्रत्येक जवान सही और दूसरों से सजता हुआ खड़ा है। रंगरूट को यह सिखाया जाएगा कि वह चलने से पहले अपनी सीध में कोई निशान चुन ले और अपनी आंखों को उस निशान पर रखे जिससे मार्चिंग ठीक प्रकार से हो सके।

खण्ड - 3

18. तेज चाल और धीरे चाल से चलना

1. धीरे चाल

मार्चिंग के समय रंगरूट कसे तेज चाल चलने की अपेक्षा करने से पहले धीरे चाल सिखाने के लिए ''धीरे चाल'' का प्रयोग किया जाता है। यह चाल ''कदमों का संतुलन'' रखते हुए सिखाई जाती है।

धीरे चाल - गिनती से - एक

यह आदेश प्राप्त होने पर बाएं पैर को तेजी से 15 इंच आगे ले जाया जाए पंजा थोड़ा सा मुड़ा हुआ जमीन को छुए बिना जमीन की ओर झुका हुआ हो। शरीर का ऊपरी भाग तना हुआ हो। दोनों हाथ बगल में सीधे हों तथा शरीर का वजन दाहिने पैर पर हो।

स्क्वाड - दो

यह आदेश मिलने पर 30 इंच का फासला पूरा करो। पहले पंजा जमीन को छुए इसके बाद शरीर का भार बाएं पैर पर डाल दो तथा इसके साथ-साथ दाहिनी टांग पीछे की ओर थोड़ी-सी झुकी हो जिससे पंजा जमीन से ऊपर उठाया जा सके।

स्क्वाड- आगे बढ़

इस आदेश पर बाएं पैर से सीखे हुए तरीके के अनुसार दाहिने पैर से कवायद की जाए और टांग को आराम से आगे की ओर बढ़ाया जाए। यह हरकत तब तक जारी रखी जाए जब तक स्क्वाड अपना संतुलन न बना ले तथा आगे बढ़ के स्थान पर थम जा आदेश न मिल जाए।

रंगरूट को प्रशिक्षण देते समय स्क्वाड कवायद का केवल ''धीरे चाल'' में बार-बार अभ्यास करवाना चाहिए। इसके लिए ''धीरे चल'' कमान शब्द का प्रयोग किया जाए। यह आदेश प्राप्त होने पर जवान अपने कदम बढ़ाएंगे और उसी प्रकार से कार्रवाई करेंगे जैसे तेज चाल में की जाती है लेकिन वे धीरे चाल में आएंगे और दोनों बाजू और हाथ दोनों साइडों में स्थिर रखेंगे तथा अंगूठा सामने होगा। प्रत्येक टांग को एक समान गति से आगे लाया जाएगा तथा जैसे ही टांग आगे आएगी टांग को सीधा रखा जाएगा, पंजा जमीन की ओर झुका हुआ होगा तथा इसे एड़ी से पहले जमीन पर रखा जाएगा।

पुलिस के जवान की ओर विशेष रूप से रंगरूट को धीरे चाल में सही तरीके से कवायद का प्रशिक्षण देने के महत्व पर जितना बदल दिया जाए उतना ही कम है क्योंकि इससे जवान में सही कवायद की नींव पड़ती है तथा इससे कवायद में ऐसी आधरभूत गलतियां और चूकें नहीं रह पाती हैं जो तेजचाल के दौरान पकड़ में नहीं आती है। इससे न केवल ठीक कवायद की नींव डलती है बल्कि पुलिस का जवान धीरे चाल कवायद से अपने शरीर का संतुलन रखना और शरीर पर नियंत्रण रखना सीखता है। इससे सही व्यक्तित्व और चाल ढाल विकसित करने में भी सहायता मिलती है। रंगरूट को तब तक तेज चाल से कवायद करने की अनुमति नहीं

देनी चाहिए जब तक वह धीरे चाल की सभी हरकतों को पूर्णतया सही ढंग से न सीख ले। तभी प्रशिक्षक यह सुनिश्चित कर सकता है कि वह मजबूत नींव पर इमारत बना रहा है।

समय का अनुमान रखते हुए धीरे चल

स्क्वाड आगे बढ़ेगा दाहिने से -धीरे चल

यह आदेश प्राप्त होने पर बाएं पैर को झटके से 15 इंच आगे की ओर करो तथा बीच में थोड़ा समय देकर 30 इंच का कदम पूरा करो और जमीन को छुओ। जैसे ही बायां पैर जमीन को छुए दाहिने पैर को झटके से 15 इंच आगे करो। दाहिने या बाएं पैर को 15 इंच आगे ले जाने के बाद अपेक्षित क्षणों तक रुक कर इन हरकतों को बारी-बारी से करो।

थम : गिनती से धीरे चाल का अभ्यास करते समय ''थम'' आदेश स्क्वाड दो की हरकत पूरी होने के बाद दिया जाए अर्थात स्क्वाड एक के स्थान पर ''स्क्वाड थम'' आदेश दिया जाए।

समय का अनुमान रखते हुए ''धीरे चाल'' के अभ्यास के दौरान जब बायां पैर जमीन की ओर दाहिने पैर के स्तर (लेवल) पर आ गया हो तब ''स्क्वाड थम'' का आदेश दिया जाए। यह ओदश प्राप्त होने पर उचित समय का विश्राम देकर बाएं पैर से 30 इंच लंबा कदम भरें तथा जैसे ही बायां पैर जमीन को स्पर्श करे दाहिने पैर को झटके से डबल टाम से आगे ले जाएं और उसे बाएं पैर की सीध में ले आएं दोनों एड़ियों को मिलाया जाए ताकि सावधान की स्थिति बन जाए।

2. तेल चाल

तेज चाल गिनती से - एक

यह आदेश प्राप्त होने पर बाएं पैर को झटके से 30 इंच आगे ले जाएं। पंजों को ऊपर उठाया जाए लेकिन एड़ी मजबूती से जमीन पर जमी रहे, शरीर का ऊपरी हिस्सा तना हुआ रहे तथा शरीर का वजन दोनों टांगों पर बराबर हो। दाहिनी टांग की एड़ी ऊपर उठाई जाए किंतु पंजा जमीन को स्पर्श करें, हाथ खण्ड-2 में बताई गई स्थिति में रहे (अर्थात् दाहिना हाथ आगे और बायां हाथ पीछे)

स्क्वाड -- दो

यह आदेश प्राप्त होने पर शरीर को आगे ले जाएं तथा दाहिने घुटने को थोड़ा मोड़कर पूरे 30 इंच का डग भरा जाए। इसमें दाहिनी एड़ी जमीन को छू ले और पंजा ऊपर उठा हो। बायीं एड़ी उठाई जाए और पंजा जमीन को छूता रहे, शरीर का वजन दोनों पैरों पर रहे। यह कवायद करते समय साथ ही साथ हाथों को भी एक के बाद दूसरा आगे पीछे किया जाए। (अर्थात् बायां हाथ आगे ले जाएं और दाहिना हाथ पीछे ले जाएं)

टिप्पणी : इन हरकतों को गिनती से जारी रखते हुए आदेश शब्द ''स्क्वाड एक'' और ''स्क्वाड दो'' होंगे। बाएं और दाहिने पैर को क्रमशः आगे लाएं ''स्क्वाड थम'' आदेश होने तक ये हरकतें जारी रखी जाएं।

''समय का ध्यान रखते हुए तेज चल''

''स्क्वाड आगे बढ़ेगा दाहिने से - तेज चल''

यह आदेश मिलने पर स्क्वाड एक साथ बाएं पैर से आगे बढ़ेगा और एक सामान्य हरकत से कदम को 30 इंच आगे बढ़ाएगा तथा इसके बाद एड़ी से जमीन को छुएगा। इसी प्रकार दाहिने पैर से भी यही हरकत की जाए और इसके बाद बाएं और दाएं फिर दाहिने और बाएं। इसके साथ-साथ ऊपर के पैरा 18-2 में बताए अनुसार हाथ को आगे-पीछे किया जाए।

3. थम

जब दाहिना पैर जमीन को छुए तब ''स्क्वाड थम'' आदेश दिया जाएगा। इसके बाद बायां पैर 30 इंच आगे बढ़ाया जाएगा तथा इसके बाद दाहिना पैर बाएं पैर की सीध में लाया जाएगा। इसी के साथ दाहिने और बाएं हाथ चुस्ती से बगल में लाए जाएंगे।

सामान्य गलतियां

(क) धीरे चाल में चलते हुए

(1) एड़ियां पहले जमीन पर लगना।

(2) कुहनियां दोनों साइडों से दूर होना।

(3) हाथों से टांगे पकड़ना तथा इसके कारण इनका चलते समय हिलना।

(4) शरीर का वजन पिछले पैर पर न डालना जिससे शरीर का संतुलन बिगड़ना।

(5) अगले पैर के जमीन पर लगते ही पिछले पैर को तेजी से 15 इंच आगे की ओर न लाना।

(ख) तेज चाल में चलना

(1) एड़ियों पर मार्च न करना।

(2) हाथों का असमान रूप से हिलना, ताल न होना सीध न होना और कवर न करना, टांगों को बहुत अधिक कड़ा रखना तथा कदम आगे बढ़ाते समय मिट्टी को खुरचना।

(3) हाथों को कुहनी से मोड़ना।

(ग) थमना (धीरे और तेज चाल में)

(1) अगले पैर को घुटने से मोड़ना या और कमर से मोड़ना।

(2) बाहों को मोड़ना।

(3) नीचे देखना

(4) थम के बाद तत्काल शरीर को हिलाना।

4. लंबा कदम भरना

लंबा कदम

यह आदेश प्राप्त होने पर हिलाया जाने वाला पैर अपना कदम पूरा करेगा तथ जवान अपने कदम का फासला 30 इंच बढ़ाएगा तथा थोड़ा सा आगे झुकेगा किंतु ये दोनों कार्य एक साथ होंगे।

यह कदम उस समय लिया जाता है जब एक ही समय पर गति में तेजी लानी होती है। तेज (या धीरे) चाल का आदेश प्राप्त होते ही कदमों की लंबाई सामान्य हो जाएगी।

5. छोटा कदम लेना

छोटा कदम

आगे बढ़ने वाला पैर पूरा कदम लेगा और इसके बाद जब तक तेज चल या धीरे चल के आदेश नहीं मिलते तब तक कदम की लंबाई 9 इंच कम की जाएगी। उक्त आदेश प्राप्त होने पर कदम की लंबाई सामान्य हो जाएगी।

कदम ताल

यह आदेश प्राप्त होने पर आगे आने वाला पैर पूरा कदम लेगा और इसके बाद आगे बढ़े बिना ''कदम ताल'' कवायद की जाएगी। इसमें प्रत्येक पैर को एक के बाद दूसरा बारी-बारी से 6 इंच ऊपर उठाया जाएगा तथा पैर जमीन के लगभग समानांतर रखा जाएगा। यह हरकत पंजे को नीचे दबाकर की जा सकती है। घुटना आगे बढ़ाया जाए, हाथ अपनी-अपनी साइट में स्थिर हों तथा शरीर स्थिर हो। ''आगे बढ़'' का आदेश प्राप्त होने पर जवान जितने ''तेज कदम'' से चल रहे थे उतने ही तेज कदम से चलने लगेंगे।

धीरे चाल में कदम ताल के दौरान पैर बारह इंच ऊपर उठाए जाएं तथा पैर को घुटने से एकदम नीचे किया जाए तथा पंजे नीचे झुके हुए हों।

सामान्य गलतियां

(1) अपने स्थान पर स्थिर न रहना तथा इसके परिणाम स्वरूप सीधे और फासला न रखना।

(2) शरीर कंधे या बाहें हिलाना

(3) नीचे देखना।

(4) मार्चिंग से अधिक रफ्तार बढ़ाना।

(5) आगे झुकना।

(6) पैर इस प्रकार उठाना कि पंजे और घुटने के बिंदु के नीचे रहने की बजाय यह बहुत पीछे रह जाए।

खण्ड - 4

19. कदम आगे और पीछे ले जाना

कदम आगे या पीछे चल :- यह आदेश प्राप्त होने पर बाएं पैर से आगे या पीछे 30 इंच का कदम लिया जाए तथा बाहें साइडों में स्थिर रखी जाएं।

इस प्रकार जवानों को ज्यादा से ज्यादा 4 कदम आगे या पीछे चलने का आदेश दिया जाए।

सामान्य गलतियां

(1) जल्दबाजी में ठीक लंबा कदम न रख पाना।

(2) पैर मोड़ना अर्थात कदम आगे बढ़ाना और दोनों पैर जमीन से ऊपर उठा कर ''फुदकना''।

(3) कमर के स्थान से झुकना।

खण्ड - 5

20 . धीरे और तेज चाल में कदम बदलना

टिप्पणी : यह गिनती से सिखाया जाए तथा धीरे चाल में आरंभ किया जाए।

गिनती से कदम बदलना, बायां पैर आगे

1. ''कदम बदल - एक'' : (जैसे ही दाहिना पैर जमीन पर लगेगा यह आदेश दिया जाएगा) अब बाएं पैर से कदम पूरा करो जिससे बायां पैर जमीन पर सपाट रहे तथा दाहिने पैर से 30 इंच आगे रहे।

2. ''स्क्वाड- दो'' : दाहिना पैर आगे लायें जिससे वह बाएं पेर एड़ी के खोखले स्थान में सपाट रखा जा सके।

3. ''स्क्वाड - तीन'' : बाएं पैर को दाहिने पैर के 30 इंच सामने जमीन पर झटके से सपाट रखें।

4. दाहिना पैर आगे करके कदम बदलने की कार्रवाई इसी प्रकार सिखाई जा सकती है। लेकिन इसमें प्रत्येक मामले में ''बाएं'' के स्थान पर ''दाहिना'' पढ़ा जाए।

5. गिनती से उक्त हरकतें सिखाने के बाद स्क्वाड बिना रुकावट के कवायद करेगा। ऊपर उल्लिखित पहली और तीसरी हरकत मार्चिंग की गति से की जाए। दूसरी हरकत इससे दुगने समय में की जाती है। कमान शब्द बारी-बारी से और बाद वाले कदमों के अनुसार दिया जाता है।

6. तेज चाल में गिनती से कदम बदलना इसी प्रकार सिखाया जाता है और इसके कमान शब्द और हरकतें एक सी होती हैं।

7. कदम ताल में कदम बदलना : यह कमान शब्द बारी-बारी से और बाद वाले कदम पर बोला जाता है। यदि बाएं पैर पर 'बदल' कहा जाए और दाहिने पैर पर 'कदम' कहा जाए तो जितना समय मार्चिंग में लगता है उतने समय में बायां पैर दो बार पटका जाए। इसके बाद सामान्य कदम ताल में कवायद होगी। इसी प्रकार यदि इससे उलट पैर पर आदेश दिया जाए तो दाहिने पैर को दो बार पटका जाए।

धीरे और तेज कदमों में एक समान हरकतें होती हैं।

सामान्य गलतियां :

(क) मार्च करते समय

(1) कंधों को हिलाना।

(2) तीसरी हरकत के लिए पूरा कदम न बढ़ाना।

(ख) कदम ताल के समय

(1) शरीर को हिलाना।

(2) मार्चिंग की रफ्तार बढ़ाना।

खण्ड - 6

21. दौड़ चाल में मार्च करना

1. दौड़ चाल

''स्क्वाड आगे बढ़ेगा - दौड़ के चल''

बाएं पैर को आगे बढ़ाते हुए पंजों से दौड़ के चलें। इसमें शरीर को थोड़ा आगे झुकाएं लेकिन चाल सही बनी रहे। प्रत्येक कदम उठाते समय पैरों को जमीन से पूरा उठाना चाहिए तथा जांघ, घुटने और टखनों के जोड़ बिना रुकावट के स्वाभाविक रूप से हिलने चाहिए इन्हें कड़ा करके नहीं रखना चाहिए।

पिछले पैर के धक्के से पूरा शरीर बिना किसी प्रयत्न के आगे आना चाहिए। एड़ियों को सीट की तरफ ज्यादा ऊपर नहीं उठाना चाहिए। लेकिन पैर को सीधे सामने लाया जाए तथा पंजे, जमीन पर धीरे से रखें जाएं। बाजू कंधों से स्वाभाविक रूप से हिलने चाहिए, कुहनियों से मुड़े हुए होने चाहिए बाजू का अगला हिस्सा पिछले हिस्से के साथ 135 अंश का कोण बनाते हुए रखा जाए। (अर्थात् हाथ के मध्य भाग तक सीधा और कुहनी के बीच समकोण बनाता हुआ हो) मुट्ठी थोड़ी बंद हो। हाथों का पिछला भाग बाहर की ओर हो और हाथ शरीर से पर्याप्त दूर हों जिससे सीना एकदम तना हुआ रहे। कंधों का स्थिर रखा जाए और वह शरीर के अगले भाग के बीचों बीच हो तथा सिर सीधा हो। कदमों की लंबाई 40 इंच हो और एक मिनट में 180 कदम मार्च किया जाए।

सामान्य गलतियां

(1) कंधों को हिलाना।

(2) नीचे देखना।

(3) स्क्वाड के सबसे आगे वाले जवान द्वारा लंबे कदम लेने से पीछे वाले जवानों द्वारा कवर करने में अधिक परिश्रम करना।

(4) एड़ियों से दौड़ना तथा जिससे सीध, दूरी और फासला सही न रहना।

(5) तेज रफ्तार से मार्च करना।

2. कदम ताल

इसमें पैर के गोले (बाल) को जमीन पर रखने की क्रिया को छोड़कर तेज चाल के समान हरकत की जाती है तथ बाजू बगल में झुकी हुई पोजीशन में होती है तथा दौड़ चाल की रफ्तार जारी रखी जाती है।

3. थमना

जैसा कि तेज चाल से थम होता है उसी प्रकार दौड़-चाल की से भी थम की हरकत की जाती है और उसी समय हाथों को तेजी से बगल में नीचे गिराया जाता है। जैसे ही दाहिना पैर जमीन को छूए 'थम' आदेश दिया जाए। इसके बाद बाएं पैर से तीन कदम लिए जाएं और चौथा कदम दाहिने पैर से लेकर वहीं बाएं पैर के साथ मिला दिया जाए। सावधान की स्थिति में आने से पहले तथा शरीर की तेज गति को रोकने के लिए उक्त तीन कदम लेने जरूरी होते हैं किंतु यह एक आम बात है कि दौड़ चाल में 'थम' का आदेश देने से पहले तेज चाल में आना होता है।

सामान्य गलतियां

(1) दोनों पैरों को एकदम जमीन से ऊपर उठा कर कूदना।

(2) थमते समय अव्यवस्थित होना।

खण्ड - 7

22. धीरे चाल, तेज चाल और दौड़ चाल में चलना

1. धीरे चाल से तेज चाल में आना

''तेज चाल में आ-- तेज चल'' : जैसे ही बायां पैर जमीन पर लगे कमान शब्द 'तेज' बोला जाए तथा जैसे ही दाहिना पैर जमीन को छुए 'चल' बोला जाए। यह आदेश प्राप्त होने पर बाएं पैर और दाहिने बाजू को

आगे लाया जाए और बाएं हाथ को मार्चिंग की गति से, पीछे ले जाया जाए। इसके बाद तेज चाल में मार्चिंग जारी रहे।

सामान्य गलतियां

(1) शुरू में ही पहला कदम बहुत जल्दी लेने के कारण ठीक गति से मार्च न कर पाना।

(2) पहले कदम में बाएं पैर को जोर से जमीन पर मारना या पटकना जिससे लंबाई में कमी होना।

(3) बाएं बाजू को पीछे की ओर न झुला पाना।

(4) बाएं पैर को पूरा 30 इंच आगे न ले जाना।

2. तेज चाल से धीरे चाल में आना

इसके लिए ''धीरे चाल में आ -- धीरे चल'' आदेश होगा। धीरे चाल में बिना रुके आना होगा। जैसे ही बायां पैर दाहिने पैर की सीध में आकर आगे की ओर जाता है 'मार्च' कमान शब्द दिया जाता है। यह आदेश प्राप्त होने पर दाहिने पैर को समान्य रफ्तार से पूरा 30 इंच आगे लाया जाता है। यह हरकत चेक कदम का कार्य करेगी। इसके बाद बाएंपैर को धीरे चाल से चला कर और 15 इंच का कदम लेकर 30 इंच पूरा किया जाए। जब दाहिना पैर (चैक कदम) जमीन पर आए तब दोनों हाथों को तेजी से गिरा कर बगल में कर दिया जाए।

सामान्य गलतियां

(1) दाहिने कंधे को पीछे की ओर झुकाना।

(2) शरीर पीछे झुकने देना।

(3) हाथों को तेजी से बगल में न गिराना।

3. तेज चाल से दौड़ चाल में आना

''दौड़ चाल में आ, दौड़ के चल'' :- जैसे ही बायां पैर जमीन पर आए कमान शब्द 'चल' दिया जाए। इसके बाद दाहिने पैर से पूरा 30 इंच का कदम लिया जाए। इसके बाद एक मिनट में 180 कदम की गति से बाएं कदम को आगे लाते हुए, दौड़ चाल में आएं। यह हरकत करते हुए बाजुओं को मोड़ लिया जाए।

सामान्य गलतियां

(1) एकाएक अपने शरीर पर नियंत्रण खो देना तथा सामंजस्य न हो पाना।

(2) सिर आगे होने देना।

4. दौड़ चाल से तेज चाल में आना

तेज चाल में आ, तेज चल : बाद वाले कदमों के संबंध में 'तेज चल' कमान शब्दों में आदेश दिया जाता है। जैसे ही बायां पैर जमीन पर पहुंचे तो 'तेज' का आदेश और दाहिना पैर जमीन पर पहुंचे तो 'चल' का आदेश दिया जाता है।

यह आदेश मिलने पर दो कदम दौड़ चाल में लिए जाते हैं तथा कदम को 30 इंच तक ही आगे बढ़ाया जाता है और इसके बाद अपने आप तेज चाल में आ जाते हैं।

सामान्य गलतियां

तत्काल सही मार्च न कर पाना।

खण्ड - 8

23. बगली कदम (साइड पेस)

स्क्वाड को अधिक से अधिक 8 कदम दाहिने या बाएं चलाने के लिए 12 इंच का बगली कदम लिया जाए (यदि स्क्वाड को इससे अधिक चलाना हो तो दाहिने या बाएं मोड़कर चलाना चाहिए।)

स्क्वाड के कदमों की संख्या चार निश्चित की जा सकती है और ऐसी स्थिति में स्क्वाड अपने आप रुक जाएगा अन्यथा स्क्वाड तब तक चलता रहेगा जब तक 'थम' का आदेश प्राप्त न हो जाए।

सामान्यतः स्क्वाड को 'विश्राम' के बाद पहले बाईं तरफ से बगली कदम लेना सिखाना चाहिए।

2. कदम बाएंबाजू चल यह आदेश प्राप्त होने पर बाएं पैर को 12 इंच बायीं तरफ ले जाओ (जैसा विश्राम में किया जाता है) इसी प्रकार दाहिने पैर को बाएं पैर के साथ मिलाओ। यह कार्रवाई दौड़ चाल में तथा कदम पूरा करते हुए की जाए। जब तक निर्धारित कदम पूरे न हो जाएं तब तक यह कवायद जारी रखो। इसमें केवल पैरों की हरकत को छोड़कर सावधान की स्थिति रहेगी।

3. बाएं बाजू चल - इसमें कदमों की संख्या निश्चित नहीं होती इसलिए यह कार्रवाई तब तक जारी रखी जाए जब तक कि 'थम' आदेश न मिल जाए या आठ कदम पूरे न हो जाएं।

4. 'स्कवाड - थम' : जैसे ही दोनों हों पैरों की एड़ियां मिले यह आदेश दिया जाए। इसके बाद स्क्वाड एक और कदम पूरा करेगा और बाद में स्थिर खड़ा रहेगा।

सामान्य गलतियां

(1) एक से कदम न लेने के कारण सीध खराब होना।

(2) प्रत्येक कदम पर एड़ियों का न मिलना।

(3) जैसे ही बायां पैर जमीन को छुए उसी समय दाहिना पैर झटके से आगे लाने के बजाए कूदने की प्रवृत्ति होना।

खण्ड - 9

24. मार्च करते समय मुड़ना

(1) यह कार्रवाई पहले धीरे चाल में तथा गिनती से सिखाई जाती है।

(2) मार्च के दौरान प्रत्येक बार मुड़ने के समय मार्चिंग की सही स्थिति बनाए रखी जाए। स्क्वाड की नई दिशा की ओर एकदम मुड़ कर सीधे, आगे पीछे की कवरिंग, दूरी तथा फासला सही रखना होगा। यह स्क्वाड के प्रत्येक जवान की जिम्मेदारी होती है।

(क) दाहिने (या बाएं) मुड़

'दाहिने' (या बाएं) मुड़ आदेश प्राप्त होने पर बायां (या दाहिना) पैर आगे लाया जाएगा जब तक कि यह दाहिने (या बाएं) पैर के सामने न आ जाए। इसके बाद प्रत्येक जवान अपेक्षित दिशा में मुड़ेगा। मुड़ते समय वह अपने बाएं(या दाहिने) पैर को धुरी बनाएगा तथा दाहिने (या बाएं) पैर से नई दिशा में पूरे 30 इंच कदम से आगे बढ़ेगा।

दाहिनी ओर मुड़ने के लिए बायां पैर और बायीं तरफ मुड़ने के लिए दाहिने पैर का इस्तेमाल किया जाएगा।

(ख) पीछे मुड़ना

यह आदेश प्राप्त होने पर दाहिने पैर से कदम पूरा करो इसके बाद बाएंपैर से पीछे मुड़ की कार्रवाई करो। स्क्वाड जिस चाल से चल रहा हो उसके तीन कदम मुड़ने में लगने वाले समय के भीतर कार्रवाई पूरी करो। मुड़ने की कार्रवाई पूरी करने के बाद स्क्वाड एकदम आगे बढ़ेगा। चौथा कदम पूरा लिया जाएगा तथा दाहिने पैर से लिया जाएगा। तेज चाल में 'पीछे मुड़ का आदेश प्राप्त होने पर जैसे ही दाहिना पैर जमीन पर आए' दोनों हाथ तेजी से बगल में गिराने चाहिए तथा उन्हें तब तक वहां रखा जाना चाहिए जब तक चौथा कदम अर्थात् दाहिना पैर आगे न आ जाए। दाहिना पैर आगे आने पर बायां हाथ चुस्ती से आगे आना चाहिए और पीछे जाना चाहिए।

यदि स्क्वाड लाइन फार्मेशन में चल रही हो और बीच में खाली (ब्लैंक फाइल) हो तो ब्लैंक लाइन 'पीछे' कमान शब्द होते ही दो कदम ताल करेगी और इस प्रकार पीछे मुड़ की कार्रवाई होने पर अपने ठीक स्थान पर सामने की लाइन में आ जाएगी। मार्गदर्शकों को इसी प्रकार व्यवस्थित किया जाए।

(ग) आधे दाहिने (या बाएं) मुड़

जैसे ही मुड़ का आदेश प्राप्त हो ऊपर उप पैरा (क) में बताए अनुसार निर्धारित दिशा की ओर आधा मुड़ो।

(घ) मार्च करते समय मुड़ने या हरकत में परिवर्तन किए जाने पर 'कमान शब्द' दिया जाए अर्थात् 'दाहिने चलेगा' - ''स्क्वाड आगे बढ़ेगा'' धीरे चाल में 'आधा मुड़ेगा' आदि।

सामन्य गलतियां

(1) सिर और कंधों को एक ही झटके से निर्धारित दिशा की ओर पूरा न मोड़ना।

(2) हाथों और बाजुओं को सावधान की स्थिति में न रखना।

अध्याय - 5

बिना शस्त्र सैल्यूट करना

प्रशिक्षक रंगरूटों को सैल्यूट का महत्व बताएगा। सैल्यूट उच्च अधिकारी को अभिवादन करने का तरीका है चापलूसी नहीं। यह आंतरिक अनुशासन की भावना का बाहर प्रकट किया जाने वाला प्रतीक है और वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आदर की भावना की अभिव्यक्ति है। जिस तरीके से बल का जवान सैल्यूट करता है और उच्च अधिकारी इस सैल्यूट का उत्तर देता है उससे बल में मौजूद सामान्य वातावरण और भावना का पता चलता है।

सैल्यूट वस्तुतः सेना के सशस्त्र जवानों के आपस में मिलने पर अभिवादन करने का तरीका है। अफसर का बड़े अफसर से मिलने पर सैल्यूट ठीक प्रकार से और चुस्ती से दिया जाता है तो इससे यह जाहिर होता है कि जवान को अच्छा प्रशिक्षण मिला है। सैल्यूट न करना अनादर की भावना, आलसीपन और अनुशासन के निम्न स्तर की ओर संकेत करता है। वर्दी पहने हुए अधिकारी सैल्यूट न करने वाले अधिकारी से सैल्यूट करने के लिए आग्रह नहीं करते तो इससे बल का अनुशासन भंग होगा।

खण्ड-1

25. थम पर सैल्यूट करना

(1) थम पर सैल्यूट करना कवायद का पहला पाठ है किंतु बहुधा प्रशिक्षित जवानों के गलत ढंग से सैल्यूट करने को आदतों को सुधारने के लिए यह कवायद दुहरानी पड़ती है। खुली लाइन में और तिरछे मुड़ होने पर इस हरकत का अच्छा अभ्यास हो सकता है क्योंकि इस स्थिति में शरीर को स्वतंत्रतापूर्वक हिलाया डुलाया जा सकता है।

(2) सामने की ओर सैल्यूट करना

(1) गिनती से 3- ''गिनती से सामने सैल्यूट'' - एक : इसमें दाहिना हाथ सीधा रखा जाता है और बगल की ओर से तब तक उठाया जाता है जब तक कि वह आड़ा नहीं हो जाता। हथेली सामने की ओर हो, अंगुलियां सीधी हों और अंगूठा तर्जनी के पास हो।

दो : ऊपरी हाथ को स्थिर रखा जाए। हाथ और कलाई सीधी हो। कोहनी को तब तक मोड़ा जाए जब तक दाहिने हाथ की तर्जनी का अगला हिस्सा दाहिनी आंख से एक इंच ऊपर न हो जाए। यह हरकत करते समय ध्यान में रखने योग्य बातें इस प्रकार हैं :

(क) बांह का ऊपरी हिस्सा आड़ा हो तथा साइड की तरफ समकोण बनाता हुआ हो, बांह का अगला हिस्सा, कलाई और अंगुलियां एक सीध में हों।

(ख) हथेली खड़ी हो तथा कलाई मुड़ी हुई न हो।

'स्क्वाड - तीन'

(1) 'सावधान' की स्थिति में वापस आने के लिए हाथ सबसे छोटे रास्ते में अर्थात् कुहनी को आगे करके एक दम झटके से नीचे गिराया जाता है जिससे हाथ बगल में चला जाता है। हाथ को नीचे लाते समय अंगुलियों को मोड़ लिया जाए।

(2) समय का अनुमान लगाते हुए सैल्यूट करना : समय का अनुमान लगाते हुए सैल्यूट करते समय दाहिने हाथ को तेजी और झटके से गोलाई में मोड़कर सिर तक उसी प्रकार लाया जाए। जैसा कि गिनती से सैल्यूट करना सिखाया गया है। हाथ सैल्यूट की स्थिति में कुछ देर तक रहे। इसके लिए 'सामने सैल्यूट -सैल्यूट' कमान शब्दों का इस्तेमाल होगा।

सामान्य गलतियां- सैल्यूट करते समय

(1) बायीं ओर झुकना, मांस पेशियों की खींच कर रखना और पीछे की ओर झुकना।

(2) कुहनी आगे रखना, बांह का अगला भाग, कलाई और अंगुलियां सीधी लाइन में न रखना।

(3) हाथ का माथे के मध्य भाग से बहुत ऊपर होना या दूर होना, 'हाथ आगे झुकना', अंगुलियां मिली हुई न होना, बायीं बाजू हिलना, सिर आगे करना।

हाथ तेजी से नीचे गिराते समय

(4) कुहनी से पहले हाथ गिराना।

(5) हाथ सीधा न करना जिसके कारण सावधान की सही स्थिति में न आना।

दाहिना बाजू नीचे गिराते समय बायां हाथ हिलाना।

सामान्यतः सामने का सैल्यूट करते समय यह गलती खास तौर से हो जाती है कि जवान थमने तथा बोलना बंद होने आदि से पहले हरकत शुरू कर देता है तथा जवान यह हरकत सही ढंग से पूरी होने से पहले बोलना शुरू कर देता है।

3. किसी दिशा (फ्लैंक) की सैल्यूट करना

''दाहिने सैल्यूट --सैल्यूट'' : इसको सामने सैल्यूट की, सही स्थिति में सही ढंग से सिखाया जा सकता है। इसके लिए रंगरूट को यह बताया जाए कि वह अपने सिर तथा आंखों को सीधा रखते हुए दाहिनी ओर मोड़े लेकिन ऐसा करते समय दाहिनी बाजू, कलाई या हाथ की स्थिति में परिवर्तन न हो तथा हाथ को ऐसी जगह रखे कि दाहिनी आंख केवल हथेली देख सके। यह हरकत करते समय रंगरूट को अपनी लंबाई की ऊंचाई तक या जिस अधिकारी को सैल्यूट करना हो उसकी आंखों की सीध में देखना चाहिए। इसका अभ्यास तब तक करना चाहिए जब तक सिर आंखों और हाथों की हरकत एक साथ नहीं होती।

सामान्य गलतियां

(1) आगे झुकना, हाथ के पिछले भाग की तरफ देखना या अधिकारी के चेहरे की ओर सीधे न देखना।

(2) हाथ ज्यादा ऊंचा रखना।

(3) बाएं कंधे को आगे आने देना।

(4) दाहिनी कुहनी आगे आने देना और पीछे की ओर गिराना या गिरना।

(5) दिशा (फ्लैंक) की तरफ सीधे सामने न देखना।

(6) कलाई उठाना।

4. ''बाएं सैल्यूट - सैल्यूट -''

ऊपर बताए अनुसार करें। हाथ और आंखे तेजी से बाएं मोड़ी जाएं तथा दाहिना हाथ, कलाई और बाजू सही स्थिति में दाहिनी आंख के ऊपर होना चाहिए।

सामान्य गलतियां

(1) कंधा बायीं ओर मोड़ना और दाहिनी कुहनी आगे गिराना।

(2) दाहिने हाथ को सही स्थिति में न आने देना।

(3) कलाई गिराना।

खण्ड- 2

26. मार्च करते हुए सैल्यूट करना

मार्च करते हुए सैल्यूट किसी दिशा में या सामने का हो सकता है और तेज चाल या धीरे चाल में हो सकता है।

2. ''दाहिने (बाएं) को सैल्यूट - स्क्वाड सैल्यूट''

जैसे ही बायां पैर जमीन पर आए यह आदेश दिया जाए। इसके बाद जैसे ही दाहिना पैर जमीन को छुये वैसे ही सैल्यूट किया जाए और सैल्यूट के बाद प्रथम दाहिने कदम से छठे कदम पर हाथ को झटके से नीचे गिराया जाए।

3. जब अधिकारी के सामने से गुजरें

जब कोई अधीनस्थ अधिकारी अपने किसी अधिकारी के पास से गुजरे तब उस अधिकारी के पास पहुंचने से तीसरे कदम पर सैल्यूट करे और आगे गुजरने के तीन कदम बाद हाथ नीचे लाए सैल्यूट के दौरान जवान अपनी नजर पूरी तरह अधिकारी के चेहरे की ओर रखे।

टिप्पणी :

(1) दो या तीन रंगरूटों को एक साथ मार्चिंग का अभ्यास करवाया जाए तथा दोनों तरफ सैल्यूट-बिंदु रखे जाएं। जब सैल्यूट करने वाले बहुत से जवान हों तब सैल्यूट बिंदु से सबसे नजदीक का जवान सैल्यूट के लिए टाइम (समय-संकेत) देगा।

(2) जवानों को चलते-फिरते हुए सैल्यूट ''बिंदुओं'' और स्थिर सैल्यूट ''बिंदुओं'' को सैल्यूट करने पर अभ्यास कराया जाना चाहिए।

सामन्य गलतियां

ऊपर उल्लिखित गलतियों के साथ-साथ जवानों में कंधे हिलाने की आदत होती है और वे मार्चिंग की दिशा छोड़कर सैल्यूट की दिशा में चले जाते हैं। यह बाद वाली गलती स्क्वाड के शिक्षक के मार्ग दर्शन से ठीक हो सकती है।

4. सामने सैल्यूट करना

''सामने सैल्यूट - सैल्यूट'' : इसके लिए 'थम' के समान ही कमान शब्द का प्रयोग किया जाता है अर्थात् जैसे ही बायां पैर धीरे चाल में जमीन पर आता है और दाहिना पैर तेत चाल में जमीन पर आता है तब यह आदेश दिया जाता है। यह आदेश मिलने पर स्क्वाड थम करेगा, सैल्यूट करेगा, कुछ समय ठहरेगा तथा फिर से सामने की तरफ सैल्यूट करेगा, कुछ समय के लिए रुकेगा, पीछे मुड़ेगा, थोड़ी देर रुकेगा और फिर यथा स्थिति तेज या धीरे चाल में चलेगा।

टिप्पणी

(1) किसी अधिकारी से किस प्रकार बातचीत की जाए या संदेश दिया जाए, यह सिखाने के लिए इस कवायद का अभ्यास कराया जाता है।

(2) सैल्यूट करते समय बीच में रुकने का समय सही होना चाहिए तथा प्रशिक्षक जवानों की समय की सही गणना करने पर जोर दे।

(3) प्रारंभिक प्रशिक्षण के दौरान धीरे चाल में सामने सैल्यूट करने का अभ्यास करवाया जा सकता है किंतु वस्तुतः वरिष्ठ के पास रिपोर्ट करने के समय तेज चाल में सैल्यूट करना चाहिए।

5. संदेश के साथ सामने सैल्यूट करना

''संदेश के साथ सामने सैल्यूट स्क्वाड-सैल्यूट'' - इसके लिए ऊपर पैरा 4 में दिए 'कमान शब्दों' का प्रयोग किया जाए। इसके लिए भी ऊपर पैरा-4 में दी गई कार्रवाई की जाए। लेकिन इसमें पहली बार सैल्यूट करने के बाद जवान एक कदम आगे बढ़ेगा, संदेश सौंपेगा, फिर एक कदम पीछे हटेगा और दूसरी बार सैल्यूट करेगा।

खण्ड - 3

27. बिना शास्त्र के विसर्जन

जब स्क्वाड को थोड़ा विश्राम देना हो तो ''लाइन तोड़'' की कमांड दी जाएगी। इसके थोड़ी देर बाद उसकी पुनः संरचना होगी। तब भी ''लाइन तोड़'' की कमाड दी जाएगी।

''लाइन तोड़'' की कमांड होने पर स्क्वायड दाएं घूमेगी और तेज गति में दो कदमों की थाप देकर बिखर जाएंगी और उस स्थान को छोड़ देंगे। इस वक्त कोई भी सैल्यूट नहीं दिया जाएगा।

2. ''स्वासथन'' इस शब्द की कमांड तब दी जाएगी जब स्क्वायड का किसी हाल अथवा कक्षा से विसर्जित करना होगा।

''स्वास्थन'' शब्द की कमांड होने पर कक्षा एकदम से सीधे स्थिति में आ जाएगी। सबके दोनों हाथ सीधे होकर घुटनों पर आ जाएंगे। इसके बाद वे सब खड़े होंगे और स्थान को छोड़ देंगे। इस समय भी कोई सैल्यूट नहीं दिया जाएगा।

3. ''विसर्जन'' - इन शब्दों की कमांड उस समय दी जाएगी जब स्क्वायड विसर्जित करना होता है और उनका पुननिर्ममाण अपेक्षित नहीं होता है।

''विसर्जन'' शब्द की कमांड होने पर स्क्वायड दाएं मुड़ेगी। सैल्यूट देंगे (सिर और आंखें अधिकारी की तरफ मुड़ जाएंगी) और बहुत कम समय में रैंकों के अनुसार बिखर जाएंगे एवं जल्द से जल्द परेड ग्राउंड छोड़ देंगे।

सामान्य गलतियां

सामान्यतः जवानों में यह आदत होती है कि वे ''विसर्जन'' को ''किसी खराब कार्य का अंत'' समझते हैं। इस प्रकार सोचना ठीक नहीं है। इसलिए इस पर तुरंत रोक लगायी जाए। विसर्जन का उद्देश्य परेड में उपस्थित उच्च अधिकारियों का अभिवादन करना है। अतः इसी बात को ध्यान में रखते हुए विसर्जन की कार्रवाई की जाए। स्क्वायड प्रशिक्षक हमेशा, इस बात का ध्यान रखेगा कि यह कार्रवाई अच्छी प्रकार हो और वह सैल्यूट की जांच करता रहे, चाहे सैल्यूट कवायद पूरी होने के बाद हो रहा हो या किसी अन्य परेड के बाद।

अध्याय - 6
छड़ी कवायद (केन ड्रिल)

खण्ड-1

28. प्रस्तावना

बेटन/केन सामान्यतः यूनिफार्म का एक हिस्सा है और विशेष अवसर पर अन्य अधिकारियों द्वारा तथा सामान्य सेवा के दौरान सब-इंस्पेक्टर एवं ऊपर के अधिकारियों द्वारा ड्यूटी के दौरान इसका प्रयोग किया जाता है।

एन.सी.ओ. एवं कांस्टेबल द्वारा भी केन का प्रयोग किया जाता सकता है। यह उनके द्वारा केवल तब ही प्रयोग में लाई जाएगी जब वे रेजीमेंटल ड्यूटी जैसे आर.पी. ड्यूटी, केन अर्दली एवं स्टिक अर्दली के रूप में कार्य कर रहे हों।

खण्ड -1

29. बेटन एवं केन में अंतर

बेटन की लंबाई 60 से.मी. और परिधि लगभग 6 से.मी. की होती है और इसके 43 से.मी. की लंबाई के बाद दोनों छोरों पर चांदी की दो टोपियां होती है। बेटन के ऊपर के हिस्से पर संगठन का चिह्न जो धातु-मुठ पर चिपकाया (वैल्ड) हुआ होता है।

केन के ऊपरी भाग में एक गोल घुमावदार मुठ जिस पर चिह्न अंकित होता है। केन के नीचे के हिस्से पर धातु की एक टोपी होती है। केन निम्नलिखित तरह की हो सकती है :

(क) विप केन :- सामान्यतः यह केन 24'' से 27'' तक की होती हैं। इस केन में धातु की मुठ नहीं होती है लेकिन शीर्ष पर चमड़े का एक हैंडल (हत्था) होता है तथा नीचे की तरफ 2 फितियां होती है। यह केवल घुड़सवार दस्ते द्वारा ही प्रयोग में र्ला जाती है।

(ख) सामन्य केन : इन केन की लंबाई 27'' से 30'' के बीच की होती है। इसके शीर्ष पर गोल मुठ होती है जिस पर संगठन का चिह्न अंकित (छपा) होता है। साथ ही नीचे एक धातु की टोपी होती है।

(ग) रेजीमेंटल केन : सामान्यतः इस केन की लंबाई 30'' से 33'' तक की होती है। इसके शीर्ष पर धातु की गोल घुमावदार मुठ होती है और नीचे की ओर एक धातु की टोपी होती है। यह सामान्य केन से थोड़ी मोटी होती है। और इसे चांदी की चेन से सजाया गया होता है। इसका प्रयोग रेजीमेंटल ड्यूटी के दौरान स्टिक अर्दली द्वारा किया जाता है अथवा परेड समारोह के दौरान अति-विशिष्ट व्यक्ति के पथ-प्रदर्शन के समय किया जाता है।

केन धारक को निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए :-

1. हाथों में केन घुमानी नहीं चाहिए।
2. पैरों की साइड़ों पर केन को नहीं मारना चाहिए।
3. केन द्वारा किसी ओर की तरफ इशारा नहीं करना चाहिए।
4. धरती पर केन द्वारा चित्र आदि नहीं बनाना चाहिए।

30. छड़ी की स्थिति

1. सावधान की मुद्रा में छड़ी की स्थिति

छड़ी दाहिने हाथ में मजबूती से खड़ी हालत में पकड़ी जाए तथा वह शरीर की दाहिनी तरफ हो, दाहिने हाथ के अंगूठे के पास वाली अंगुली छड़ी के नाब के नीचे हो तथा उसका रुखजांघ की ओर हो। अंगूठी छड़ी के सामने की तरफ हो तथा बाकी तीन अंगुलियों से छड़ी पकड़ी हुई हो।

2. विश्राम की मुद्रा में छड़ी की स्थिति

इस मुद्रा में दाहिने हाथ का पिछला भाग बाएं हाथ की हथेली में हो, छड़ी दाहिने हाथ से पकड़ें तथा दाहिने हाथ और शरीर के बीच में रखी जाए। छड़ी का ऊपरी भाग अर्थात् पतला हिस्सा दाहिने ऊपर की ओर तिरछा रहे।

3. मार्च करते समय छड़ी की स्थिति

''तेज चाल'' आदेश मिलने पर जिस प्रकार बिना छड़ी के तेज चाल में बताया गया है वैसा किया जाए। जैसे ही बायां पैर पहली बार जमीन पर आए दोनों हाथों को तेजी से छड़ी के बीच लाया जाए (एक हरकत) तथा छड़ी शरीर की दाहिनी तरफ खड़ी स्थिति में रखी जाए। जैसे ही बायां पैर दुबारा जमीन पर आए बाएं हाथ को चुस्ती से शरीर की साइड में गिराया जाए। छड़ी को चुस्ती से दाहिनी तरफ लाया जाए और जमीन के समानांतर तथा अंगूठे और दाहिने हाथ की पहली दो अंगुलियों के बीच संतुलित करके रखा जाए तथा छड़ी का रुख सामने की ओर हो। हाथों को उसी प्रकार हिलाया जाए जैसे बिना छड़ी की कवायद में हिलाया जाता है। मार्च करते समय छड़ी जमीन के समानांतर रखी जाए।

अब छड़ी आड़ी स्थिति में होगी। यदि स्क्वायड लाइन में चल रही हो तो सावधान की स्थिति के समान छड़ी रखी जाए।

4. थमना

''थम'' आदेश मिलने पर छड़ी आड़ी कर ली जाए तथा थोड़ी देर रुकने के बाद दो हरकतें करके सब को सावधान की स्थिति में लाया जाए जैसे :-

(क) छड़ी बाएं हाथ से बीच में से पकड़ी जाए और शरीर की दाहिनी तरफ खड़ी हालत में लाई जाए। इसके साथ-साथ दाहिना हाथ सावधान की मुद्रा के समान छड़ी के नॉब के पास हो जाएं।

(ख) इसके बाद बायां हाथ चुस्ती से बायीं ओर गिराया जाए।

5. पाछे मुड़ना

जब स्क्वाड ''थम'' में हो तब ''पीछे मुड़'' की पहली हरकत करके छड़ी तेजी से सावधान की स्थिति में रखी जाए।

मार्चिंग के दौरान पीछे मुड़ की पहली हरकत (बाएं पैर से) छड़ी चुस्ती से दाहिने कंधे के सामने खड़े रुख में रखें। छड़ी का ऊपर भाग बाजू (साइड) में रखे। अग्रबाहु आड़ी हो तथा हाथ कमर पेटी की सीध में हो। दाहिने पैर से मुड़ने के बाद पहला कदम बढ़ाते समय छड़ी आड़ी रखी जाए।

खण्ड - 2

31. छड़ी से सैल्यूट करना

1. छड़ी से सामने को सैल्यूट करना

यह कार्यविधि लिखित या मौखिक संदेश देते समय या अधिकारी से बात करते समय अपनाई जाती है।

2. ''सामने को सैल्यूट - स्क्वाड सैल्यूट''

जैसे ही दाहिना पैर जमीन पर आए 'सैल्यूट' आदेश दिया जाए (जैसा थम के लिए किया जाता है।) आदेश मिलने पर स्क्वाड 'थम' करेगा, कुछ समय के लिए रुकेगा। (तेज चाल में दो कदम आगे बढ़ने में लगने वाले समय तक, छड़ी को तेजी से बाएं हाथ के नीचे लाएं तथा छड़ी का सिरा पीछे करें। दाहिने हाथ को तेजी से बगल में गिराया जाए व सैल्यूट किया जाए। इसके बाद एक कदम आगे बढ़ाया जाए लिखित संदेश यदि कोई हो, दाहिने हाथ से अधिकारी को दिया जाए। बाद में एक कदम पीछे हट कर फिर से सैल्यूट किया जाए तथा छड़ी को बाएं हाथ में रखकर पीछे मुड़े तथा तेज चाल से मार्च करते हुए लौट जाएं।) यदि कोई लिखित संदेश न देना हो और मौखिक रूप से कुछ कहना हो तो पहले सैल्यूट के बाद एक कदम आगे बढ़ना आवश्यक नहीं है। दो भिन्न-भिन्न हरकतों के बीच तेज चाल में दो पदाघातों में लगने वाले समय के बराबर समय तक रुका जाए। जैसे ही बायां पैर पहली बार जमीन पर आए छड़ी को दाहिने हाथ से यथा संभव बीच में पकड़ा जाए। पकड़ते

समय अंगूठा नीच की तरफ हो और हाथ का पिछला भाग अधिक से अधिक ऊपर की ओर हो। दूसरी बार बायां पैर जमीन पर लगते ही छड़ी झटके से आड़ी कर दी जाए।

3. छड़ी घुमाते हुए दाहिने (या बाएं) सैल्यूट करना ''दाहिने (या बाएं) को सैल्यूट -- स्क्वाड सैल्यूट''

इसमें जैसे ही बायां पैर जमीन पर आए ''सैल्यूट'' आदेश दिया जाए। ''सैल्यूट'' आदेश मिलने पर जैसे ही बायां पैर पहली बार जमीन पर आए छड़ी को चुस्ती से बांयी बगल में ले लें, छड़ी का पहला भाग पीछे की ओर हो। अगली बार (अर्थात् चौथे कदम के बाद) जब बायां पैर जमीन पर आए दाहिना हाथ झटके से बगल में गिराओ और सिर को निर्दिष्ट दिशा में ला कर छठे कदम पर सैल्यूट करो। 12वें कदम पर (बाएं पैर से) दाहिना हाथ झटके से बगल में गिराएं और सिर सामने की ओर हो। 14वें कदम पर जैसे ही बायां पैर जमीन पर आये दाहिने हाथ से छड़ी को यथा संभव बीच से पकड़ो। हथेली का पिछला भाग एक दम ऊपर हो तथा अंगूठा नीच की तरफ हो। 16वें कदम पर जैसे ही बायां पैर जमीन पर आए छड़ी को आड़ा करके चुस्ती से शरीर की दाहिनी ओर कर लो। सैल्यूट करते समय बाएं हाथ को न हिलाएं। छड़ी से होने वाली सभी हरकतें बाएं पैर से आघात से होंगी।

खण्ड - 3

32. घड़ी से विसर्जन -

''स्क्वाड विसर्जन''

यह आदेश मिलने पर स्क्वाड दाहिनी ओर मुड़े। छड़ी बायीं ओर रखी जाए। छड़ी का ऊपरी भाग पाछे तथा दाहिना हाथ बगल में (साइड में) हो तथा सिर और आंखों को मोड़े बिना सैल्यूट किया जाए तथा स्क्वाड तेज चाल से अपने स्थान पर लौट जाए। ये सभी हरकतें एक ही स्थान पर तेज चाल से होंगी। चौथे कदम पर हाथ को बगल में ले जाएं। यदि परेड के मैदान में कोई अफसर न हो तो स्क्वाड सैल्यूट नहीं करेगा। दाहिनी ओर मुड़ते समय छड़ी को सावधान की स्थिति में रखा जाए।

टिप्पणी : कोई अफसर किसी दूसरे अफसर से बात करते समय या निरीक्षण करते समय छड़ी बायीं बगल में दबा लेगा तथा छड़ी को बाएं हाथ की अंगुलियों से पकड़ेगा। छड़ी थोड़ी ऊपर रखी जाए, अंगूठा सीधा तथा दाहिनी ओर हो। इस प्रकार छड़ी हाथ के बाहरी भाग अर्थात् अंगूठे और तर्जनी के बीच रहे।

खण्ड- 4

33. बेटन/केन के साथ मार्च करते हुए ड्रिल करना

(क) **बाजू केन से बगल केन :** सावधान की स्थिति में बेटन/केन को दाएं हाथ की बगल के नीचे लिया जाएगा। दायां हाथ तेजी के साथ नीचे की तरफ आ जाएगा और उसी समय बायां हाथ केन की मुठ को पकड़ लेगा, अंगुलियां आपस में मिली हुई बाईं तरफ को बढ़ी हुई एवं केन का मुंह तिरछा व ऊपर की ओर होगा तथा अंगूठा दाएं तरफ को सीधा होगा। इसके बाद केन अंगूठे एवं अंगुलियों के पोरों पर टिकी होगी।

(ख) बगल केन की स्थिति में केन के साथ सैल्यूट : इस स्थिति में जब सैल्यूट देना है तो बायां हाथ नीचे आएगा और दायां हाथ सैल्यूट के लिए ऊपर जाएगा। जैसे ही सैल्यूट पूरा होगा वैसे ही दायां हाथ तेजी से नीचे आ जाएगा और बायां हाथ अपनी मूल जगह यानी केन/बेटन पर आ जाएगा।

(ग) बगल केन से बाजू केन : दायां हाथ तेजी से उस जगह पर जाएगा जहां बाएं हाथ ने पकड़ रखा था। दाएं हाथ द्वारा पकड़ने के बाद बायां हाथ तेजी से नीचे की तरफ आ जाएगा।

दाएं हाथ की मदद से बाएं हाथ के नीचे से केन को खींच लिया जाएगा और बगल केन की स्थिति में ले लिया जाएगा।

(घ) तोल क्रेन से बगल केन : ''बगल केन'' शब्दों की कमांड होने पर दायां हाथ तेजी से नीचे की ओर आएगा और उसके हाथ की गांठ ऊपर की तरफ होगी।

दायां हाथ तेजी से नीचे की तरफ आएगा और इसी समय बायां हाथ केन के ऊपर अंगुलियां आपस में मिलाकर आ जाएगा और जो बाईं तरफ को बढ़ी हुई होंगी। केन का मुंह तिरछा व ऊपर की ओर होगा तथा अंगूठा दाएं तरफ सीधा होगा। इसके बाद केन अंगूठे एवं अंगुलियों के पोरों पर टिकी होगी।

(ड) बगल केन से तोल केन : दायां हाथ तेजी से केन को बीच से पकड़ लेगा जिसमें अंगुलियों की गांठ ऊपर को रहेगी और कलाई छाती के सामने होगी।

तोल केन की स्थिति में दायां हाथ तेजी से नीचे की ओर आएगा।

अध्याय - 7
सैल्यूट के बारे में सामान्य अनुदेश

खण्ड - 1

34. बिना टोपी या पगड़ी पहने और सादी पोशाक आदि में सैल्यूट करना

इस खण्ड में एक पुलिस मन (इनमें राजपत्रित पुलिस अफसरों के साथ-साथ उच्च अधीनस्थ शामिल हैं) को यह बताया गया है कि यदि कोई अफसर उसके पास से गुजरे या कोई अफसर उससे बात करे या उसकी अफसर से मुलाकात ऐसे समय में हो जब वह टोपी या पगड़ी न पहने हो या सादे कपड़ों में हो, वर्दी में न हो तो उसे कैसा व्यवहार करना होगा। ऊपर उल्लिलिखत सभी बातें जवान के शिक्षण का एक हिस्सा है। इसिलिए इन्हें जवान के सामने स्पष्ट किया जाए, प्रदर्शन किया जाए और मैदान में इनका अभ्यास करवाया जाए।

1. बिना टोप या पगड़ी पहने।

किसी भी समय जब टोपी या पगड़ी न पहनी हो

(क) यदि कोई अफसर बगल से गुजर रहा हो तो अपने दोनों हाथ झटके से बगल में गिराएं तथा बाएं कदम पर अपना सिर और आंखें अफसर की दिशा में मोड़े और छह कदम आगे बढ़ जाने तक इसी दिशा में रहें। इसके बाद सिर सामने कर लें।

(ख) यदि अफसर उससे बात करें तो वह सावधान की स्थिति में खड़ा रहे।

(ग) यदि कोई अधिकारी उसके पास से गुजरे तो वह सावधान की स्थिति में खड़ा रहे।

2. सादे कपड़े में होने पर

यदि कोई पुलिस मैन पश्चिमी टोपी पहने हुए हो तो वह अपनी टोपी पूरी तरह सिर से हटा लेगा और सीधे अफसर की आंखों की ओर देखेगा। यदि पुलिस ने भारतीय टोपी या पगड़ी पहनी हो तो वह उसे सिर से नहीं हटाएगा। वह केवल अपने दोनों हाथों को तेजी से बगल में गिरा कर अपना सिर अधिकारी की दिशा में मोड़ेगा। यदि अधिकारी उससे बात करें या वह अधिकारी से बात करें तो बातचीत के दौरान वह सावधान की मुद्रा में खड़ा रहे।

3. बैठकर सैल्यूट करना

यदि कोई अफसर ऐसे समय आए जब पुलिस मैन बैठा हो तो वह अफसर के सामने खड़ा हो जाए और हाथ से सैल्यूट करे। यदि उस स्थान पर दो से अधिक जवान बैठे या खड़े हों तो वरिष्ठ अधिकारी नान-कमीशंड अफसर या सबसे पुराना पुलिस मैन अफसर की ओर चेहरा करके खड़ा हो, सभी को सावधान होने के लिए कहे लेकिन अकेला ही सैल्यूट करे।

4. अफसर से बात करते समय या उसे संदेश देते समय

पुलिसमैन चुस्ती से अफसर के पास तेज चाल में मार्च करते हुए जाएगा उससे दो कदम दूर खड़ा रहेगा सैल्यूट करेगा अफसर से बात करेगा या अपना संदेश देगा (एक कदम आगे बढ़कर तथा संदेश देने के बाद एक कदम पीछे हटकर) फिर से सैल्यूट करेगा, पीछे मुड़ेगा और तेज चाल में मार्च करता हुआ लौट जाएगा।

सामान्य गलतियां

(1) अपेक्षित तरीके से अभिनंदन न कर पाना।

(2) बिना हैट या टोपी पगड़ी पहने सैल्यूट करना।

खण्ड-2

35 विविध

राष्ट्र गीत

1. निम्नलिखित व्यक्तियों को 'राष्ट्रीय सैल्यूट' किया जाएगा :

(क) भारतीय गणतंत्र के राष्ट्रपति।

(ख) राज्यपालों को अपने-अपने राज्य में।

2. ऐसे उच्चपदाधिकारी जो समारोह के अवसर पर सैल्यूट लेने के हकदार हों उन्हें 'सामान्य सैल्यूट' (जनरल सैल्यूट) दिया जाए।

3. निम्न व्यक्तियों के लिए और अवसरों पर राष्ट्रगीत (जग गण मन) बजाया जाए :

(क) भारतीया गणतंत्र के राष्ट्रपति के लिए

(ख) राज्यपालों के लिए अपने अपने राज्यों में

(ग) समारोहों, उत्सवों और परेड़ों में

चाहे ऊपर के पैरा 1 (क) और 1 (ख) में उल्लिखित हो या न हो, 15 अगस्त और 26 जनवरी को।

4. विशेष अवसरों पर राज्य सरकार की पूर्वानुमति से भारत के प्रधानमंत्री के लिए भी राष्ट्रगीत की धुन बजाई जा सकती है।

5. (क) जब भी राष्ट्रगीत की धुन बजाई जाए तब वर्दी पहने सभी जवान सावधान की स्थिति में खड़े रहें। राजपत्रित और अराजपत्रित तथा अधीनस्थ अधिकारी सैल्यूट करेंगे।

(ख) यदि सेरिमोनियम परेड में राष्ट्रगीत की धुन बज रही हो तो वर्दी में खड़े ऐसे सभी जवान जो परेड के कमान अफसर के अधीन नहीं है ऊपर पैरा 5 (क) में बताए अनुसार सावधान की स्थि्ति में खड़े रहें तथा समारोह परेड में राष्ट्रगीत की धुन बजने पर सैल्यूट लेनेवाले मुख्य उच्च पदाधिकारी के साथ अधीनस्थ अधिकारी तथा सैल्यूट करने वाले अधिकारी केवल सावधान की स्थिति में खड़े रहें सैल्यूट न करें।

(ग) रैंक के जो जवान सादे कपड़ों में हों वे सावधान की स्थिति में खड़े रहें तथा पश्चिमी ढंग की टोपी पहने हुए सभी अफसर अपनी टोपी सिर से उतार दें। मार्च करने वाले पार्टी को कमांड करने वाले सभी अफसर या अधीनस्थ अफसर अपनी पार्टी को थमने के लिए कहें। यह पार्टी कंधे शस्त्र या सावधान की स्थिति में खड़ी रहेगी तथा अफसर या अधीनस्थ अफसर सैल्यूट करेगा। यदि पार्टी के पास खुली हुई तलवार हो तो अफसर 'सामने तलवार' की स्थिति में खड़े रहेंगे। संतरी कंधे शस्त्र की स्थिति में रहें।

6. सैल्यूट लेना

अफसर सैल्यूट स्वीकार करेगा तथा शिष्टता में इसका जवाब सैल्यूट से देगा। यदि दो या दो से अधिक साथ हों तो इनमें से जो अफसर वरिष्ठ होगा वह सैल्यूट का जवाब देगा।

7. बाएं हाथ से सैल्यूट करना

यदि शारीरिक अक्षमता के कारण दाहिने हाथ से सैल्यूट करना असंभव हो तो बाएं हाथ से सैल्यूट किया जाएं।

8. पुलिस और सैनिक अंत्येष्टि क्रिया

पुलिस या सैनिक अंत्येष्टि क्रिया में शामिल होने वाले अफसर और जवान शव की ओर दाहिने या बाएं देखकर 'सैल्यूट' करेंगे। पार्टी का वरिष्ठ प्रभारी अफसर सैल्यूट करेगा।

9. घोड़े पर सवार होने पर सैल्यूट करना

बिना शस्त्र घोड़े पर सवार अफसर दाहिने हाथ से सैल्यूट करेगा तथा यदि पुलिसमैन बिना शस्त्र के घोड़े पर सवार हो तो वह नीचे बताए अनुसार सैल्यूट करेगा।

(क) यदि पुलिसमैन ने दोनों हाथों से लगाम पकड़ी हो तो वह अपने हाथ हिलाए बगैर, दाहिने या बाएं देखेगा।

(ख) यदि लगाम एक हाथ से पकड़ी हो तो दाहिने हाथ को दाहिनी जांघ के पीछे पूरा सीधा करेगा, अंगुलियां आधी बंद होंगी हाथ का पिछला हिस्सा दाहिनी ओर होगा तथा दाहिनी या बायीं ओर देखेगा।

10. गाड़ी (इसमें साइकिल भी शामिल हैं) चलाते समय

साइकिल (पैडल वाली या मोटर लगी हुई) या यांत्रिक वाहन का चालक साइकिल या वाहन के गति में रहने की अवधि में सैल्यूट नहीं करेगा क्योंकि सैल्यूट करते समय आंखें सड़क से हटानी पड़ती है।

जब वाहन स्थिर हो तब वह दायें या बाएं देखकर सैल्यूट करेगा किंतु वह अपने हाथ हैंडिलबार या स्टीयरिंग व्हील से नहीं हटाएगा।

यदि पुलिसमैन घोड़े पर या जुते हुए वाहन में या मशीनी वाहन में यात्री के रूप में बैठा हो और यदि संभव हो तो वह दाहिने हाथ से सैल्यूट करके अभिनंदन करेगा अन्यथा पुलिसमैन पैदल जवानों के लिए निर्धारित अनुदेशों का पालन करेंगे। चालक सावधान की स्थिति में बैठेगा। यदि चालक उस दिशा में मुंह करके बैठा हो जिधर वाहन जा रहा हो तो वह दाहिनी या बायीं ओर देखकर सैल्यूट करेगा तथा यदि किसी अन्य दिशा में मुंह करके खड़ा हो तो वह सीधे अपने सामने देखेगा।

अध्याय- 8

थम पर तीन लाइनों में कवायद करना

इस अध्याय में तीन लाइनों में प्लाटून द्वारा कवायद के बारे में अनुदेश दिए गए हैं ये अनुदेश जवानों के किसी छोटे समूह के लिए भी समान रूप से उपयोगी है। तथापि अभ्यास में रंगरूटों को एक स्क्वाड के जवानों का एक लाइन में होना बहुत अच्छा होता है जिससे स्क्वाड के सभी जवान शिक्षक को उस समय तक ठीक से देख सकें जब तक वे कवायद की सारी बातें न सीख जाएं। कवायद की सारी हरकतें सीख लेने के बाद उनसे दो लाइनों में और अंत में तीन लाइनों में कवायद की कार्रवाई की जा सकती है।

खण्ड-1

36. स्क्वाड या प्लाटून बनाना

1. स्क्वाड या प्लाटून बनाने का सबसे सही तरीका यह है कि प्रशिक्षक 'दाहिने दर्शक को बुलाए'। 'दाहिना दर्शक' (अगली लाइन को दाहिनी ओर का जवान या तैनात कोई भी जवान) प्रशिक्षक के पास जाकर सावधान की मुद्रा में या यदि हथियार बंद हो तो कंधे शस्त्र में, उसके सामने खड़ा हो जाए। इसके बाद प्रशिक्षक जवान को विश्राम की स्थिति में खड़ा होने के लिए कहे और कमान शब्द बोले।

2. 'स्क्वाड या प्लाटून लाइन बन'

यह आदेश मिलने पर सभी जवान चुस्ती से दर्शक की बायीं ओर तीन लाइनें बनाते हैं और विश्राम की स्थिति में खड़े हो जाते हैं।

3. जवानों के बीच पूरे एक हाथ की मुट्ठी बंद करके फैलाने जितना फासला रहे। दो लाइनों के बीच एक कदम अर्थात 30 इंच का फासला रहे। जवानों को लाइन बनाते समय दाहिनी ओर से सजना चाहिए तथा आगे से शुरू करके पीछे की तरफ कवर करना चाहिए।

टिप्पणी : सेक्शन कमाण्डर की स्थिति : एक संगठित प्लाटून में तीन लाइनों में से प्रत्येक लाइन एक सेक्शन होती है तथा सेक्शन कमाण्डर अपने सेक्शन की दाहिनी ओर होता है। यदि सेक्शनों को उप सेक्शनों में बांटा जाए तो उप सेक्शनों के कमाण्डर अपने उप सेक्शनों के दाहिनी ओर की लाइन में होते हैं।

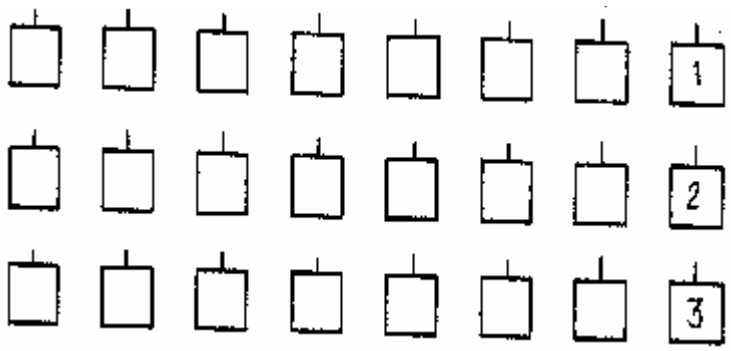

रेखा चित्र-1

खण्ड-2

37. खाली फाइल (ब्लैंक फाइल)1. यदि जवानों की कुल संख्या इतनी हो कि इसे पूरी-पूरी फाइलों में न खड़ा किया जा सकता हो तो एक खाली फाइल (तीन जवानों की अधूरी फाइल) बनाई जाएगी। खाली फाइल बाएं से दूसरी फाइल के बीच वाली लाइन में होगी जैसा कि चित्र-2 में दिखाया गया है।

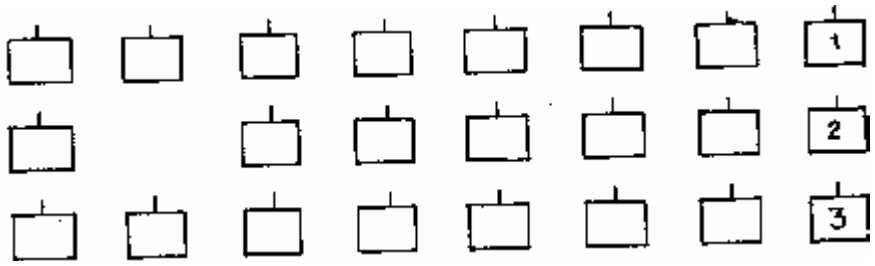

रेखा चित्र-2

2. यदि दो जवान कम हों तो पिछली लाइन में भी दूसरी खाली फाइल बनाई जाएगी जैसा कि चित्र-3 में दिखा गया है :

3. सामने के रैंक में खाली फाइल (खाली स्थान) कभी न बनाई जाए। इसलिए जब चित्र-3 में दिखाए गए प्लाटून को पीछे मुड़ने के लिए कहा जाए तब पिछली लाइन जो अब आगे होगी उसका एक जवान आगे आएगा और खाली स्थान भरेगा।

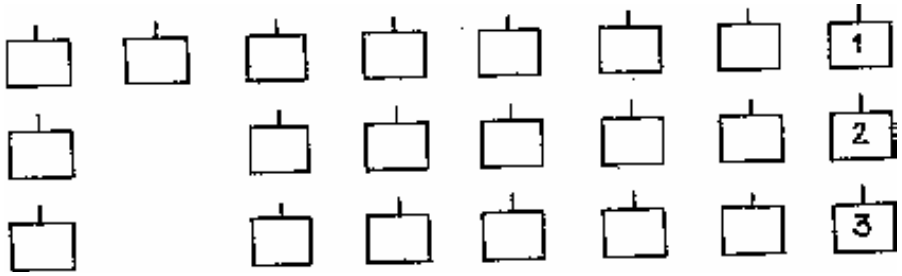

रेखा चित्र-3

खण्ड- 3

38. सजना (ड्रेसिंग)

1. 'दाहिने सज'

दाहिनी ओर खड़े जवान को छोड़कर सभी जवान 15 इंच का एक छोटा कदम आगे बढ़ाएं, कुछ देर रुक तथा अपने सिर और आंखों की चुस्ती से दाहिनी ओर मोड़ें और इसके साथ-साथ मुट्ठी बंद करके अपना दाहिना हाथ (यदि दाहिने हाथ में शस्त्र हो तो बायां हाथ) फैलाएं। इस हाथ के टखने दाहिने जवान के कंधे को छुए। इसके बाद छोटे तेज कदमों से चलकर लाइन में तब तक सजता रहे जब तक उसे अपने से अगले व्यक्ति के चेहरे का निचला हिस्सा न दिखाई देने लगे। उक्त कार्रवाई करते समय यह सावधानी बरती जाए कि शरीर

को पैरों से आगे या पीछे ले जाया जाए। कंधे ठीक स्थिति में अपने स्थान पर रहें तथा शरीर को तना हुआ रखा जाए।

2. '' सामने देख''

सिर और आंखें चुस्ती से सामने की ओर मोड़ी जाएं बाजू को अपनी अपनी साइड में तेजी से गिराया जाए तथा जवान सावधान की स्थिति में लौट आएं।

3. सजने के बारे में सामान्य टिप्पणी

परेड करने वाले जवानों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे मार्चिंग करते समय अपनी सीध में रहें तथा ''थम'' का आदेश मिलने पर अपने आप अपनी सीध में आ जाएं। इसका तात्पर्य यह है कि जिस क्षण प्लाटून को थमने का आदेश मिल जाए उसी क्षण प्रत्येक जवान अपनी दाहिनी या बायीं ओर देखें और अपनी सीध ठीक करें, कवर करें तथा अपना सिर एक दम फिर सामने करें तथा सावधान की स्थिति में खड़ा रहें। यह कार्य बिना किसी आदेश के करें। इसके लिए हाथ नहीं उठाया जाता है। हाथ केवल तभी उठाया जाता है जब ''दाहिने या बाएं सज'' आदेश दिया जाता है।

टिप्पणी : प्रारंभिक प्रशिक्षक की अवधि में जवानों को सही फासले के बारे में जानने के लिए हाथ उठाने की अनुमति दी जा सकती है। सजते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि सजने की कार्रवाई केवल तीन या चार सेकंडों में पूरी हो जानी चाहिए।

खण्ड - 4

39. चलने की कवायद

1. मार्चिंग के बारे में सामान्य टिप्पणी और निश्चित दिशा

परेड के मैदान में की जाने वाली कवायद के लिए यह माना जाता है कि प्लाटून के लिए एक ''दिशा निश्चित है'' 'दाहिना गाइड' (सामने की लाइन में खड़ा दाहिना जवान जो सामान्यतः सं.1 सेक्शन कमाण्डर होता है) महत्वपूर्ण व्यक्ति होता है। जब प्लाटून दाहिने गाइड के साथ लाइन में हो तब 'प्लाटून सामने होता है' या 'आगे बढ़ रहा होता है।' जब प्लाटून को पीछे मुड़ने के लिए कहा जाता है (दाहिना गाइड पिछली लाइन की बाईं फ्लैक में होता है) तब प्लाटून अपने ''पीछे की ओर मुंह करके'' खड़ा होता है या 'पीछे लौटने' की स्थिति में होता है। ये शब्द 'दाहिने गाइड' की स्थिति और मूल प्रथम लाइन को ध्यान में रखकर प्रयुक्त किए जाते हैं, मैदानी कवायद की किसी विशिष्ट साइड को ध्यान में रखकर प्रयुक्त नहीं किए गए हैं।

आगे बढ़ने की स्थिति

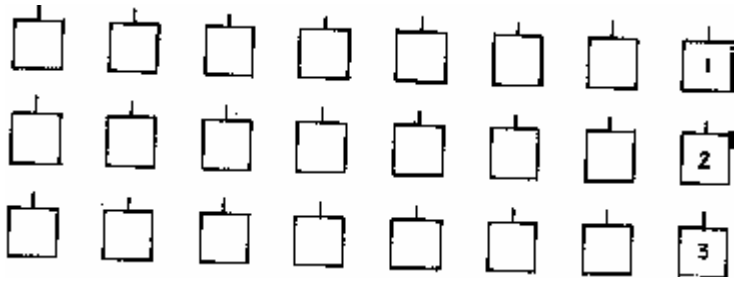

रेखाचित्र 4

पीछे लौटने की स्थिति

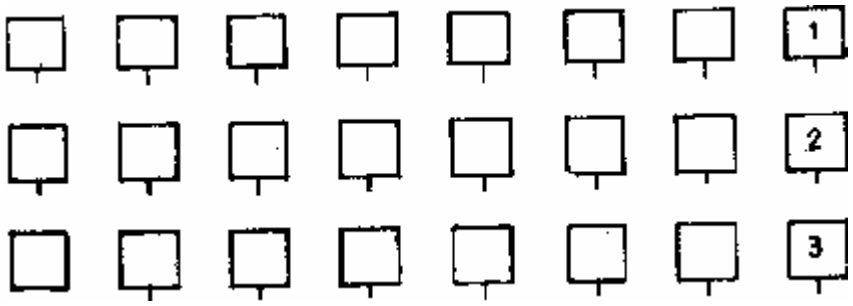

रेखा चित्र 5

खण्ड-5

40. प्लाटून लाइन में और तीनों - तीन में

प्लाटून कवायद के मैदान में सिर्फ दो तरह की कवायद करती है:

(क) प्लाटून लाइन सामने या पीछे मुंह करके तीन रैकों में खड़ी होती है। जैसा की चित्र-4 और 5 में दिखाया गया है।

(ख) तीनों-तीन में जब प्लाटून को दाहिने या बाएं मोड़ दिया जाता है, जैसा कि चित्र 6 और 7 में दिखाया गया है।

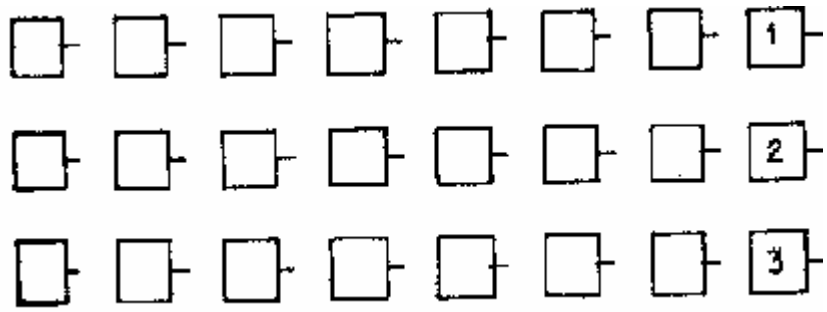

रेखा चित्र 6

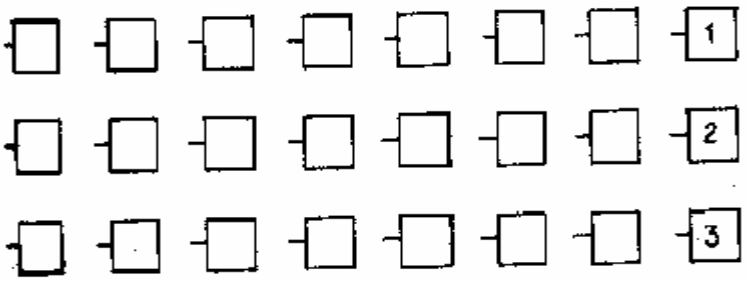

रेखा चित्र 7

खण्ड-6

41. मार्च करते समय सजना

1. जब मार्च करने का आदेश दिया जाता है तब सामान्यतः सीध की दिशा भी निर्धारित कर दी जाती है और सबसे अगले रेंक का आखिरी जवान जिसका उल्लेख हो चुका है, दिशा और कदम के लिए जिम्मेदार होता है। वह 'गाइड' कहलाता है तथा उसे सीधे सामने देखना चाहिए शेष प्लाटून उसकी सीध में खड़े हो तथा ठीक ढंग से एक दूसरे के पीछे चले।

2. निर्देश फ्लैंक - यदि कोई विशिष्ट कारण न हो तो प्लाटून लाइन में मार्च करते समय दाहिने से आगे बढ़ती है अर्थात् (दाहिना गाइड) जब प्लाटून वापस लौटती है (मूल दाहिनी लाइन से) तब वह बाएं गाइड से लौटती है। जब तीनों-तीन दाहिनी ओर चलती है तब बाएं से मार्च करती है (दोबारा दाहिने गाइड से) तथा बाईं ओर तीनों-तीन में चलते समय दाहिने से मार्च करती है।

3. यदि प्लाटून थम की स्थिति के बाद पहली बार चल रही हो तब सामान्यतः आदेश के साथ ही सजने की दिशा बता दी जाती है। किंतु जब प्लाटून को चलते-चलते कवायद कार्रवाई की जा रही हो तो यह माना जाता है कि प्लाटून को दिशा मालूम हो जैसा कि पहले बताया जा चुका है और प्रशिक्षण प्राप्त प्लाटून को बार-बार याद दिलाने की आवश्यकता नहीं है।

खण्ड-7

42. लाइन में मार्च करना

1. 'दाहिने से तेज-चल' - पहले 'प्लाटून आगे बढ़ेगा' सतर्क करने वाले कमान शब्दों का प्रयोग किया जाए।

यह आदेश प्राप्त होने पर प्लाटून दाहिने से सीध लेती हुई बाएं कदम से आगे बढ़ेगी।

मार्च करने के बारे में विशेष ध्यान दें।

मार्चिंग आरंभ करते समय पहला कदम तेज तथा 30 इंच का हो। इसके लिए एक मिनट में 120 कदम की रफ्तार से चलें। सिर तना हुआ आंखें सामने की तरफ, हाथ सीधे स्वाभाविक मुड़े हुए हों तथा कंधे के पास से प्राकृतिक रूप से झुलते हुए हों, बाजू सामने की तरफ हिलने चाहिए न कि शरीर के आड़े तरफ, मुट्ठियां कुछ बंद हों। कवायद की ताल जवानों द्वारा समय पर एक साथ उठाए गए कदमों तथा हाथों को साधी सामने हिलाने के ऊपर निर्भर करती है।

2. प्लाटून पीछे लौटेगा - 'पीछे मुड़'

प्लाटून दाहिने से पीछे मुड़े और दाहिने पैर से आगे बढ़े तथा बाएं से सीधे में आए। पीछे मुड़ने का सही तरीका नीचे बताएं अनुसार है : जैसे ही बायां पैर जमीन पर आता है आदेश सुनाया जाता है। इसके बाद जवान दाहिने पैर से एक पूरा कदम आगे बढ़े तीन कदम ताल (बायां/दाहिना/बायां) करते हुए पीछे मुड़े तथा अंत में दाहिना पैर आगे बढ़ाएं।

3. सही कदम पर आदेश देना

जवान चुस्ती से कवायद करें इसके लिए सही कदम पर आदेश दिए जाने चाहिए। इसके लिए अभ्यास आवश्यक होता है। इसका तात्पर्य यह है कि जैसे ही बायां पैर दाहिने पैर के पास से गुजरे अर्थात् जमीन पर आ रहा हो तब जवानों को आदेश मिल जाना चाहिए। इससे इस बात का पता चलता है कि यदि प्रशिक्षक अपनी प्लाटून से बहुत दूर हो तो आदेश उस स्थिति की अपेक्षा थोड़ा पहले दिया जाए जबकि प्रशिक्षक अपनी प्लाटून के नजदीक हो। थोड़ा सा अभ्यास करने पर प्रशिक्षक सही कदम पर आदेश दे सकेगा इससे जवान चुस्ती से एक साथ कवायद कर सकेंगे।

(ख) **खाली फाइल :** 'पीछे मुड़' का आदेश देते समय 'पीछे' और 'मुड़' शब्दों के बीच में कुछ समय दिया जाता है। यदि दो खाली फाइलें हों तो सामने की लाइन का जवान 'पीछे' शब्द सुनते ही दो बार कदम ताल

करे और 'मुड़' आदेश प्राप्त होने पर मुड़े यह कार्रवाई ठीक ढंग से करने पर पिछली लाइन का जवान कमान शब्दों का उच्चारण पूरा होने पर जैसे ही मुड़ेगा वह सामने की लाइन में आएगा।

4. प्लाटून आगे बढ़ेगा - पीछे मुड़

जवान सामान्य ढंग से पीछे मुड़ेंगे। इस कमान से प्लाटून अपनी पहले वाली स्थिति में आ जाएगा। संबोधन शब्द का ध्यान रखें। इस संबंध में एक बात का ध्यान और रखा जाए कि यदि प्लाटून को किसी स्थान तक या अफसर के पास ले जाया जा रहा हो तो प्लाटून का रुखसामने की ओर (दाहिना-गाइड दाहिनी पार्श्व में) हो। इसमें यह गलती होने की संभावना होती है कि पिछली लाइन आगे हो जाती है।

खण्ड- 8

43. एक फ्लैंक को लाइन बदलने के लिए दिशा निर्देश देना

1. इस हरकत का प्रयोग दाहिने या बाएं की दिशा बदलते समय होता (अर्थात् 90 अंश के कोण पर मुड़ते समय) है।

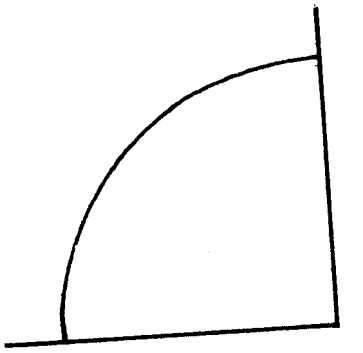

रेखा चित्र 8

किसी लाइन को आधा दाहिने या बाएं मोड़ने के लिए भी इसका प्रयोग हो सकता है। (अर्थात् 45 अंश पर मुड़ने के लिए।) ऐसी स्थिति में सामान्य आदेश से पहले 'थम' आदेश दिया जाता है।

2. यह 'थम' और 'मार्च' दोनों स्थितियों में हो सकता है। इसका अभ्यास पहले-पहल आधा मुड़ कर करना बेहतर होगा।

(क) 'थम' पर लाइन बदलने के लिए दिशा निर्देश देना-

'दाहिने दिशा बदल, दाहिने बन'

(1) दाहिना दर्शक पूरी तरह दाहिनी ओर मुड़ता है तथा शेष सामने का रैंक आधा दाहिने मुड़ता है। बाकी जवान उसी स्थिति में खड़े रहते हैं।

'तेज चल'

(2) दाहिना गाइड तीन कदम आगे बढ़ता है और बाद में कदम ताल करता है। बाकी बचा हुआ अगला रैंक दाहिने से सीध लेकर घूमकर अपने स्थान पर आ जाता है। दूसरी और तीसरी रैंक के जवान समान की लाइन के पीछे चल कर अपनी अपनी जगह पर आ जाते हैं तथा पूरा प्लाटून तब तक कदम ताल करता है जब तक अगला आदेश नहीं मिल जाता।

रेखा चित्र 9 देखें

टिप्पणी : 1. ''थम कर'' इस आदेश से पहले दाहिने बन का संबोधन दिया जाता है तो इसका अर्थ यह है कि जवान यह हरकत पूरी करने के बाद थम की स्थिति में जाएंगे।

2. ''बाएं दिशा बदल'' ''बाएं बन तेज चल'' : यह आदेश तब दिया जाता है जब बायीं तरफ लाइन बनानी हो। समान्यतः इसमें वही हरकतें हैं बायीं ओर का जबान पूरी तरह बायीं ओर मुड़ता है आदि। जबान अपनी स्थिति में आने पर बाएं से सीध लेते हैं।

(ख) चलते समय लाइन की दिशा बदलना

इसमें प्लाटून चल रही होती है इसलिए 'तेज चल' बोलने की आवश्यकता नहीं होती चाहे अन्य कमान शब्द वही हों। इसकी हरकतें ऊपर बताए अनुसार ही होती है। यदि प्रशिक्षक यह चाहता हो कि यह हरकत पूरी होने के बाद लाइन थम जाए तो ''थम कर'' आदेश से पहले ''दाहिने बन'' आदेश दिया जाए।

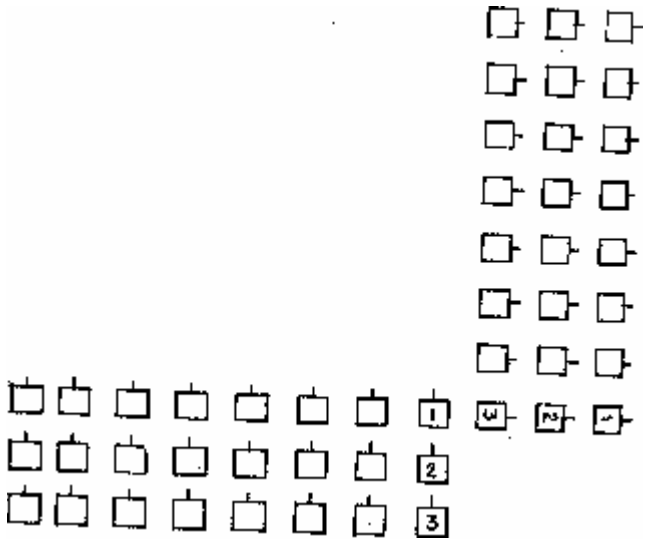

रेखा चित्र 9

3. 'दाहिने दिशा बदल-दाहिने बन'

यहां 'बन' इस कवायद का आखिरी आदेश है। यह आदेश मिलने पर दाहिना दर्शक अपनी दाहिनी ओर मुड़ कर तीन कदम मार्च करे (अपनी पिछली लाइन के जबान के लिए स्थान बनाने के लिए) और कदम ताल कर तथा उसके पीछे वाले दूसरी और तीसरी लाइन के जबान घूमते हुए उसका अनुसरण करें। सामने की लाइन के बाकी जवान आधा दाहिने मुड़कर दाहिने दर्शक की लाइन में खड़े होकर सजें। अन्य को लाइनें इनका अनुसरण करें और दाहिनी ओर से सजें।

विशेष ध्यान दें : (1) जैसे ही दाहिना पैर बाएं पैर के पास से गुजरे उसी समय कमान देने का सबसे सही समय है। इसके बाद जवान सामान्य तरीके से दाहिने मुड़ें।

(2) बाएं से सीध लेकर भी इसी प्रकार की हरकत की जा सकती है।

4. 'प्लाटून आगे बढ़'

जो जवान कदम ताल में चल रहे हों उन्हें फिर से आगे लाने के लिए यह आदेश जरूरी होता है। अब प्लाटून नई दिशा की ओर जो मूलतः दाहिने बाजू थी आगे बढ़ेगी।

खण्ड-9

44. तीनों-तीन में मार्च करना

1. जब प्लाटून परेड ग्राउंड में किसी दिशा की ओर तीन लाइनें बना कर मुड़ती है तब 'तीनों-तीन' कहा जाता है। ''तीनों-तीन में दाहिने चलेगा, दाहिने मुड़।''

यह आदेश मिलने पर प्लाटून सामान्य तरीके से दाहिनी ओर मुड़े।

'बाएं से तेज चल'

यह आदेश मिलने पर प्लाटून बाएं पैर को आगे लाए तथा बायीं ओर का सबसे आगे का जवान (दाहिना दर्शक) कदम और दिशा बनाए रखे।

विशेष ध्यान दें :- तीनों-तीन में बायीं ओर भी चल सकते हैं। तब दाहिनी ओर (बाएं दर्शक) से सीध ली जाती है।

2. 'तीनों-तीन में बाएं चलेगा-पीछे मुड़'

यह आदेश मिलने पर प्लाटून सामान्य तरीके से पीछे मुड़ता है तथा विपरीत दिशा में मार्चिंग करना जारी रखता है। इस स्थिति में दाहिनी और (मूल दिशा) से सजने की सीध ली जाती है।

खण्ड-10

45. चलती हुई प्लाटून की तीनों-तीन से लाइन बनाने के लिए मोड़ना

यदि प्लाटून तीनों-तीन में मार्च कर रही हो तो इसका अर्थ यह है कि जहां तक सामने की तरफ 'नियत स्थान' का संबंध है यह किसी फ्लैंक की ओर जा रही है। अतएव 'दाहिने मुड़' और 'बाएं मुड़' के आदेशों से पहले सतर्क करने वाले नीचे दिए गए सही आदेश दिए जाएं :-

(क) स्क्वाड या प्लाटून दाहिनी ओर जा रही है यह मान कर--

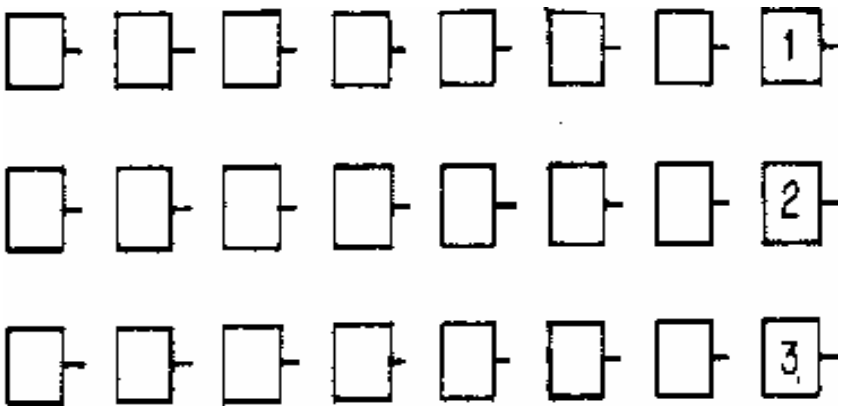

रेखा चित्र 10

'प्लाटून आगे बढ़ेगा- बाएं मुड़'

इस आदेश से जवान ऐसी लाइन में आ जाएंगे, जिसमें उनका चेहरा सामने की ओर होगा। (इसमें दाहिनी ओर से सीध ली जाए क्योंकि प्लाटून का दाहिना दर्शक दाहिनी ओर होता है।)

या

''प्लाटून पीछे लौटेगा - दाहिने मुड़''

इस आदेश पर प्लाटून पीछे की तरफ मुंह करके लाइन में आ जाए। (इसमें बाएं से सीध ली जाती है।)

(ख) यह मानकर कि स्क्वाड या प्लाटून बायीं ओर जा रहा है :

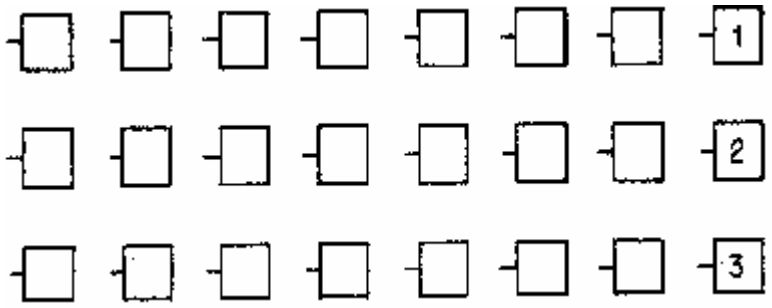

रेखा चित्र 11

'प्लाटून आगे बढ़ेगा -- दाहिने मुड़'

यह आदेश मिलने पर प्लाटून सामने की ओर मुंह करके लाइन में आ जाए। (इसमें दाहिने दर्शक से सीध ली जाती है।)

''प्लाटून पीछे लौटेगा-बाएं मुड़''

यह आदेश मिलने पर प्लाटून का रुख पीछे की ओर होगा और पलाटून लाइन में होगा। (इसमें बाएं दर्शक से सीध ली जाएगी।)

खण्ड - 11

46. चलते हुए लाइन से तीनों-तीन में मुड़ना

1. इसमें भी वही हरकतें की जाती हैं जो पिछले खंड़ों में दी गई है। चूंकि ये हरकतें चलते हुए होती हैं इसलिए 'तेज चल' आदेश देना आवश्यक नहीं है। प्लाटून लाइन में चल रही हो या लौट रही हो तो यह हरकत की जा सकती है किंतु 'सामने के नियत भाग' के अनुसार अलग-अलग आदेश दिए जाएं।

(क) यदि प्लाटून आगे बढ़ रही हो तो -

''तीनों-तीन में दाहिने चलेगा-दाहिने मुड़''

''तीनों-तीन में बाएं चलेगा - बाएं मुड़।''

(ख) यदि प्लाटून लौट रही हो तो तब भी उक्त आदेश ही दिया जाएगा :

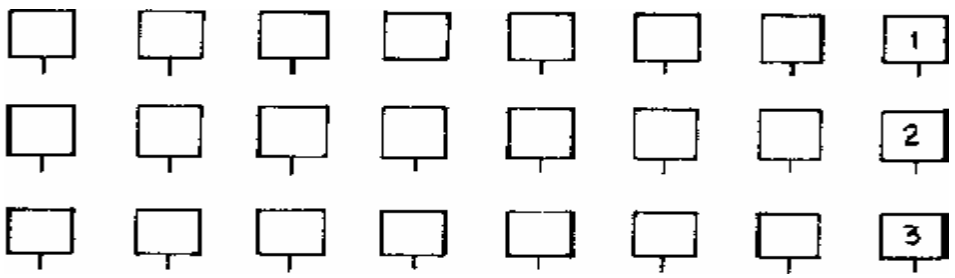

रेखा चित्र 12

'तीनों-तीन में बाएं चलेगा- दाहिने मुड़' के आदेश प्लाटून को मूल फ्लैंक में मोड़ने के लिए दिया जाए।

''तीनों-तीन में दाहिने चलेगा। बाएं मुड़'', यह आदेश प्लाटून को मूल दाहिने फ्लैंक की और मोड़ने के लिए दिया जाए।

खण्ड -12

47. तीनों-तीन में घूमना

'बाएं/दाहिने दिशा बदल, बाएं/दाहिने घूम'

यह आदेश मिलने पर तीनों-तीन टुकड़ी के सबसे अगले भाग का भीतरी जवान एक चौथाई गोलाई जिसका अर्धव्यास चार फीट होगा, में घूमेगा तथा छोटे कदम लेगा। बाकी जवान भी लंबा कदम लेकर उसकी सीध में आ जाएंगे ताकि उससे सीध रखी जा सके। प्रत्येक फाइल का अंदरवाला जवान अपना सिर और आंखें बाहर वाले जवान की ओर मोड़ेगा। बाकी जवान अपने सिर और आंखें अंदर वाले जवान की ओर मोड़ेंगे। ज्यों ही एक चौथाई गोलाई घूम ली जाए सब जवान अपने सिर और आंखें सामने कर देंगे और नई दिशा की ओर चलेंगे। बाकी फाइल अपने कदम और रफ्तार ठीक रखकर आगे वाले जवानों से कदम मिलाएंगे।

विशेष ध्यान दें - (1) घूमने की सही कार्रवाई वही होगी जिसमें प्रत्येक टुकड़ी एक ही केंद्र बिंदु के आसपास और सीध में आ जाए तथा कवरिंग बनाए रखी जाए। यदि यह कार्रवाई सुस्ती से की जाए तो प्लाटून का रुख सीधा नहीं रहेगा दाहिने या बाएं हो जाएगा।

(2) यदि शिक्षक प्लाटून को थोड़ा समकोण से कम ही मोड़ना या घुमाना चाहता हो तो इसके लिए वह जब भी चाहे आगे बढ़ का हुकम देगा।

खण्ड - 13

48. तीनों-तीन से एक ही दिशा में लाइन बनाना

यह कार्रवाई परेड में बहुत उपयोगी होती है। इसका उद्देश्य तीनों-तीन से उसकी दिशा में लाइन बनाना होता है जिसमें प्लाटून मार्च कर रहा हो। यदि प्लाटून तीनों-तीन में अपनी दाहिनी ओर आगे बढ़ रही हो तो कमान इस प्रकार होगा :

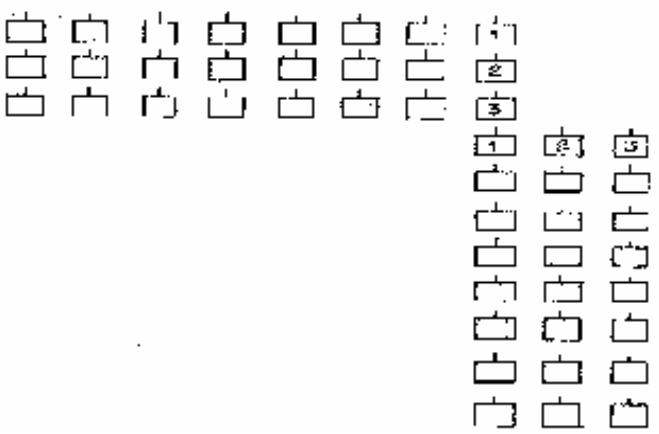

रेखा चित्र 13

'बाएं को स्क्वाड या प्लाटून बना'

2. यह आदेश मिलने पर बाईं ओर का जवान (दाहिना गाइड) तीन कदम आगे बढ़े और कदम ताल करे। उसकी दाहिनी ओर के जवान (अन्य टुकड़ी कमाण्डर) उसके पीछे चलें तथा सही फासले पर कवर करें। बाकी स्क्वाड या प्लाटून आधा बाएं मुड़कर अपनी तीन रैंक की स्थिति में आने तक मार्च करें, कवर करें और दाहिने दर्शक की सीध में आ जाए। पूरा स्क्वाड या प्लाटून कदम ताल करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सीध ठीक है या अगले आदेश की प्रतीक्षा करे।

विशेष ध्यान दें - यदि यह कार्रवाई पूरी होने पर जवानों को 'थम' का आदेश देना हो तो आदेश से पहले 'थमकर' कहना होगा। तब बायीं ओर का आदमी (दाहिना दर्शक) तीन कदम चलने के बाद 'थम' जाए। इसी प्रकार बाकी जवान भी अपनी जगह पहुंचने पर थम जाएं।

3. दाहिने को स्क्वाड या प्लाटून बना

इसमें तीसरी (पिछली) लाइन सामने आ जाएगी वह आदेश उसी स्थिति में दिया जाना चाहिए जब प्लाटून या स्क्वाड को जिस दिशा में वह पहले से चल रही हो उससे विपरीत दिशा में लाइन में खड़ा करना हो। इसके बाद पीछे मुड़, का आदेश दिया जाए इससे सामने की लाइन अपनी सही पोजीशन में आ जाएगी।

विशेष ध्यान दें- (1) यदि स्क्वाड या प्लाटून तीनों-तीन में बाईं ओर मार्च कर रही हो तो इससे विपरीत आदेश दिया जाए उदाहरणार्थ ''दाहिनी और स्क्वाड या प्लाटून बना'' आदेश देने पर सामने की लाइन आगे आ जाएगी।

(2) जब तक कोई विपरीत आदेश न दिया जाए प्लाटून जिस धुरी से --घूमती है वह जिस फ्लैंक में हो उससे सीध ली जाए।

(3) यह कार्रवाई पहले 'थम' की स्थिति में तथा बाद में मार्च करते समय सिखाई जाए। यह कार्रवाई थम पर करते समय (जिसमें दाहिना दर्शक आगे होता है) जैसे ही ''बाएं को स्क्वाड बना'' आदेश मिले तीनों-तीन की आगे वाली फाइल के बायीं ओर के जवान (अर्थात् स्क्वाड या प्लाटून का मूल दाहिना दर्शक) को छोड़कर पूरा स्क्वाड या प्लाटून आधा बाएं मुड़ें और खड़ा रहे।

इसके बाद ''तेज चल'' का आदेश दिया जाए। यह आदेश मिलने पर दर्शक (जो मुड़ा न हो) तीन कदम मार्च कर बाद में कदम ताल करे। सामने की लाइन के बाकी जवान दाहिने दर्शक से सजते तथा घूमते हुए गाइड की बायीं ओर खड़े हो जाएं (2) और (3) लाइन (अर्थात् बीच वाला और पिछला रैंक) मार्च करते हुए घूमकर अपने अगली लाइन के जवान के पीछे खड़ी हो जाए (पूरा प्लाटून या स्क्वाड तब तक कदम ताल करता रहे जब तक नया आदेश नहीं मिल जाता। यदि दाहिनी ओर से फार्मेशन हुई हो तो आगे वाली लाइन का दाहिना गाइड अर्थात् पिछली लाइन का मूल दाहिना गाइड तीन कदम आगे बढ़ेगा तथा पिछली लाइन सामने आ जाएगी।)

(4) मार्च या थम पर यह फार्मेशन करते समय तीनों-तीन की प्रत्येक फाइल एक साथ नई स्थिति में आ जाए तथा एक साथ कदम ताल या थम करे।

अध्याय - 9

दो लाइनें बनाना

बहुधा स्ट्रीट लाइनिंग और दंगा कवायद (रॉयट ड्रिल) के उद्देश्य से लो लाइनें बनाना जरूरी होता है। दो लाइनें बनाने के लिए केवल बीच वाली लाइन को चलना होता है। दो लाइनें बनाने से पहले स्कवाड सजेगा तथा गिनती करवाई जाएगी।

खण्ड 1

49. तीन लाइनों से दो लाइन बनाना

1. दो लाइन बना

पहली हरकत इसमें बीच वाली लाइन बाएं पैर से बांयी और को 24 इंच का बगली कदम से।

दूसरी हरकत अब विषम संख्या पर खड़े जवान अपने दाहिने पैर से 30 इंच का पूरा कदम लेकर आगे बढ़े, इसी प्रकार सम संख्या पर खड़े जवान अपने दाहिने पैर को पूरे 30 ईंच पीछे ले जाएं।

तीसरी हरकत बीच वाली लाइन फिर से सावधान की स्थिति में आ जाए विषम संख्या पर खड़े जवान सामने की लाइन के फासले में आ जाएं और सम संख्या पर खड़े जवान पिछली लाइन के फासले में आ जाएं।

2. यदि बीच वाली लाइन में खाली फाइल हो तो उस लाइन का बायां जवान ऊपर दी गई हरकत से विपरीत हरकत करेगा अर्थात् यदि वह विषम संख्या पर खड़ा है तो सम संख्या पर खड़े जवान के समान हरकत करेगा और यदि सम संख्या पर खड़ा है तो विषय संख्या वाले जवान के समान हरकत करेगा। यदि किसी स्क्वाड में सामने की लाइन में समसंखया वाला जवान खड़ा हो तथा खाली फाइल में बीच की पिछली लाइन का जवान न हो तो बीच वाली लाइन का बायां जवान सम संख्या वाले जवान द्वारा की जाने वाली हरकत के समान कार्रवाई करेगा।

सामान्य गलतियां :

(1) बीचवाली लाइन के जवानों को अपनी सही संख्या न मालूम होना,

(2) तीन लाइनों में सही फासला न होना जिससे बीच वाली लाइन के जवान के लिए आने की जगह न होना। इसको ठीक करने के लिए हरकत शुरू करने से पहले जवानों को 'दाहिने सज' का आदेश दिया जाना चाहिए।

(3) पहली हरकत में बाएं पैर को पूरी तरह से बायीं ओर न ले जाना। इसके परिणामस्वरूप जवानों का आपस में टकराना तथा ठीक प्रकार से कवर न करना।

(4) दूसरी हरकत में पूरी तरह आगे न पहुंच पाने के कारण नयी सही लाइन में न पहुंच पाना।

3. दो लाइन, में दाहिने सज इसमें हाथ के फासले के बिना होने वाली कवायद को छोड़कर सामान्य कवायद की हरकतें की जाएं। लाइनों में प्रत्येक जवान के बीच 24 इंच का फासला हो तथा पिछली लाइन सामने की लाइन से पीछे 30 इंच के दो कदमों के फासले पर रहे।

खण्ड 2

50. दो लाइनों से तीन लाइनें बनाना

1. तीन लाइन बना -यह आदेश मिलने पर मूलतः बीचवाली लाइन के जवान नीचे बताए अनुसार अपनी मूल स्थिति में आ जाएं

पहली हरकत यदि पहली लाइन में हों तो जवान बाएं पैर को 30 इंच के एक कदम के बराबर पीछे ले जाएं तथा पीछे की लाइन के जवान बाएं पैर को 30 इंच के एक पूरे कदम के बराबर आगे बढ़ाएं।

दूसरी हरकत इसमें सभी संबंधित जवान दाहिने पैर से 24 इंच का एक बगली कदम लें।

तीसरी हरकत बीचवाली लाइन के जवान फिर से सावधान की स्थिति में आ जाएं।

2. तीन लाइन में दाहिने सज इसमें एक हाथ के फासले पर सीध ली जाएगी।

सामान्य गलतियां :

दूसरी हरकत में दाहिने कदम को पूरी तरह 24 इंच न ले जाने के कारण कवरिंग ठीक न हो पाना।

अध्याय -10

एक फाइल में मार्च करना

बहुधा एक स्क्वाड को तीन लाइनों में से एक लाइन बनाने की जरूरत पड़ जाती है। उदाहरणार्थ किसी इमारत में मार्च करते समय या किसी सकरे मार्ग से गुजरते समय ऐसी जरूरत पड़ जाती है।

खण्ड 1

51. तीनों तीन में दाहिनी तरफ मुंह करके खड़े होने वाले ऐसे स्कवाड का जिसमें सामने की लाइन बायीं ओर हो एक फाइल में मार्च करना।

1. 'थम' की स्थिति में होने पर

''बाएं से एक फाइल बना-तेज चल''

तेज चल आदेश मिलने पर अगली लाइन मार्च करेगी और बाकी दोनों लाइनें कदम ताल करेंगी। सामने की लाइन का आखिरी जवान जैसी ही बीच वाली लाइन के सामने के जवान के पास से गुजर जाए, बीचवाली लाइन सामने की लाइन के पीछे चले। पिछली लाइन भी यही हरकत करे।

2. मार्च के दौरान

'बाएं से एक फाइल बना'

बाएं आदेश मिलते ही बायीं टुकड़ी (सामने की लाइन) मार्चिंग शुरू कर देगी और बाकी दो लाइनें, (बीच वाली और पिछली) कदम ताल करेंगी जब लाइन का आखिरी जवान टुकड़ियों के दर्शकों के पास से गुजर जाए तब शेष दोनों लाइनें इसका अनुसरण करें।

तीन लाइन बनाना

3. थम की स्थित में होने पर

'दाहिने थमकर तीनों तीन-बना तेज चल'

तीनों तीन आदेश मिलते ही सामने की लाइन स्थिर रहे और बाकी दोनों लाइनें आधा दाहिनी ओर मुड़े।

तेज चल आदेश मिलते ही बीच वाली और पिछली लाइनें सामने की लाइन के दाहिने तीनों-तीन बनाएं।

4. मार्च करते समय

'दाहिने पर तीनों तीन बन'

यह आदेश मिलने पर अगली लाइन कदम ताल करे और बाकी दोनों लाइनें सामन की लाइन की दाहिनी ओर तीन-तीन बनाएं और कदमताल करें।

खण्ड 2

52. तीन लाइनों, के स्क्वाड द्वारा आगे बढ़ने की दिशा में एक फाइल में मार्च करना

1. थम की स्थिति में होने पर

'दाहिने से एक फाइल में आगे बढ़-तेज चल'

दाहिने आदेश मिलने पर तीनों लाइनों के दाहिने दर्शक अपनी जगह स्थिर रहें और स्क्वाड के बाकी जवान आधा दाहिने मुड़े।

2. तेज चल : आदेश मिलते ही सामने की लाइन का दाहिना दर्शक आगे बढ़े और इस लाइन के बाकी जवान उसका (दाहिने दर्शक का) अनुसरण करें। अन्य दो लाइनें (बीच वाली और पिछली) कदमताल करें। जब अगली लाइन का आखिरी जवान बीचवाली लाइन के दाहिने दर्शक के पास से गुजरे तब बीचवाली लाइन अपने दाहिने दर्शक के नेतृत्व में आगे बढ़े और सामने की लाइन का अनुसरण करे। पिछली लाइन भी ऐसा ही करे।

3. मार्च करते समय

'दाहिने से एक लाइन बना'

यह आदेश मिलने पर पूरा स्क्वाड कदमताल करे और टुकड़ी के दर्शकों को छोड़कर सभी जवान आधा दाहिनी ओर मुड़ें। इसके साथ-साथ सामने की लाइन अपने दाहिने दर्शक के नेतृत्व में आगे बढ़े। जब सामने की लाइन का आखिरी जवान बीचवाली लाइन के दाहिने दर्शक के पास से गुजरे तब बीचवाली लाइन आगे बढ़े और सामने की लाइन का अनुसरण करे। इसी प्रकार पिछली लाइन बीचवाली लाइन का अनुसरण करे।

टिप्पणी - एक फाइल बनाते समय लाइनें उस बिंदु से घुमेंगी जहाँ से उनके अपने-अपने दर्शक घूमे थे।

तीन लाइनें बनाना

4. थम की स्थिति में होने पर

'बाएं थमकर लाइन बना तेज चल'

लाइन बना आदेश मिलते ही तीनों लाइनों के दाहिने दर्शक स्थित रहेंगे तथा स्क्वाड के बाकी जवान आधा बायीं ओर मुड़ेंगे।

तेज चल आदेश मिलते ही अगली लाइन का दाहिना दर्शक स्थिर रहे और सामने की लाइनों के बाकी जवान मार्च करके दाहिने दर्शक के बायीं ओर लाइन बनाएँ।

बीच वाली और पिछली लाइन भी ऐसी ही कार्रवाई करे। ये दोनों लाइनें आगे बढ़ें और सामने की लाइन के पीछे लाइन बनाएं। इन लाइनों में उतना ही फासला और दूरी होगी जितनी तीन लाइनों में स्क्वाड में होता है।

5. मार्च करते समय

'बाएं पर लाइन बना'

यह आदेश मिलने पर सामने की लाइन का दाहिना दर्शक कदमताल करे ओर इसी लाइन के बाकी जवान उसकी बांयी ओर लाइन बनाएं अन्य दो टुकडियां जो कदमताल कर रही होंगी, आगे बढ़ें और सामने की लाइन के पीछे लाइन बनाएं और अपना फासला और दूरी ठीक करें।

टिप्पणी - यदि आदेश से पहले 'थम' कहा गया हो तो जवान अपनी सही स्थिति में पहुंचने के बाद थमें।

अध्याय-11

शस्त्र कवायद

खण्ड 1

53. सामान्य नियम : राइफल अभ्यास

1. शस्त्रों के साथ स्क्वायड द्वारा कवायद के मामले में निम्नलिखित हिदायतें दी जाएंगी :

(क) राइफल के मुख्य भागों के नामों की जानकारी के साथ-साथ हथियारों की देखभाल।

(ख) निशाना लगाना और दागना।

2. यह आवश्यक है कि जब से रंगरूट को राइफल जारी की जाए तभी से उपर्युक्त हिदायतें देनी शुरू की जाएं ताकि प्रारंभिक अवस्था में ही गलत प्रशिक्षण को रोका जा सके।

3. जब एक जगह खड़े होकर राइफल कवायद की जाए तब समय का अनुमान रखते हुए, एक हरकत से दूसरी हरकत के बीच तेज चाल से दो कदम चलने पर लगने वाले समय के बराबर समय लिया जाए। जब कवायद मार्च करते हुए करवाई की जाए तो प्रत्येक हरकत तभी की जाए जब बायां पैर जमीन पर आए।

4. पूर्ववर्ती खण्डों से वर्णित भिन्न-भिन्न मार्चों और कदमों में स्क्वायड को राइफल सहित कवायद करवाई जाएगी।

खाली हाथ को प्राकृतिक रूप से हिलाया जाएगा।

5. राइफल अभ्यास में राइफल पर नियंत्रण न रखना एक बहुत ही आम दोष है। इसके कारण शरीर में फालतू गति होती है। राइफल अभ्यास में बाजू और कोहनी शरीर से सटे होते हैं। जब तक विशेष रूप से कहा न जाए तब तक सिर या शरीर को हिलाया नहीं जाए।

6. जैसा कि निरीक्षण के लिए किया जाता है, परेड पर राइफल और संगीन साफ और सुखाए हुए होने चाहिए।

7. शस्त्र कवायद पहले गिनती बोलकर और बाद में समय का अनुमान रख सिखाई जाए।

खण्ड 2

54. आदेश पर राइफल सहित लाइन बनाना

1. 'स्क्वाड लाइन बना'

जैसा पहले बताया जा चुका है, जवान दाहिने हाथ में खड़ी हालत में राइफल पकड़ कर लाइन बनाएंगे। राइफल दाहिने तरफ, उसका कुंदा जमीन पर लगा हुआ और कुंदे का हत्था दाएं बूट के पंजे (अगले हिस्से) के साथ मिला हुआ हो। बाजू थोड़ा झुका हुआ हो और राइफल बाहरी बैंड या उसके पास से पकड़ी जाए, हाथ का पिछला भाग दाहिनी ओर, अंगूठा जंघा के सामने, उंगलियां मिली हुई, जमीन की ओर झुकी हुई और कोहनी पीछे की ओर हो।

2. जब प्रत्येक जवान अपनी सिधाई ले (इस मामले में मुट्ठी बन्द करके अपना बायां हाथ सीधा करके दायीं ओर देखे) तब, जैसा कि खण्ड 4 में बताया गया है, विश्राम की मुद्रा में खड़ा हो जाए। जब कंधे से सिधाई ली जाए, तब दाहिना बाजू उठाया जाएगा।

खण्ड 3

55. सावधान

इसमें सावधान की सामान्य स्थिति में खड़ा हुआ जाता है अंतर केवल यह होता है कि दाहिने हाथ से राइफल दाईं ओर सीधी खड़ी हालत में पकड़ी गई हो, अंगूठा राइफल के बाईं ओर टांक को छूता हुआ हो, उंगलियां राइफल के दाहिनी ओर मिली हुई और जमीन की ओर झुकी हुई हो। हाथ का पिछला भाग दाहिनी ओर और कलाई राइफल के ठीक पीछे हो, कुंदे का हत्था दाएं बूट के पंजे की सीध में हो और मैगजीन का रुख सामने की ओर हो।

टिप्पणी : प्रदर्शन करते समय शिक्षक अपनी बंदूक पर संग्रीन बढ़ाएगा और यह दिखाएगा कि संग्रीन के कारण राइफल की लम्बाई बढ़ जाने पर वह किस प्रकार बाजू से और शरीर के बीच में नहीं, बल्कि बाजू के बाहर की ओर आ जाती है।

यह एक प्राकृतिक स्थिति है और यही एक स्थिति है जिसमें, संग्रीन लगी होने पर भी सिधाई लेते समय संगीन कपड़ों में उलझेगी नहीं।

सामान्य गलतियां

(1) कुंदा गलत स्थिति में होना।

(2) राइफल सीधी खड़ी न होना और स्विंग ठीक प्रकार से सामने की तरफ न होना।

(3) हाथ का पिछला भाग सामने की ओर मुड़ा होना।

(4) कलाई राइफल के पीछे न होना और कोहनी बगल से दूर होना।

(5) उंगलियां एक साथ मिली हुई न होना और राइफल के सामने की ओर मुड़ी हुई होना।

खण्ड-4

56. विश्राम और आराम से खड़ा होना -

विश्राम -

'विश्राम' - आदेश होने पर बाईं टांग बाईं तरफ ले जाओ ताकि दोनों सिरों के बीच लगभग 12 इंच की दूरी हो, बायां बाजू साथ रहे। दायां बाजू सीधा रखते हुए राइफल सामने की ओर बाहर निकालो। राइफल पर लगे हाथ और कुंदे का हत्था बिना हटाए या कंधा बिना झुकाए तेजी से दायां हाथ पूरी तरह बार की ओर फैलाओं और शरीर का भार दोनों पैरों पर बराबर रखो।

सामान्य गलतियां

(1) कुंदा हिलाना

(2) राइफल दाईं या बाईं ओर झुकाना।

(3) बायां बाजू हिलाना।

(4) राइफल के सामने के हिस्से पर उंगलियां रखना।

(5) दाएं बाजू और बाईं टांग के बीच तालमेल न होना।

2. आराम से

इस आदेश पर दायां हाथ राइफल की नोज़ कप तक ले जाओ अंगूठा और उंगलियां राइफल के चारों ओर मुड़ी हुई हों, दायां हाथ मोड़ों ताकि राइफल सीधी और सही हालत में रखी जा सके।

3. आराम से विश्राम में आना

स्क्वाड के आदेश पर दाहिना हाथ झटके से नीचे ले जाओ और राइफल ठीक विश्राम वाली हालत में ले जाओ। शरीर तान कर रखो।

4. विश्राम से सावधान होना

'स्क्वाड-सावधान' इस आदेश पर राइफल अपनी तरफ खींचों, कुन्दा जमीन पर रहे, बायां बाजू बगल के साथ सटा हुआ हो, और खण्ड 3 में बताई गई स्थिति में आ जाओ।

सामान्य गलतियां

(1) राइफल का कुंदा जमीन पर टिकाना और जोर से मारना।

(2) पांव और बाजू के बीच तालमेल में कमी।

(3) कमर से आगे की ओर झुकना।

खण्ड-5

57. कंधे शस्त्र और बाजू शस्त्र (बाजू शस्त्र के कंधे शस्त्र, कंधे शस्त्र से बाजू शस्त्र)

बाजू शस्त्र से कंधे शस्त्र -

1. ''गिनती से कंधे शस्त्र-स्क्वाड-एक'' : इस आदेश पर कलाई से झटका देकर राइफल के तेजी और मजबूती से दाहिनी तरफ ऊपर (दाहिनी बगल) की ओर उछालो और कमर की बेल्ट की सीध में दाहिना हाथ पहुंचने से पहले ही राइफल छोड़ दो। दाहिना हाथ झटके से दोबारा सीधा करो। उसी समय बायां हाथ शरीर के सामने से लाकर राइफल को ऊपरी स्लिंग फिरकी के ठीक नीचे से पकड़ों, हाथ दाएं आर्मपिट की सीध में हो, राइफल वापस दाएं कंधे, पर ठोंबते हुए उसे हथेली और हत्थी से ठोको, बाएं हाथ की उंगलियों और अंगूठे से बन्दूक को चारों ओर से पकड़ो और जैसे ही बायां हाथ राइफल पर लगे, बाएं हाथ की उंगलियों और अंगूठे से राइफल का कुंदा पकड़ो।

टिप्पणी : बाएं हाथ की उंगलियों और अंगूठे की स्थिति वही हो जो सावधान हालत में होती है परन्तु वे राइफल का कुंदा इस प्रकार पकड़े कि तर्जनी (उंगली) कुंदे की गांठ (नकल) की सीध में हों, राइफल खड़ी हालत में और मैगजीन सामने की तरफ हो।

2. ''स्क्वाड-दो'' - इस आदेश पर राइफल शरीर के सामने के कंधे पर ले जाओ ताकि नालमुख (मजल) ठीक चेहरे के सामने से गुजरे। जैसे ही नालमुख चेहरे के सामने से गुजरे और बायां हाथ ऊपर की बाईं जेब के पास पहुंचे राइफल पर से बायां हाथ हटा लो और नीचे कर लो ताकि कोहनी (सावधान हालत की भांति) बगल से लगी हुई हो, बाजू का अगला भाग जमीन के समानान्तर हो तथा शरीर के समकोण पर हो, कलाई सीधी हो, उसी समय दाएं हाथ के अंगूठे और उंगलियां राइफल के गिर्द ले जाएं और मैगजीन के बायां कंधा छूने से ठीक पहले कुंदा बाई हत्थी तक ले जाओ ताकि अंगूठा कुंदे के अगले भाग पर और कुंदा प्लेट से लगभग एक ईंच ऊपर हो और बीच की

गांठों से पोखों तक उंगलियां मिलकर कुंदे के सिरे पर हों और उनका रुख नालमुख की तरफ हो।

टिप्पणी :- अब मैगजीन का रुख बाईं तरफ और कंधे पर समान होगा।

3. स्क्वाड-तीन : इस आदेश पर दाहिना हाथ झटके से शीघ्रतापूर्वक सावधान हालत में ले आओ। हाथ नीचे आते समय कलाई सख्त और उंगलियां मुड़ी हुई हों।

राइफल स्थिर और सीधी रखो।

सामान्य गलतियां

पहली हरकत में

(1) दाहिने हाथ से राइफल जल्दी न छूना जिससे राइफल एक साथ दोनों हाथों से नहीं पकड़ी जाती।

(2) दाहिना कंधा पीछे की तरफ झुकाना।

दूसरी हरकत -

(3) बाएं हाथ से काफी देर तक राइफल पकड़े रहना जिससे कुंदा हाथ पर लगने से पहले कंधे पर लग जाना।

(4) सिर और शरीर हिलाना।

(5) बाजुओं के ऊपरी हिस्से और कोहनी को बगल से अलग रखना।

(6) बाई कोहनी शरीर के साथ सटी हुई और बाजू का अगला भाग जमीन के समानान्तर और शरीर से 90 अंश पर न रखना।

तीसरी हरकत में

(7) दाएं हाथ की कोहनी को शरीर से दूर रखकर मोड़ना, जिससे हाथ का बाहर की ओर शरीर के सामने आ जाना।

(8) राइफल कंधे पर हिलाना।

कंधे शस्त्र से बाजू शस्त्र

4. 'गिनती से बाजू, शस्त्र, स्क्वाड-एक' - इस आदेश पर बाएं हाथ से राइफल को हाथ की लम्बाई तक पूरी नीचे लाओ, राइफल बाएं हाथ से पहले की तरह मजबूती से पकड़े रखो ताकि राइफल जमीन से खड़े रुख रहें और बाईं कोहनी के अंदर वाले भाग से लगी रहे उसी समय दाहिना हाथ शरीर के आड़े तिरछे ले जाओ ताकि दायां हाथ राइफल को बाएं कंधे के थोड़ा ऊपर से पकड़ सके, अंगूठा और उंगलियां राइफल के गिर्द हों।

टिप्पणी : यह क्रिया प्रशिक्षक द्वारा अवश्य दिखाई जाए।

5. 'स्क्वाड दो' - इस आदेश पर राइफल शरीर के सामने नीचे ले आओ, दायां हाथ सावधन हालत में हो। राइफल का मैगजीन सामने की ओर और कुंदा जमीन से लगभग एक इंच ऊपर हो। उसी समय बायां हाथ ओर बाजू का अगला भाग

शरीर के सामने से ऊपर की ओर ले जाओ, साथ-साथ उंगलियां फैली हुई और आपस में मिली हुई हों, राइफल स्थिर करती हुई उसके नौज कैप पर हल्की सी टिकी हुई हो। राइफल स्थिर करते ही दांये हाथ की उंगलियों और अंगूठे को राइफल के अगले भाग से हटा कर सावधान की सी हालत में आ जाओ।

6. 'स्क्वाड-तीन' - इस आदेश पर बायां हाथ बाई ओर सावधान हालत में ले जाओ और सावधान की स्थिति बनाओ।

टिप्पणी :- राइफल हल्के से जमीन की ओर झुका दें और जैसे दायां बाजू सीधा किया जाए, नालमुख थोड़ा सा पीछे की ओर कर दिया जाए।

सामान्य गलतियां

पहली हरकत

(1) सिर हिलाना।

(2) बाएं हाथ की पकड़ ढीली करना।

(3) दाहिना हाथ ऊपर की तरफ से शरीर के सामने से निकट लाकर हरकत करने की बजाए उसे गोलाई में लाकर हरकत करना।

(4) दाहिना हाथ पूरी ऊंचाई तक नहीं पहुंचाना या बाहरी मोड़ से भी काफी ऊंचाई पर पहुंचाना जिसके फलस्वरूप तीसरी हरकत में लाने की लिए उसे दोबारा हिलाना पड़ता है।

दूसरी हरकत में

(5) शरीर के सामने तक लाकर राइफल का कुन्दा छोड़ना।

(6) दायां कंधा पीछे की ओर गिराना।

(7) राइफल पर बाएं हाथ के लाने और दाएं हाथ की उंगलियों की हरकत एक समय में न होना।

तीसरी हरकत में -

(8) राइफल का कुंदा जोर से जमीन पर मारना

(9) बायां बाजू गोल घुमाकर दूर ले जाना और उसे अत्यधिक पीछे तक ले जाना।

खण्ड 6

58. कन्धे शस्त्र से सलामी शस्त्र और सलामी शस्त्र से कंधे शस्त्र

कन्धे शस्त्र से सलामी शस्त्र -

1. ''गिनती से सलामी शस्त्र, स्क्वाड-एक'' इस आदेश पर दाहिने हाथ से राइफल का (कुन्दा) दस्ता (स्माल आफ दि वट) पकड़ो, बाजू का अगला भाग शरीर से सटा हुआ हो।

2. 'स्क्वाड दो' : इस आदेश पर दाहिने हाथ से राइफल शरीर के बीचों बीच खड़ी हालत में पकड़ो, मैगजीन का रुख बाईं ओर हो। उसी समय बायां हाथ चुस्ती से कुन्दे (स्टाफ) पर रखो, कलाई मैंगजीन पर हो और उंगलियां ऊपर की तरफ हों, अंगूठा तर्जनी उंगली के साथ मिला हुआ हो, अंगूठे का सिरा मुंह की सीध में हो, बाईं कोहनी कुंदे से सटी हुई और दाईं कोहनी और कुंदा शरीर से मिले हुए हों।

3. 'स्क्वाड तीन' : इस आदेश पर बाएं हाथ से राइफल छोड़ते हुए उसे शरीर के बीचों बीच लगभग तीन इंच की दूरी पर सामने की ओर खड़े रुख नीचे ले आओ, दाहिने हाथ की पूरी लम्बाई पर पकड़े हुए मैगजीन सामने की ओर मोड़ो, उंगलियां आपस में मिली हुई और नीचे की ओर झुकी हों और तत्काल बाएं हाथ से राइफल को स्लिंग के बाहरी और बैक फाइट के पास से चुस्ती से पकड़ो। अंगूठे का सिरा नालमुख की तरफ हो। उसी बीच दाहिने पैर का तलवा बाईं एड़ी के साथ और दोनों घुटने सीधे रखो। राइफल का वजन साधने के लिए बाएं हाथ की मदद ली जाए।

सामान्य गलतियां

पहली हरकत में

(1) दाहिना बाजू गोलाई देकर मोड़ना और दाईं कोहनी शरीर से अलग रखना।

(2) दाहिने हाथ की उंगलियों से कुंदा चारों ओर से कस कर न पकड़ना।

(3) राइफल का कुंदा दाहिने हाथ से मिलाने के लिए दाहिनी तरफ ले जाना।

दूसरी हरकत में

(4) दाएं हाथ का मूल स्तर ज्यादा उठाना।

(5) बाईं कोहनी कुंदे के साथ न मिलाना।

(6) राइफल पर नजर जमाकर रखना जिससे पीछे की ओर झुकने की प्रवृत्ति बन जाना।

(7) सिर हिलाना।

तीसरी हरकत में

(8) दाहिना हाथ नीचे की ओर ले जाना शुरू करने से पहले ही राइफल ऊपर की ओर धकेलना।

(9) बायां हाथ राइफल से न हटा पाना जिसके कारण हाथ का बहुत ऊंचा हो जाना।

(10) उसे राइफल से पीछे की ओर हटाना।

(11) दायां बाहर मोड़ना जिसके कारण दायां कंधा पीछे की ओर खिंच जाना।

(12) हाथ-पैर की हरकत में समन्वय न होना।

सलामी शस्त्र से कन्धे शस्त्र

4. 'गिनती से कंधे शस्त्र-स्क्वाड एक' - इस आदेश पर दाहिना पैर ऊपर लाकर बाएं पैर के साथ मिलाओ, उसी बीच, जिस प्रकार बाजू शस्त्र के कन्धे शस्त्र की दूसरी हरकत में बताया गया है, राइफल बाएं कन्धे पर रखो।

5. 'स्क्वाड-दो' : इस आदेश पर दाहिना हाथ झटके से बगल में ले आओ किन्तु राइफल कंधे पर स्थिर रहे।

खण्ड-7

59. संगीन लगाना, संगीन उतारना

संगीन लगाना

1. 'स्क्वाड संगीन लगाएगा संगीन' इस आदेश पर दाहिने हाथ से राइफल आगे करो जैसा कि विश्राम हालत में किया जाता है और बायीं कोहनी बांयी ओर पीछे की तरफ मोड़ों, बाएं हाथ से संगीन का दस्ता पकड़ो, अंगूठा पीछे की तरफ छूता हुआ हो, उंगलियां संगीन की चारों और मुड़ी हुई हों, बायीं बाजू नीचे की ओर सीधा करो, हाथ का पिछला भाग ारीर को छूता हुआ हो बाजू बगल से सटी हुई हो, स्थान ऊपर की ओर दाईं मुड़ी हों, बायी कलाई झुकी हुई हो ताकि संगीन का फलक बाएं कुल्हे की तरफ लगभग खड़े रुखरखा जा सके।

सामान्य गलतियां

(1) शरीर दायीं ओर झुकाना।

(2) दायें और बाएं बाजुओं की हरकतों में समन्वय न होना।

(3) ऊपर की ओर जोर लगाकर म्यान से संगीन बाहर खींचने का प्रयास करना।

2. 'स्क्वाड लगा' इस आदेश पर सिर नीचे और दायीं तरफ करो ताकि राइफल का नालमुख देख सको, संगीन को शरीर और बाजू के बीच लाओ और उसे राइफल पर लगाओ संगीन के दस्ते पर आघात करो ताकि वायां बाजू लगभग सीधा हो जाए, बाजू का अगला भाग कलाई और हाथ एक सीध में हो, अंगूठा और उंगलियां मिली हुई तथा सीधी हों।

सामान्य गलतियां

(1) बायां हाथ बगल से बहुत अधिक दूर ले जाना।

(2) संगीन लगाते समय कूल्हों पर से शरीर आगे की ओर झुकाना।

3. 'स्क्वाड सावधान' इस आदेश पर राइफल बायीं ओर खींच कर सावधान हालत में आओ उसी बीच बायां हाथ कम फांसले वाली जगह बाई ओर को ले जाओ फिर सामने की ओर लाओ।

सामान्य गलतियां

(1) बाजुओं और पिछली हरकतों के बीच समन्वय न होना।

(2) राइफल का कुंदा जमीन पर हिलाना।

(3) कलाई ढीली छोड़कर दायीं भुजा दूर ले जाना।

संगीन उतारना :-

4. **'स्क्वाड संगीन उतारेगा-संगीन'**- इस आदेश पर दाहिने हाथ से राइफल उठाओ और उसका कुंदा पैरों के बीच जमीन पर रखो ताकि कुंदे का अगला भाग बूटों के अगले भाग की सीध में हो, घुटनों के बीच (जो थोड़े मुड़े हों) राइफल को मजबूती से जकड़ो और बाएं हाथ से नोज टोपी (नोजकेप) के बिल्कुल नीचे मूठ (स्टाफ) पर आघात करो। बाएं हाथ से राइफल मजबूती से पकड़े रहो और दायां हाथ संगीन के दस्ते पर मारो। दायें हाथ की बीच वाली उंगली से रोक-स्प्रिंग को दबाओ, संगीन को राइफल के नाल-मुख से निकालने के लिए जोर लगाते हुए बाईं तरफ ऐंठो, इसे दायीं तरफ मोड़ो और उठाकर नोज टोपी (नोजकैप) से निकाल दो ताकि उसका फलक पिछले रिंग पर खड़े रुख हो।

टिप्पणी : यदि संगीन का रोक-स्प्रिंग बाईं तरफ हो, तो उसे बाएं अगूठे से दबाया जाए और नोज टोपी से बिल्कुल बाहर निकालने के लिए दाएं हाथ से सीधा ऊपर की ओर उठाया जाए।

सामान्य गलतियां

(1) घुटनों के बीच राइफल मजबूती से न पकड़ना।

(2) एड़ियां खुली रखना।

(3) राइफल से संगीन निकालने के लिए कूल्हे पर से शरीर आगे को झुकना।

(4) संगीन की तरफ नीचे की ओर देखना।

5. **'स्क्वाड-उतार'** इस आदेश पर दायीं कलाई के झटके से संगीन को बाई तरफ मोड़ो और बाएं हाथ से म्यान पकड़ो और उसे यथा संभव आगे की ओर खींचो ताकि उसका मुंह संगीन के आगे हो। संगीन को म्यान में पूरी तरह घुसा दो, बाईं कोहनी पीछे की ओर बिल्कुल सीधी हो, कंधे सामने तने हुए हों दायीं कोहनी शरीर के सामने के भाग के निकट लगी हुई हो। जैसे ही दायीं कलाई से प्रारंभिक हरकत में संगीन को झटका दिया जाए वैसे ही सिर नीचे बांई तरफ मोड़ो ताकि यह देखा जा सके कि संगीन म्यान में जा रही है।

सामान्य गलतियां

(1) बायां कंधा पीछे की तरफ लटकाना।

(2) बाईं कोहनी सामने की ओर ले जाना।

(3) दायीं कोहनी शरीर से परे होना।

6. 'स्क्वाड सावधान' राइफल की मूठ पर बायां हाथ उसी तरह मारो जैसा कि सावधान हालत में किया गया था। उसी बीच सिर को सावधान वाली स्थिति में वापिस ले आओ, नियमित समय दे कर राइफल को दाहिने कदम की तरफ उठाकर रखो, और सावधान की स्थिति में आ जाओ।

सामान्य गलतियां

(1) एड़ियां खुली रखना।

(2) सिर, बाजुओं और घुटनों की हरकतों में समन्वय न होना।

खण्ड 8

60. कंधे शस्त्र से सैल्यूट करना-

1. 'गिनती से सामने सैल्यूट, स्क्वाड-एक' इस आदेश पर राइफल के कुंदे के दस्ते के बिल्कुल नीचे मारने के लिए दायां हाथ शरीर के सामने से लाया जाए, उंगलियां फैली हुई और सीधी हों और अंगूठा तर्जनी उंगली से मिला हुआ हो, हाथ का अगला भाग जमीन के समानान्तर हो।

2. 'स्क्वाड-दो' इस आदेश पर दाहिना हाथ झटके से कम से कम दूरी वाली जगह से दायीं तरफ ले जाओ।

टिप्पणीः- यदि कंधे पर राइफल के साथ मार्च करते हुए अभिनंदन करना हो, तो अफसर के पास पहुंचने से तीन कदम पहले जैसा कि कंधे शस्त्र की पहली हरकत में किया जाता है हाथ ऊपर लाया जाएगा और उसके पास से तीन कदम गुजरने के बाद तेजी से नीचे गिराया जाएगा। सिर और आंखें सैल्यूट लेने वाले अधिकारी की तरफ मुड़ी हुई हों और जैसे ही बायां हाथ नीचे गिराया जाए, सिर और आंखें शीघ्रतापूर्वक सामने की ओर कर ली जाएं।

सामान्य गलतियां

(1) कोहनी लटकी हुई होना।

(2) कंधे शस्त्र की ठीक हालत में हिल जाना विशेष कर राइफल के कुंदे को दाएं हाथ से मिलाने के लिए बायीं तरफ खिसकाना।

खण्ड 9

61. बाजू शस्त्र से बाएं शस्त्र और बाएं शस्त्र से बाजू शस्त्र : बाजू शस्त्र से बाएं शस्त्र

1. 'बाएं शस्त्र' - इस आदेश पर दाएं हाथ की कलाई और बाजू के अगले भाग की मदद से झटके से राइफल को शरीर के तिरछे रुख फेंको, नालमुख आगे की तरफ और मैगजीन बाईं तरफ और नीचे की ओर हो, बैरल बाएं कंधे के दूसरी और निकली हो। (बायां हाथ कमर-पेटी की सीध से ऊपर न उठने दो।) अब बाएं हाथ से राइफल को साधने वाली जगह से पकड़ो, अंगूठा और उंगलियां ऊपर की बाईं जेब के बटन की सीध में राइफल के चारों ओर हों। जैसे ही बाएं हाथ से राइफल पकड़ लो, दायां हाथ राइफल पर लाओ, अंगूठा और उंगलियां कुंदे के दस्ते के चारों ओर हों और अंगूठा शरीर के निकट तक हो।

सामान्य गलतियां

(1) एक हाथ से दूसरे हाथ में राइफल पलटना।

(2) जैसे ही राइफल शरीर के सामने से तिरछी उछाली जाए, शरीर को पीछे की ओर झुकाना।

बाएं शस्त्र से बाजू शस्त्र

2. 'गिनती से बाजू शस्त्र, स्क्वाड-एक' : इस आदेश पर राइफल को बाएं शस्त्र की स्थिति में जहां से पकड़े हुए थे उसी स्थान पर क्षेत्रों पर दायां हाथ मारो, अंगूठा और उंगलियां राइफल के चारों ओर हों ताकि अंगूठा शरीर के निकटतम दूरी पर हो, दाएं बाजू का अगला भाग और कोहनी राइफल से लगी हुई हो।

3. 'स्क्वाड-दो' - इस आदेश पर दाएं हाथ से राइफल को शरीर के सामने से तिरछे रुख नीचे की ओर खींचो, और जैसे कंधे शस्त्र से बाजू शस्त्र की दूसरी हरकत में किया जाता है राइफल की मूंठ पर बायां हाथ मारो।

सामान्य गलतियां

वही गलतियां जो कन्धे शस्त्र से बाजू शस्त्र की दूसरी हरकत की हैं।

4. 'स्क्वाड-तीन' इस आदेश पर वही हरकत की जाएगी जो कंधे शस्त्र से बाजू शस्त्र की तीसरी हरकत में की जाती है।

खण्ड-10

62. कंधे शस्त्र से बाएं शस्त्र और बाएं शस्त्र से कंधे शस्त्र : कंधे शस्त्र से बांए शस्त्र

1. 'गिनती से बाएं शस्त्र, स्क्वाड-एक' सलामी शस्त्र की पहली हरकत में राइफल को जिस प्रकार पकड़ा जाता है इस आदेश पर उसी प्रकार दाहिने हाथ से पकड़ो।

2. 'स्क्वाड-दो' दाएं हाथ से राइफल को शरीर के सामने से नीचे की तरफ खींचो उसे बाएं हाथ से छोड़ दो और राइफल को ऊपर की बाईं जेब के सामान पकड़ने के लिए बांया हाथ अन्दर की ओर से ऊपर की तरफ ले जाओ।

सामान्य गलतियां : वहीं गलतियां जो सलामी शस्त्र की पहली हरकत करते समय होती हैं।

बाएं शस्त्र से कंधे शस्त्र -

3. 'गिनती से कंधे शस्त्र, स्क्वाड-एक' जिस प्रकार बाजू शस्त्र के कंधे शस्त्र की दूसरी हरकत में किया जाता है इस आदेश पर उसी प्रकार बाएं हाथ में राइफल ले जाओ।

4. 'स्क्वाड-दो' जैसा कि बाजू शस्त्र से कंधे शस्त्र की तीसरी हरकत में किया जाता है इस आदेश पर बायां हाथ तेजी से दायीं तरफ गिराओ।

खण्ड - 11

63. निरीक्षण के लिए बाएं शस्त्र, बोल्ड चलाना

टिप्पणी : स्क्वाड को बाएं शस्त्र का आदेश देने पर निम्नलिखित हरकतें सिखाई जाएं :

निरीक्षण के लिए बाएं शस्त्र

1. 'गिनती से निरीक्षण के लिए बाएं शस्त्र, स्क्वाड एक' इस आदेश पर दाएं अंगूठे से सेफ्टी कैच का आगे की तरफ करो।

2. 'स्क्वाड-दो' - दाएं हाथ के अंगूठे और तर्जनी उंगली के बीच बोल्ट की नाब पकड़ो शेष उंगलियां मुड़ी हुई हों दायीं कोहनी शरीर से सटी हो।

3. 'स्क्वाड-तीन' - दाएं हाथ के बोल्ट हैण्डल को ऊपर की तरफ मोड़ो और बोल्ट को पीछे की तरफ पूरा खींचो।

4. 'स्क्वाड-चार' - दायां हाथ कुंदे पर इस प्रकार मारो कि हथेली कुंदे पर रहे उंगलियां आपस में मिली हुई कुंदे के सामने से होकर जमीन की ओर हों, अंगूठा कुंदे के अंदर की तरफ आड़ा हो, नाखून घोड़ा (काकन पीस) की सीध में हो और दायीं कोहनी शरीर के साथ सटी हो।

टिप्पणी - समय का ध्यान रखते हुए कमान शब्द निरीक्षण के, लिए बाएं शस्त्र कंधे या बाजू शस्त्र में किया जा सकता है।

सामान्य गलतियां

(1) बाएं हाथ से ठीक नियंत्रण न होने के कारण राइफल का हिलना।

(2) दायां हाथ एक कार्रवाई से दूसरी कार्रवाई के लिए रोके बिना घुमाना।

(3) अन्तिम स्थिति में दायें हाथ का पिछला भाग और कलाई चाप की तरह रखना।

बोल्ट चलाना :

5. 'गिनती से बोल्ट चला, स्क्वाड-एक' इस आदेश पर दाएं हाथ के अंगूठे और तर्जनी उंगली के बीच बोल्ट नाब पकड़ो बाकी उंगलियां मुड़ी हुई हों, दायीं कोहनी शरीर के साथ सटी हो।

6. 'स्क्वाड-दो' - दाएं हाथ से बोल्ट को तीन बार या जब तक सारी गोलियां बाहर न निकल आएं, खोलो और बन्द करो।

7. 'स्क्वाड-तीन' - दायें हाथ से जोर लगाकर बोल्ट को अंदर करो और बोल्ट हैंडल को नीचे की ओर मोड़ दो।

8. 'स्क्वाड-चार' - दायीं तर्जनी उंगली के अगले भाग से राइफल का घोड़ा दबाओ।

9. 'स्क्वाड-पांच' - दायें हाथ की उंगलियों से बोल्ट हैंडिल पर चोट करो और उसे नीचे की ओर जोर से खींचों। तर्जनी उंगली के पिछले भाग से सैफ्टी कैच को पीछे की ओर मोड़ो।

10. 'स्क्वाड-छ' - दायां हाथ कुंदे के दस्ते पर वापस लाओ।

सामान्य गलतियां

(1) बाएं हाथ से नियंत्रण न होने के कारण राइफल का हिलना।

(2) दायां हाथ एक कार्रवाई से दूसरी कार्रवाई के लिए रोके बिना घुमाना।

खण्ड- 12

64. बाएं शस्त्र से जांच शस्त्र, बोल्ट चलाना, जांच शस्त्र से बाएं शस्त्र, जांच शस्त्र से बाजू शस्त्र।

बाएं शस्त्र से जांच शस्त्र

1. 'जांच शस्त्र'- इस आदेश पर बांया पैर आगे और बाईं तरफ लोडिंग पोजीशन जैसी स्थिति में ले आओ, बाजू थोड़ा झुका हुआ रखते हुए बाएं हाथ से नालमुख नीचे की तरफ झुकाओ ताकि राइफल दांए कंधे के सामने हो और राइफल का नालमुख निरीक्षण अधिकारी की आंखों की सीध में हो, कुंदा दायीं जांघ की बाहरी ओर लगा हुआ हो, दायां अंगूठा चार्जर गाइड में रखो, नाखून ऊपर की तरफ ऐसी स्थिति में हो, जिससे बैरल में रोशनी हो सके, उंगलियां एक साथ मिली हुई राइफल की दांयीं तरफ और जमीन की ओर सीधी हों।

सामान्य गलतियां

(1) कूल्हे पर से शरीर को आगे की ओर झुकाना।

(2) बायां पंजा सामने की ओर मोड़ना।

(3) बायां अंगूठा ठीक कोण पर न होना।

बोल्ट-चलाना

2. 'बोल्ट चला' निरीक्षण के लिए बाएं शस्त्र की तरह ही इसमें कार्रवाई की जाती है।

जांच शस्त्र से बाएं शस्त्र

3. 'बाएं शस्त्र' - इस आदेश पर बाएं हाथ से राइफल शरीर की तरफ खींच कर बाएं शस्त्र की सही हालत में लाओ। राइफल के कुंदे के दस्ते पर दायां हाथ मारो, तर्जनी उंगली ट्रिगर रक्षी (ट्रिगर गार्ड) के बाहर की ओर हो, जैसे सावधान की स्थिति में किया जाता है वैसे ही एड़ियां मिली हों।

जांच शस्त्र से बाजू शस्त्र

4. 'गिनती से बाजू शस्त्र स्क्वाड-एक' इस आदेश पर दायां हाथ राइफल के उसी स्थान पर मारो जहां से उसे बाजू शस्त्र की स्थिति में पकड़ा जाता है अंगूठा और उंगलियां राइफल के चारों ओर मुड़ी हुई हों और बाजू का अगला भाग और कोहनी स्टाक पर हो इसी समय में एड़ियां मिलाओ।

5. 'स्क्वाड-दो' जैसा कि कंधे शस्त्र से बाज शस्त्र की दूसरी हरकत में किया जाता है, राइफल नोज कैप के ठीक नीचे बायां हाथ मारते हुए उसे दायीं ओर नीचे खींचो।

6. 'स्क्वाड-तीन' बायां हाथ झटके से बगल की ओर गिराओ और दाएं हाथ से राइफल जमीन पर उसी प्रकार रखो जैसे कंधे शस्त्र से बाजू शस्त्र की तीसरी हरकत में किया जाता है।

टिप्पणी :- बाजू शस्त्र से भी जांच शस्त्र की पोजीशन में लाया जा सकता है।

सामान्य गलतियां

पहली हरकत में :-

(1) दाएं हाथ से ठीक दूरी पर राइफल न पकड़ना।

(2) बाएं हाथ से राइफल अपनी तरफ खींचना।

दूसरी और तीसरी हरकतों में -

(3) उसी प्रकार की गलतियां होती हैं जैसी कंधे शस्त्र से बाजू शस्त्र की दूसरी और तीसरी हरकतों में होती हैं।

टिप्पणी : (1) जब किसी स्क्वाड में एक जवान की राइफल का निरीक्षण हो जाए, जब तक उससे एक छोड़कर दूसरे जवान का निरीक्षण नहीं रहा हो तब तक वह प्रतीक्षा करेगा। उसके पश्चात ही वह बोल्ट चलाएगा, बाजू शस्त्र करेगा और विश्राम स्थिति में खड़ा होगा।

(2) यदि स्क्वाड निरीक्षण के लिए बाएं शस्त्र स्थिति में है और एक या एक से अधिक व्यक्तियों को अलग-अलग जांच शस्त्र का हुक्म मिलता है तो बोल्ट चलाने आदि से पहले अपनी पहली वाली स्थिति में आएंगे।

खण्ड - 13

65. बाजू शस्त्र से तोल शस्त्र और तोल शस्त्र से बाजू शस्त्र बाजू शस्त्र से तोल शस्त्र

1. 'तोल-शस्त्र' : इस आदेश पर दाईं कलाई के झटके से नालमुख आगे और नीचे की ओर फेंकों, दाएं हाथ से राइफल को संतुलन स्थान से पकड़ो, अंगूठा और उंगलियां राइफल के चारों और हो, हाथ का पिछला भाग दायीं तरफ, बाजू सीधा हो ताकि राइफल आड़ी रहे, नालमुख सामने की ओर हो और मैगजीन नीचे की ओर हो।

सामान्य गलतियां -

(1) राइफल आड़ी न होना।

(2) नालमुख दायीं या बायीं तरफ होना।

(3) दायां अंगूठा राइफल के गिर्द होने की बजाए उसके दायीं ओर होना।

तोल शस्त्र से बाजू शस्त्र -

2. 'बाजू शस्त्र' - इस आदेश पर दाएं हाथ से राइफल का कुंदा जमीन पर और नालमुख ऊपर की ओर उठाकर सावधान की सही स्थिति बनाओ।

सामान्य गलतियां

(1) राइफल का कुंदा सही स्थान पर न रखना।

(2) कुंदा जमीन पर पटकना।

खण्ड - 14

66. कंधे शस्त्र से तोल शस्त्र और तोल शस्त्र से कंधे शस्त्र कंधे शस्त्र से तोल शस्त्र

1. गिनती से तोलशस्त्र, स्क्वाड-एक : इस आदेश पर दाएं हाथ से राइफल को संतुलन स्थान पर पकड़ो, अंगूठा और उंगलियां राइफल के चारों तरफ हों और हाथ पिछला भाग ऊपर की ओर हो।

2. 'स्क्वाड-दो' : दाएं हाथ से राइफल को नीचे की ओर शरीर सामने से लाकर सही तोल शस्त्र की स्थिति में लाओ। साथ-साथ बायां हाथ नीचे लाकर सावधान की स्थिति बनाओ।

सामान्य गलतियां

पहली हरकत में :

(1) पर्याप्त ऊंचाई पर राइफल न पकड़ना।

दूसरी हरकत में

(2) बगल से कोहनी दूर रखना जिससे राइफल पर सही नियंत्रण नहीं रहता।

(3) सिर हिलाना।

तोल शस्त्र से कंधे शस्त्र-

3. 'गिनती से कंधे शस्त्र, स्क्वाड-एक' : इस आदेश पर राइफल को शरीर के सामने के कन्धे पर ले जाओ और बाएं हाथ की हथेली राइफल के कुंदे पर रखो जैसा कि बाजू शस्त्र से कंधे शस्त्र की दूसरी हरकत में किया जाता है।

4. स्क्वाड-दो - दायां बाजू झटके से नीचे बगल के साथ ले जाओ जैसा कि बाजू शस्त्र से कंधे शस्त्र की तीसरी हरकत में किया जाता है।

सामान्य गलतियां

पहली हरकत में पर्याप्त ऊंचाई पर राइफल न पहुंचाना।

खण्ड - 15

67. कंधे शस्त्र से संभाल शस्त्र, संभाल शस्त्र से कंधे शस्त्र कंधे शस्त्र से संभाल शस्त्र :

1. ''गिनती से संभाल शस्त्र, स्क्वाड-एक'' : जिस प्रकार कन्धे शस्त्र से बाजू शस्त्र की पहली कार्रवाई में किया जाता है उसी प्रकार इस आदेश पर इसमें भी वही कार्रवाई की जाती है।

2. ''स्क्वाड-दो'' - मैगजीन का रुख सामने की तरफ मोड़ो, बायां हाथ कुन्दे पर से हटाकर राइफल को आर्म पिट की सीध में पकड़ो, उंगलियां राइफल के चारों ओर हों और अंगूठे का सिरा नालमुख की ओर हो, बांए हाथ का पिछला भाग बायीं ओर हो, कोहनी नीचे की ओर बायीं तरफ हो।

3. ''स्क्वाड-तीन''- दाएं हाथ से नालमूख सामने की तरफ नीचे करो ताकि राइफल का निशाना दाएं पंजे की दिशा में थोड़ा नीचे की ओर हो, राइफल का बोल्ट का हिस्सा बायीं बगल में हो, दाएं हाथ से राइफल छोड़ दो, दायां हाथ झटके से सावधान की स्थिति में ले जाओ।

सामान्य गलतियां

पहली हरकत में :

(1) वही गलतियां जो कंधे शस्त्र से बाजू शस्त्र में की जाती है।

दूसरी हरकत में :

(2) बाएं हाथ से राइफल इतनी ऊंचाई तक न पहुंचाना, जिससे अन्तिम स्थिति में बोल्ट वाला भाग बगल के नीचे होना असंभव हो जाता।

तीसरी हरकत में :

(3) बायां हाथ आगे ले जाना जिसके कारण बोल्ट वाला भाग बगल के आगे आ जाना। अंगूठा नाल के चारों ओर रखना।

संभाल शस्त्र से कंधे शस्त्र

4. 'गिनती से कंधे शस्त्र' : ''स्क्वाड-एक'' : इस आदेश पर हाथ या बाजू की ऊपरी भाग की स्थिति में परिवर्तन किए बिना बायीं कलाई झुकाओ और राइफल को बाएं कंधे के सामने खड़े रुख लाओ, मैगजीन का रुख सामने की ओर हो, इसी बीच दाएं हाथ से राइफल के कुंदे का दस्ता पकड़ो, हाथ का पिछला भाग सामने की ओर हो और अंगूठा तथा उंगलियां दस्ते के चारों और मुड़ी हुई हों।

5. ''स्क्वाड-दो'': राइफल का कुंदा बाएं हाथ की हथेली में इस प्रकार पकड़ो जिस प्रकार बाजू शस्त्र से कंधे शस्त्र की दूसरी हरकत में किया जाता है।

6. ''स्क्वाड-तीन'' : दायां हाथ झटके से दायीं तरफ गिराओ जैसा कि बाजू शस्त्र से कंधे शस्त्र की तीसरी हरकत में किया जाता है।

सामान्य गलतियां

(1) मैगजीन ठीक प्रकार से सामने की तरफ न रखना।

(2) बाई कोहनी बाहर की ओर तथा आगे निकालना।

(3) दाएं हाथ की उंगलियां स्लिन्ग के सामने रखना।

खण्ड 16

68. बाजू शस्त्र के संभाल शस्त्र और संभाल शस्त्र से बाजू शस्त्र

1. ''गिनती से संभाल-शस्त्र, स्क्वाड-एक'' : इस आदेश पर दायीं कलाई का झटका देकर राइफल को दाएं कंधे के सामने ऊपर की ओर फेंको, कोहनी बगल के साथ लगी हुई हो, दाएं हाथ से राइफल को संतुलन स्थान पर पकड़ो ताकि बाजू का अगला भाग जमीन के समानान्तर हो हाथ कमर पेटी की सीध में हों, और राइफल खड़े रुख हो, मैगजीन सामने की तरफ हो।

2. ''स्क्वाड-दो ''- राइफल को शरीर के सामने से बाईं तरफ फेंको तथा उसे बाएं हाथ से संतुलन स्थान पर पकड़ो ताकि राइफल उसी स्थिति में हो जिसमें वह पहली स्थिति में थी, अन्तर केवल यही होगा कि वह अब बाएं कंधे के सामने होगी, इसी बीच दायां हाथ झटके से नीचे बगल में लाओ।

3. ''स्क्वाड-तीन'' : राइफल बोल्ट वाले भाग को संभाल शस्त्र की स्थिति में बाईं बगल में दबाओ।

सामान्य गलतियां

पहली हरकत में -

(1) राइफल की तरफ देखना।

दूसरी हरकत में -

(2) राइफल को (फैंकने की बजाय) एक हाथ से दूसरे हाथ में बदलना।

तीसरी हरकत में -

(3) राइफल का बोल्ट भाग वापस बगल में न खींच पाना।

संभाल शस्त्र से बाजू शस्त्र -

4. 'गिनती से बाजू शस्त्र, स्क्वाड-एक' एक आदेश पर दाएं हाथ से राइफल को उसी स्थान पर पकड़ो जहां बाजू शस्त्र में पकड़ा जाता है।

5. ''स्क्वाड-दो'' : राइफल का कुंदा नीचे की तरफ करो और राइफल दायीं तरफ खीचों और उस पर बांया हाथ मारो जैसा कि कंधे शस्त्र से बाजू शस्त्र की दूसरी हरकत में किया जाता है।

6. ''स्क्वाड-तीन'' - उसी प्रकार कार्रवाई करो जिस प्रकार कंधे शस्त्र से बाजू शस्त्र की तीसरी हरकत में किया जाता है।

सामान्य गलतियां

पहली हरकत में :

(1) दायीं कोहनी शरीर से दूर रखना और हथेली को राइफल से कुंदे पर ठीक प्रकार से मारना।

दूसरी हरकत में :

(2) राइफल का कुंदा शरीर के सामने काफी दूरी पर झुलाना।

तीसरी हरकत में :

(3) वही गलतियां जो कंधे शस्त्र से बाजू शस्त्र की तीसरी हरकत में की जाती है।

खण्ड 17

69. तोल शस्त्र पर बदल शस्त्र

1. ''गिनती से बदल शस्त्र, स्क्वाड-एक'' : राइफल को दाएं कंधे के सामने बाजू के ऊपरी भागों को हिलाए बिना खड़े रुख लाओ, जैसा कि बाजू शास्त्र से सभाल शस्त्र की पहली हरकत (खण्ड 16) में किया जाता है।

2. ''स्क्वाड-दो'' : जिस प्रकार बाजू शस्त्र के संभाल शस्त्र की दूसरी हरकत में किया जाता है उसी प्रकार राइफल को शरीर के सामने से बाईं तरफ फेंको।

3. ''स्क्वाड-तीन'' : बायां बाजू नीचे की तरफ सीधा करो ताकि राइफल तोल शस्त्र की स्थिति में लाई जा सके।

सामान्य गलतियां

राइफल (श्रम साध्य तरीके से हिलाना) और शरीर को हिलाना।

टिप्पणी : दायीं तरफ फिर से तौल शस्त्र के लिए ठीक उसी प्रकार विपरीत क्रम में कार्रवाई की जाएगी।

खण्ड 18

70. भूमि शस्त्र, उठा शस्त्र

कंधे शस्त्र से भूमि शस्त्र

1. ''गिनती से भूमि शस्त्र, स्क्वाड-एक'' : इस आदेश पर नीचे झुको और राइफल को दायीं तरफ जमीन पर रखो राइफल के मैगजीन का रुख दायीं तरफ बाहरी बैंड दाएं पंजे की सीध में हो। जैसे ही राइफल को जमीन पर रखा जाए, दायां हाथ पंजे की सीध में और नालमुख सामने की तरफ होगी। इस हरकत के दौरान सिर और आंखें सामने की तरफ रहें।

टिप्पणी:- नीचे झुककर जमीन पर राइफल रखते समय टांगें सीधी रखी जाएं।

2. ''स्क्वाड-दो ''- चैस्ता से सावधान स्थिति में आ जाओ

उठा शस्त्र

3. ''गिनती से उठा शस्त्र स्कवाड-एक'' : इस आदेश पर नीचे झुककर दाएं हाथ से बाहरी बैड पर राइफल पकड़ो।

4. ''स्क्वाड-दो'' : राइफल उठाओ और चुस्ती से बाजू शस्त्र की स्थिति में आ जाओ।

टिप्पणी : यदि कोई स्क्वाड राइफल सहित सावधान स्थिति में हो और उसे राइफल को जमीन पर रखने की बजाए किसी दीवार, पेड़ आदि के साथ खड़ी करने को कहा जाए तो आदेश दिया जाएगा कि ''दीवार (आदि) के साथ राइफल रखो'' इस कमांड पर स्क्वाड दायीं तरफ मुड़ेगा, रूकेगा और लाइन तोड़ेगा, अपनी-अपनी राइफल दीवार के साथ रखकर दोबारा उसी स्थान पर आकर लाइन में खड़ा हो जाएगा।

सामान्य गलतियां

दोनों हरकतों में :

(1) जमीन की ओर देखना और उसके परिणाम स्वरूप टोपी या पगड़ी का गिर जाना।

(2) राइफल जमीन पर पटकना।

(3) राइफल का बाहरी बैड दाएं पंजे की सीध में न होना।

खण्ड 19

71. समतोल शस्त्र

कोई कमान शब्द नहीं

जमीन से लगभग 3 इंच ऊपर राइफल उठाओ और बाजू शस्त्र की स्थिति बनाए रखो।

यदि बाजू शस्त्र की पोजीशन में खड़े हों और दाएं या बाएं मिलने या पीछे कदम हटाने या गिनती के कितने ही कदम लेने के आदेश हुए हों जवान समतोल शस्त्र करेंगे।

खण्ड 20

72. लटका शस्त्र

1. संगीन लगाए बिना

'लटका शस्त्र' : इस आदेश पर जवान अपना सिर और दायां बाजू सिर और राइफ के बीच में से निकालेगा, राइफल की स्लिंग पूरी तरह ढोली की हुई हो, नालमुख ऊपर की ओर हो, राइफल पीछे तिरछे रुख लटकी हुई हो।

2. संगीन लगाए हुए

'लटका शस्त्र' : स्लिंग पर्याप्त रूप से ढीली रखकर राइफल की स्लिंग दाएं या बाएं कंधे के ऊपर से गुजारते हुए राइफल को कंधे के पीछे खड़ी हालत में लटकाओ।

3. आराम से चल

इस आदेश पर, जब राइफल सहित कंधे शस्त्र से चल रहे हों, तो राइफल को बाई तरफ नीचे खींचो जैसे कि बाजू शस्त्र की पहली हरकत में किया जाता है और उसके बाद ऊपर बताए गए अनुसार लटका शस्त्र की कार्रवाई करो। एक साथ कारवाई करना आवश्यक नहीं है।

खण्ड 21

73. बाजू शस्त्र से सलामी शस्त्र

1. गिनती से सलामी शस्त्र, स्क्वाड-एक

इस आदेश पर वैसा ही करो जैसा कि बाजू शस्त्र के कंधे शस्त्र की पहली हरकत में किया जाता है।

2. स्क्वाड-दो

राइफल खड़ी हालत में लाओ जैसा कि कंधे शस्त्र से सलामी शस्त्र, की दूसरी हरकत में किया जाता है।

3. स्कवाड-तीन

वैसा ही करो जैसा कि कंधे शस्त्र से सलामी शस्त्र की तीसर हरकत किया जाता है।

सलामी शस्त्र के बाजू शस्त्र

4. गिनती से बाजू शस्त्र, स्क्वाड/एक

इस आदेश पर राइफल दायीं तरफ से लाओ और उसे दाएं हाथ से पकड़ो, बायां हाथ तना हुआ हो और हल्के से नौज कैंप पर लगा हुआ हो, कुंदा जमीन से थोड़ा ऊपर हो, उसी समय झटके से दायां पैर बाएं पैर के साथ मिलाओ।

5. स्क्वाड-दो

राइफल का कुंदा धीरे से जमीन पर रखो जैसा कि बाजू शस्त्र में किया जाता है। बायां हाथ झटके से नीचे गिराओ।

खण्ड 22

74. कंधे शस्त्र से तान शस्त्र

1. गिनती-से तान शस्त्र, स्क्वाड-एक

इस आदेश पर दायें हाथ से राइफल के कुंदे का दस्ता पकड़ो जैसे कि बाएं शस्त्र की पहली हरकत में किया जाता है।

2. स्क्वाड-दो

बायां घुटना झुकाओ और पैर को दाएं पैर के सामने रखो 27 इंच आगे जमीन पर सपाट रखो, घुटना थोड़ा झुका हुआ रखो और शरीर को थोड़ा आगे की ओर झुकाओ ताकि शरीर का बजन बायीं टांग पर पड़े, बायां कन्धा आगे की ओर हो,

दायीं टांग पीछे की ओर तनी हुई और पैर जमीन पर सपाट हो, सिर आगे की ओर हो। उसी समय राइफल दाएं कन्धे के सामने नीचे की तरफ लाओ, तथा बाएं हाथ से उसे यथा संभव ऊपर से पकड़ो ताकि बाजू का अगला भाग थोड़ा झुका हुआ और शरीर से सटा हुआ हो, संगीन गले की सीध में हो, कुन्दा दाएं कुल्हे के बाहर के रुख हो, मैगजीन नीचे की ओर, दायीं तर्जनी टिगर गार्ड के बाहरी तरफ हो, हाथ बायीं जंघा के बिल्कुल सामने और बाजू का अगला भाग कुंदे के सिरे पर दबा हो।

तान शस्त्र के कंधे शस्त्र

1. गिनती से कंधे शस्त्र, स्क्वाड-एक

इस आदेश पर बायां घुटना झुकाओ और बायीं एड़ी दायीं एड़ी के साथ मिलाओ, शरीर को सीधा रखते हुए सिर सावधान की स्थिति में ले आओ। उसी समय राइफल का कुंदा हाथ में लाते हुए राइफल को शरीर के सामने से लाकर वापस खींचों जैसा कि बाजू शस्त्र से कंधे शस्त्र की दूसरी हरकत में किया जाता है।

2. स्क्वाड-दो

बायां हाथ तेजी से नीचे की ओर गिराओ।

खण्ड - 23

75. बाजू शास्त्र से तान शास्त्र, तान शस्त्र से बाजू शस्त्र

1. तान शास्त्र

इस आदेश पर राइफल दाएं कंधे से सामने ऊपर की तरफ फेंको और उसी समय दोनों हाथ राइफल पर लाते हुए तान शस्त्र की स्थिति बनाओ।

2. 'गनती से बाजू शस्त्र, स्क्वाड-एक'

इस आदेश पर बायां घुटना मोड़ो और बायीं एड़ी दायीं एड़ी के साथ मिलाओ, शरीर सीधा और सावधान की स्थिति में हो। उसी समय दाएं हाथ से राइफल बाजू शस्त्र में उसी तरह पकड़ो जैसा कि जांच शस्त्र के बाजू शस्त्र में पकड़ा जाता है।

3. स्क्वाड-दो

राइफल दायीं तरफ लाओ जैसा कि जांच शस्त्र से बाजू शस्त्र की पहली हरकत में किया जाता है। बायां हाथ तेजी से बाई तरफ नीचे ले जाओ।

खण्ड 24

76. कंधे शस्त्र से ऊंचा बाएं शस्त्र और ऊंचा बाएं शस्त्र से कंधे शस्त्र

1. गिनती से ऊंचा बाएं शस्त्र, स्क्वाड-एक

इस आदेश पर दाएं हाथ से राइफल के कुन्दे का दस्ता पकड़ो जैसा कि कंधे शस्त्र से बाएं शस्त्र में किया जाता है।

2. स्क्वाड दो

राइफल को शरीर के सामने ऊंचा बाएं शस्त्र की स्थिति में लाओ। ऐसा करने के लिए मैगजीन सामने की तरफ मोड़ो और राइफल को बाएं हाथ से पकड़ो।

3. गिनती से कंधे शस्त्र, स्क्वाड-एक

एक आदेश पर राइफल बाएं कंधे पर रखो जैसा कि बाजू शस्त्र से बाएं शस्त्र की दूसरी हरकत में किया जाता है।

4. स्क्वाड-दो

दायां हाथ तेजी से दायीं तरफ गिराओ।

खण्ड 25

77. बाजू शस्त्र से ऊंचा बाएं शस्त्र और ऊंचा बाएं शस्त्र से बाजू शस्त्र

1. ऊंचा बाएं शस्त्र

दायीं कलाई के झटके से राइफल को शरीर के सामने से तिरछे रुख फेको, उसी समय उसे दोनों हाथों से पकड़ो, बायां हाथ बाएं कन्धे के सामने और शरीर से आवश्यकता के अनुसार दूर हो ताकि कुन्दा तत्काल फायरिंग स्थिति में लाया जा सके। दायां हाथ कुन्दे के ऊपर हो और दायां बाजू का अगला भाग जमीन के समानान्तर हो।

2. गिनती से बाजू शस्त्र, स्क्वाड-एक

उसी प्रकार कार्रवाई की जाए जैसी कि बाएं शस्त्र से बाजू शस्त्र के लिए की जाती है, केवल दायें हाथ का पिछला भाग राइफल के सिरे पर हो।

3. स्क्वाड दो

वही कार्रवाई की जाए जो बाएं शस्त्र से बाजू शस्त्र में की जाती है,

खण्ड 26

78.(अ) बाजू शस्त्र से बलग शस्त्र

1. ''गिनती से बगल शस्त्र स्क्वाड एक'' की कमांड होने पर बन्दूक का मुंह ऊपर हो जाएगा। दाएं हाथ की बीच की अंगुली ट्रिगर पकड़ेगी उसी समय बायां हाथ पेट के सामने तिरछा होकर बाहरी फ्लैंक की तरफ आ जाएगा।

स्क्वाड-2 की कमांड होते ही बायां हाथ तेजी से नीचे की तरफ आ जाएगा।

(ब) बगल शास्त्र के बाजू शस्त्र

1. ''गिनती से बाजू शस्त्र'' स्कवायड की एक कमांड पर दाएं हाथ की बीच की अंगुली बन्दुक की लिबलिबि को छोड़ देगी और राइफल को नीचे की तरफ होने देगी। इसी समय बायां हाथ तिरछा होकर (पैर पर नोज कैप के पास) शरीर के पास आएगा। उसी समय अंगुलियों को भींचकर आपस में लाकर नोज कैंप के पास से हल्के से पकड़ लेगा।

2. स्क्वायड- दो- की कमांड पर राइफल सावधान की स्थिति में आ जाएगी और बायां हाथ बाईं तरफ को आ जाएगा।

अध्याय- 12

किरच कवायद

किरच पद और सम्मान का परम्परागत प्रतीक है। यह कवायद केवल समारोहों पर ही की जाती है। इसे ठीक-ठीक और आकर्षक रूप से करने का प्रयास अवश्य किया जाए क्योंकि यही इसकी मुख्य विशेषताएं हैं।

किरच दो मुख्य भागों में बँटी होती है अर्थात् मूठ (हिल्ट) और फलक (ब्लेड)।

फलक के तीन भाग होते हैं :-

(1) अग्रभाग : अग्र मूठ के निकट का भाग।

(2) मध्य भाग : फलक का बीच वाला भाग।

(3) नोक : फलक का सबसे नीचे वाला भाग।

मूठ के भी अलग-अलग तीन भाग होते हैं :

(1) घुण्डी (पामल)। दस्ते पर घुंडी।

(2) दस्ता (हैंण्डल) वह भाग जहां से तलवार कस कर पकड़ी जाती है।

(3) **मूठ** : दस्ते के सामने का हिस्सा जिससे उंगलियों की सुरक्षा होती है।

किरच हमेशा (अनुमोदित किस्म का बना हुआ) तेग बन्द (sword knot) लगाकर ही धारण की जाए।

खण्ड 1

79. किरच कवायद की हरकतें

1. सावधान स्थिति : बाएं हाथ से किरच की म्यान पकड़ो, बायां बाजू सीधा रखो (जब किरच निकली हुई न हो) तब बायां बाजू मूठ के बाहर की ओर झुका हुआ हो, हाथ का पिछला भाग बायीं तरफ, अंगूठा सामने की ओर लिपटा हुआ, तर्जनी उंगली नीचे की ओर म्यान की तरफ, अन्य उंगलियां पीछे की तरफ मुड़ी हुई हों। बाएं हाथ की यह स्थिति कवायद करते हुए हर समय बनी रहे। यह स्थिति केवल उस समय नहीं रहती जब किरच म्यान से बाहर निकाले बिना विश्राम हालत में खड़े हुए हों।

2. गिनती से निकाल किरच स्क्वाड एक : एक हरकत में दायां हाथ शरीर के सामने से ले जाओ, किरच का दस्ता पकड़ो और तब तक किरच को बाहर निकालो जब तक बाजू का अगला भाग तिरछा होकर कंधे की सीध में न आ जाए। हाथ का पिछला भाग पीछे की ओर, अंगूठा और उंगलियाँ दस्ते के चारों तरफ लिपटी हुई हों।

स्क्वाड-दो :- म्यान का निचला सिरा थोड़ा पीछे की ओर करते हुए तेजी से किरच आगे ऊपर की तरफ निकालो। बायां हाथ सावधान की हालत में ले आओ।

खड़ा किरच :- जैसे ही किरच की नोक म्यान के मुंह से बाहर आ जाए, वैसे ही उसे फुर्ती से ''खड़ा किरच'' की स्थिति में ले आओ अर्थात् फलक सीधा खड़े रूख, धार बायीं तरफ, मूंठ का ऊपरी भाग मुंह की सीध में उसके विपरीत हो, अंगूठा मुंह की तरफ दस्ते की बगल में हो।

स्क्वाड-तीन सामने किरच : दायां बाजू तेजी से बगल में लाओ, कोहनी मिली हुई, बाजू का अगला भाग आड़ा और सामने की तरफ हो। फलक सीधा खड़े रुख, धार सामने की तरफ, और दस्ता धीरे से पकड़ो, अन्य उंगलियां आपस में मिली हुई और थोड़ी मुड़ी हुई हों, मूठ हाथ के ऊपरी भाग पर टिकी हुई हो।

3. कंधे किरच : किरच की नोक पीछे की तरफ नीचे लाओ ताकि फलक का पिछला भाग गर्दन और कन्धे के बीच में टिके। बाजू का अगला भाग और हाथ स्थिर रखो, लेकिन पिछली तीन उंगलियों की पकड़ छोड़ दो और सबसे छोटी उंगली दस्ते के पीछे रखो।

4. गिनती से वापस किरच, स्क्वाड एक : किरच की मूठ बाएं कन्धे के गड्ढे के पास लाओ, उसका फलक खड़े रुख हो, धार बायीं तरफ हो, दायें बाजू का अगला भाग तिरछा हो और कोहनी कन्धे की सीध में हो, हाथ का पिछला भाग सामने की ओर हो। उसी समय म्यान का सिरा थोड़ा पीछे ले जाओ। बाएं हाथ से म्यान का मुंह पकड़ो और शीघ्रता पूर्वक दाईं कलाई मोड़कर बाएं कन्धे के बाहर की ओर से फलक की तर्जनी उंगली की सहायता से किरच की नोक नीचे की ओर

म्यान में डाल दो किरच को म्यान में इस तरह डालो कि निकाल किरच की पहली हरकत में आ सको। कंधे सामने सीधे तने हुए रखो।

स्क्वाड दो - किरच म्यान में पूरी डाल दो, बायां हाथ और म्यान सावधान हालत में रखो। दायां हाथ मूठ के ऊपर बना रहे, हाथ का पिछला भाग ऊपर की तरफ, अंगूठा और उगलियां आपस में मिली हुई और सीधी हों, बाजू का अगला भाग तिरछा और शरीर के निकट हो।

स्क्वाड-तीन - दायां हाथ झटके से बगल में ले जाओ।

5. स्क्वाड विश्राम (1) जब किरच म्यान में हो : बायां पैर और म्यान लगभग 12 इंच बाएं ले जाओ ताकि शरीर का भार दोनों पैरों पर बराबर रहे। उसी बीच हाथ पीठ के पीछे ले जाओ और दायें हाथ का पिछला भाग बायीं हथेली में रखो, उसे अंगूठे और उंगलियों से हल्के से पकड़ो, बाजूओं को सामान्य तरीके से पूरी तरह नीचे की ओर लम्बा करो।

(2) जब किरच कंधे पर न हो : बायां पैर लगभग 12 इंच बायीं तरफ ले जाएं, किरच को दायें कन्धे पर कन्धे किरच की स्थिति में लाओ। बाएं हाथ की पकड़ म्यान पर उसी प्रकार बनी रहे जैसी सावधान हालत में होती है।

6. विश्राम से सावधान, स्क्वाड-सावधान - किरच सामने लाओ और सावधान स्थिति बनाओ, किरच को सामने किरच की स्थिति में लाओ और सावधान हालत में आओ।

7. तेज चल : बाएं हाथ से बायीं तरफ किरच या खाली म्यान स्थिर पकड़ी जाए। यदि किरच निकाली हुई हो तो उसकी स्थिति वैसी ही होगी जैसी नीचे सामान्य टिप्पणियों में बताई गई है।

8. स्क्वाड थम : सावधान की स्थिति में आ जाओ।

खण्ड 2

80. किरच के साथ सैल्यूट करना

1. थम कर सेल्यूट करना

गिनती के सामने सैल्यूट

स्क्वाड-एक : किरच को पुनः खड़ा किरच की स्थिति में लाओ।

स्क्वाड-दो : जब तक किरच की नोंक जमीन से 12 इंच ऊपर न रह जाए और सामने से दायीं ओर 45 अंश का कोण न बना ले तब तक किरच को नीचे ले जाओ, किरच की धार बायीं तरफ, दायां बाजू और किरच एक सीधी लाइन में हों, किरच के दस्ते पर अंगूठा चपटा हो।

स्क्वाड-तीन : किरच को पुनः खड़ा किरच की स्थिति में लाओ।

स्क्वाड-चार : किरच को पुनः सामने किरच की स्थिति में लाओ।

टिप्पणी : (1) जब किरच निकली हुई न हो तो हाथ से सामान्य सैल्यूट दिया जाए। (2) जब राइफल सहित सशस्त्र सैन्य दल परेड पर हो और उसे सलामी शस्त्र का आदेश दिया जाए, तो किरच वाले अधिकारी सलामी शस्त्र की पहली और तीसरी हरकतों पर कार्रवाई करेंगे। कन्धे शस्त्र के आदेश पर वे जवानों के साथ मिलकर कार्रवाई करेंगे। (3) जब अफसर लाइन तोंड़े का आदेश दिया जाए तो वे किरच से सैल्यूट करेंगे, वरिष्ठ अधिकारी के पीछे लाइन बनाएंगे और विश्राम हालत में खड़े होने से पहले किरच को वापस करेंगे।

2. चलते हुए सैल्यूट करना - तेज चाल और धीरे चाल दोनों ही में सैल्यूट की कार्रवाई दो हरकतों में पूरी की जाती है। पहली और दूसरी हरकतों में क्रमशः तब की जाती है जब कमान शब्द के तुरन्त बाद एक के बाद एक दाएं और बाएं पैर लगातार जमीन पर पड़ें। जब बायां पैर जमीन पर पड़े तभी ये कमान शब्द दिए जाते हैं।

ये हरकतें निम्न प्रकार की जाती हैं :

(क) सैल्यूट करते समय

(1) पहली हरकत : जब बायां पैर जमीन पर पड़े तब आदेश शब्द दिए जाते हैं। जब अगला दायां पैर जमीन पर पड़े तब किरच को खड़ा किरच स्थिति में लाओ। चेहरा सीधा रहे।

(2) दूसरी हरकत : जब बायां पैर दूसरी बार जमीन पर पड़े, सिर पुनरीक्षण अधिकारी की तरफ मोड़ो और पैरा 9 में बताए अनुसार किरण को सैल्यूट वाली स्थिति में लाओ।

(ख) सैल्यूट के बाद ''सामने देख'' की स्थिति में आते हुए -

(1) पहली हरकत : जब बायां पैर जमीन पर पड़े तब सामने देख की स्थिति में आने के आदेश शब्द दिए जाते हैं। जब अगला दायां पैर जमीन पर पड़े, तब खड़ा किरच की स्थिति मं आओ, सिर वापस सामने की तरफ हो।

(2) दूसरी हरकत : जब बायां पैर जमीन पर दोबारा पड़े, किरच को सामने किरच की स्थिति में लाओ।

खण्ड 3

81. सामान्य टिप्पणियां

(1) थम की स्थिति में जब जवान सावधान या कंधे शस्त्र की स्थिति में हों तो किरच सामान्यतः सामने किरच की स्थिति में होती है।

(2) चलते हुए किरच को ऊपर निकालने के साथ कन्धे किरच किया जाता है और थमकर सामने किरच हालत में लाया जाता है। परन्तु निम्नलिखित अवसरों, पर किरच हमेशा सामने किरच की स्थिति में होगी :

(क) सैल्यूटिंग बेस की तरफ मुड़ने या घूमते हुए या उसके पास पहुंचते समय।

(ख) जब अफसर लाइन बना रहे हों या लाइन तोड़ रहे हों।

(ग) जब समीक्षा क्रम में आगे बढ़ रहे हों।

(घ) जब गारद आरोहण कर रही हो।

(ङ) यदि किरच निकली हुई हो तो सारे समय उस समय के सिवाय जब जवान विश्राम की स्थिति में खड़े हों और जब किसी परेड ग्राउंड की ओर या वहां से चल रहे हों, सामने किरच की स्थिति में होंगे। परेड ग्राउंउ की ओर जाते या वहां से बाहर होते समय वे कन्धे शस्त्र की स्थिति में होंगे।

(3) जब जवान लटका शस्त्र बिना विश्राम की स्थिति से चलें, तब किरच कन्धे शस्त्र होगी।

(4) जब जवान राइफल के साथ लटका शस्त्र की स्थिति में विश्राम से चल रहे हो, किरच वापस किरच की स्थित में होगी। सावधान स्थिति से चलते समय किरच बाएं पैर पर काम करते हुए दोबार बाहर निकाली जाएगी।

अध्याय - 13
क्षेत्र में फैले हुए दल को कवायद का आदेश

खण्ड 1

82. प्रस्तावना

युद्ध क्षेत्र में किसी दल पर विशेषकर जब वह फैला हुआ हो, या किसी जगह पर लगाया गया हो तब उन पर मौखिक या लिखित संदेशों की अपेक्षा संकेतों द्वारा बहुत अच्छी तरह नियंत्रण किया जा सकता है। जब किसी दल को डाकुओं के विरुद्ध किसी निश्चित कार्रवाई के लिए वस्तुतः लगाया जाना हो, तो जब भी सम्भव हो कमाण्डर उन्हें पूरी तरह अनुदेश दे।

यदि जवान फैले हुए और लाइन में चल रहे हों तो सामान्यतः राइफल तोल शस्त्र की स्थिति में ले जाई जाए। इनके लिए सही सिधाई या कदम से कदम मिलाकर चलना अपेक्षित नहीं है परन्तु लगभग एक लाइन बना ली जाए। अन्यथा जब जवान फैले हुए हों तब वे अपनी ही पार्टी के अन्य जवानों की फायर की सीध में आ सकते हैं। कमाण्डर ऐसे स्थान पर हों जहां से वे अपने आदेशों का सबसे अच्छी प्रकार अनुपालन सुनिश्चित कर सकें। उन्हें यह भी बता दिया जाए कि फायर तेज करने तथा जानी नुकसान से बचने के लिए प्रायः जवानों को फैली हुई स्थिति में नियुक्त किया जाता है इसलिए यह कार्रवाई हमेशा दौड़ चाल में की जाए। फैली हुई लाइन को तभी निकट लाया जाए जब वह आड़ में हो या जब गोली न चल रही हो। इसलिए जब तक चलते हुए सिमटने के लिए न कहा जाए, निकट आने की कार्रवाई तेज चाल में की जाए। जब तक अन्य आदेश न दिए जाएं, जवान मध्य लाइन से फैले और मध्य लाइन में ही सिमटें और उसका नाम लिया जाए।

किसी स्क्वाड या प्लाटून को क्षेत्रीय कवायद (फील्ड ड्रिल) में लगाने से पहले यह देख लिया जाए कि सब जवान सीध में हैं, गिनती हो गई हैं और निम्निलिखित आदेश देकर मध्य फाइल की जांच कर ली गई है

''नम्बर----मध्य फाइल और दिशा के फाइल से उद्देश्य हैं।''

इस आदेश पर निर्दिष्ट फाइल के जवान अपना खाली हाथ उठाकर संकेत करेंगे। यदि किसी पार्श्व में चलना आवश्यक हो तो उस पार्श्व लाइन का सामने का जवान आगे बढ़ेगा।

जब स्क्वाड या प्लाटून को संकेत द्वारा परिनियोजित करना हो तो संकेत करने से पहले जब भी संभव हो जवानों का ध्यान आकर्षित करने के लिए हल्की सीटी बजाई जाए।

जब कमाण्डर आश्वस्त हो जाए कि उसके संकेत समझ लिए गए हैं तो कमाण्डर अपना उस तरफ का हाथ गिराएगा जिस तरफ उसके अधीन यूनिटें उसके दिए गए आदेश के अनुसार कार्य करेंगी।

खण्ड 3 और 4 में लिखित संकेतों का भी फील्ड कवायदों में प्रयोग किया जाएगा।

किसी स्क्वाड को सामने, मध्य और पीछे की ओर से नियोजित करने के लिए निम्नलिखित आदेश शब्दों और हाथ के संकेतों का प्रयोग किया जाएगा।

खण्ड 2

83. आदेश शब्द

(क) नियोजन

दाहिने फल : इस आदेश पर पिछली रैंक का बायां गाइड अपनी जगह खड़ा रहे और मध्य, सामने और पिछली रैंकों के बाकी जवान एक ही लाइन में दायीं तरफ निम्न प्रकार से फैल जाएं :

बाएं गाइड के सिवाय पिछली रैंक के सभी जवान दायीं तरफ मुड़े। सामने की लाइन के जवान पहले हरकत करें, उन के पीछे मध्य लाइन और अन्त में पिछली लाइन के जवान चलें। प्रत्येक जवान के बीच 2 कदम का फासला हो उसके बाद सभी बाएं मुड़े और विश्राम की स्थिति में खड़े हो जाएं।

बाएं फैल - इसमें सभी कार्रवाई ऊपर बताए अनुसार ही की जाए। अन्तर केवल यह है कि सामने की लाइन का दायां गाइड खड़ा रहे और बाकी सब जवान बायीं तरफ फैल जायें।

मध्य से फैल - इस आदेश पर मध्य लाइन का बीच वाला जवान खड़ा रहे और बाकी सभी जवान दायें या बाएं मुड़ें।

टिप्पणी : यदि कदमों की गिनती न बताई जाए, तो जवान दो-दो कदम के फासले पर फैलेंगे।

(ख) सिमटना या निकट आना (क्लोजिंग)

दाएं सिमट - इस आदेश पर सामने की लाइन का दायां गाइड खड़ा रहे और शेष सभी जवान दायीं तरफ पहली स्थिति में सिमट जाएं।

बाएं सिमट - इस आदेश पर पिछली लाइन का बायां गाइड खड़ा रहे और शेष सभी जवान बायीं तरफ अपनी पहली स्थिति में सिमट जाएं।

नीचे दिये हुए चित्र पाठ 13 से संबंधित है

युद्ध क्षेत्र संकेत खुली लाइन ड्रिल

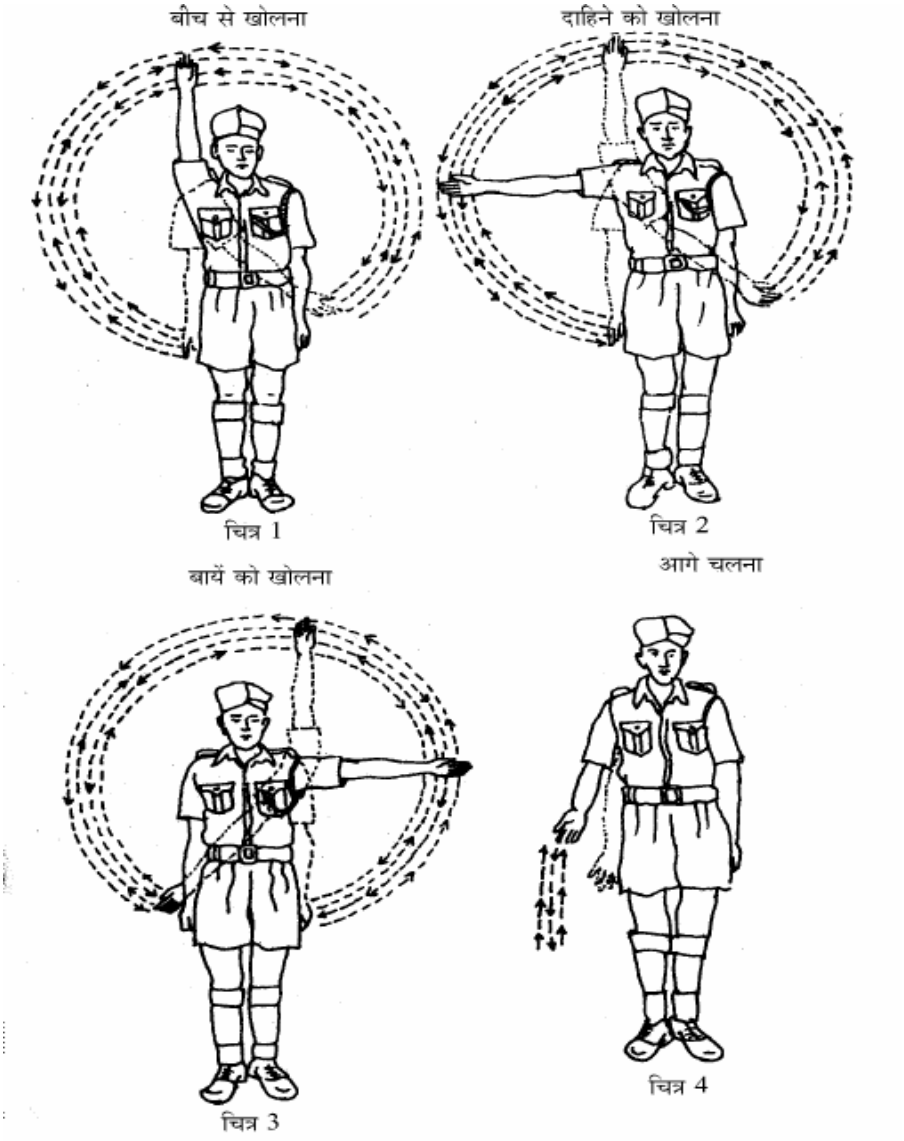

रुकना

चित्र संख्या 5

पीछे घूमना

चित्र संख्या 6

दाहिने को रुख बदलना

चित्र संख्या 7

बायें को रुख बदलना

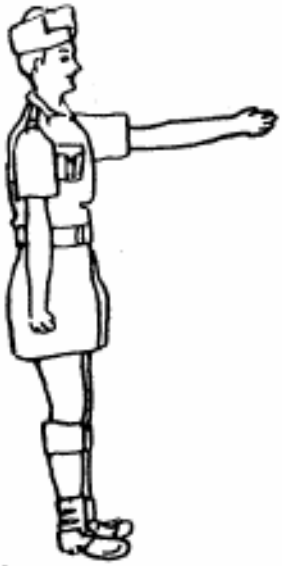

चित्र संख्या 8

आधा दाहिने मुड़ना या घूमना

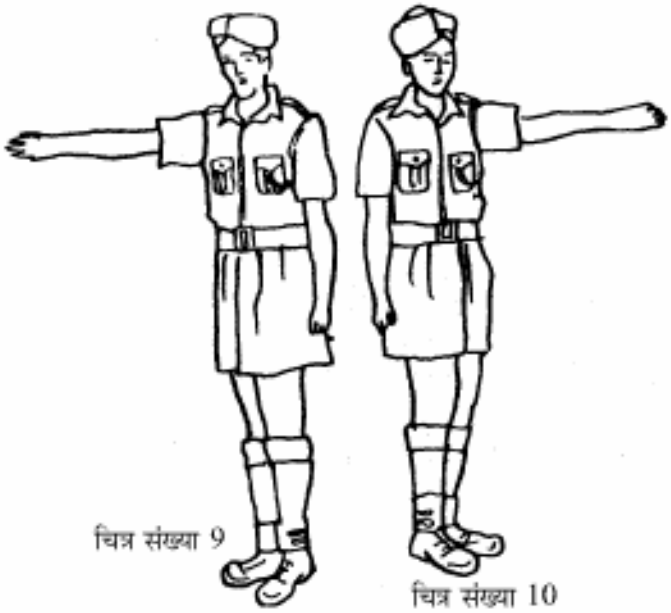

चित्र संख्या 9

आधा बायें मुड़ना या घूमना

चित्र संख्या 10

बीच में इकट्ठा होना

चित्र संख्या 11

दाईं तरफ इकट्ठा होना

चित्र संख्या 12

बाईं तरफ इकट्ठा होना

चित्र संख्या 13

दौड़कर चलना

चित्र संख्या 14

तेज चलना

चित्र संख्या 15

मेरे पीछे चलो

चित्र संख्या 16

लौटना

चित्र संख्या 17

जैसे थे

चित्र संख्या 18

दुश्मन कम तादाद में नजर आना

चित्र संख्या 19

दुश्मन ज्यादा तादाद में नजर आना

चित्र संख्या 20

दुश्मन नजर नहीं आना

चित्र संख्या 21

मध्य पर सिमट - इस आदेश पर बीच वाली लाइन मध्य खड़े व्यक्ति के निकट सिमट जाए और मध्य वाला व्यक्ति अपनी जगह स्थिर खड़ा रहे सामने की लाइन और पिछली लाइन बाएं और दायें मुडें और अपनी पहली स्थिति में आ जाए।

खण्ड- 3

84. हाथ के संकेत -

दायीं तरफ फैसला - दायां बाजू सिर के ऊपर पूरा फैलाएं और धीरे-धीरे एक तरफ से दूसरी तरफ हिलाया जाए, हाथ खुला, और तीन बार शरीर के दोनों तरफ कूल्हों तक नीचे लाया जाए, और फिर दायीं तरफ संकेत किया जाए। आकृति 2 देखें।

प्लाटून द्वारा कार्रवाई - वही कार्रवाई की जाए जो ऊपर खण्ड - 2 में बताई गई है।

बायीं तरफ फैलना - वही कार्रवाई की जाए जो दायीं तरफ फैलने के लिए की जाती है। सिर्फ दायें हाथ के बदले बाएं हाथ से संकेत दिया जाए। आकृति 3 देखें।

प्लाटून द्वारा कार्रवाई - जैसा ऊपर खण्ड -2 में बताया गया है।

मध्य से फैलना यह क्रिया उसी प्रकार की जाएगी जैसे कि दायीं तरफ फैलने के लिए की जाती है अन्तर केवल इतना होगा कि हाथ को तीसरी बार घुमाने के पश्चात् उसे सावधान की स्थिति में सीधा नीचे लाया जाए।

आकृति 1 देखें

प्लाटून द्वारा कार्रवाई - जैसे कि ऊपर खण्ड 2 में बताई गई है।

टिप्पणी : उपर्युक्त हरकतों में यह ध्यान रखा जाए कि सामने की लाइन हमेशा दायीं तरफ रहे।

सिमट : हाथ सिर से ऊपर रखा जाए और कोहनी दायीं या बायीं तरफ सामने हो। उपर्युक्त संकेत का अर्थ ''बीच में इकट्ठा'' है। **आकृति सं.11 देखें।**

यदि किसी दिशा (दायीं या बायीं) में सिमटना अपेक्षित हो तो कमाण्डर अपना हाथ नीचे लाने से पहले से उस दिशा की ओर इशारा करे। आकृति संख्या 12 और 13 देखें।

मार्च करते समय यदि थमना ओर साथ-साथ सिमटना भी अपेक्षित हो तो कमाण्डर हाथ नीचे लाने से पहले थमने का संकेत दे।

आगे बढ़ - बाजू कंधे के नीचे पीछे से आगे की तरफ झुलाया जाए। **आकृति सं.4 देखें।**

थम - बाजू सिर के ऊपर पूरा उठाया जाए**। आकृति सं.5 देखें।**

पीछे मुड़ - बाजू को सिर के ऊपर तीन बार घुमाएं। **आकृति सं. 6 देखें।**

दायें या बाएं दिशा बदलना - दायां या बायां बाजू कन्धे की सीध में फैलाया जाए। उसके बाद गोलाई में हरकत की जाए और उसके पूरा हो जाने के बाद बाजू और शरीर को अपेक्षित दिशा की ओर मोड़ दिया जाए।

आकृति सं. 7 और 8 देखें।

आधा दायें या बाएं मुड़ना या पूरा मुड़ना- शरीर अपेक्षित दिशा में मोड़ा जाए और बाजू कंधे की सीध में अपेक्षित दिशा में फैला दी जाए। **आकृति सं. 9 और 10 देखें।**

दाएं या बाएं घूमना - यदि दायें घूमना हो तो बायां हाथ और यदि बाएं घूमना हो तो दायां हाथ कंधे की सीध में फैलाया जाए। हाथ और शरीर को इतना घुमाया जाए कि उनका रुख अपेक्षित दिशा की ओर हो जाए।

दौड़चाल : मुट्ठी बंद करके हाथ को जंधा और कंधे के बीच ऊपर नीचे किया जाए। **आकृति 14 देखें।**

दौड़ चाल से तेज चाल - दायीं कोहनी मोड़ो, हथेली खुली हुई हो और जवानों की तरफ हो। फिर तेजी से हाथ नीचे गिराओ। **आकृति 15 देखें।**

मेरे पीछे आओ बाजू को कंधें के ऊपर पीछे से आगे की ओर झुलाया जाए। **आकृति 16 देखें**।

जैसे थे - हाथ पूरा नीचे की तरफ और खुला रखें और उसे जमीन के समानान्तर शरीर के सामने आर-पार हिलायें। आकृति 18 देखें।

घुटना मोड़ने की स्थिति - दायें घुटने को थोड़ा सा मोड़ो और उसे तीन बार छूकर संकेत दो।

लौटने की स्थिति - खुले हाथ से जमीन की तरफ (हथेली नीचे की ओर हो) दो या तीन बार हल्की सी हरकत की जाए। **आकृति 17 देखें।**

खण्ड 4

85. राइफल के साथ संकेत

राइफल से निम्नलिखित संकेत किए जाएं।

शत्रु कम संख्या में दिखाई देना : पूरा बाजू ऊपर उठाकर राइफल सिर से ऊपर जमीन के समानान्तर पकड़ी हुई हो। नालमुख का रुख सामने की तरफ हो। **आकृति 19 देखें।**

शत्रु बहुत बड़ी संख्या में दिखाई देना पिछले संकेत की भांति ही राइफल पकड़ी हुई हो परन्तु उसे बार-बार ऊपर नीचे करो। **आकृति 20 देखें।**

शत्रु दिखाई न देना : ऊपर की ओर पूरा बाजू उठाकर राइफल पकड़ी हुई हो, नालमुख सीधा ऊपर की ओर हो। आकृति 21 देखें।

टिप्पणी : स्काउट आदि को अपने सैक्शनों के आगे भेजे जाते हैं, इन संकेतों का प्रयोग करें। इस बात की सावधानी बरती जाए कि शत्रु इन संकेतों को न देख सकें।

शत्रु सामने है उसे आगे बढ़ने से रोकना है : हैड गियर (बैनट) राइफल में लगायें और जिस दिशा से गोलियां आ रही हों, उस तरफ अपना रुख करें।

खण्ड 5

86. सीटी बजाकर नियंत्रण रखना -

1. सीटियां निम्नलिखित प्रकार से बजायी जाएं :-

सचेत करने की सीटी (छोटी-सीटी) :- किसी संकेत या दिए जाने वाले आदेश की ओर जवानों का ध्यान आकर्षित करने के लिए बजाई जाए।

संकेत सीटी - (पहले लम्बी और बाद में छोटी सिटी लगातार बजाई जाए) जवानों को कैम्पों तम्बुओं से बाहर निकलकर लाइन बनाने या पूर्व व्यवस्थित पोजीशन में लाने के लिए।

रैली सीटी - (लगातार छोटी सीटी बजाई जाए) यदि कोई शारीरिक संकेत न दिया जा सके तो सभी जवानों का जंगल झाड़ियों, अंधेरे या भीड़ में लीडर के निकट आ जाने का संकेत।

उपर्युक्त संकेत दिए जाने पर जवान सीटी की आवाज की दिशा में चौड़ चाल में आएं और लीडर के सम्मुख उसी तरफ चेहरा करके खड़े हो जाएं जिस दिशा में उसका चेहरा है।

अध्याय 14

सड़क पर लाइन बनाना (स्ट्रीट लाइनिंग)

सामान्य - सामान्यतः महत्वपूर्ण मेलों, धार्मिक पर्वों के अवसर पर गाड़ियों और पैदली यातायात के लिए और अति विशिष्ट व्यक्तियों (वीआईपी) की सुरक्षा के लिए सड़क पर लाइन बनाई जाती है। यह कार्य आमतौर पर बिना शस्त्र किया जाता है परन्तु विशेष अवसरों पर ड्यूटी लाठियों और हथियारों के साथ भी की जा सकती है।

''संख्या'' नियुक्त किए जाने वाले जवानों की संख्या देख-भाल की जाने वाली सड़क की लम्बाई या क्षेत्र के अनुसार होनी चाहिए। जहां तक संभव हो जवानों की संख्या समुचित नियत्रंण और अन्यान्य संचार व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए।

''विरचना (फार्मेशन)'' सड़क पर लाइन बनाने के लिए एक प्लाटून या कम्पनी सामान्यतः दो लाइनों में खड़ी होती है। किन्तु जब गाड़ियों या पैदल यात्रियों का यातायात चलाने के लिए सड़क को दो भागों में बाँटा जाना हो, या जब जवानों की संख्या थोड़ी हो और काफी दूरी तक व्यवस्था करनी हो तो ऐसी हालत में स्क्वाड या प्लाटून को एक फाइल में खड़ा किया जाए।

''परिनियोजन (डिप्लायमेंट)'' उपर्युक्त कार्यों में प्लाटून या कम्पनी को सड़क पर फैलाने के लिए आमतौर पर उसे पीछे की तरफ से खोला जाता है उसे सड़क के बीच में लाया जाता है और फिर सड़क की जिस दिशा में सुरक्षा की आवश्यकता हो उसी दिशा में मोड़ दिया जाता है।

''सजना (ड्रेसिंग)'' सभी विरचनाओं में आगे चलने वाले गाइड से सीधे सजने की की कार्रवाई की जाती है।

जवान कंधे शस्त्र की स्थिति में खुलें और निकट आएं जब अपेक्षित फासला बन जाए तब प्रत्येक फाइल बाजू शस्त्र करे और सब जवान एक साथ 'विश्राम' की स्थिति में खड़े हो जाएं। इसी प्रकार जब निकट आने को कहा जाए तो प्रत्येक फाइल एक साथ 'सावधान' हालत में आए और कन्धे शस्त्र करे और इसके बाद चले।

खण्ड 1

87. सड़क की दोनों तरफ से सुरक्षा करना

1. सड़क के दोनों तरफ पीछे से कदम खोलकर 'लाइन बना-तेज चल'

2. 'कार्रवाई' इस आदेश पर प्लाटून की कम्पनी, जो दो लाइनों में होगी, सड़क की उस दिशा में चले जिसकी सुरक्षा की जाती है।

'तेज चल' आदेश पर पिछली फाइल के दोनों जवान अपने सामने वाले जवान को छुएं और बाहर की तरफ घूम जाएं और ज्यों ही वे सड़क के किनारे पर पहुंच जाएं वैसे ही वे रुक जाएं और पीछे मुड़े, यदि वे सशस्त्र हों तो दोनों बाजू शस्त्र करें और एक साथ 'विश्राम' स्थित में खड़े हो जाएं। इसी प्रकार प्रत्येक फाइल पिछली फाइल, की भांति ही वही कार्रवाई करें।

टिप्पणी : यदि स्क्वाड चल रहा हो तो 'तेज चल' आदेश न दिया जाए। फासले के लिए कोई निश्चित कदम नहीं निर्धारित किए जा सकते। प्रत्येक मामले में जवान सड़क के किनारे पर थम जाएं।

खण्ड 2

88. सिमटना

1. दायें या बाएं-सिमट

2. कार्रवाई - दायीं या बाईं तरफ वाली फाइल 'सावधान' हो जाए एक कदम आगे बढ़ाए, कंधा शस्त्र करे, अन्दर की तरफ मुड़े और अपनी-अपनी लाइनों के सामने मार्च करे। जब सभी फाइल बाहर चली जाएं तब निम्नलिखित आदेश दिया जाए :

'अन्दर को पीछे घूम'

इस आदेश पर आगे वाली फाइल के जवान अंदर की ओर घूमें और इसी समय में निकट आएं और अपने बीच दो कदम का फासला रखें।

टिप्पणी : स्क्वाड के दायें या बाएं पार्श्व अपनी स्क्वाड में पूर्व स्थिति में आ जाएं।

खण्ड 3

89. बारी-बारी सड़क के दोनों ओर सुरक्षा करना -

प्लाटून के जवानों को बारी-बारी से सड़क की दोनों तरफ लगाने के लिए उन्हें अपेक्षित दिशा में मोड़ दिया जाए और निम्नलिखित आदेश दिया जाए :-

एक फाइल बना 'तेज चल'

इस आदेश के मिलने पर आगे वाली लाइन के जवान आगे कूच करें। पिछली लाइन एक ही फाइल में पहली लाइन के पीछे चलेगी (यदि प्लाटून या कम्पनी फाइल में चल रही हो तो आदेश शबदों में से 'तेज चल' का आदेश निकाल दिया जाए।)

जब एक फाइल बन जाए तो निम्नलिखित आदेश दिए जाएं :

1. सड़क के दोनों तरफ पीछे से बारी-बारी 'कदम खोलकर लाइन बना'

2. कार्रवाई 'कदम खोल' इस आदेश पर पिछली लाइन का जवान अपने सामने वाले जवान को छुएं और साथ-साथ दायें घूम जाए, उसी प्रकार सामने की लाइन का जवान बाएं घूमे। ठीक फासले पर पहुंच जाने के बाद वे सड़क के किनारे खड़े हो जाएं और पीछे जुड़ें पिछली और सामने की लाइनों के बाकी जवान इसी प्रकार की कार्रवाई करें।

यदि जवान सशस्त्र हों तो प्रत्येक जवान बाजू शस्त्र करे और साथ-साथ 'विश्राम' हालत में खड़ा हो जाए।

टिप्पणी : 'थम' हालत में भी एक ही फाइल बनाई जा सकती है। 'थम' हालत से यदि उक्त विरचना करनी हो तो 'कदम खोल' के बाद 'तेज चल' आदेश जोड़ दिया जाए।

खण्ड 4

90. सिमटना

2. कार्रवाई - वही कार्रवाई की जाए जो उपर्युक्त खण्ड 84 में बताई गई है। अन्तिम पार्श्व का सबसे दूर वाला जवान, जिसे सिमटने का आदेश दिया गया हो, पहले चले और जब वह अपने साथ वाले पहले वाले जवान की लाइन में पहुंच जाए तो दोनों एक साथ चलें।

खण्ड 5

91. प्लाटून या कम्पनी का मध्य से परिनियोजन

1. किसी प्लाटून या कम्पनी को मध्य से लगाने के लिए मध्य का जवान पहले चुना जाए। उसके पश्चात निम्निलिखित आदेश दिए जाएं :-

2. (1) सड़क के दोनों तरफ मध्य से खोलकर 'लाइन बना' लाइनें बाहर मुड़

इस आदेश पर मध्य से दाई और बाई तरफ की लाइनों के जवान बाहर की तरफ मुड़ें। पिछली लाइन के मध्य का जवान पीछे मुड़े।

(2) 'पीछे से कदम खोलकर तेज चल'

3. कार्रवाई : 'तेज चल' आदेश पर मध्य वाले जवान आगे और पीछे की तरफ चलें और सड़क के किनारे स्थान लें, थमें, पीछे मुड़ें और (यदि सशस्त्र हों तो) बाजू शस्त्र करें।

बाकी लाइनें (अर्थात् मध्य में खड़े जवानों के दायीं और बायीं तरफ की लाइनें) खण्ड-1 मे बताये अनुसार कार्रवाई करें और अपेक्षित दूरी प्राप्त करने के पश्चात् अपनी लाइनों के मध्य में खड़े जवान से सिधाई लें।

4. सिमटना : अगर मध्य से सिमटना हो तो निम्नलिखित आदेश दिए जाएं :

5. मध्य सिमट

6. कार्रवाई (1) मध्य वाले जबान आगे बढ़ें। सड़क के बीच में जाकर दो-दो कदम के फासले पर पहली स्थिति में खड़े हो जाएं बाकी जबान उनके दाएं और बाएं सिमटें और जिस दिशा में उनका मुंह पहले था उसी अपेक्षित दिशा में मुड़ें।

(2) जैसा खण्ड-2 में बताया गया है कि उसके अनुसार भी लाइनें सिमट सकती हैं।

खण्ड 6

92. गाड़ियों और पैदल यात्रियों के गुजरने के लिए सड़क को दो भागों में बांटना

जैसा खण्ड 3 में बताया गया है एक फाइल बनाने के बाद निम्नलिखित आदेश दिए जाएं :

1. सड़क के मध्य बाहर मुंह करते हुए पीछे से कदम खोल कर लाइन बना

कार्रवाई : इस आदेश पर पिछली लाइन का जवान अपने आगे वाले जवान को छुए और उसी प्रकार बाकी जवान भी उचित कदम लेने के बाद अपने सामने के जवान को छुएं और थम जाएं पहली लाइन के जवान बाईं तरफ और पिछली लाइन के जवान दायीं तरफ मुड़ें। अन्तिम जवान थमें और अपना मुंह उसी दिशा की तरफ करें जिस तरफ लाइन चल रही है। प्रत्येक जवान स्थान ले लेने के बाद बाजू शस्त्र करे और विश्राम हालत में खड़ा हो जाए।

खण्ड-7

93. सिमटना

1. दायें सिमट

2. कार्रवाई 'सिमट' के आदेश पर सामने और पिछली लाइन के बायीं तरफ वाले दो जवान सावधान हालत में आएं और कन्धे शस्त्र करें। पिछली लाइन का जवान जो अन्तिम छोर पर है, अपने बाएं मुड़े और बाएं घूमते हुए आगे बढ़े।

जब पिछले किनारे वाला जवान - पिछली लाइन के नं. 2 जवान की सीध में आए, तो नं. 2 जवान भी उसके साथ दायीं तरफ आगे बढ़े।

जैसे ही ये दो जवान लाइनों के शेष जवानों के निकट पहुंचे वैसे ही वे सावधान हो जाएं, कन्धे शस्त्र करें और उनके पीछे चलें।

जब सभी जवान इस प्रकार अपनी लाइनों में शामिल हों तो निम्नलिखित आदेश शब्द दिए जाएं :

'बाहर से पीछे घूम'

इस आदेश पर दोनों गाइड बाहर की तरफ से पीछे घूमें और उसी समय अपना फासला कम करते हुए लाइनों के बीच दो कदम का फासला बनाए रखें।

अध्याय-15

कम्पनी कवायद

कम्पनी कवायद की कार्रवाइयों में, इस नियम पुस्तिका में वर्णित स्क्वाड और प्लाटून की अधिकांश मूलभूत कार्रवाईयां शामिल हैं। अच्छी प्रकार कराई गई कम्पनी कवायद कम्पनी के मनोबल और विश्वास को बनाने में अत्यधिक सहायक होती है। इससे जूनियर लीडर को आदेश शब्द याद रखने और आदेश देने की शक्ति बनाए रखने के लिए अभ्यास करने का अवसर मिलता है।

कम्पनी कवायद से पहले अफसरों, अंडर अफसरों और जवानों को सर्वप्रथम इस विषय पर भाषण दिया जाए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे की जाने वाली सभी विरचनाओं (फार्मेशन) और कार्रवाइयों को समझते हैं। कवायद के दौरान अफसरों और छोटे अफसरों को स्थान बदलने चाहिए ताकि सभी को अभ्यास हो जाए।

खण्ड-1

94. कम्पनी में अफसरों और जवानों की संख्या

पुलिस की एक कम्पनी में आमतौर पर निम्नलिखित अधिकारी और जवान होते हैं। अलग-अलग राज्य में अफसरों और प्लाटून की संख्या और रैंक भिन्न-भिन्न हो सकती है :

क्र.सं.	पदनाम	संख्या	रैंक
1	कंपनी कमाण्डर	एक	राजपत्रित/निरीक्षक
2.	प्लाटून कमाण्डर	तीन	निरीक्षक/उपनिरीक्षक
3.	कंपनी हवलदार मेजर	एक	वरिष्ठ हवलदार
4.	कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार	एक	दूसरा वरिष्ठ हवलदार
5.	प्लाटून हवलदार	तीन	तीसरा वरिष्ठ हवलदार
6.	प्लाटून	तीन	हैड कांस्टेबल और हवलदार

टिप्पणी :- एक प्लाटून में सामान्यतः 6 हवलदार और 30 सिपाही होते हैं। प्लाटून हवलदार प्लाटून के हवलदारों में से सबसे वरिष्ठ होता है।

खण्ड 2

95. अफसरों और अंडर अफसरों की विरचना और स्थान

1. कम्पनी कवायद में निम्नलिखित विरचनाएं की जाती हैं :

(1) लाइन
(2) तीनों-तीन कालम
(3) प्लाटूनों का कालम
(4) प्लाटूनों का निकट कालम
(5) प्लाटून की तीनों-तीन में लाइन
(6) कूच कालम

2. लाइन -

इसमें तीन प्लाटून एक ही लाइन में तीन-तीन कदम के फासले पर साथ-साथ खड़े होते हैं। अर्थात नं. 1 प्लाटून दायीं तरफ नं. 2 प्लाटून बीच में और नं. 3 प्लाटून बिल्कुल बायीं तरफ खड़ी होती हैं। प्लाटून कमाण्डरों का स्थान मध्य में होता है और अपने-अपने प्लाटूनों से तीन कदम आगे होता है। कम्पनी हवलदार मेजर मध्य प्लाटून हवलदार के एक फाइल दायीं तरफ होगा और कम्पनी क्वार्टर मास्टर हवलदार एक फाइल उसकी बायीं तरफ खड़ा होता है।

3. तीनों-तीन कालम

यह लाइन की ही तरह होता है परन्तु उसका रुख किसी पार्श्व (फ्लैंक) की तरफ होता है और अधिकारी निर्देश फ्लैंक पर। यदि यह पार्श्व बदला जाए, तो अफसर और अधिसंख्यक लाइनें अपने स्थान ग्रणह करने के लिए प्लाटूनों के चारों ओर बाएं से दायें घूमें, मार्च करते समय उनकी दौड़ चाल हो और थमते हुए उनकी, तेज चाल हो।

4. प्लाटूनों को कालम और निकट कालम

प्लाटूनों का कालम एक ऐसी फार्मेशन होती है जिस में एक प्लाटून के पीछे दूसरी प्लाटून होती है, उनके बीच का फासला उनकी अपनी लम्बाई और तीन कदम के बराबर होता हैं, उदाहरण के लिए पहली और दूसरी प्लाटूनों के बीच का फासला प्लाटून का अग्र भाग तीन कदम हो।

निकट कालम में प्रत्येक प्लाटून के बीच एक जैसा ही (अर्थात 7 या 12 कदम का) फासला हो परन्तु कालम में फासला प्लाटूनों के जवानों की भिन्न-भिन्न संख्या के अनुसार भिन्न-भिन्न रहे।

सामान्य प्रयोजनों के लिए प्लाटूनों का निकट कालम 12 कदम के फासले पर बनाया जाए। यह फासला पहले वाली प्लाटून की पिछली लाइन के जवानों की एड़ी से दूसरी प्लाटून की सामने वाली लाइन के जवानों की एड़ियों तक नापा जाता है। निरीक्षण हेतु लाइनों को खोलने के लिए आवश्यक स्थान के आधार पर ही फासला रखा जाता है। कवायद के लिए सात कदक का फासला अधिक उपयुक्त है।

5. तीनों-तीन प्लाटूनों की लाइन-

इसमें प्लाटूनें तीनों-तीन के कालम में होती हैं। तीनों ही प्लाटूनों के तीनों अग्रणी एक ही लाइन में होते हैं। प्लाटूनों के बीच का फासला आदेश पर निर्भर करता है। प्लाटून कमाण्डरों का स्थान उनकी अपनी-अपनी प्लाटून से तीन कदम के फासले पर सामने और बीच में हो।

6. कूच कालम -

यह तीनों-तीन कालम की तरह ही होता है। इसमें अन्तर केवल यही है कि सभी अफसर और अधिसंख्यक लाइनों में खड़े होते हैं। प्लाटून कमाण्डर अपनी प्लाटून के तीन कदम आगे हो और कम्पनी कमाण्डर सबसे आगे वाले प्लाटून कमाण्डर से तीन कदम आगे हो, कम्पनी हवलदार मेजर आगे वाली प्लाटून के प्लाटून कमाण्डर की सीध में और कम्पनी क्वार्टर मास्टर हवलदार नं.3 प्लाटून के पीछे हो। प्लाटून हवलदार अपनी-अपनी प्लाटून के पीछे हों।

टिप्पणी :- मार्चिंग की जांच करने के लिए और यदि आवश्यक हो तो आदेश देने या अभिनन्दन करने के लिए कम्पनी और प्लाटून कमाण्डर लाइन तोड़ें।

सड़क पर मार्च करते समय कालम सड़क के बिल्कुल किनारे-किनारे रखा जाए ताकि अन्य यातायात चलता रहे।

खण्ड 3

96. सजना (सिधाई)-

1. कंपनी जब लाइन कालम में या निकट कालम में थमें, तब उसे हमेशा सजाया जाए।

2. 'दाहिने सज' आदेश पर

(क) जवान दाहिनी तरफ से सिधाई लें।

(ख) जैसे ही जवान अपना सिर मोंड़े, अफसर पीछे मुड़ जाएं और सिधाई तथा कवर किए जाने का पर्यवेक्षण करें। वे निर्देशन फ्लैंक से अपनी सिधाई लें।

(ग) कम्पनी हवलदार मेजर अपनी दाहिनी तरफ मुड़े और कम्पनी के पार्श्व की तरफ पांच कदम चले, बाएं घूमे, सामने की लाइन की सीध में उससे पांच कदम के फासले पर थमें, बाएं मुड़े और बारी-बारी से तीनों रैंको को सजाए। पिछली लाइन को सीध में लाने के बाद वह सामने की लाइन को सीध में लाने के बाद वह सामने की लाइन की सीध में वापस आए और 'सामने देख' आदेश दे।

कालम या निकट कालम में कम्पनी :-

3. 'दाहिने सज' आदेश पर

(क) जवान दाहिनी तरफ से सिधाई लें।

(ख) जैसे ही जवान अपना सिर मोड़ें अफसर पीछे मुड़ जाए।

(ग) प्लाटून हवलदार दायीं तरफ मुड़कर अपने कंपनी की बाजू की तरफ 5 कदम बाहर निकले, बायीं तरफ घूमे और अपने सामने वाली लाइन की सीध में पांच कदम की दूरी पर थमे, फिर बायीं तरफ मुड़ें और कम्पनी हवलदार मेजर के 'हिलो मत' आदेश पर तीनों-लाइनों की सिधाई करे। तीनों लाइनों को सिधाई में लाने के बाद वे सामने वाली लाइन की सीध में पांच कदम की दूरी पर अपने स्थान पर वापस आ जाएं। उनका रुख अन्दर की तरफ हो।

टिप्पणी : प्लाटून हवलदार सामान्यतः निर्धारित कदम पर मार्च करते हैं ताकि वे एक साथ ही काम कर सकें।

(घ) कम्पनी हवलदार मेजर 6 कदम आगे चलकर कम्पनी के दाहिने जवान के सामने और उसकी ओर रुख करते हुए थमे। उस स्थान से वह प्रत्येक प्लाटून के दाहिने जवान की सिधाई की जांच कर सकता है। उसके बाद वह बायीं तरफ मुड़े, पांच कदम आगे बढ़े और प्लाटून हवलदारों की सिधाई की जांच करे। कम्पनी हवलदार मेजर का हिलो मत आदेश होने पर प्लाटून हवलदार सिधाई का कार्य करे।

(ङ) जब सजने का कार्य पूरा हो जाए, तब अगली प्लाटून हवलदार नं. ---------- प्लाटून, सामने देख आदेश देगा। मध्य प्लाटून हवलदार उसी आदेश को दोबारा कहे परन्तु उसमें से प्लाटून शब्द निकाल दे। पिछली प्लाटून का हवलदार पूरा-पूरा आदेश कहे।

पिछली प्लाटून के हवलदारों के सामने देख आदेश पर :-

(च) अफसर पीछें मुड़ें

(छ) प्लाटून हवलदार और कम्पनी हवलदार मेजर कदम बढ़ाएं और अपने - अपने स्थान पर वापस आ जाए।

(ज) यदि प्लाटून हवलदार न हो तो बगली फ्लैंक सैक्शन कमाण्डर प्लाटूनों की सिधाई करे।

5. कम्पनी कवायद में हर कार्रवाई करने के बाद प्रत्येक जवान अपनी सिधाई ले।

6. जब तक कोई और आदेश न दिया जाए, कम्पनी प्लाटून-वार निकट कालम में खड़ी रहे और फिर उसका निरीक्षण किया जाए। तथापि यदि स्थान की कमी के कारण ऐसा न किया जा सके तो कम्पनी लाइन बनाकर (लाइन फार्मेशन) खड़ी हो।

खण्ड-4

97. प्लाटूनों के निकट कालम में लाइन बनाने वाली कम्पनी

हवलदार मेजर 'लाइन बना' आदेश दे, जिस पर प्रत्येक प्लाटून का दाहिना सेक्शन कमाण्डर एक कदम आगे आए। वे हवलदार मेजर द्वारा कवर किया जाएं।

उसके बाद हवलदार मेजर 'हिलो मत' आदेश दे, इस आदेश पर कम्पनी सावधान हालत में आ जाए एक कदम आगे बढ़े और थोड़ा रूकने के बाद जवान अपनी सीध लें।

रूकने का कार्य पूरा होने के बाद वरिष्ठ अफसर विश्राम का आदेश दें।

खण्ड 5

98. थमते हुए कम्पनी द्वारा लाइन (रेंक) बदलना 'पीछे मुड़'

सारी कम्पनी पीछे मुड़े केवल अफसर और अधिसंख्य जवान बगल से होकर या लाइन के बीच से होकर अपनी जगह दोबारा ग्रहण करें।

टिप्पणी : यदि बिना लाइन बदले पीछे मुड़ना हो तो उसके लिए पीछे मुड़ आदेश के पहले 'कम्पनी पीछे लौटे' आदेश जोड़ दिया जाए। पहली हालत में आने के लिए 'कम्पनी आगे बढ़े-पीछे मुड़े' आदेश दिया जाए। इसमें अफसर और अधिसंख्य जवान पीछे घूमें परन्तु अपनी जगह न बदले।

खण्ड 6

99. निकट कालम की कार्रवाई -

1. थमकर निकट कालम से दिशा बदलना

दाहिने दिशा बदल-दाहिने घूम -(1)- सबसे आगे वाली प्लाटून को छोड़कर कम्पनी थोड़ा बाएं घूमे, सबसे अगली प्लाटून न मुड़े लेकिन दाहिनी तरफ देखे।

तेज चल - (2) प्रत्येक जवान सर्किल के एक ही घेरे में चले, सबसे आगे वाली प्लाटून का दाहिना उसका केन्द्र हो। बाहरी पार्श्व सीधा हो, जब प्लाटूनों में जवानों की संख्या बराबर न हो तो वे जवानों की वही सापेक्ष संख्या बनाए रहें जो उनके घूम जाने से पहले थी। कम्पनी हवलदार मेजर बाएं पार्श्व में और कम्पनी क्वार्टर मास्टर हवलदार दायें पार्श्व में घूमने की कार्रवाई की निगरानी करें। आदेश के बाद वे बाहर निकलें, कदम मिलाने के लिए कम्पनी हवलदार मेजर अवश्य ही घूमे, पिछली प्लाटून के बाएं गाइड की निगरानी करें जो कि लगातार पूरे कदम के साथ मार्च करता रहे और कम्पनी के सारे जवान उसी पर निर्भर होते हुए मार्चिंग की कार्रवाई करें।

(3) जब कम्पनी आवश्यक कोण तक घूम जाए, तब 'आगे बढ़ या थम' का आदेश दिया जाए व उक्त आदेश पर सभी अपेक्षित दिशा की तरफ आगे बढ़ें या थम जाएं।

(4) जब बायीं तरफ घूमना हो, तब हवलदार मेजर का कर्त्तव्य होगा कि वह जैसा कि ऊपर बताया गया है, पिछली प्लाटून के दाहिने गाइड को देखें।

(5) तीनों-तीन में चलने वाला निकट कालम ऊपर बताए अनुसार घूमे, प्रत्येक प्लाटून के आगे वाले तीन जवान उसी प्रकार घूमें जिस प्रकार उपयुर्क्त अगली प्लाटून घूमेगी।

2. कोई निकट कालम, जब आगे या पीछे से तीनों-तीन कालम बनाते हुए थम किए हुए हों

दाहिने (बाएं) से तीनों तीन कालम में आगे बढ़ (पीछे लौट) कम्पनी दाहिने या बाएं मुड़ - अगली (या पिछली) प्लाटून का कमाण्डर आदेश दे नं.---- 'प्लाटून बाएं घूम, तेज.. चल' और इसी प्रकार प्रत्येक प्लाटून कमाण्डर समय पर कार्रवाई करे ताकि वह तीनों-तीन कालम में अपना स्थान ले सके।

3. जब कोई कम्पनी निकट कालम में लगी हुई हो और किसी पार्श्व की ओर तीनों-तीन के कालम में चलाना हो

कम्पनी तीनों-तीन कालम में दाहिने (या बाएं चल), 'कम्पनी दाहिने (या बाएं) मुड़' अगली या पिछली प्लाटून का कमाण्डर आदेश दे कि 'नं. ... प्लाटून तेज ... चल' और बाकी सभी प्लाटून कमाण्डर समय पर आदेश दें कि 'नं. .... प्लाटून बाएं (या दाहिने) घूम तेज चल' ताकि तीनों-तीन की कालम में वह अपना स्थान ले सकें।

4. जब एक कम्पनी निकट कालम में खड़ी हो और किसी पार्श्व में तीनों-तीन की लाइन में चलना हो

प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन में दाहिने (या बाएं) चल, कम्पनी दाहिने (या बाएं) मुड़ तेज चल जब तक किसी अन्य प्लाटून को तैनात न किया जाए, तब तक दायीं या बाईं प्लाटून ही निर्देशन करेगी। (जब कम्पनी चल रही हो तब भी यह विरचना की जा सकती है)। ऐसा करने के लिए उक्त आदेश शब्दों में से 'तेज चल' शब्द निकाल दिए जाएं।

5. जब कम्पनी निकट कालम में थमी हुई हो और उसी दिशा में लाइन बनाना हो

'बाएं को लाइन बना बाकी बाएं मुड़ तेज चल' अगली प्लाटून खड़ी रहेगी, बाकी प्लाटूनों के गाइड सबसे छोटे मार्ग से उन प्लाटूनों को उसी स्थान पर ले जाएं जहां उनके आन्तरिक पार्श्व ठहरेंगे। इसके बाद प्रत्येक प्लाटून संरेखण के समानान्तर घूमे और जब वह रेखा पर अपने स्थान के सामने आ जाए तब उसका कमाण्डर उसे 'थम' आदेश दे। उसके बाद उसे दाहिने मुड़ने का आदेश दे।

6. कम्पनी निकट कालम में चल रही हो और थमकर पार्श्व में लाइन बनाना हो तो

'बाएं से थमकर बायीं दिशा लाइन बना' पिछली प्लाटून का कमाण्डर तुरन्त आदेश दे 'थमकर बाएं बन' बाकी सब कमाण्डर अपनी-अपनी प्लाटूनों को उसी प्रकार लाइन में लाएं जब वे पिछली प्लाटून से कालम की दूरी पर पहुंच जाएं।

7. निकट से कालम में आगे बढ़ना या पीछे लौटना

'कालम में आगे बढ़' आगे वाली प्लाटून का कमाण्डर आदेश दे नं. ... प्लाटून आगे बढ़ेगा, दाहिने से तेज चल, और बाकी प्लाटून अपने आगे के प्लाटून के लिए एक कालम दूर हो जाने पर उसी प्रकार आगे बढ़ें।

कालम में पीछे लौट, 'कम्पनी पीछे मुड़' प्लाटून कमाण्डर पीछे मुड़े और अपनी प्लाटूनों को एक दूसरे के पीछे एक कालम का फासला रखकर यह आदेश देते हुए मार्च करवाएं नंः ... प्लाटून, पीछे लौट पीछे मुड़, बाएं से तेज चल।

8. मार्च करते हुए निकट कालम से कालम में खुलना

(न. प्लाटून पर प्लाटून की कालम बना, बाकी कदम ताल) अगली प्लाटून चलती रहे। अन्य प्लाटूनें कदम ताल करें और जब कॉलम का फासला हो जाएं तब प्लाटून कमाण्डर अपनी-अपनी प्लाटूनों को आगे बढ़ाएं।

टिप्पणी : यदि थम पर कालम बनाना आवश्यक हो कम्पनी कमाण्डर निम्निलिखित आदेश दें

''नं. ... प्लाटून पिछली प्लाटून पर प्लाटून की कालम बना''। इस आदेश पर पिछली प्लाटून का कमाण्डर एकदम अपनी प्लाटून को थम करे और उसके बाद अन्य प्लाटून कमाण्डर कालम फासला प्राप्त हो जाने पर एक के बाद दूसरी प्लाटूनों को थम करें।

9. जब निकट कालम में थमकर खड़ी हुई कम्पनी का कालम फासला बनाना हो

'नं. प्लाटून पर प्लाटूनों की कालम बना, बाकी तेज चल' पिछली प्लाटून अपने स्थान पर खड़ी रहे बाकी कालम फासला होने के बाद तथा उनके कमाण्डरों द्वारा थमने का आदेश दिए जाने पर थम करेंगे।

टिप्पणी : (1) यदि मध्य प्लाटून पर प्लाटूनों को कालम बनाना अपेक्षित हो, तो आदेश इस प्रकार दिया जाए नं. प्लाटून पर प्लाटूनों की कालम बना, पीछे वाली प्लाटून पीछे लौटेगा, पीछे मुड़ बाकी तेज चल। इस आदेश पर नाम ली गई प्लाटून अपने स्थान पर खड़ी हो जाए। पिछली प्लाटून पीछे मुड़े। नाम ली गई प्लाटून के सिवाए सभी प्लाटून चलती रहें और कालम फासला हो जाने पर प्लाटून कमाण्डर अपनी अपनी प्लाटूनें रोकें। पिछली प्लाटून का कमाण्डर अपनी प्लाटून को पीछे मोंड़े।

(2) यदि आगे वाली प्लाटून पर कालम बनाना अपेक्षित हो तो आदेश इस प्रकार दिया जाएगा 'नं. प्लाटून पर प्लाटूनों का कालम बना, बाकी पीछे लौटेगा, पीछे मुड़ तेज चल'

10. तीनों-तीन में प्लाटूनों की सीध में बाजू में बढ़ते हुए निकट कालम से थम कर लाइन बनाना

थमकर बाएं या दाहिने दिशा लाइन बना दायीं तरफ वाली प्लाटून का कमाण्डर आदेश दे नं. प्लाटून थम, बाएं (दाहिने) मुड़।

बाकी प्लाटूनों के गाइड अपने कमाण्डरों के आदेश पर उन्हें सबसे छोटे मार्ग द्वारा लाइन में उनके स्थान पर ले जाएं और बायीं (या दाहिनी) तरफ मोंड़े।

खण्ड 7

100. कालम कार्रवाई

'दाहिने दिशा बदल'

1. दिशा बदलते हुए कालम में मार्च करना। अगली प्लाटून का कमाण्डर यह आदेश देगा 'नं. प्लाटून दाहिने बन'। और जब प्लाटून नई दिशा में बन जाए तब 'आगे बढ़' का आदेश देगा। बाकी प्लाटूनें भी बाद में उसी स्थान पर आकर उसी प्रकार बनेंगी।

बायीं दिशा बदलने से पहले, कालम को सामान्यतः बाएं से चलने का आदेश दिया जाए।

2. कालम जब थमा हो तो तीनों-तीन (उसी दिशा में) कालम बनाना

दाहिने तीनों-तीन कालम में आगे बढ़, कम्पनी दाहिनें मुड़, प्लाटूनों बाएं घूम, तेज चल' 'तेज चल' के आदेश पर प्रत्येक प्लाटून तीनों-तीन का कालम बनाते हुए बायीं तरफ घूमे। चलती हुई कालम में, यदि चाहें, तो प्लाटूनें बारी-बारी से तीनों- तीन की कालम में आगे बढ़ सकती हैं। 'दाहिने से, बारी-बारी तीनों-तीन कालम में आगे-बढ़', का संकेत मिलने पर अगली प्लाटून का कमाण्डर यह आदेश दे 'प्लाटून नं. दाहिने मुड़, बाएं घूम'। बारी- बारी से प्रत्येक प्लाटून के उसी स्थान पर पहुंच जाने पर उसका कमाण्डर उसी प्रकार कार्रवाई करे।

टिप्पणी : (1) जब कम्पनी कालम में मार्च कर रही हो तब, पीछे लौटने वाली दिशा में तीनों-तीन कालम बनाया जा सकता है। इसके लिए (यदि कम्पनी पहले से ही पीछे लौटने वाली दिशा में न चल रही हो) कम्पनी कमाण्डर कम्पनी को 'पीछे मुड़' आदेश दे और उसके बाद 'आगे बढ़' आदेश देने के स्थान पर पीछे लौट का आदेश दे।

(2) जब कंपनी कालम में मार्च कर रही हो तो यह रचना दाहिने या बाएं से तीनों-तीन की कालम में आगे बढ़ने या पीछे लौटने के कार्य कम्पनी कमाण्डर के आदेशों पर किए जा सकते हैं। कम्पनी कमाण्डर के आदेश शब्द इस प्रकार होंगे 'दाहिने से या बाएं से तीनों-तीन कालम में आगे बढ़ या पीछे लौट, कम्पनी दाहिने या बाएं मुड़, प्लाटूनों बाएं घूम।' इन

आदेश शब्दों पर सभी प्लाटूनें दाहिनें या बाएं मुड़ें और फिर साथ-साथ बायीं तरफ घूमें। प्लाटून कमाण्डरों को इसके लिए कोई भी आदेश शब्द बोलने की आवश्यकता नहीं है।

3. जब कोई कालम थमा हुआ हो और (किसी पार्श्व की ओर) तीनों-तीन कालम बनाना हो तो

तीनों-तीन कालम में दाहिने चल, कम्पनी दाहिने मुड़ बायीं प्लाटून सामने को, बाकी बाएं घूम, तेज चल आगे वाली प्लाटून अपेक्षित दिशा की तरफ चले और बाकी दोनों प्लाटून उसके पीछे चलें। जब कोई कालम मार्च कर रही हो, तो प्लाटूनें यदि चाहें तो कंपनी कमाण्डर के आदेश पर बारी बारी से तीनों तीन कालम में पार्श्व में चल सकती हैं। 'दाहिने से बारी-बारी तीनों-तीन कालम में दाहिने चल' के संकेत पर आगे वाली प्लाटून का कमाण्डर 'नं. प्लाटून दाहिने मुड़' आदेश देगा, बाकी प्लाटूनें उसी स्थान पर पहुंचने पर वही कार्रवाई करें।

जब कोई कालम चल रहा हो, यदि वह चाहे तो कम्पनी कमाण्डर के आदेश पर कम्पनी तीनों-तीन कालम में पार्श्व में चल सकती है। इस कार्रवाई के लिए आदेश शब्द वहीं होंगे जो 'थम' के लिए हैं उनमें से 'तेज चल' भाग निकाल दिया जाएगा।

4. जब कालम चल रहा हो तब उसी दिशा की तरफ मुंह करके लाइन बनाना

'बाएं को लाइन बना, बाकी आधा बाएं मुड़, दौड़कर चल' आगे की प्लाटून दायीं तरफ से सिधाई लेती हुई तेज चाल में आगे बढ़ती रहे। जब प्रत्येक प्लाटून अपने ठीक पीछे की प्लाटून की सीध में हो, तो उसका कमाण्डर यह आदेश दे 'नं. प्लाटून आधा दाहिने मुड़' और संरेखण पर पहुंच जाने के बाद वह यह आदेश दे 'तेज चाल में आ, तेज चल'। हर हालत में दाहिने से ही सजा जाए। यदि कम्पनी थमी हुई हो, तो 'दौड़ चल' की बजाए 'तेज चल' आदेश दिए जाए। आगे वाली प्लाटून अपने स्थान पर खड़ी रहे और बाकी प्लाटूनें वही कार्रवाई करें जो स्क्वाड कवायद में की जाती है और संरेखण पर पहुंचने के बाद 'तेज चाल में, तेज चल' की बजाया दिया 'थम' आदेश दिया जाए।

5. यदि किसी कालम को खड़ा किया जाए और बाजू (पलक) की तरफ मुंह करके लाइन बनानी हो तो :

'थमकर, बाएं दिशा लाइन बना, प्लाटून बाएं बन, तेज चल' जवान स्क्वाड कवायद में की जाने वाली कार्रवाई की भांति ही कार्रवाई करें। 'बन' आदेश पर प्रत्येक प्लाटून का बायां गाइड स्क्वाड के केंद्र का कार्य करे।

यह विरचना अर्थात प्लाटून के कालम से किसी बाजू में लाइन बनाने का कार्य कालम के चलते भी की जा सकती है। इसके लिए ऊपर बताए अनुसार ही आदेश होंगे, उसमें से केवल 'थमकर और तेज चल' निकाल दिया जाएं। प्लाटून एक साथ बाईं दिशा बदले और रुख बदलने के बाद, जब तक कम्पनी कमाण्डर आगे बढ़ने का आदेश न दे, कदम ताल करती रहे।

6. जब कालम चल रहा हो और उसे निकट कालम में लाना हो

'नं. प्लाटून पर निकट कालम बना, बाकी दौड़कर चल' आगे वाली प्लाटून तेज चाल से बढ़ती रहे, बाकी प्लाटूनें ठीक फासला पूरा करने तक दौड़ चाल करें।

टिप्पणी : यदि आदेश 'थमक नं.' प्लाटून पर प्लाटून की निकट कालम बना दिया जाए तो आगे वाली प्लाटून का कमाण्डर उसे एकदम थमने का आदेश दे। शेष प्लाटूने भी निकट कालम में आने पर अपने कमाण्डरों के निर्देश द्वारा थम जाएं।

7. जब कालम खड़ा हो और निकट कालम बनाना हो

नं. 'प्लाटून, पर निकट कालम बना, बाकी तेज चल' आगे वाली प्लाटूनें अपने स्थान पर खड़ी रहें। शेष प्लाटूनें निकट कालम में पहुंचने पर अपने-अपने कमाण्डरों के आदेश पर थम जाएं।

(1) यदि अगली प्लाटून के अलावा किसी अन्य प्लाटून में निकट कालम बनाना हो तो आदेश होगा कि 'नं. प्लाटून पर निकट कालम बना', आगेवाली 'प्लाटून या प्लाटूनें, पीछे लौटेंगी,' पीछे मुड़ बाकी तेज चल। जिस प्लाटून का नाम लिया जाए, वह प्लाटूनें खड़ी रहें, आगे वाली प्लाटून या प्लाटूनें पीछे मुड़। जिस प्लाटून का नाम लिया गया हो उसे छोड़कर अन्य सभी प्लाटूने चल पड़े और निकट कालम में अपने स्थान पर पहुंचने पर अपने कमाण्डरों के आदेश पर थम जाएं। सामने वाली प्लाटून या प्लाटूनें अपने कमाण्डरों के आदेश पर पीछे मुड़ें।

(2) यदि पिछले प्लाटून पर निकट कालम बनाना हो तो यह आदेश दिया जाए 'नं. प्लाटून पर निकट कालम बना, बाकी पीछे लौटेगा, पीछे मुड़, तेज चल'। इस आदेश पर ऊपर बताए ढंग से ही कार्रवाई की जाए।

8. जब कालम खड़ा किया जाए या चल रहा हो और किसी बाजू की तरफ प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन बनानी हो

'प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन में दाहिने या बाएं चल, कम्पनी दाहिने या बाएं मुड़' प्लाटूनें अपेक्षित दिशा में एक साथ मुड़ जब कम्पनी पहले से ही मार्च कर रही हो, प्लाटूनें अगली प्लाटून से सीध लेकर सजें।

खण्ड 8

101. लाइन कार्रवाई

(1) जब लाइन थम की स्थिति में हो और उसी दिशा की ओर मुंह करके कालम बनाना हो

दाहिने को प्लाटूनों की कालम (या निकट कालम) बना, बाकी दाहिने मुड़, तेज चल दाहिनी ओर खड़ी प्लाटून अपने स्थान पर खड़ी रहे, बाकी प्लाटूनों के गाइड उन्हें सबसे छोटे मार्ग द्वारा उनके अपने-अपने स्थान पर कालम (या निकट कालम में) ले जाएं। तब उनके कमाण्डर उन्हें यह आदेश दें, 'नं. प्लाटून थम, बाएं मुड़/थम' के आदेश पर दाहिने गाइड एकदम बायीं तरफ मुड़े ओर सामने वाली प्लाटून के दाहिने गाइड से सिधाई और फासला ले। जैसे ही प्लाटूने बायीं तरफ मुड़ जाएं, वे दायीं तरफ से सीध लेकर सजें।

यह फार्मेशन उस समय भी किया जा सकता है जब लाइन मार्च कर रही हो, आदेश शब्द वही होंगे उनमें केवल 'तेज चल' शब्द निकाल दिया जाएं। इस आदेश पर आगे वाली प्लाटून मार्च करती रहे और बाकी प्लाटूनें ऊपर बताए अनुसार कार्रवाई करें।

जब लाइन पीछे की ओर लौट रही हो तब भी कालम (या निकट कालम) फार्मेशन बनाई जा सकती है। आदेश शब्द वही होंगे केवल उनमें 'आगे बढ़' की बजाय 'पीछे लौट' कहा जाए।

टिप्पणी : (1) प्लाटूनों की कालम बाई तरफ भी बनाई जा सकती है। इसमें आदेश प्लाटून बाएं को कालम (या निकट कालम) बना, बाकी बाएं मुड़ 'तेज चल' आदेश दिया जाए। नं. 3 प्लाटून खड़ी हा जाए और नं. 2 और 1 प्लाटूनें नं. 3 प्लाटून के सामने आ जाएं। यह कार्रवाई थमकर भी की जा सकती।

(2) नं. 2 प्लाटून पर प्लाटूनों का कालम या निकट कालम बना, बाकी अन्दर की तरफ मुड़ेगा 'तेज चल' आदेश देकर नं. 2 प्लाटून पर भी कालम या निकट कालम बनाया जा सकता है। 'तेज चल' आदेश पर नं. 1 प्लाटून नं. 2 प्लाटून के सामने आ जाए और नं. 3 प्लाटून नं. 2 प्लाटून के पीछे आ जाए।

2. जब लाइन को थम कर दिया गया हो और उसे प्लाटूनों के कालम में आगे बढ़ना हो

दाहिने से प्लाटून के कालम में आगे बढ़, बाकी दाहिने मुड़, तेज चल 'तेज चल' आदेश पर दाहिनी ओर वाली प्लाटून आगे बढ़े। बाकी दो प्लाटूनें दाहिनें को चलें और जब प्रत्येक प्लाटून के गाइड पीछे की तरफ हों और आगे वाले प्लाटूनों के गाइडों से कवर कर रहे हों, तब कमाण्डर यह आदेश दे नं. ' प्लाटून बाएं मुड़।'

3. जब लाइन 'थम' कर दी गई हो और थमकर किसी बाजू की ओर रुख करके कालम बनाना हो तो

'थम कर दाहिने दिशा प्लाटूनों की कालम बना, प्लाटूनों दाहिने बन, तेज चल' जवान स्क्वाड कवायद में की जाने वाली कार्रवाई की भांति ही कार्रवाई करें, प्रत्येक प्लाटून का दाहिना गाइड स्क्वाड के पीवट मैंन (केंद्र) का कार्य करे।

जब कंपनी लाइन में चल रही हो तो तब भी यह फार्मेशन बनाई जा सकती है। इसके लिए कम्पनी दाहिने दिशा प्लाटूनों की 'कालम बना, प्लाटूनें दाहिनें बन' आदेश शब्द दिए जाएं। 'प्लाटूनों की कालम बनने के बाद' आगे बढ़ आदेश दिया जा सकता है। यदि यह फार्मेशन थमकर करने की आवश्यकता हो, तो आदेश शब्द से पहले 'थमकर' शब्द जोड़ दिया जाए। इसी प्रकार जब कम्पनी लाइन में थमी हुई हो तो कम्पनी के थमे बिना भी बाजू में यह फार्मेशन बनाई जा सकती है। इसके लिए 'थमकर' शब्द आदेश शब्दों से निकाल दिए जाएं और प्लाटूनों की कालम बन जाने के बाद कम्पनी कमांडर 'आगे बढ़' आदेश दे।

टिप्पणी : यह फार्मेशन बाएं बाजू की तरफ मुंह करके नहीं बनाई जा सकती क्योंकि ऐसा होने से सैक्शनों का क्रम बदल जाएगा।

4. जब एक लाइन को उसी दिशा में प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन बनानी हो

'बाएं से प्लाटूनों की तीनों-तीन को लाइन में आगे बढ़, कम्पनी बाएं मुड़ प्लाटून दाहिने घूम, तेज चल' आदेशानुसार कार्रवाई की जाए। प्लाटून कमाण्डर अपनी-अपनी प्लाटून के आगे वाले तीन जवानों के सामने तीन कदम आगे रहें।

टिप्पणी : (1) जब कम्पनी लाइन में चल रही हो, तब भी यह फार्मेशन की जा सकती है। ऐसा करने के लिए आदेश-शब्दों में से 'तेज चल' शब्द निकाल दिए जाएं।

(2) जब कम्पनी थमी हुई हो या चल रही हो तब यह फार्मेशन पीछे की दिशा में भी की जा सकती है। ऐसा करने के लिए कम्पनी को दाहिने (यदि वह पहले ही पीछे लौट वाली दिशा की ओर हो तो बाएं को) मोड़ा जाए और फिर प्लाटूनों को 'दाहिने' घुमाया जाए।

खण्ड 9

102. तीनों-तीन के कालम में हरकतें

1. तीनों-तीन के कालम से प्लाटूनों के कालम बनाना

कम्पनी प्लाटूनों के कालम बनाएगी बाएं प्लाटून बना (1) जवान स्क्वाड कवायद की भांति ही इसमें कार्रवाई करें। प्रत्येक प्लाटून के आगे वाले गाइड पर फार्मेशन बनाई जाए। जब कालम बनाया जा चुका हो तो कम्पनी कमाण्डर दाहिनी तरफ से, 'आगे बढ़े' आदेश दे।

(2) यदि आवश्यक हो तो तीनों-तीन के कालम से बारी-बारी प्लाटूनों की कालम भी बनायी जा सकती है। उसके लिए कम्पनी कमाण्डर आदेश दे कि 'कम्पनी, बारी-बारी बाएं पर प्लाटूनों की कालम बना'। आगे वाली प्लाटून का कमाण्डर एकदम यह आदेश दे 'नं. प्लाटून, बाएं बन, प्लाटून आगे बढ़' उसी जगह पर पहुंचने पर बाकी प्लाटून कमाण्डर भी इसी प्रकार आदेश दें।

(3) यह फार्मेशन इस प्रकार भी बनाई जा सकती है कि कंपनी फार्मेशन के बाद स्वतः (अपने आप) ही थम जाए। ऐसा करने के लिए 'थमकर' आदेश शब्द का प्रयोग किया जाए। जब कम्पनी तीनों-तीन की कालम में थमी हुई हो और यह फार्मेशन बनाई जानी आवश्यक हो, तो आदेश शब्दों के अन्त में 'तेज चल' शब्द और जोड़ दिया जाए।

2. जब थमकर कम्पनी के तीनों-तीन के कालम से प्लाटूनों का निकट कालम बनाना हो-

'थम, कर बाएं को प्लाटूनों का निकट कालम बना' अगली प्लाटून का कमाण्डर तत्काल आदेश दे 'नं.--- प्लाटून थमकर बाएं पर प्लाटून बना'। बाकी प्लाटूनों के कमाण्डर भी निकट कालम के फासले पर पहुंचकर उसी प्रकार कार्रवाई करें।

3. जब तीनों-तीन कालम से किसी पार्श्व की ओर थम करते हुए कालम बनाना और आगे बढ़ना हो

थमकर बाएं दिशा प्लाटून का कालम (या निकट कालम बना) आगे वाली प्लाटून का कमाण्डर अपनी प्लाटून को 'नं.--- प्लाटून थम, बाएं मुड़' आदेश देकर रोके और बायीं तरफ मोड़। बाकी प्लाटूनों के गाइड उन्हें सबसे छोटे मार्ग द्वारा उनके स्थान पर कालम या निकट कालम में ले जाएं। वहां उन्हें 'नं. प्लाटून थम, बाएं मुड़' आदेश दिया जाए। 'थम' आदेश पर दाहिने गाइड एकदम बायीं तरफ मुड़ जाएं और अपने सामने वाली प्लाटून के दाहिने गाइड से सीध और फासला ले।

4. जब तीनों- तीन के कालम से किसी पार्श्व की तरफ मुंह करके कालम बनाना और आगे बढ़ना हो -

'बाएं दिशा कालम में आगे बढ़' अगली प्लाटून का कमाण्डर आदेश दे 'नं. प्लाटून, बाएं मुड़'। प्रत्येक प्लाटून कमाण्डर, जब उसकी प्लाटून का अगला गाइड पूर्ववर्ती प्लाटून के गाइडों के पीछे और सीध में हो, आदेश दे :

'नं. प्लाटून बाएं मुड़'

5. तीनों-तीन के कालम से प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन बनाना और उसी दिशा में चलना -

'दाहिने को-कदम के फासले पर प्लाटूनों की तीनों- तीन की लाइन बना, बाकी दौड़ कर' अगली प्लाटून तेज चाल में आगे बढ़ती रहे। शेष प्लाटूनों के गाइड अपनी प्लाटन को एक निश्चित अन्तराल पर निकटतम मार्ग से उसे स्थान पर सिधाई में ले जाएं। तब प्लाटून कमाण्डर आदेश दे, 'नं. प्लाटून तेज चाल में आएगा, तेज चल' और इसी बीच वह अपनी-अपनी प्लाटून के अगले तीनों जवानों से तीन कदम आगे स्थान ले।

6. थमकर तीनों-तीन के कालम से उसी दिशा में प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन बनाना

'थमकर दाहिने को कालम, कदम के फासले पर प्लाटून की तीनों-तीन की लाइन बना, बाकी आधा बाएं मुड़' अगली प्लाटून अपने कमाण्डर के आदेश पर थम जाए और बाकी प्लाटूनों के अपेक्षित अन्तराल पर पहुंच जाने पर उनके कमाण्डर आदेश दें 'नं. प्लाटून, आधा बाएं मुड़' और जब वे सिधाई में आ जाएं, तो 'नं. प्लाटून, धम' आदेश दें।

7. चलते हुए तीनों-तीन के कालम से दाहिने पार्श्व में प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन बनाना

प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन में दाहिने चल, प्लाटूनों दाहिने धूम सभी प्लाटूनें एक साथ दाहिने घूमें। बाएं से सीध ली जाए।

जब कम्पनी तीनों-तीन के कालम में खड़ी हो, तब भी यह फार्मेशन बनाई जा सकती है। उसके लिए आदेश-शब्द वही होंगे लेकिन उनके अन्त में 'तेज चल' और जोड़ दिया जाए।

खण्ड 10

103. प्लाटून तीनों-तीन की लाइन से (कॉलम फासले में) कार्रवाई-

1. (थमी हुई)- प्लाटून की तीनों - तीन के कालम बनाना

'बाएं से तीनों-तीन की कालम में आगे बढ़ेगा, बाइं प्लाटून आगे, बाकी बाएं घूम, कम्पनी तेज चल' अगली प्लाटून आगे बढ़े और बाकी प्लाटूनें बाएं घूमें और अगली प्लाटून के पीछे-पीछे चलें।

कम्पनी चल रही हो और यह फार्मेशन बनाना अपेक्षित हो तो आदेश शब्दों में से तेज चल शब्द निकाल दिए जाएं

2. (थमी हुई) प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन से किसी पार्श्व (फ्लैंक) में तीनों-तीन के कालम बनाना

कम्पनी, बाएं दिशा तीनों-तीन यह कालम में आगे बढ़, प्लाटूनों बाएं धूम, तेज चल

तीनों प्लाटूनें आगे कदम लें और एक साथ बायीं तरफ घूमें।

यह फार्मेशन कम्पनी के चलते-चलते भी बनाई जा सकती है। ऐसा करने के लिए आदेश-शब्दों में से 'तेज चल' शब्द निकाल दिए जाएं।

3. प्लाटूनों के तीनों-तीन की लाइन में थमी हुई कम्पनी का उसी दिशा में थमकर लाइन बनाना

'कम्पनी थमकर लाइन बनाएगी, दाहिने पर प्लाटून बना' सब प्लाटूनें एक साथ दाहिने बने (इस फार्मेशन में यदि प्लाटूनों के दाहिने गाइड अगले तरफ हों तो लाइन पीछे की दिशा (रिटायर डायरेक्शन) में बनाई जाए और यदि दाहिना जवान पीछे की तरफ हो तो लाइन अगली दिशा में बनाई जाए)।

यह फार्मेशन कम्पनी को 'थमने' की स्थिति से लाइन में मार्च कराने के लिए भी की जा सकती है। यह करने के लिए आदेश शब्दों से 'थमकर' शब्द निकाला जाए फार्मेशन पूरी बन जाने के बाद 'आगे बढ़' आदेश दिया जाए।

जब कम्पनी प्लाटून की तीनों-तीन की लाइन में चल रही हो, तब यह फार्मेशन कम्पनी को थम करने या चलाते रहने के लिए भी बनाई जा सकती है। ऐसा करने के लिए उपर्युक्त आवश्यक आदेश अर्थात् 'थमकर' या 'आगे बढ़' आदेश दिए जाएं।

4. प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन से पार्श्व की तरफ कालम बनाना

प्लाटूनों के कालम में आगे बढ़ेगा जब या पीछे लौटेगा, कम्पनी बाएं या दाहिने मुड़

कम्पनी थमी हुई हो या चल रही हो, तब ऐसा किया जा सकता है। (यदि प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन निकट कालम फासले पर हो तो इससे निकट कालम बनेगा)।

टिप्पणी : 'कूच कालम' (कालम आफ रूट) के अन्य कार्रवाई और अन्य कार्रवाइयों से कूच कालम की कार्रवाइयां तीनों-तीन के कालम के अनुसार ही की जा सकती है। उनमें अन्तर केवल इतना ही है कि आदेश शबदों में 'तीनों-तीन के कालम' के स्थान पर 'कूच कालम' शब्द रहेंगे। प्रत्येक बार जब भी 'कूच कालम' की फार्मेशन बनाई जाए, प्लाटून कमाण्डर प्लाटूनों के आगे चलें जाएं।

खण्ड 11

104. विसर्जन-

पहले अफसरों को लाइन तोड़ने का आदेश दिया जाए। वे परेड के कमाण्डर के पास तेज चाल में चलें, और उसके सामने लाइन बनाएं और सैल्यूट करें। जब तक कम्पनी विसर्जित न हो जाए वे उसके पीछे खड़े रहें।

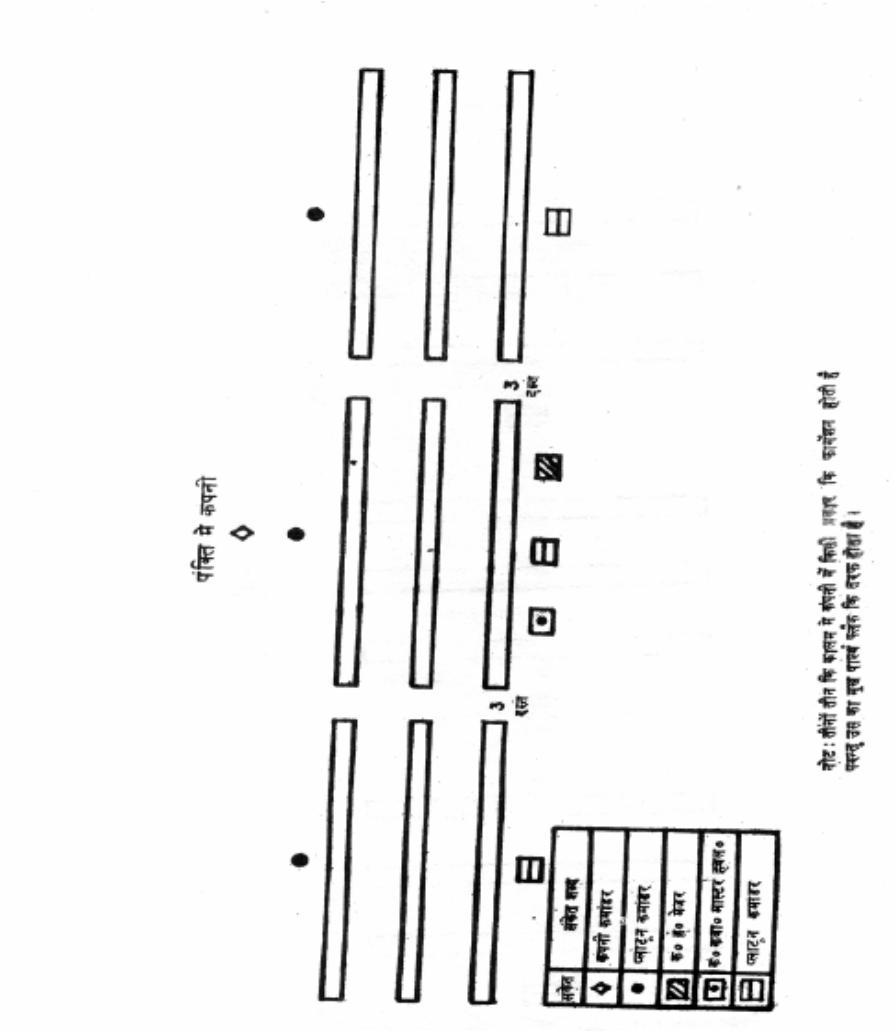

कालम में खड़ी कम्पनी

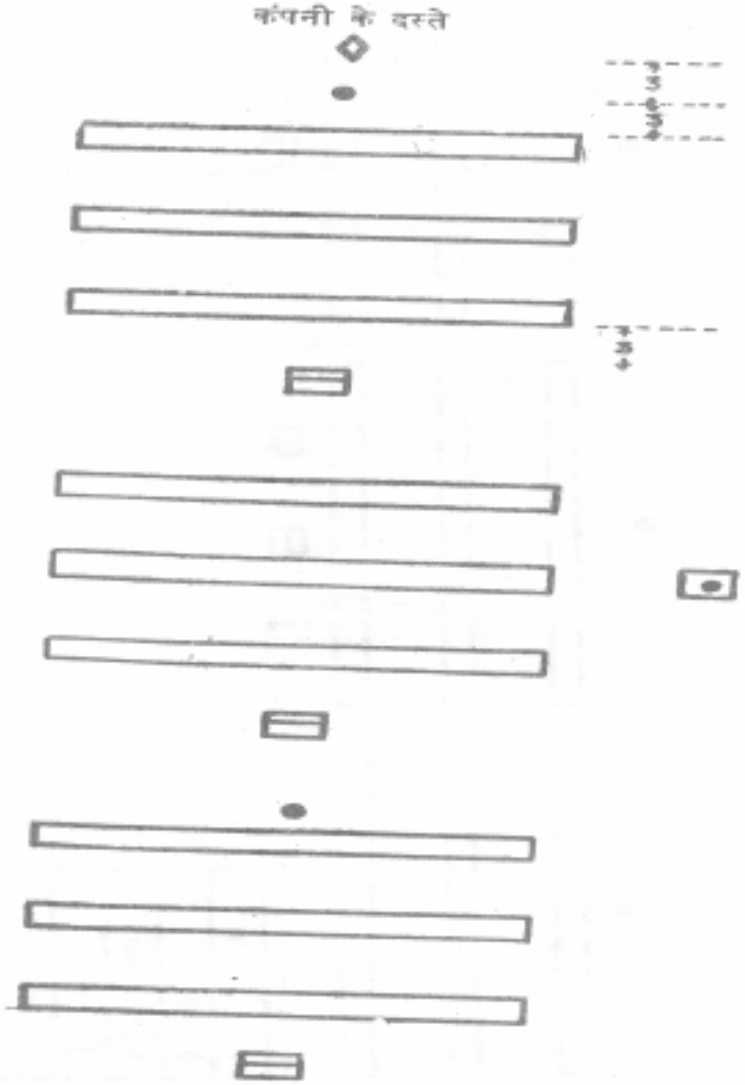

कंपनी के दस्ते

निकट कालम में खड़ी कंपनी की ठीक यही फार्मेशन होती है। अन्तर केवल इतना ही है कि इसमें प्लाटूनों के बीच 7 या 12 कदम का फासला होता है।

अध्याय-16
समारोह-कवायद (सेरिमोनियल ड्रिल)

1. समारोह कवायद का उद्देश्य जवानों में जिंदादिली की भावना को प्रोत्साहित करना और परेड ग्राउंड में स्थिरता और सहचर का ऊंचा स्तर प्राप्त करके नैतिक गुणों के विकास मे सहयोग देना है, जो युद्ध क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है।

2. ये उद्देश्य तभी प्राप्त किए जा सकते हैं जब समारोहों के अवसरों पर ध्यानपूर्वक तैयारी की जाए और सारा कार्यक्रम सही-सही ढंग से निष्पादित किया जाए। इसके लिए सभी स्तरों पर अभ्यास और पूर्वाभ्यास किए जाएं, परंतु यूनिटें इस बात से सावधान रहें कि वे कोई भी ऐसा समारोह कवायद न करें जिसके क्रियान्वयन के लिए उन्हें उपयुक्त रूप से प्रशिक्षण न दिया गया हो।

3. इस खण्ड में सामान्य समारोह के अवसरों पर लागू होने वाल कवायद फार्मेशनों और कार्यविधि का उल्लेख किया गया है। इसमें बटालियन स्तर तक की कार्यविधि का विस्तृत विवरण दिया गया है। इसे कम्पनी स्तर तक के छोटे-छोटे फार्मेशनों के लिए आसानी से अपनाया जा सकता है।

4. अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इन अनुदेशों की व्याख्या सोच समझकर तथा बुद्धिमत्ता पूर्वक करें और इस बात को हमेशा ध्यान में रखें कि कार्मिकों के वास्ते इन अनुदेशों को उपयुक्त बनाने के लिए, धरातल तथा असाधारण परिस्थितियों को ध्यान में रखकर, इनमें थोड़ा बहुत परिवर्तन हमेशा किया जा सकता है।

खण्ड 1

105. सामान्य व्यवस्थाएं

1. किसी निरीक्षण या समीक्षा के संबंध में गडबड़ से बचने के लिए सभी व्यवस्थाएं निम्नलिखित शीर्षों के हिसाब से सावधानी पूर्वक की जाएं :-

(1) समारोह से पूर्व की व्यवस्थाएं

(2) समारोह के लिए व्यवस्थाएं

(3) समारोह विसर्जित करने के लिए व्यवस्थाएं

(4) दर्शकों के लिए व्यवस्थाएं

(1) समारोह से पूर्व की व्यवस्था के संबंध में सामान्यत- निम्नलिखित अनुदेश शामिल किए जाएं :-

(क) फार्मेशन जिसमें यूनिटों की निरीक्षण लाइन पर विरचना करनी होती है। उस संबंध में फासले और अन्तराल से संबंधित अनुदेशों का भी ध्यान रखा जाए।

(ख) मार्करों के ब्योरों सहित, निरीक्षण लाइन पर यूनिटों और फार्मेशनों को सिधाई लेने में तालमेल रखने के तरीके।

(ग) निरीक्षण और मार्चपास्ट दोनों के लिए बैंड जुटाना।

(घ) बैंड कब बजाए जाएं।

(ङ) सामान्य प्रशासनिक व्यवस्थाएं जैसे कि स्थान, भूतल (ग्राउंड) की तैयारी, दर्शकों, समाचार पत्रों के प्रतिनिधियों, यातायात नियंत्रण आदि की व्यवस्था।

(च) परेड में भाग लेने वाले व्यक्तियों द्वारा पहनी जाने वाली पोशाक।

(2) समारोह के लिए व्यवस्था करते समय निम्नलिखित बातों को भी ध्यान में रखा जाए :-

(क) समारोह की विभिन्न अवस्थाओं की रूपरेखा पहले से तैयार की जाए।

(ख) आदेश शब्दों का संकेत देने का तरीका और प्रत्येक संकेत पर अपनायी जाने वाली सही कार्यविधि।

(ग) फासले और अन्तराल के बारे में विशेष अनुदेश।

(घ) बैण्ड और ड्रमों के बारे में विशेष अनुदेश।

(ङ) मार्चपास्ट के बाद विभिन्न यूनिटों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई।

(च) यदि परेड रद्द करनी हो तो उसे अधिसूचित करने का तरीका अर्थात् निर्णय कौन ले, कौन सूचना दे और किसे सूचना दे और किसे सूचित किया जाए, और सूचना देने के क्या साधन हैं।

(3) समारोह विसर्जित करने की व्यवस्था : यातायात नियत्रंण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए क्योंकि इसका पूर्णरूपेण समन्वय होना चाहिए। जब तक यूनिटें परेड के मैदान से चली न जाएं तब तक दर्शकों को अपनी-अपनी जगह पर रहने को कहा जाए। इसके साथ-साथ यह भी सुझाव दिया जाता है कि जब तक भीड़ तितर-बितर न हो जाए जिस मार्ग से यूनिटें मार्च करके जा रही हों, उसका घेरा डाला जाए या मार्च पास्ट के बाद परेड विश्राम अवस्था में रहे। इससे यातायात नियंत्रण में सहायता मिलेगी।

(4) दर्शकों के लिए व्यवस्था : सभी सेवाओं के कर्मचारियों और आम जनता के लिए समुचित प्रबन्ध करना अनिवार्य है। व्यक्तियों के नाम से कम से कम सीटें आरक्षित की जाएं और वे भी केवल उच्चतम अधिकारियों और उस स्थान के अत्यन्त विख्यात व्यक्तियों के लिए आरक्षित की जाएं। शेष सिविल सेवाओं के अधिकारियों या सशस्त्र सेना के अफसरों और गैर-सरकारी क्षेत्र के उसी स्तर के लोगों को सामान्य अहातों (जनरल एनक्लोजर) के टिकट दिए जाएं। उन्हें एक दूसरे से अलग-अलग न रखा जाए। आम जनता के लिए भी उचित व्यवस्था की जाए।

2. अलग-अलग आरक्षित स्थानों के लिए या आरक्षित अहातों में सीटों के लिए निमंत्रण-पत्र जारी करने का कार्य काफी समय पहले किया जाए और स्थानीय सिविल तथा सेना अधिकारियों को इस संबंध में परामर्श या सहयोग लिया जाए ताकि कोई चूक न हो पाए।

3. कार्यक्रम : दर्शकों को परेड-कार्यक्रम जारी करना लाभप्रद है। दर्शक कब खड़े हों, कब सैल्यूट करें और कब अपने हैट उतारें और इसी प्रकार की अन्य जानकारी संबंधी टिप्पणियां कार्यक्रम में दी जाएं। सभी बड़ी परेड़ों में लाउडस्पीकरों की भी व्यवस्था की जाए और उन पर दर्शकों और विशेष तौर पर आम जनता के लाभ के लिए आंखों देखा हाल सुनाया जाए।

4. अन्य व्यवस्थाएं

(क) जिस मंच पर परेड की सलामी लेने वाले व्यक्ति को खड़ा होना है, उस पर केवल सादी नीली या लाल दरियां बिछाई जाएं। कालीन न बिछाए जाएं।

(ख) ध्वज-दण्ड मंच के पीछे उपयुक्त स्थान पर रहे और यथा संभव उस पर सफेद रंग पुता हो।

(ग) मंच के चारों ओर वर्दी वाले व्यक्ति ही उपस्थित रहें। रेडियो प्रसारण या रिकार्ड करने वाले व्यक्तियों की मेजें मंच के पीछे कुछ दूरी पर हों। सलामी लेने वाले व्यक्ति के पास माइक्रोफोन लाने का कार्य वर्दीधारी व्यक्ति द्वारा ही किया जाए।

(घ) जब परेड हो रही है, तब सादे कपड़े पहने हुए व्यक्तियों को दर्शकों के सामने घूमने न दिया जाए। संवाददाता तथा फोटोग्राफरों को अफसर नियंत्रण में रखें।

खण्ड 2

106 निरीक्षण या समीक्षा परेड ग्राउंड

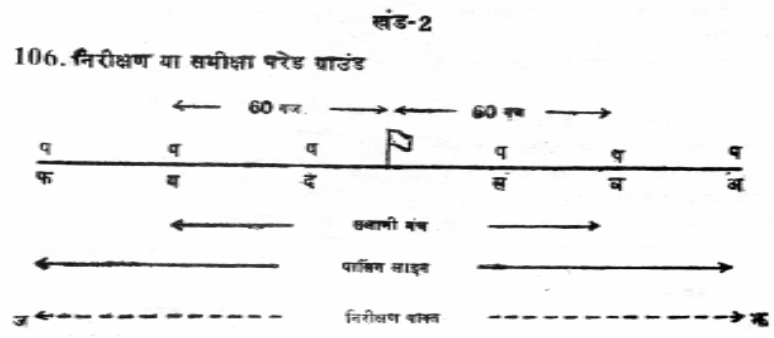

संकेतिका (लेजेण्ड)

क निरीक्षण के बाद मार्च पास्ट करने से पहले यूनिटें दाहिनें से कूच कालम या तीनों-तीन की कालम बनाएं। उनकी विरचना बिन्दु 'अ' पर की जाए। उसका रुख बाएं और प्लाटूनों या कम्पनियों की निकट कालम में हो, और अगली

कम्पनी के सामने की रैंक बिन्दु 'अ' की सीध में हो। अब 'मार्च पास्ट' आदेश दिया जाए, कम्पनियां और प्लाटूनें कालम का फासला रखते हुए दाहिने से आगे बढ़े। प्लाटून कमाण्डर या कंपनी कमाण्डर अपनी प्लाटूनों या कंपनियों को सही फासला रखते हुए चलाने के लिए बारीबारी से आदेश दें।

ख - बिन्दु 'ब' पर पहुंचने के बाद यदि धीरे चाल में हो, तो 'खुली लाइन' का आदेश दिया जाए।

ग- 'दाहिने देख'

घ- 'सामने देख'

ङ - 'निकट लाइन' (यदि लागू हो)

च- 'थम' (यदि आवश्यक हो तो)

टिप्पणी : यदि यह अनुमान हो कि परेड में यूनिटें बड़ी संख्या में भाग ले रही हैं, तो बिन्दु 'प' और 'फ' के बीच पर्याप्त दूरी रखी जाए ताकि परेड में भाग लेने वाली सभी यूनिटें मार्च पास्ट के बाद सलामी ध्वज को पार करके निकट कालम बना सकें, या यदि परेड को निकट कालम में वापस न होना हो, तो प्रत्येक यूनिट का पिछला भाग, कमाण्डर द्वारा निकट होने और किसी पार्श्व की ओर चले जाने के आदेश दिए जाने के पहले सलामी स्थल से निकल जाए।

1. निरीक्षण लाइन ज-झ की लम्बाई निरीक्षण किए जाने वाले सैन्य दल के अग्रभाग पर निर्भर करती है। पासिंग लाइन से इसके फासले की दूरी मार्च पास्ट के समय किसी यूनिट के अधिकतम अग्रभाग पर निर्भर करती है। उसमें मार्च पास्ट के समय धुन बजाते हुए बैण्ड या सामूहिक बैंड़ों द्वारा घेरी हुई जगह भी जोड़ दी जाए। जब उससे भी बड़े सैन्य दलों की समीक्षा की जाए तो फासला और बढ़ाने की आवश्यकता पड़ सकती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जब यूनिटों को निरीक्षण के लिए लाइन में रखा जाए और कमाण्डर निरीक्षण लाइन के सामने सही फासले पर अपने स्थान पर हों, ते परेड कमाण्डर परेड ग्राउंड की पैमाइश के अनुपात में पासिंग लाइन से उचित फासले पर हो।

टिप्पणीः निरीक्षण लाइन के सामने कमाण्डरों का फासला कम करना भी आवश्यक हो सकता है। अन्यथा, बड़ी फार्मेशनों में, या तो पासिंग लाइन से निरीक्षण लाइन बहुत दूर होगी और या परेड कमाण्डर निरीक्षण अफसर के काफी निकट होगा।

2. सलामी - स्थल (ब-प) की लम्बाई 120 गज से कम और 260 गज से अधिक न हो। कम या अधिक फासला स्थानीय परिस्थतियों पर निर्भर करेगा। मार्च पास्ट बिन्दु 'ब' से शुरू हो और बिन्दु 'प' तक किया जाए। समीक्षा अफसर सलामी स्थल के मध्य भाग के पीछे रहें उसके दोनों तरफ 10 गज के फासले पर दो बिंदु 'स' और 'द' हैं। 'स' बिंदु से सैल्यूट देना शुरू हो और 'द' बिंदु पर समाप्त हो।

यदि कोई मार्च पास्ट ओपनिंग तथा क्लोजिंग आर्डर के बिना केवल तेज चाल में किया जाना हो, तो बिन्दु 'ब' और 'प' हटा दिए जाएं। तथापि बिंदु 'अ' और 'फ' अपने मूल फासले पर रहें।

3. पासिंग लाइन के 'अ', 'ब' भाग की लम्बाई पर्याप्त होनी चाहिए। ताकि यूनिटों के सलामी स्थल पर पहुंचने से पहले वे अपनी दिशा में आ जाएं। यूनिटें बिंदु 'ब' तक निकट फार्मेशन में चलें, उस बिंदु से वे ऐसी फार्मेशन अपनाएं जैसी कि समीक्षा या निरीक्षण के लिए क्रमानुसार निर्धारित की गई हैं।

4. सामान्यतः पार्सिंग लाइन लम्बाई में निरीक्षण लाइन के बराबर होनी चाहिए।

5. सभी बिन्दुओं पर झंडों या मार्करों के निशान हों। जिस लाइन पर जवानों को फार्मेशन करनी हो उस पर निशानी करने के लिए झंडे या पोस्ट स्थापित किए जाएं, या लाइन खोद दी जाए या उस पर चूने से निशान लगाए जाएं।

टिप्पणी :- जब जवान बड़ी संख्या में मार्च पास्ट करें, तब यूनिटों का सही फासले पर चलने में मार्गदर्शन करने के लिए आम तौर पर बिन्दु 'ब' से उचित फासले पर पार्सिंग लाइन के बीच छोटी-छोटी रंगीन झंडियां लगाई जाएं।

खण्ड 3

107. यूनिट संगठन

1. समारोहों के प्रयोजनार्थ यूनिटों को निम्न प्रकार संगठित किया जाए :

(क) 'माउन्टेड स्क्वाड' यदि उपलबध हों, तो दो लाइनों में ।

(ख) पैदल यूनिट (डिसमाउंटिड यूनिट) तीन पंक्तियों में एक बटालियन में कम से कम चार कम्पनियां परेड पर हो, प्रत्येक कम्पनी तीन प्लाटूनों में बंटी हुई हो। जहां तक संभव हो प्रत्येक प्लाटून में बराबर संख्या में जवान हों। हवलदार से नीचे के रैंक के अंडर अफसर सामान्यतः तीन पंक्तियों में परेड करें। शेष हवलदार सामान्यतः पंक्तियों में परेड करें।

2. सभी जवानों द्वारा उठाए जाने वाले निजी हथियार एक ही प्रकार के हों।

3. झण्डे आदि परेड में शामिल हों।

4. परेड में बैण्ड भी हो और मध्य में 8 कदम पीछे रहें।

5. टुकड़ियां और होमगार्ड, प्रांतीय रक्षा दल आदि जैसे अन्य दलों के व्यक्ति यदि उपलबध हों तो वे भी परेड में शामिल हो सकते हैं।

खण्ड 4

108 परेड फार्मेशन

1. एक बटालियन या उसके बराबर जवानों की लाइन की फार्मेशन परिशिष्ट 'क' में बताए अनुसार हो।

2. एक कम्पनी या उसके बराबर जवानों की संख्या जब किसी समारोह परेड पर समीक्षा के लिए लाइन में बटालियन के साथ हो, तब उनके प्लाटूनों की लाइन और सैक्शनों के कालम की विरचना परिशिष्ट 'ख' के अनुसार हो।

3. समीक्षा के लिए सामूहिक रूप से इन्फैन्ट्री बटालियन द्वारा बनाई जाने वाली फार्मेशन परिशिष्ट 'ग' में दिखाई गई है।

4. झण्डे पूरे निरीक्षण समय में ऊपर उठे रहेंगे और उनका अनुरक्षण करने वाला अनुरक्षी दल शेष परेड के समान रहे, परन्तु वह 'आराम से' न खड़ा हो।

5. समारोह परेड में, चाहे वह कितनी ही बड़ी या छोटी हो, पैदल जवानों की मूल स्थिति का परिशिष्ट 'क' से 'ग' में अरेखण किया गया है। उसका हमेशा हवाला दिया जाए।

खण्ड 5

109. पैदल यूनिट का कदवार खड़ा होना (साइजिंग)

1. पहले एक लाइन बनाकर यूनिट के जवानों को कद के हिसाब से खड़ा किया जाए-सबसे लम्बा जवान दाहिनी तरफ और सबसे छोटा जवान बाईं तरफ हो। प्रत्येक व्यक्ति पंक्ति में 24 इंच स्थान लेगा। इसके लिए आदेश शब्द लम्बा दाहिने, छोटा बाएं, एक लाइन में कदवार' होगा। सावधानी पूर्वक कदवार खड़े हो जाने के बाद निम्निलिखि आदेश दिए जाएं :

(क) गिनती कर।

(ख) विषम एक कदम आगे, सम एक कदम पीछे चल।

(ग) दाहिने जवान खड़ा रहेगा, बाकी विषम दाहिने, सम बाएं, लाइनें दाहिनें और बाएं मुड।

(घ) तीन लाइन बना, तेज चल।

तेज चल आदेश पर दोनों पंक्तियां चल पड़ें, सम संख्या वाली पंक्ति का बाया जवान अपने दाहिने घूमे और विषम संख्या वाली पंक्ति के पीछे चले, विषय संख्या वाली पंक्ति जैसे ही ठीक जगह पर (पोजीशन में) पहुंचे वैसे ही तीन पंक्तियां बनानी शुरू कर दे, अर्थात् नं. 3 मध्य पंक्ति में नं. 1 के पीछे हो। नम्बर 5 का जवान नं. 3 के जवान के पीछे, पिछली पंक्ति में जाएगा और नंबर 7 का जवान आगे वाली पंक्ति में जाएगा। यदि कोई वरिष्ठ अवर अधिकारी परेड के दौरान पंक्ति तक साथ जाए और अगली, बीच की और पिछली पंक्तियों के जवानों को निर्देश दे तो समस्त कार्य काफी सरल हो जाए, किन्तु उसे विषम संख्या की पंक्तियों से आरंभ करना चाहिए।

इस प्रकार यूनिट ठीक प्रकार से तीन पंक्तियों में खड़ी होंगी और तीनों पंक्तियों में पार्श्व में सबसे लम्बे जवान खड़े होंगे।

खण्ड 6

110. पैदल यूनिट की संख्याएं नियत करना

जब यूनिट खड़ी हो तो उसकी गणना दाहिनी ओर से बायीं ओर की जाएगी और फिर यूनिट को प्लाटूनों या उनके बराबर की संख्याओं में बांट दिया जाएगा, फिर उनकी यूनिट के अन्दर ही उनकी संख्याएं दी जाएंगी। यदि पंक्तियों के व्यक्तियों

की संख्या में तीन से विभक्त न की जा सकती हो तो बाहर की प्लाटूनों में व्यक्तियों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक होगी। बायीं ओर के व्यक्ति का नंबर जोर से पुकार कर यूनिट को प्लाटूनों में विभक्त किया जाता है, उदाहरण के लिए 'नवम्बर 15' पुकारे जाने पर 15 नं. का जवान अपनी बाईं अग्रबाहु भूमि के समानान्तर उठाकर, कोहनी बगल से मिलकर, उंगलियां और अंगूठा जोड़ कर सीधी करके और अपनी हथेली का रुख अन्दर की ओर करके उत्तर देगा। इसके बाद आदेश होगा 'नम्बर 15 नम्बर 1 प्लाटून का बायां जवान' नं. 15 इस आदेश पर अपनी अग्रबाहु अपने कंधे के स्तर पर सीधा उठाएगा 'नम्बर 29' नम्बर 2 प्लाटून का बायां जवान और इसी प्रकार से अन्य। इसके बाद यूनिट बराबर हो जाती है।

खण्ड 7

111. निरीक्षण और समीक्षा के लिए आम हिदायतें (आउटलाइन प्रोसीजर)

1. खण्ड 2 में दिए अनुसार निरीक्षण या समीक्षा ग्राउंड को चिह्नित किया जाना चाहिए।

2. जिस यूनिट का निरीक्षण किया जाना हो उसे एक लाइन में खड़ा किया जाना चाहिए या निरीक्षण पंक्ति पर सामूहिक रूप से खड़ा किया जाना चाहिए। परिशिष्ट 'क' और 'ग' देखें।

3. निरीक्षण अफसर के आने से पहले फार्मेशन या यूनिट संगीनें लगाएंगी और खुली लाइन में हो जाएंगी।

4. निरीक्षण और समीक्षा करने वाले अफसर की भाग 9 में दी गई हिदायतों के अनुसार अगवानी की जाएगी।

5. निरीक्षण या समीक्षा अफसर खण्ड-2 में दिए गए ढंग से निरीक्षण करेगा, और उसके पूरा होने पर वह मार्च पास्ट के आदेश देगा।

6. इसके पश्चात् यूनिटें और फार्मेशन, बाद के खण्डों में दिए गए अनुदेशों के अनुसार मार्च-पास्ट करेंगी।

7. मार्च पास्ट के समय चलने की रफ्तार 120 कदम प्रति मिनट होगी।

8. मार्च पास्ट समाप्त करने के पश्चात यूनिटें और फार्मेशन अपनी पहली जगह पर अर्थात् निरीक्षण रेखा पर लौट आएंगी और अगले आदेशों की प्रतीक्षा करेंगी। यदि समीक्षा क्रम में आग बढ़ने का आदेश दिया जाए तो खण्ड 18 में दी गई प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

खण्ड 8

112. अफसरों के लिए विशेष हिदायतें

1. परेड कमाण्डर

(क) यदि तलवार लगाई हो तो वह उसे तब तक नहीं निकालेगा जब तक उससे वरिष्ठ कोई अफसर परेड पर न हो।

(ख) यदि उसने मार्च पास्ट कर ली हो तो सैल्यूट दे दिया हो ते वह बाहर निकल कर निरीक्षण अफसर के दाहिनी ओर खड़ा हो जाएगा और वहां तब तक खड़ा रहेगा जब तब कि परेड गुजर न जाए। इस बीच द्वितीय कमान अफसर कमाण्ड देगा।

टिप्पणी : यदि परेड कमाण्डर तलवार लगाए हुए हो तो वह सलामी स्थल पर या निरीक्षण अफसर अथवा समीक्षा अफसर के साथ होने पर तलवार लगाए रखेगा।

2. स्टाफ अफसर और परेड में भाग न लेने वाले अफसर यदि स्टाफ अफसर या वैयक्तिक रूप से निमंत्रित अफसर तलवार लगाए हों तो वे उसे निकालेंगे नहीं। वे सभी अफसर हाथ से सलामी देंगे।

3. परेड में भाग लेने वाले अफसर कम्पनी कमाण्डरों को छोड़कर अन्य अफसर अपनी कम्पनियों में निरीक्षण हो जाने के बाद ही तलवार निकालेंगे। कंपनी कमाण्डर द्वितीय कमांन अफसर से या परेड में द्वितीय कमान अफसर न होने की स्थिति में नेतृत्व करने वाली कंपनी के कंपनी कमाण्डर से समय ले कर एक साथ तलवारें निकालेंगे।

4. यदि तलवारें निकाली हुई हों, तो पूरे समय वे तलवारें सामने रखेंगे सिवाय जब जवान विश्राम की स्थिति में खड़े हों और जब वे परेड ग्राउंड (किन्तु इससे दूर) में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा रहे हों और जब ढलान पर हों।

5. मार्च पास्ट करते समय सलामी देना

(क) तलवारें निकाल कर - 'दाहिने देख' आदेश पर सलामी आरंभ की जाएगी और 'सामने देख' के आदेश पर सलामी समाप्त होगी। यदि एक अफसर हो तो सलामी पर्याप्त समय में आरंभ होगी ताकि तलवार की दूसरी हरकत पायन्ट 'स' तक पहुंचने तक पूरी हो जाए और पायंट 'द' तक तलवार सामने ही रहे। इनर फ्लैक के अफसर से समय लिया जाए।

(ख) 'तलवारें बिना निकाले' अफसर हाथ से सलामी देंगे। सलामी पायंट 'स' से आरंभ होगी और पायंट 'द' पर समाप्त। आगे चलने वाली सब यूनिटों के आगे चलने वाले अफसर कमान अफसर से समय लेंगे, अन्य अफसर अपने कम्पनी कमाण्डर से समय लेंगे।

6. तलवारें लौटाने का ढंग : यदि पहले से ही तलवार लौटाने का विशेष आदेश न दिया गया हो, तो अफसर द्वारा नीचे पैरा 7 में दिए अनुसार विसर्जन के समय तलवार लौटाई जाएंगी।

7. परेड समाप्त होने पर विसर्जन

'अफसर लाईन तोड़' के आदेश पर अफसर, परेड-कमाण्डर के पास मार्च करके जाएंगे (अर्थात वे जिन्होंने तलवारें निकाली हुई हों) उससे पांच कदम के फासले पर खड़े हो कर सैल्यूट करेंगे, तलवार वापस करेंगे और जब तक परेड विसर्जित नहीं होती, तब तक परेड कमाण्डर के पीछे खड़े रहेंगे।

टिप्पणी :- जिन अफसरों की तलवारें निकली हुई हों उनके बीच दो हाथ का (पूरी तरह फैलाकर) और जिनकी तलवारें निकली हुई न हों, उनके बीच एक हाथ का फासला होगा।

खण्ड 9

113. निरीक्षण या समीक्षा अफसरों की अगवानी करना

1. सामान्य हिदायतें - यूनिट का फार्मेशन निरीक्षण रेखा पर लाइन में खड़ी होंगी और उनके सामने की तरफ बीच में वह स्थान होगा जहां निरीक्षण या समीक्षा अफसर स्वयं खड़े हुए होंगे।

(क) माउंटेड स्क्वाड में 'कंधे तलवार' होगी और उतरे हुए स्क्वाड या यूनिट में 'सामने तलवार' होगी।

(ख) अगर यूनिट के पास राइफलें हैं तो संगीन चढ़ा हुआ होगा और 'कंधे शस्त्र' हालत में रहेंगे।

2. विशेष हिदायतें : जब निरीक्षण या समीक्षा अफसर मध्य भाग में आ जाए तों उचित सैल्यूट से, अर्थात् जिसका वह हकदार है निम्नलिखित प्रक्रिया के अनुसार उसकी अगवानी की जाएगी :

(क) राइफलों से लैस यूनिट

जनरल सैल्यूट, सलामी शस्त्र - जवान सलामी शस्त्र करेंगे और सभी अफसर सैल्यूट करेंगे। अधिसंख्यक रैंक और गाइड भी परेड के साथ सलामी शस्त्र करेंगे। झण्डा (कलर) सामने की हालत में रहेगा।

(ख) कंधे शस्त्र, बाजू शस्त्र।

(ग) ड्रम के साथ-साथ बैण्ड धीरे चाल की धुन का पहला भाग बजाएगा और यदि परेड पर बैंड न हो तो बिगुल जनरल सैल्यूट की धुन बजाएगा।

(घ) यदि झण्डा लिए हुए हों तो वे केवल उन व्यक्तियों के लिए झुकाए जाएंगे जो राष्ट्रीय सैल्यूट के हकदार हों। जो अफसर जनरल सैल्यूट के हकदार हों उनके लिए झण्डा नहीं झुकाया जाएगा।

खण्ड -10

114. राष्ट्रपति और राज्यपालों की अगवाई करना

1. यह प्रक्रिया वही होगी जिसका उल्लेख ऊपर खण्ड 9 में किया जा चुका है, किन्तु 'जनरल सैल्यूट' के स्थान पर 'राष्ट्रीय सैल्यूट' दिया जाएगा।

2. राष्ट्रीय सैल्यूट निम्नलिखित को दिया जाएगा

(क) भारतीय गणराज्य के राष्ट्रपति को

(ख) राज्यपालों को (उनके अपने-अपने राज्यों में)

3. औपचारिक समारोहों पर जो अन्य उच्च पद धारी सैल्यूट के हकदार हैं, उन्हें 'जनरल सैल्यूट' दिया जाएगा।

4. राष्ट्रीय गान की धुन निम्नलिखित के लिए बजायी जाएगी -

(क) भारतीय गणराज्य के राष्ट्रपति के लिए।

(ख) राज्यपालों के लिए, उनके अपने-अपने राज्यों में।

(ग) औपचारिक समारोहों या परेडों पर चाहे 15 अगस्त और 26 जनवरी पर ऊपर सड़क) और 2 ख में उल्लिखित कोई व्यक्ति उपस्थित हो अथवा नहीं।

5. विशेष अवसरों पर राज्य सरकार के पूर्व-अनुमोदन से भारत के प्रधानमंत्री के लिए भी राष्ट्रीय गान की धून बजायी जा सकती है।

6. विदेश से आए किसी, विशेष अतिथि के लिए जो राष्ट्रीय सैल्यूट का हकदार हो, बैंड पर उपयुक्त राष्ट्रीय (गान) की धुन बजायी जाएगी।

खण्ड 11

115. निरीक्षण

1. एकल यूनिट का निरीक्षण

(क) निरीक्षण या समीक्षा : अफसर को उचित सैल्यूट देने के बाद परेड को बाजू शस्त्र किया जाएगा। इसके बाद परेड कमाण्डर अपनी यूनिट के संबंध में समीक्षा या निरीक्षण अफसर को उपस्थित और निरीक्षण के लिए तैयार 'रिपोर्ट' करेगा (श्रीमान जी परेड निरीक्षण को हाजिर है)।

(ख) जब निरीक्षण या समीक्षा अफसर नं.1 कंपनी का निरीक्षण आरंभ कर दे तो द्वितीय कमान अफसर आदेश देगा 'नं. --- कम्पनी खड़ी रहे (अर्थात् दाहिने हाथ वाली सब यूनिटें) बाकी विश्राम।'

(ग) समीक्षा या निरीक्षण अफसर, परेड कमाण्डर तथा अन्य ऐस अफसरों के साथ जो वहां उपस्थित हों, सब यूनिट की पहली रेंक का दाहिने से बाएं, मध्य रैंक का बाएं से दायें और पिछली रैंक का दायें से बाएं निरीक्षण करेंगे।

टिप्पणी : (1) वह अपनी इच्छा से अधिसंख्यक रैंक से भी गुजर सकता है।

(2) समीक्षा या निरीक्षण अफसर के साथ जो व्यक्ति हो, वे निरीक्षण के दौरान निरीक्षण अफसर के पीछे या उसके बगल में जिस रैंक का निरीक्षण किया जा रहा हो, उससे दूर रहें।

(घ) जब समीक्षा या निरीक्षण अफसर दायीं तरफ की कम्पनी के पिछले रैंक के बायीं ओर मुड़े उस समय कम्पनी कमाण्डर अपनी सब यूनिटों को 'सावधान' करेगा। निरीक्षण या समीक्षा अफसर के वहां पहुंचने पर वह उसे सैल्यूट करेगा और कंपनी का निरीक्षण होने तक उसका मार्गदर्शन करेगा, निरीक्षण समाप्त होने पर वह पुनः सैल्यूट करके, अपने पहले वाले स्थान पर वापस लौट जाएगा।

(ङ) जब समीक्षा या निरीक्षण अफसर अगली कम्पनी का निरीक्षण करने के लिए बढ़े, तो जिस कम्पनी का निरीक्षण किया जा चुका हो उसका कम्पनी कमाण्डर कम्पनी से विश्राम की मुद्रा में खड़ा रहने के लिए कहेगा।

(च) यदि समीक्षा या निरीक्षण अफसर चाहे तो केवल अगले रैंक का भी निरीक्षण कर सकता है, किन्तु उस स्थिति में, जब समीक्षा या निरीक्षण अफसर अगले रैंक का दायें से बायें निरीक्षण कर रहा हो, उस समय शेष समस्त यूनिटें सावधान रहेगी। अफसर जो प्रक्रिया अपनाना चाहता हो, उसके संबंध में वह उसी समय कम्पनी कमाण्डर को बताएगा।

(छ) जब तक समीक्षा या निरीक्षण अफसर निरीक्षण कार्य पूरा न कर लें, तब तक बैंड बजता रहेगा।

(ज) बाद में समीक्षा या निरीक्षण अफसर मार्च पास्ट का आदेश देगा।

खण्ड 12

116. मार्च पास्ट

1. एक बटालियन निम्नलिखित फार्मेशनों में मार्च पास्ट कर सकती है :

(क) कम्पनी लाइन में --- परिशिष्ट घ देखें।

(ख) कूच कालम में --- परिशिष्ट ङ देखें।

(ग) प्लाटून-वार --- परिशिष्ट च देखें।

2. निरीक्षण या समीक्षा ग्राउंड भाग 2 में बताए अनुसार तैयार किया जाएगा।

3. बैंड निरीक्षण अफसर के सामने समूह में खड़ा होगा, बटालियनों के लिए इतना स्थान छोड़ कर (खड़ा होगा) कि वे उपर्युक्त तीन फार्मेशनों में मार्च-पास्ट कर सकें। बैंड मास्टर या ड्रम मेजर के आदेशानुसार बैंड बजाया जाएगा। बटालियन के मार्च-पास्ट के समाप्त होने पर, बैंड पीछे की और मार्च-पास्ट करेगा।

4. यदि बटालियन को समीक्षाक्रम में आगे बढ़ने को कहा जाए, तो खण्ड 18 में दी गई कार्रवाई की जाएगी।

खण्ड 13

117. अफसरों की जगह

1. परेड कमाण्डर

(क) जब कम्पनी लाइन में हो तो नं. 2 प्लाटून के मध्य से 20 कदम आगे होगा।

(ख) कूच कालम में आगे चलने वाले तीनों जवानों से 20 कदम आगे होगा।

(ग) प्लाटूनों के कालम में अगली प्लाटून के आधे दाहिने से 20 कदम आगे होगा।

2. बटालियन का द्वितीय कमान अफसर

(क) कम्पनी लाइन में : अगली कम्पनी नं. 3 प्लाटून के मध्य से 20 कदम आगे बटालियन कमाण्डर की लाइन में।

(ख) कूच कालम में : पिछली कम्पनी के पिछले तीनों के दाहिने हाथ वाले जवान से 10 कदम पीछे।

(ग) प्लाटून बार : अगली प्लाटून के आधे बाएं भाग से 20 कदम आगे।

3. बटालियन एडज्यूटेंट

(क) कम्पनी लाइन में : पछली कम्पनी के मध्य से 10 कदम पीछे।

(ख) कूच कालम में : बाएं की ओर परेड कमाण्डर के पांच कदम पीछे।

(ग) प्लाटून वार : बटालियन की पिछली लाइन के मध्य से 10 कदम पीछे।

4. कम्पनी कमाण्डर हर फार्मेशन में अपनी कम्पनी के मध्य से 6 कदम आगे होगा।

5. प्लाटून कमाण्डर हर फार्मेशन में अपनी-अपनी प्लाटून के मध्य से तीन कदम आगे होता। कूच कालम में भी तीनों प्लाटून कमाण्डर अपनी कम्पनी की आगे वाली प्लाटून से तीन कदम आगे मार्च कर सकते हैं।

6. सूबेदार मेजर

(क) कम्पनी लाइन में निशान पार्टी के एक कदम पीछे।

(ख) कूच कालम में आगे वाली कम्पनी के 10 कदम आगे तथा परेड कमाण्डर के एक कदम आगे उसे कवर करते हुए।

(ग) प्लाटून बार एडज्यूटेन्ट के दाहिनी ओर तथा पिछली प्लाटून की दाहिनी ओर के जवान को कवर करते हुए।

खण्ड 14

118. कम्पनीवार मार्च पास्ट करती हुयी बटालियन स्थिति जिसमें चलेगी

1. निकट लाइन चल
2. कंधे शस्त्र
3. तीनों-तीन कालम में दाहिने चल, बटालियन दाहिने मुड़, बाएं से तेज चल ।

आगे वाली कम्पनी निश्चित स्थान पर बाएं घूम करेगी और पासिंग लाइन पर पहुंच कर वह पोजीशन लेगी जिससे मार्च पास्ट करना है। शेष कम्पनियां भी इसी प्रकार करेंगी।

4. थम कर, बायीं दिशा, कंपनियों का निकट कालम बना।
5. 'नं. --- कम्पनी, थम, कम्पनी आगे बढ़ेगी, बाएं मुड़।'

अगली, कम्पनी जब पासिंग लाइन पर अपनी पोजिशन में पहुंचे तो यह आदेश दिया जाए।

जब बटालियन कम्पनी के निकट कालम में खड़ी हो, तो शेष कम्पनियों को भी उनके गाइड उस स्थान पर लाएंगे जहां उनके सही गाइड हों। पोजिशन में पहुंचने के बाद, प्रत्येक कम्पनी कमाण्डर आदेश देगा 'नं.--- कम्पनी, थम, कम्पनी आगे बढ़ेगी, बाएं मुड़'।

6. जब आखिरी कम्पनी बाएं मुड़ती है तो बटालियन कमाण्डर 'बटालियन, दाहिने सज' का आदेश देगा इस आदेश पर कम्पनी हवलदार मेजर एक साथ दायें मुड़ेंगे, पांच कदम चलेंगे, थम जाएंगे और पीछे मुड़ेंगे और अपनी ड्रेसिंग करेंगे और सब कार्रवाई एक साथ करेंगे। उसके पश्चात अपनी-अपनी कम्पनी की ड्रेसिंग करेंगे और अन्त में सामने से शुरू करते हुए 'सामने देख' का आदेश देंगे। यह कार्रवाई समाप्त होने पर सब कम्पनी हवलदार मेजर एक साथ आगे बढ़ेंगे, थम जाएंगे और दायें मुड़ेंगे।

मार्च पास्ट

7. बटालियन कमाण्डर आदेश देगा 'बटालियन, कम्पनियों में मंच से गुजरेंगी'। अगली कम्पनी का कम्पनी कमाण्डर आदेश देगा 'नं. --- कम्पनी, दाहिने से, तेज चल' शेष कम्पनियां पूरे कालम फासले पर बारी-बारी आगे बढ़ेंगी।

8. स्थान 'स', 'द' (सैल्यूट वाले स्थान) में गुजरते समय कम्पनी कमाण्डर 'दाहिने देख' और 'सामने देख' का आदेश देगा। प्लाटून कमाण्डर, कम्पनी कमाण्डर से समय लेगा।

बटालियन कमाण्डर, द्वितीय कमान अफसर, एडज्यूटेन्ट और सूबेदार मेजर अलग-अलग सैल्यूट करेंगे।

9. निरीक्षण रेखा पर वापिस आना

यदि बटालियन को निरीक्षण लाइन (रेखा) पर अपनी पहले की पोजीशन पर फिर से खड़ा होना हो, तो उसे 'दाहिने से बारी-बारी तीनों-तीन की कालम में आगे' बढ़ का आदेश दे कर उन्हें तीनों तीन के कालम में लाया जाएगा। पाईंट 'फ' और 'ज' पर दो बार घूमने के पश्चात कम्पनियाँ अपनी पहले की स्थिति में आकर रुक जाएंगी, बाएं मुड़ेंगी और खुली लाइन में चलेगी।

खण्ड 15

119. कूच कालम में मार्च पास्ट करना

पोजीशन में होना

1. निकट लाइन चल
2. कंधे शस्त्र

3. कूच कालम में दाहिने चल, बटालियन दाहिने मुड़ अफसर, परिशिष्ट 'ङ' में दिए अनुसार पोजीशन में खड़े रहेंगे।

4. मार्च पास्ट

बटालियन कमाण्डर आदेश देगा 'बटालियन कूच कालम में मंच से गुजरेगी' अगली कम्पनी का कम्पनी कमाण्डर आदेश देगा 'नं. --- कम्पनी बाएं से तेज चल' इसके बाद शेष कंपनियां 10 कदम चलने के बाद बारी-बारी आगे बढ़ेगी।

5. कम्पनियां पाइंट 'झ' और 'अ' पर घूम करेंगी और उसके बाद दायें से ड्रेसिंग करेंगी।

6. कम्पनी कमाण्डर पाइंट 'स' और 'द' पर अकेला ही सैल्यूट करेगा।

7. प्रत्येक कम्पनी कमाण्डर क्रमशः पाइंट 'स' और 'द' पर पहुंचने पर अपनी-अपनी प्लाटून को स्वेच्छा से आदेश देंगे।

8. यदि अफसरों ने तलवार न पहनी हो तो सब, कम्पनी कमाण्डर से समय ले कर हाथ से ही सैल्यूट करेंगे।

9. निरीक्षण रेखा पर वापस खड़ा होना

पोजीशन में आना

यदि बटालियन को निरीक्षण रेखा पर अपनी पहले वाली पोजीशन में पुनः खड़ा होना हो तो वह पाइंट 'फ' और 'ज' पर दो बार घूमेगी और उसके बाद बटालियन अपनी पहले वाली पोजीशन में खड़ी होगी, थम जाएगी, बाएं मुड़ेगी और खुली लाइन चलेगी।

खण्ड 16

120. तेज चाल में प्लाटून वार मार्च-पास्ट करना

1. निकट लाइन चल
2. कंधे शस्त्र
3. प्लाटून थम कर दाहिने बन

4. 'तेज चल' 'प्लाटून बाएं सज' 'प्लाटून सामने देख'

5. बटालियन तेज चाल में मंच से गुजरेगी 'बाएं से तेज चल'

6. 'बाएं दिशा बदल'

पाइंट 'झ' पर पहुंचने पर बटालियन कमाण्डर यह आदेश देगा। प्लाटून कमाण्डर अपनी प्लाटूनों को घुमाएंगे। कंपनी कमाण्डर कोई आदेश नहीं देगा। बटालियन 'ब' पाइंट के सामने पासिंग लाइन पर दिशा बदलेगी।

7.मार्च पास्ट

अफसर पाइंट 'स' और 'द' पर आने पर सैल्यूट आरंभ करेंगे और वहीं खत्म करेंगे। प्लाटून कमाण्डर पाइंट 'स' और 'द' पर 'दाहिने देख सामने देख' आदेश देंगे।

8. निरीक्षण रेखा पर वापिस खड़ा होना

बटालियन पाइंट 'प' और फिर पायंट 'ज' पर दिशा बदलेंगी, यानी घूमेंगी। जब कम्पनी की अगली प्लाटून की बायीं पंक्ति उस स्थान पर पहुंच जाए जहां वह लाइन में खड़ी थी तो कम्पनी कमाण्डर अपनी कम्पनी को 'कदम ताल' करने का आदेश देगा।

'प्लाटून थम बाएं बन'

'आगे बढ़' 'मध्य सज' 'सामने देख'

खण्ड 17

121. धीरे चाल में प्लाटून वार मार्च पास्ट करना

यदि तेज चाल में मार्च पास्ट करने से पहले धीरे चाल में मार्च पास्ट कराना चाहें तो निम्नलिखित प्रक्रिया अपनायी जाए :

पोजीशन में होना वैसे ही जैसे खण्ड 16 (1) से (6) तक में दी गई है, किन्तु अन्तर केवल यह है कि, पाइंट 'झ' से कुछ और आगे पाइंट पर पहली बार घूमा जाएगा। अर्थात् उस पाइंट से जहाँ से बटालियन की अंतिम प्लाटून ने पाइंट 'झ' पार कर लिया हो। बटालियन दूसरी बार तब घूमेगी जब अगली प्लाटून सैल्यूटिंग बेस के साथ लाइन में पाइंट पर पहुंचेगी। जब समस्त बटालियन घूम जाए तो पाइंट 'अ' पर 'थम' का आदेश दिया जाएगा।

मार्च पास्ट

1. प्लाटून दाहिने सज

2. प्लाटून सामने देख

3. बटालियन कमाण्डर आदेश देगा

'बटालियन धीरे चल में मंच से गुजरेगी, दाहिने से धीरे चल'।

4. जब बटालियन नं. 1 की प्लाटून पाइंट 'ब' के निकट हो, तो बटालियन कमाण्डर आदेश देगा, 'बटालियन बारी-बारी खुली लाइन चल' । इसके बाद प्रत्येक प्लाटून पाइंट 'ब' के निकट यही कार्रवाई करते हुए आगे बढ़ेगी।

5. अफसर पाइंट 'स' और 'द' पर आने पर सैल्यट आरंभ करके समाप्त करेंगे और पाइंट 'स' और 'द' पर प्लाटून कमाण्डर 'दाहिने देख' और 'सामने देख' का आदेश देंगे।

6. जब सभी प्लाटूनें सैल्यूटिंग बेस से गुजर जाएं और पाइंट 'द' और 'प' के बीच में हो तो बटालियन कमाण्डर 'बारी-बारी निकट लाइन चल' का आदेश देगा जिस स्थान से नं. 1 प्लाटून निकट लाइन चलेगी, वहां से सभी प्लाटूनें निकट लाइन चलेंगी और मार्च करती रहेंगी।

7. जैसे ही प्लाटूनें निकट लाइन में हों वैसे ही बटालियन कमाण्डर आदेश देगा, 'तेज चाल में आ, तेज चल' और उसके बाद आदेश देगा, 'बारी-बारी तीनों-तीन कालम में दाहिने से आगे बढ़'।

8. पाइंट 'फ', 'ज' और 'झ' पर बटालियन तीन बार बाएं से घूमेगी। जब कालम पाइंट 'अ' के निकट पहुंचने वाला हो तो बटालियन कमाण्डर आदेश देगा, 'बाएं दिशा प्लाटून के कालम में आगे बढ़'। उसके बाद प्लाटून तेज चाल में मार्च पास्ट करेंगी और निरीक्षण रेखा पर आकर पुनः खड़ी होगी।

टिप्पणी :- जब प्लाटून धीमें चाल में मार्च कर रही हो तो 'खुली और निकट लाइन चल' आदेश होने पर निम्नलिखित कार्रवाई करेगी :-

तीन रैंक में धीरे चाल में चलते समय 'खुली लाइन' का आदेश होने पर पीछे वाले रैंक चार कदम ताल करेगी, बीच वाली रैंक दो कदम ताल करेगी और फिर आगे बढ़ेगी और आगे वाली रैंक आगे बढ़ती रहेगी 'निकट लाइन' का आदेश होने पर आगे वाली रैंक चार कदम ताल करके पांचवें कदम से आगे बढ़ेगी, बीच वाली रैंक दो कदम ताल करके तीसरे कदम से पूरी तेजी से आगे बढ़ेगी।

खण्ड 18

122. समीक्षा क्रम में आगे बढ़ना

1. यदि परेड के अन्त में यूनिट को समीक्षा क्रम में आगे बढ़ना हो तो यूनिट सामान्यतः निरीक्षण रेखा पर उसी फार्मेशन में खड़ी होगी जिसमें वह समीक्षा अफसर की अगवानी के समय खड़ी हुई थी, बैंड बीच में पीछे की ओर होगा।

2. ब्योरेवार प्रक्रिया निम्नलिखित होगी :

खुली लाइन चल

मध्य सज, सामने देख

समीक्षा क्रम से, मध्य से, तेज चल।

3. यूनिट मध्य से 15 कदम चलेगी, बैंड और ड्रम रोल के बिना बजेंगे। धुन जब साढ़े सात बज चुके तो बैंड और ड्रम बजने बंद हो जाएंगे और समस्त परेड स्वतः ही थम जाएगी तब परेड को उसी प्रकार सैल्यूट करने का आदेश दिया जाएगा जैसा कि समीक्षा या निरीक्षण अफसर की अगवानी के समय दिया गया था, इसके बाद इसे बाजू शस्त्र का निर्देश दिया जाएगा और यह अगले आदेशों की प्रतीक्षा करेगी।

'परिशिष्ट क'

समीक्षा के लिए लाइन फार्मेशन में अफसरों और जवानों की जगह

(क) परेड कमाण्डर, बटालियन की मध्य पंक्ति के सामने 20 कदम के फासले पर होगा।

(ख) द्वितीय कमान अफसर झण्डा (कलर) के मध्य के सामने 10 कदम के फासले पर होगा।

(ग) एडज्यूटेंट, नं. 2 कंपनी के बाएं गाइड के सामने 10 कदम के फासले पर होगा।

(घ) कम्पनी कमाण्डर अपनी-अपनी कम्पनियों के मध्य के सामने 6 कदम की दूरी पर होंगे।

(ङ) प्लाटून कमाण्डर अपनी-अपनी प्लाटूनों के मध्य के सामने तीन कदम की दूरी पर होंगे।

(च) सूबेदार मेजर नं. 3 कंपनी के दाएं गाइड के सामने 10 कदम की दूरी पर होंगे।

(छ) सी.एच.एम. अपनी कम्पनी की दायी ओर की प्लाटून के दायें गाइड के रूप में परेड करेंगे।

(ज) सी.एच.एम.क्यू. अपनी-अपनी कम्पनी की बायीं ओर की प्लाटून के बाएं गाइड के रूप में परेड करेंगे।

(झ) हवलदार और अन्य सभी एन.सी.ओ. अपनी प्लाटूनों के साथ रैंक में खड़े होंगे। प्लाटून हवलदार अपनी प्लाटून के दायीं ओर के व्यक्ति के रूप में परेड करेंगे।

(ण्-) प्लाटूनों के बीच तीन कदम का और कम्पनियों के बीच पांच कदम का फासला होगा।

(ट) झण्डा पार्टी और दोनों ओर की कम्पनियों के बीच तीन कदम का फासला होगा।

(ठ) जहां तक संभव हो कम्पनियों को बराबर-बराबर किया जाएगा। बटालियन का मुख्यालय परेड की चारों कम्पनियों में शामिल होगा।

(ङ) बैंड मध्य पंक्ति के पीछे 8 कदम के फासले पर होगा।

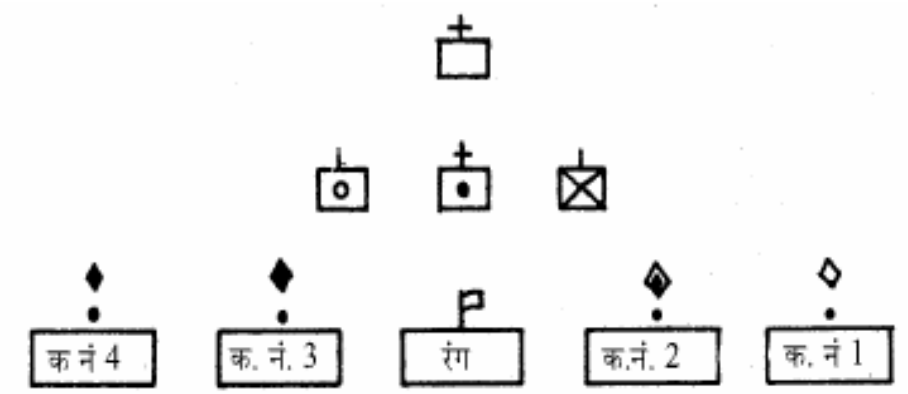

संकेत	संकेत शब्द
	परेड कमांडर
	सेकण्ड इन कमांडर
	एडजूटेंट
	सूबेदार मेजर
	कपनी कमांडर
	प्लाटून कमांडर
	क. ह. मेजर
	क. कवा. कमांडर हवल.

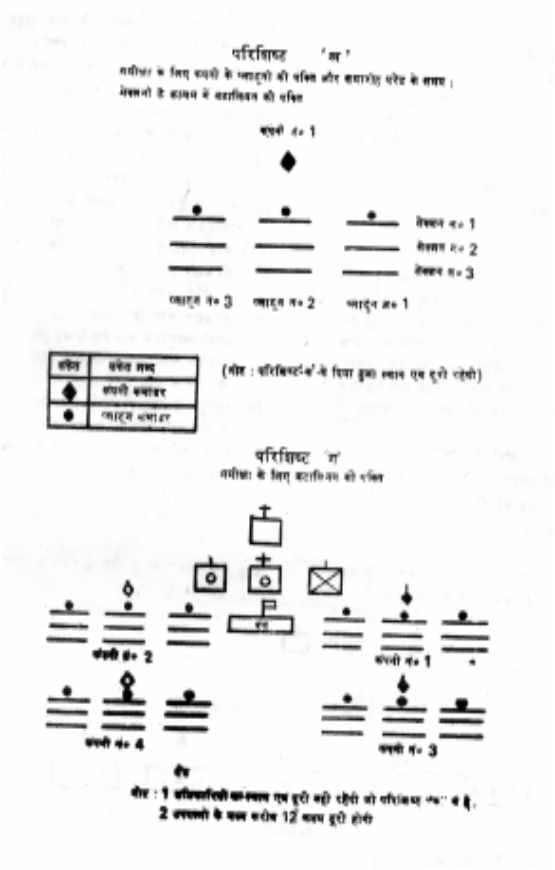

परिशिष्ट

परिशिष्ट

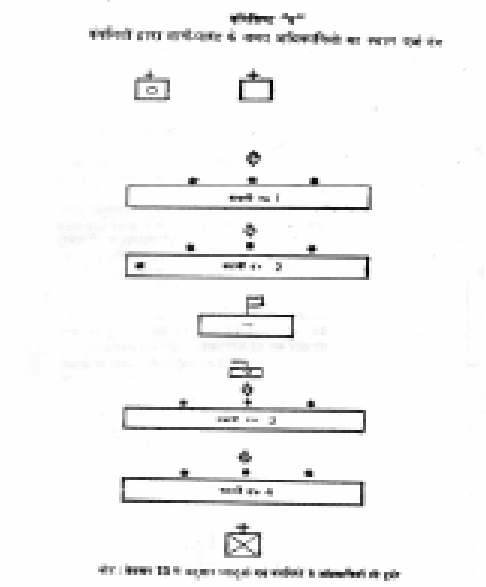

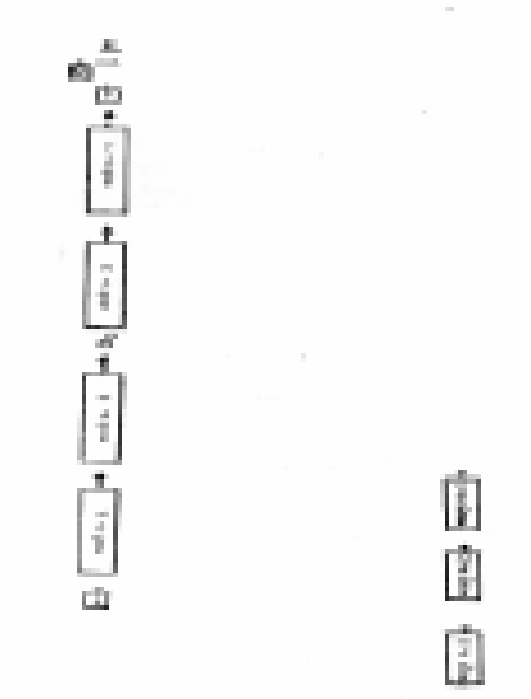

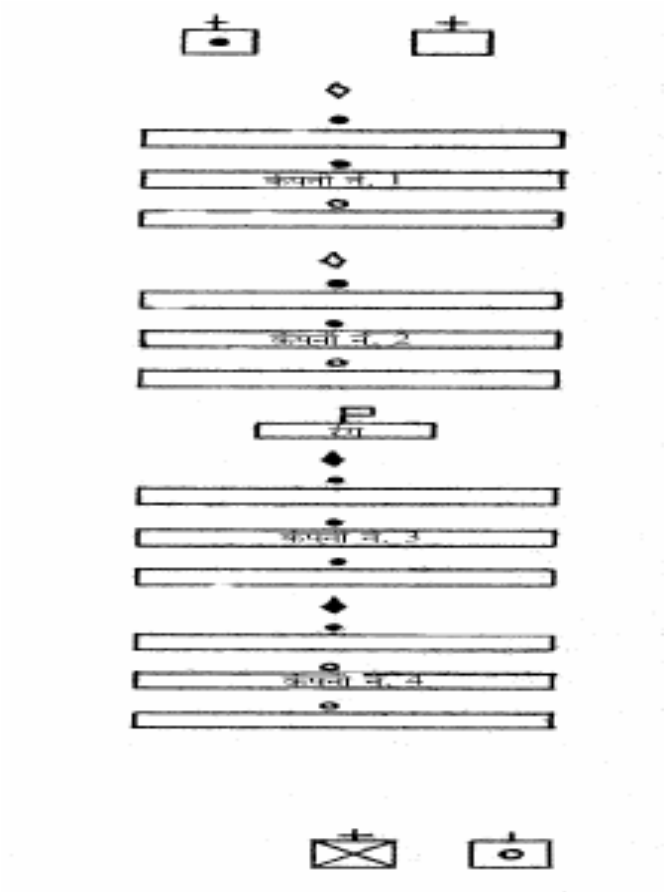
केबी नं. 1
केबी नं. 2
केबी नं. 3
केबी नं. 4

'परिशिष्ट ङ'

कूच कालम में अफसरों की पोजीशन और झण्डा

(क) परेड कमाण्डर आगे वाले तीनों जवानों से 20 कदम आगे होगा।

(ख) द्वितीय कमान अफसर पिछली कम्पनी के पिछले तीनों जवानों के दाहिने हाथ के जवान से दस कदम पीछे होगा।

(ग) एडज्यूटेन्ट, परेड कमाण्डर के बाएं को पांच कदम पीछे होगा।

(घ) सभी फार्मेशनों में कम्पनी कमाण्डर अपनी कम्पनी के आगे, मध्य वाले जवान के सामने 6 कदम के फासले पर होगा।

(ङ) सभी फार्मेशनों में प्लाटून कमाण्डर अपनी अपनी प्लाटूनों के मध्य वाले जवान के सामने तीन कदम की दूरी पर होगा। तीनों प्लाटून कमाण्डर अपनी-अपनी कम्पनी के आगे 3 कदम की दूरी पर भी मार्च कर सकते हैं। ऐसा उस स्थिति में किया जाएगा जब कंपनी की सभी प्लाटूनें आपस में (अर्थात् प्लाटूनों के बीच) कोई फासला रखे बिना एक सी हो जाएं, और उस स्थिति में कम्पनी कमाण्डर सैल्यूटिंग बेस के निकट कंपनी को 'दाहिने देख' और सामने देख का आदेश देगा। किन्तु रूट मार्च को छोड़कर यह सामन्यतः नहीं किया जाएगा।

(च) सूबेदार मेजर आगे वाली कम्पनी के सामने 10 कदम के फासले पर होगा और परेड कमाण्डर को कवर करेगा।

(छ) झण्डा निशान नं. 2 कम्पनी के पीछे होगा।

(ज) कम्पनियों के बीच लगभग 10 कदम का फासला होगा।

कूच कालम में कम्पनी के अफसरों की पोजीशन

'परिशिष्ट च'

प्लाटूनों में मार्च पास्ट करते हुए अफसरों और जवानों की स्थिति

(क) परेड कमाण्डर आगे वाली प्लाटून के आगे आधे दाहिनी ओर 20 कदम की दूरी पर होगा।

(ख) द्वितीय कमान अफसर आगे वाली प्लाटून के आगे आधे बायीं ओर 20 कदम की दूरी पर होगा।

(ग) एडज्यूटेन्ट बटालियन की पिछली प्लाटून के मध्य जवान के पीछे 10 कदम की दूरी पर होगा।

(घ) कम्पनी कमाण्डर अपनी-अपनी कम्पनी की आगे वाली प्लाटून के आगे 6 कदम के फासले पर होगा।

(ङ) प्लाटून कमाण्डर अपनी प्लाटून के मध्य वाले जवान के आगे 3 कदम के फासले पर होगा।

(च) सूबेदार मेजर एडज्यूटेंट की दाहिनी ओर होगा और पिछली प्लाटून की दाहिनी ओर के जवान को कवर करेगा।

(छ) झंडा और झंडा पार्टी नं. 2 कम्पनी के पीछे वाली प्लाटून के पीछे होगी।

'परिशिष्ट छ'

समारोह के अवसर पर तैयार की जाने वाली वर्दी संबंधी मार्गदर्शन

विभिन्न परेड समारोह और अन्य समारोह के अवसरों में भाग लेने वाले के लिए समारोह वर्दी पहननी होती है। ऐसे अवसरों के लिए तैयार की जाने वाली वर्दी के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए :-

(क) टोपी/पगड़ी :-

1. सिर की टोपी (पीक कैप)/(बैरेट कैप) समारोह पगड़ी ढीला नहीं होनी चाहिए। यदि वह ढीला है तो उसके अन्दर उचित मात्रा में कपड़ा आदि लगाया जाए ताकि वह सिर पर पूरी तरह से जम जाए।

2. उसके ऊपर किसी भी प्रकार का धब्बा या मैलापन न हो। वह बिलकुल साफ-सुथरी दीखे।

3. धातु व चमड़े के सभी भाग भाग सही प्रकार से पोलिश किए हुए हों।

4. बैज टोपी/पगड़ी के मध्य में ठीक प्रकार से जमाया हुआ होना चाहिए।

(ख) कमीज

1. परेड के अवसर पर पहनी जाने वाली कमीज साफ-सुथरी व खाकी रंग की हो।

2. कमीज की बाहें ठीक प्रकार से मोड़ी हुई हों जिनका मोड़ चार अंगुलियों को आपस में मिलाने के बाद बनी चौड़ाई के बराबर होना चाहिए।

3. कमीज की बाहों की लम्बाई को इस प्रकार से मोड़ा जाए कि वह एक मोड़ में दिखाई दे। बांह पर दूसरे मोड़ दिखाई न दें।

4. कमीज के सभी बटन नए होने चाहिए तथा धुलने व प्रेस आदि के कारण खराब व टूटे नहीं होने चाहिए।

5. 'फारमेशन' (विचरन) चिह्न को इस प्रकार से लगाया जाना चाहिए कि चिह्न के ऊपर का सिरा कंधे की सिलाई से 4 अंगुल नीचे की तरफ रहे।

6. कंधे के चिह्न कंधे की सिलाई व विचरन चिह्न के बीच में होनी चाहिए तथा बाहर का कितना विचरन चिह्न के बराबर में होना चाहिए।

7. नाम पट्टिका दाएं हाथ की जेब की सिलाई के ऊपर बीच के हिस्से पर लगी होनी चाहिए।

8. पेटी के वक्कल का दायां किनारा कमीज की बाहरी सिलाई का हिस्सा तथा पेंट की सिलाई सभी एक सीधी लाइन में आने चाहिए।

9. कमीज पर लगे सभी मैडल सही प्रकार से पोलिश किए हुएहों और यह भी देंखे कि उस पोलिश का धब्बा कमीज पर न लगा हो।

(ग) कास पेटी/पेटी

1. चमड़े की धातु का भाग सही प्रकार से पोलिश किया हुआ होना चाहिए।

2. पेटी सही प्रकार से कसी हुई होनी चाहिए। वह न तो बहुत कसी न बहुत ढीली हो।

3. पेटी की लम्बाई बिलकुल सही व नापी हुई होनी चाहिए उसका कोई अतिरिक्त भाग बाहर न दीखे।

(घ) पेंट

1. पेंट की लम्बाई इतनी हो कि सावधान की मुद्रा में खड़ा होने पर बूट के फीते नहीं दीखने चाहिए।

2. परेड के लिए जाने से पहले पहनी गई पेंट को पहनने के बाद नीचे न बैठे जिसके कारण अनावश्यक मोड़ (क्रिच) न बनने पाएं।

3. पेंट की नीचे की मोहरी का माप 16 से 18 इंच का होना चाहिए।

(ङ) जूते

1. जूते पूरी तरह से पोलिश किए हुए हों और पोलिश का कालापन दीखना नहीं चाहिए।

2. फीते नए होने चाहिए, मुड़े हुए नहीं।

3. फीते कस कर बंधे हों तथा जूते के छेद बराबर मिले हों व ढीले न हों।

4. खाकी जुराबें पहनी जानी चाहिए। और उनकी ऊंचाई भी उपयुक्त होनी चाहिए ताकि यदि पेंट बूट के ऊपर भी हो जाए तो जुराब दीखनी चाहिए।

(च) सामान्य

1. सभी के बाल सही प्रकार से कटे हुए हों। दाढ़ी बनी हुई हों व मूछों की कटाई सही प्रकार से हुई होनी चाहिए।

2. परेड में न तो रंगीन न ही काले चश्मे की अनुमति होगी।

3. परेड के दौरान हाथ की घड़ी न पहनी हो और अनावश्यक जेवर आदि को भी न पहना जाए।

4. जहां तक संभव हो डोरी नई होनी चाहिए, फीके रंग की नहीं होनी चाहिए।

अध्याय - 17
गार्ड और सन्तरी

सामान्य

1. इस अध्याय का उद्देश्य एक ऐसा साधारण दैनिक कार्यक्रम निर्धारित करना है जिससे गारद और सन्तरियों के बीच कार्यग्रहण करने और मुक्त होने की कार्रवाई को सुनिश्चित किया जा सके। यहां पुलिस बल द्वारा सेरिमोनियल अवसरों पर अपनाये जाने वाले सामान्य तरीके का उल्लेख किया गया है और यहां संभव हो, इसे अपनाया जा सकता है।

2. गार्ड दो प्रकार के होते हैं जिनके उद्देश्य और कार्य बिल्कुल भिन्न होते हैं। एक को समारोह (सेरिमोनियल) गारद और दूसरे को सामरिक गारद कहते है।

3. इन दो प्रकार के गारदों के उद्देश्यों का बाद के पैरों में उल्लेख किया गया है। किए जाने वाले कार्यों को ध्यान में रखते हुए किस प्रकार गारद की स्थापना की जाए इसका निर्णय जिला या यूनिट के प्रभारी अफसर करेंगे।

समारोह गारद (सरिमोनियल गारद)

4. समारोह गारद से निम्नलिखित में से किसी भी प्रयोजन के लिए आरोहण के लिए कहा जा सकता है :

1. जवानों को समारोह कवायद में व्यायाम करवाना और उनमें सर्वोच्च कोटि की चुस्ती, सफाई, अनुशासन की भावना

भरना और उनमें ''बल के प्रति गौरव'' की भावना प्रोत्साहित करना।

2. उच्च अफसरों या अन्य विशिष्ट व्यक्तियों का तूर्यनाद (रिवेली) और रिट्रीट के बीच अभिनंदन करना।

5. समारोह औपाचरिक गारद केवल तूर्यनाद (रिवेली) और रिट्रीट के बीच के समय में तैनात किया जाएगा। समारोह समाप्ति पर या रिट्रीट के समय समारोह गारद तत्काल सामरिक गारद की और सामरिक गारद, आपैचारिक गारद की ड्यूटी ले सकते हैं।

6. समारोह गारद को सदा जिला और यूनिट के गौरव का प्रतीक माना जाता है। इसकी कवायद चुस्ती और कौशल सर्वोच्च कोटि का होता है।

सामरिक गार्ड

7. सामारिक गारद का उद्देश्य जिला के प्रभारी अफसर द्वारा निर्धारित किसी भी प्रकार का सुरक्षात्मक कार्य करना है। ऐसे कार्यों में सरकारी इमारतों, शस्त्रागार, बारूद घर, खजाने की रक्षा करना, बन्दियों की सुरक्षा और अनधिकृत व्यक्तियों को वर्जित क्षेत्रों में प्रवेश करने से रोकना शामिल है।

8. सामरिक गारद, समारोह गारद (सेरिमोनियल गार्ड) की तरह तूर्यनाद (रिवेली) और रिट्रीट के बीच अभिनन्दन करेंगे किन्तु रात में जब तक उन्हें राउंड द्वारा इन्स्पेक्शन के लिए खड़े होने का आदेश न दिया जाए, तब तक वे केवल संकट सूचना देने के लिए खड़े रहेंगे।

9. सामरिक गारद को सामरिक दृष्टि से महत्व रखने वाले मोर्चे पर तैनात किया जाएगा ताकि वह अपना कार्य सही ढंग से निष्पादित कर सके। उन्होंने ऐसी तैनाती की व्यवस्था करते समय कनिष्ठ हवलदारों को सामरिक दृष्टि से प्रशिक्षित करने तथा उनमें पहल शक्ति विकसित करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। सामरिक गारद के प्रत्येक सदस्य को संकट सूचना (स्टेन्ड टू) पोजीशन और वैकल्पिक पोजीशन बताई जाएगी।

10. यह समझ लिया जाए कि सामारिक गारद उस समय दक्षता पूर्वक कार्य करता हुआ माना जाएगा जब उसकी सामरिकता न दिखाई दे और न सुनाई दे। गारद कक्षों में संतरी सुरक्षित होंगे किन्तु उनका अचानक होने वाले धावें और ग्रेनेड से बचाव होना चाहिए। इसी वजह से सामरिक मोर्चे को हर समय की जाने वाली कवायद के रूप में शामिल करने का इरादा नहीं है, और न ही यह इरादा है कि सामरिक मोर्चे को उन प्रदर्शन के बराबर मान लिया जाए जो औपचारिक गार्ड किसी अतिथि अफसर के समक्ष करता है।

11. होशियार (स्टैंड टू) की पोजीशन में कोई भी सामरिक गारद अभिनन्दन नहीं करेगा। किन्तु यदि संतरी सामरिक मोर्चे पर रहें तो कोई सामरिक गारद अपने संतरियों के बिना राउंड में निरीक्षण के लिए पंक्ति में खड़ा हो सकता है, उस समय उपयुक्त अभिनंदन किया जा सकता है।

खण्ड--1

123. परिभाषाएं --

1. ''गारद'' स्थानों या व्यक्तियों की सुरक्षा करने वाले व्यक्तियों का समूह है।

2. ''ड्यूटीगार्ड'' कवार्टर गार्ड कार्मिकों के अतिरिक्त ऐसे गारद और पिकेट हैं जिनका विभिन्न तैनातियों के लिए मार्च करवाने से पहले आर्डरली अफसर द्वारा निरीक्षण किया जाता है।

3. ''संतरी'' गारद की श्रेणी के उन सिपाहियों को कहते हैं जिन्हें विभिन्न स्थानों पर ड्यूटी पर तैनात किया जाता है।

4. ''संतरी का परिसरण क्षेत्र'' उस हलके को कहते हैं जिस पर उसे गश्त लगानी होती है।

5. संतरी की चौकी (पोस्ट) वह स्थान है जहां वह तैनात होता है।

6. ''बदली'' (रिलीफ) वे संतरी हैं जिन्हें एक ही समय में संतरी के विभिन्न पदों पर तैनात किया जाता है या जिन्हें पहले से ड़यूटी पर मौजूद संतरियों को कार्यमुक्त करने के लिए लगाया जाता है।

7. ''बड़ा मुआइना'' तब होता है जब पुलिस अधीक्षक, निरीक्षण ड्यूटी पर हो और उसके द्वारा इसी प्रयोजन के लिए तैनात कोई राजपत्रित अफसर भी निरीक्षण ड्यूटी पर हो।

8. छोटा मुआयना -- तब होता है जब अराजपत्रित इसी प्रकार की कार्रवाई करें।

9. ''अलार्म चौकी'' ऐसी पोस्टें हैं जो गारद चारों और रात्रि के समय उसकी सुरक्षा के लिए बनाई जाती हैं।

10. ''वैकल्पिक चौकियां''--(आल्टरनेटिव पोस्ट) अलार्म पोस्ट जैसी ही होती है। इनमें गारद और संतरी तब रहते हैं जब उन्हें एक ही रात में दूसरी बार ''होशियार'' (स्टैंन्ड टू) का आदेश दिया जाए।

11. ''लाइन बनाना'' : लाइन बनाने के लिए गार्ड दौड़ चाल से लाइन बनाते हैं और कंधे शस्त्र करते हैं। बिगुलची गारद कमाण्डर के दो कदम दाहिने होता है और संतरी बिगूलची के एक कदम दाहिने होता है। यह आदेश सामान्यतः तूर्यनाद (रिवेली) और रिट्रीट के बीच दिया जाता है।

12. ''गारद होशियार'' का आदेश गारद को रात के समय (रिट्रीट और रिवेली के बीच) दिया जाता है जब वे अलार्म चौंकी पर अपनी पोजीशन ले लेते हैं।

13. ''हट जाएं'' (स्टैंड डाउन) का आदेश गारद को रात में राउंड का निरीक्षण होने के पश्चात दिया जाता है ताकि वह अलार्म चौकी से हट जाएं।

14. बिगुल की आवाज--

(क) रिवेली- बिगुल की वह आवाज है जो प्रातः काल क्वार्टर गारद में झंडा फहराते समय लगाई जाती है।

(ख) ''रिट्रीट'' बिगुल की वह आवाज है जो सूरज ढलते समय क्वार्टर गारद पर झंडा उतारते समय लगाई जाती है।

(ग) बिगुल पहली पोस्ट, बिगुल आखिरी पोस्ट ये रात 9.30 बजे और 10 बजे बजाई जाती है।

पहली चौंकी के जवानों को यह सूचित करने के लिए बजाया जाता है कि अब दिन का कार्य समाप्त होने का समय हो गया अतः बैरक में वापस जाओ। आखिरी पोस्ट के लिए बिगुल बजाने के बाद ड्यूटी पर मौजूद हवलदार बैरक में जाकर यह देखता है कि सब जवान बिस्तर में हैं या नहीं तथा कोई अनुपस्थित तो नहीं है।

खण्ड--2

124. गारद-आरोहण

(कृपया ध्यान दें ब्यौरा एक साथ है और अभ्युक्ति निर्देश सामने की जगह उसके नीचे हैं आप उठाकर सैटिंग कर सकते हैं) ----------:

ब्यौरा--

1. गारद के आरोहण का समय

2. गारद की वर्दी

3. **स्टिक अर्दली :** समारोह गारद में एक अतिरिक्त गारद नियुक्त किया जाएगा और फिर सबसे साफ वर्दी वाले गार्ड को गारद की ड्यूटी से मुक्त कर दिया जाएगा। इस प्रकार मुक्त किए गारद को स्टिक अर्दली कहा जाएगा। उसकी ड्यूटी होगी कमान्डेन्ट या स्टेशन के किसी वरिष्ठ अफसर के कार्यालय में आदेशों की प्रतीक्षा करना, अर्थात् ''रनर'' की ड्यूटी सम्हालना।

4. परेड करना : ''गारद की परेड'' की बिगुल की आवाज पर (जो कि गारद-आरोहण के समय से आधा घंटा पहले बजाया जाता है) गार्ड के लिए चुने गए जवान आरोहण के लिए तैयार हो जाएंगे।

गार्ड आरोहण के लिए क्वार्टर काल पर (जो कि गार्ड के आरोहण के समय से पन्द्रह मिनट पहले लगाई जाती है) ड्यूटी एनसीओ गारदों की परेड करवाएगा और लाइन में खड़ा कर उनका निरीक्षण करेगा।

इसके बाद लाइन बना की आवाज लगने से पांच मिनट पहले वह गारदों को परेड ग्राउंड में ले जाएगा और फिर उन्हें निम्नलिखित ढंग से ड्यूटी अफसर को सौंप देगा--

(क) गारद परेड पर --

गारद, ड्यूटी एनसीओ के दो कदम सामने पहले सावधान की स्थिति में होंगे फिर आगे बढ़ कर दो रैकों में खुली लाइन में विश्राम की हालत में खड़े हो जाएंगे। तब ड्यूटी एनसीओ गारद से, सुविधाजनक फासले पर, जैसे कि बारह कदम की दूरी पर गारद के सामने मुंह करके खड़ा हो जाएगा।

(ख) ''गारद सावधान''-

(ग) ''गारद संगीन लगाएगा-संगीन लगा, सावधान''

(घ) ''गारद दाहिने सज-सामने देख''

(ङ) ''गारद संगीन उतारेगा-संगीन उतार-सावधान''

(च) ''निरीक्षण के लिये बाएं शस्त्र''

(छ) ''गारद जांच शस्त्र ''

(ज) ''बोल्ट चला''

(झ) ''बाजू शस्त्र''

(.ञ।) ''विश्राम''

अर्दली अफसर के आने पर, ड्यूटी एनसीओ गारद को सावधान करेगा, कन्धे शस्त्र करवाएगा और अर्दली अफसर की ओर मार्च करेगा और उसके सामने दो कदम की दूरी पर रुकेगा, उसे सैल्यूट करेगा और सूचित करेगा, ''श्रीमान गारद निरीक्षण के लिए तैयार है।'' इसके बाद अर्दली अफसर आदेश देगा, ''ड्यूटी एनसीओ जगह लो''। इस पर ड्यूटी एनसीओ सैल्यूट करेगा, मुड़ेगा और मार्च करके बिगुलची के दायें अपने मूल स्थान पर वापस जाएगा।

''लाइन बना की आवाज'' पर अर्दली अफसर, ''दर्शक'' कहेगा। गारद कमाण्डर अर्दली अफसर के सामने दो कदम के फासले पर आकर रुकेगा, बाजू शस्त्र करेगा और विश्राम की स्थित में खड़ा होगा।

''अर्दली अफसर के ड्यूटी परेड पर'' के कमाण्ड पर गारद दर्शक की ओर मार्च करेगा, बाजू शस्त्र करेगा और विश्राम की स्थिति में खड़ा हो जाएगा।

अर्दली अफसर गारद से सुविधाजनक फासले पर (20 या 30 कदम की दूरी पर) गारद के सामने मुंह करके खड़ा हो जाएगा।

5. प्रक्रिया :

अर्दली अफसर द्वारा कमाण्ड --

(क) ''गारद सावधान''

(ख) ''गारद संगीन लगाएगा, संगीन लगा, सावधान''

(ग) ''गारद दाहिने सज''

(घ) ''गारद गिनती कर''

यह आदेश मिलने पर अर्दली अफसर गारद का निरीक्षण करेगा। ड्यूटी एनसीओ समय पर पहुंचकर वहां उपस्थित होगा तथा गारद के सामने, उससे मुलाकात करेगा। वह अर्दली अफसर को सैल्यूट करेगा और निरीक्षण के दौरान उसके साथ रहेगा और अर्दली अफसर कोई रिमार्क दे, तो उसे नोट करेगा। निरीक्षण के बाद दोनों अपने मूल स्थान पर वापिस लौट आएंगे।

(ङ) ''गारद संगीन उतारेगा, सावधान, संगीन उतार'' --

(च) ''निरीक्षण के लिए बाएं शस्त्र''

अर्दली अफसर और ड्यूटी एनसीओ ऊपर (''क'' में) दिए अनुसार कार्रवाई करेंगे किन्तु शास्त्रों के निरीक्षण के पश्चात् दोनों गारद कमाण्डर की दायीं ओर पांच कदम के फासले पर जुड़ जाएंगे।

(छ) ''जांच शस्त्र''

शस्त्रों की जांच के पश्चात् दोनों अपने मूल स्थान पर वापिस लौट आएंगे ड्यूटी एनसीओ गारद के दायीं ओर पांच कदम के फासले पर होगा और अर्दली अफसर गारद के सामने 20 से 30 कदम के फासले पर होगा।

(ज) ''बोल्ट चला''

(झ) ''बाजू शस्त्र''

(ण) ''गारद संगीन लगाएगा'' संगीन लगा, सावधान,

इस समय स्टिक अर्दली चुना जाएगा और विसर्जित (डिसमिस) किया जाएगा।

(ट) ''नं. ---- सामने (पिछली) लाइन स्टिक अर्दली-विसर्जन''

(ठ) ''निकट लाइन चल''

(ठ) ''दाहिने सज''

(ढ) ''कंधे शस्त्र''

(ण) ''गारद कमाण्डर जगह लो''

यह आदेश प्राप्त होते ही गारद कमाण्डर एक कदम आगे बढ़कर सैल्यूट करेगा, गारद कमाण्डर दो कदम पीछे, बीच वाले गारद के सामने खड़ा होगा। इसी समय द्वितीय कमान अफसर 2 कदम आगे बढ़कर गारद कमाण्डर का स्थान ले लेगा। अर्दनी अफसर भी अपने बाएं पार्श्व में सुविधाजनक फासले पर हो जाएगा जहां से वह गारद द्वारा मार्च के दौरान दिए गए अभिनन्दन को स्वीकार कर सके।

गारद कमाण्डर द्वारा कमाण्ड--

(त) ''गारद दाहिने से तेज चल''--

(थ) ''दाहिने देख, सामने देख''--

गारद कमाण्डर गार्डों को ऐसे स्थान पर मार्च करवायेगा जहां वह पहले वाले गार्डों को कार्य मुक्त कर सकें।

-:----------

अभ्युक्ति (निर्देश) --

जिले के प्रभारी अफसर या यूनिट द्वारा निश्चित किया जाए।

--- यथोपरि---

जिला या यूनिट के प्रभारी अफसर के विवेक से समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

यह आवश्यक नहीं कि गारद के आरोहण का समय परेड ग्राउंड ही हो। प्रभारी अफसर के विवेक से यह स्थान परिवर्तित किया जा सकता है।

बिगुलची गारद कमाण्डर से दो कमद दायें और ड्यूटी एनसीओ पांच कदम के फासले पर होगा।

गारद कमाण्डर और द्वितीय कमान अफसर।

संगीन नहीं लगाएगा।

ड्यूटी एनसीओ स्वयं गारद को सजाएगा और उसके बाद सीधे गार्ड का निरीक्षण करेगा।

ड्यूटी एनसीओ शस्त्रों का निरीक्षण करेगा और अगला कमान दिए जाने से पहले गारद कमाण्डर की दाहिनी ओर पांच कदम की दूरी पर पंक्ति में खड़ा हो जाएगा।

शस्त्रों की जांच करने के पश्चात ड्यूटी एनसीओ अपने मूल स्थान पर वापस आ जाएगा।

ड्रिल के एक भाग के रूप में किया जाए

इसके बाद ड्यूटी एनसीओ बिगुलची से पांच कदम की दूरी पर दायें अपनी पोजीशन लेगा और ड्यूटी अफसर के आने की प्रतीक्षा करेगा।

गारद सदा ही खुली लाइन बनाएगा।

यदि गारद को किसी अफसर ने कमाण्ड दिया हो, तो वह मध्य से दो कदम सामने की ओर होगा और वरिष्ठ एनसीओ गारद से दायीं ओर होगा, यदि गारद को किसी एनसीओ ने कमाण्ड दी हो तो वह गारद के दायीं ओर होगा अगला वरिष्ठ एनसीओ (यदि कोई हो) पीछे वाली रैंक में होगा और वरिष्ठ एनसीओ का कवर करेगा।

गारद पर कमान करने वाले अफसर से दर्शक के रूप में कार्य करने के लिए नहीं कहा जाए। यदि एक से अधिक गारद हो तो पहले गारद को कमाण्ड देने वाला वरिष्ठ एनसीओ दर्शक होगा।

गारद कमाण्डर और द्वितीय कमान अफसर संगीन नहीं लगाएंगे। ड्यूटी एनसीओ गारद के बायीं ओर, मुड़कर उसे सजने के लिए कहेंगे। यह क्रिया पूरी होने पर वह सामने देख का आदेश देगा और अपने सामने मुड़ेगा।

गारद कमाण्डर और बिगुलची को छोड़ कर केवल अगली लाइन के जवान गिनती करेंगे।

ड्यूटी एनसीओ यहां अर्दली अफसर को सैल्यूट नहीं करेगा।

कवायद की हरकत के रूप में की जाएं।

गारद कमाण्डर और द्वितीय कमाण्डर अफसर संगीन नहीं लगाएंगे।

स्टिक अर्दली अगली या पिछली लाइन में अपनी पोजीशन के अनुसार एक कदम आगे या पीछे लेगा, सैल्यूट करेगा और फिर विसर्जित हो जाएगा।

ड्यूटी एनसीओ बाएं मुड़ेगा गारद को सजने के लिए कहेगा और उसके बाद वह गारद को ''सामने देख'' का आदेश देगा।

यदि गारदों को पूरे रास्ते गारद कक्ष तक दो लाइनों में या एक-एक लाइन में चलाना संभव न हो, तो उपयुक्त फार्मेशन अपनाई जा सकती हैं।

अर्दली अफसर पंक्ति छोड़ देगा। ड्यूटी एनसीओ और वह दोनों गारदों के परिवर्तन का पर्यवेक्षण करेंगे।

खण्ड-3

125. गारद को कार्यमुक्त करना, तैनाती करना और विसर्जित करना--

1. गार्ड के प्रवेश करते ही नया गारद लाइन में आगे बढ़कर पुराने गार्ड के सामने जाएगा और जहां भी संभव हो उसके 15 कदम सामने जाकर रूक जाएगा। यदि यह संभव न हो तो नया गारद के बाएं से छः कदम के फासले पर रूक जाएगा और सजेगा।

2. नए गारद के पहुंचने पर पुरानी गारद का कमाण्डर अपनी गारद को कंधे शस्त्र करवाने के बाद सज की कार्रवाई करवाएग। तब निम्नलिखित सैरिमोनियल कार्रवाई की जाएगी :

पु.गा.क. -- ''पुरानी गारद सलामी शस्त्र' (अफसर सैल्यूट)

न.गा.क. -- '' नई गारद सलामी शस्त्र''

पु.गा.क. -- ''पुरानी गारद कंधे शस्त्र''

न.गा.क. -- ''नई गारद कंधे शस्त्र''

पु.गा.क. -- '' पुरानी गारद बाजू शस्त्र''

न.गा.क. -- ''नई गारद बाजू शस्त्र''

पु.गा.क. -- '' पुरानी गारद विश्राम ''

न.गा.क. -- ''नई गारद विश्राम''

3. पुराने गारद कमाण्डर से समय लेते हुए दोनों गारद कमाण्डर सावधान होंगे, कंधे शस्त्र करेंगे, पांच कदम आगे बढ़ेंगे, रूकेंगे और अन्दर को आधे मुड़ेंगे तब पुरानी गारद कमाण्डर नीचे लिखे ढंग से अपने संतरियों की बदली के लिए कहेगा : एक संतरी दिन और एक (या दो) संतरी रात। नया गारद कमाण्डर भी यही दोहराए।

4. इसके बाद दोनों गारद कमाण्डर अपने-अपने गारदों की ओर जाते हैं, पुरानी गारद कमाण्डर अपने गारद के दांयी ओर और नयी गारद कमाण्डर अपने गारद के सामने खड़ा हो।

5. तब कमाण्डर अपनी नई गारद की गिनती करता है और निम्नलिखित ढंग से बदलियां करता है:

नई गारद सावधान (गारद की तरह गिनती कर) -- (दाहिने हाथ का जवान नं. 1 होगा, पिछली अगली रैंक के दायें हाथ का जवान नं. 2 होगा, अगली रैंक का नं. 2 जवान नं. 3 होगा, और उसकी पिछली रैंक का जवान नं. 4 होगा और इसी तरह से आगे होगा)।

नं. 1, नं. 2	पहली बदली
नं. 3, नं. 4	दूसरी बदली
नं. 5, नं. 6	तीसरी बदली

पहली बदली खड़ी रहेगी, विश्राम -- इस पर पहली बदली को छोड़कर शेष सभी विश्राम की स्थिति में होंगे।

पहली बदली कंधे शस्त्र - इस कमाण्ड पर दोनों पुरानी गारद कमाण्डर और पुराने संतरी कंधे शस्त्र करेंगे।

तेज चल थम बदली बन -- यदि पहली बदली में केवल चार तक की संख्या में संतरी हैं तो अपनी संख्या के अनुसार वे एक लाइन बनाएंगे।

6. जब नई गारद की पहली बदली भेजी जाए तो पुरानी गारद का द्वितीय कमान अफसर उसके साथ जाएगा ताकि भारमुक्त हुए संतरियों को लाया जा सके। ''बदली बन'' आदेश पर वह नई बदली के पहले संतरी के दायीं ओर खड़ा होगा। नई गारद का द्वितीय कमान अफसर बाएं खड़ा होगा। तब नई गारद का द्वितीय कमान अफसर आदेश देगा ''बदली एक फाइल में दाहिने चल-- दाहिने मुड़''। इसके बाद वह पीछे वाले संतरी के दायें खड़े हो कर आदेश देगा, ''बदली तेज चल''। तब पुरानी गारद का द्वितीय कमान अफसर बदली को संतरी की चौकी तक ले जाएगा और संतरी खण्ड 4 में दिए ढंग से बदले जाएंगे। जैसे ही सब संतरी कार्यमुक्त हो जाएं वैसे ही द्वितीय कमार अफसर स्थान में परिवर्तन करेंगे और पुरानी गार्ड को द्वितीय कमान अफसर आदेश देगा।

7. जब बदली मार्च कर रहा हो और संतरियों में परिवर्तन किए जा रहे हों तो नई गारद कमाण्डर मालसूची --बोर्ड की सूची के अनुसार गारद का सामान ले लेगा साथ ही दोनों गारद कमाण्डर चार्ज रिपोर्टो पर हस्ताक्षर करेंगे। यदि गारद में केवल एक हवलदार हो तो वही संतरियों के कार्यमुक्त होने के पश्चात् सामान आदि का चार्ज लेगा। इसके बाद गारद कमाण्डर चार्ज के परिवर्तन की सूचना अर्दली अफसर (यदि उपस्थित हो) को देंगे।

8. जब बदली वापस लौट जाएं और पुरानी और नई गारद के सभी जवान अपनी-अपनी गारद में लाइन में खड़े हो जाएं तो निम्नलिखित सेरिमोनियल होगा :

पु.गा.क. -- ''पुरानी गारद सावधान''

न.गा.क. -- ''नई गारद सावधान''

पु.गा.क. -- ''पुरानी गारद कंधे शस्त्र''

न.गा.क. -- ''नई गारद कंधे शस्त्र''

पु.गा.क. -- ''पुरानी गारद एक फाइल में दाहिने चल, दाहिने मुड़।

टिप्पणी : पुरानी गारद कमाण्डर लाइन में गारद के दांयी और पीछे वाले जवान के पास पोजीशन लेगा और द्वितीय कमान अफसर अपने स्थान पर खड़ा होगा।

पु.गा.क. -- ''पुरानी गारद तेज चल''

न.गा.क. -- ''नई गारद सलामी शस्त्र''

पु.गा.क. -- ''पुरानी गारद बाएं देख, सामने देख''

न.गा.क. -- ''नई गारद कंधे शस्त्र''

9. जब पुरानी गारद चली जाए तो नई गारद को मार्च करवा कर उस पोजीशन में लाया जाएगा जिसमें पहले पुरानी गारद थी चाहे वह फाइल में हो या एक फाइल में जैसा भी मामला हो और उसे लाइन बनाने और ''होशियार'' की पोजीशन के बारे में समझाया जाएगा फिर गारद को गारद कक्ष में विसर्जित किया जाएगा और गारद के लिए आदेश पढ़े जाएंगे। ये आदेश पहली बदली के जवानों को भी-जब वे संतरी के स्थान पर आएंगे-पढ़े और समझाए जाएंगे। गारद के विसर्जित करने के लिए आदेश शब्द होगा। ''संतरी खड़ा रहे, बाकी गारद रूम को विसर्जन''।

10. यदि गारद आरोहण के समय अभिनन्दन करना आवश्यक हो तो दोनों गारदों को वरिष्ठ अफसर या हवलदार कमान शब्द होगा।

11. पुरानी गारद को नई गारद की मूल पोजीशन पर मार्च करवाया जाएगा और हथियारों और गोला बारूद के निरीक्षण के बाद विसर्जित किया जाएगा।

खण्ड-4

126. संतरियों और बदलियों की तैनाती, उन्हें कार्यमुक्त करना, मार्च करवाना और विसर्जित करना --

संतरियों की तैनाती

1. यदि किसी संतरी की तैनाती ऐसी चौकीपर जहां कोई संतरी नहीं है, की जानी हो, तो जैसे ही वह निर्दिष्ट चौकी से कुछ पहले किसी पाइंट तक पहुंचे उसे ''थम'' किया जाए। इसके बाद संतरी अगले आदेश की प्रतीक्षा किए बिना कदम आगे बढ़ाएगा, थम करेगा। और अपनी निश्चित चौकी पर अपेक्षित दिशा में देखेगा। हवलदार (सामान्यतः कनिष्ठ हवलदार) तब उसे आदेश पढ़ कर सुनाएगा और समझाएगा कि किस उद्देश्य से उनकी तैनाती की गई है, उसकी चौकी के सामने की दिशा और हलके की सीमा के विषय में बताएगा।

बदल संतरी

2. बदली संतरी के पहुंचने पर, संतरी जो कि कंधे शस्त्र की अवस्था में होगा, संतरी के सामने जा कर खड़ा होगा। बदली वाला हवलदार बदली के संतरी से दो कदम की दूरी पर ''थम'' करेगा। तब नया संतरी, बदली के पास से हट कर, पुराने संतरी की बांयी ओर, उसी दिशा में मुंह करके खड़ा हो जाएगा। हवलदार नए संतरी को आदेश पढ़कर सुनाएगा और सुनिश्चित करेगा कि संतरी उन्हें समझ रहा है।

3. ''संतरी बदली करो''

पुराना संतरी बदली के पीछे अपने स्थान पर खड़ा होगा और नया संतरी उसके दांयी ओर दो कदम और निकट स्थान पर खड़ा होगा।

4. ''बदली तेज चल''

बदली से मार्च करवाई जाएगी। सभी संतरियों के बदल जाने के बाद, बदली को दोनों गारदों के बीच लाया जाएगा। तब वे पुरानी गारद कमाण्डर के आदेश पर लाइन तोड़कर अपनी-अपनी गारद में मिल जाएंगे।

खण्ड-5

127. गारद को दिन में निरीक्षण के लिए ''लाइन बन'' कराना

1. जब संतरी, निरीक्षण अफसर को वास्तव में क्वार्टर गारद में प्रवेश करते हुए देखे तो संतरी सावधान हो जाए, कंधे शस्त्र करे और ''गारद लाइन बना'' कहे।

गारद के सभी जवान दौड़कर निर्धारित लाइन पर आ कर खड़े हों।

2. जब निरीक्षण अफसर गारद के सामने आकर चौकी पर खड़ा हो जाए तो गारद कमाण्डर के आदेश पर गारद, उचित सैल्यूट देगी। जो बिगुल से सैल्यूट लेने का पात्र है, उनके लिए बिगुलची उपयुक्त बिगुल बजाए।

यदि निरीक्षण अफसर ''सलामी शस्त्र'' का हकदार हो तो गारद के खड़े होने के पश्चात् ''सलामी शस्त्र'' का कमान दिया जाए अैर उसके बाद गारद के निरीक्षण अफसर के पास रिपोर्ट करने से पहले ''कंधे शस्त्र'' और ''बाजू शस्त्र'' का कमान दिया जाए।

जब निरीक्षण अफसर सैल्यूट ले रहा हो तो उसके साथ मौजूद सभी अफसर उसके पीछे सावधान की पोजीशन में खड़े हों।

3. गारद को ''बाजू शस्त्र'' करने के पश्चात् गारद कमाण्डर निरीक्षण अफसर को ''निरीक्षण के लिए गारद हाजिर हैं'' की सूचना देगा। किसी अन्य प्रकार से रिपोर्ट नहीं दी जाएगी।

4. गारद कमाण्डर की रिपोर्ट मिलने के पश्चात् निरीक्षण अफसर गारद का निरीक्षण करने के लिए आगे बढ़े। गारद कमाण्डर कंधे शस्त्र करे, एक कदम आगे बढ़कर बाएं मुड़े और निरीक्षण अफसर के साथ हो जाए। जब तक निरीक्षण पूरा न हो जाए और गारद विसर्जित न हो जाए तब तक निरीक्षण अफसर को छोड़ कर पार्टी के सभी कार्मिक जहां कहीं भी हों,सावधान रहे। निरीक्षण समाप्त होने के बाद निरीक्षण अफसर गारद कमाण्डर को ''गारद लाइन तोड़ या गारद विसर्जन'' करवाने का आदेश दे।

5. निरीक्षण अफसर के '' गारद लाइन तोड़ या गारद विसर्जित'' का आदेश मिलने पर गारद कमाण्डर आदेश दे ''गारद कंधे शस्त्र, संतरी खड़ा रहे, शेष विसर्जित'' या ''गारद, गारद-कक्ष को विसर्जित'' संतरी को छोड़ कर गारद के शेष सभी कार्मिक दायें मुड़े, सैल्यूट दें और दौड़कर गारद रूम को जाएं।

6. गारद को विसर्जित कर देने के पश्चात् गारद कमाण्डर निरीक्षण अफसर की ओर मुड़े और उसे सैल्यूट करे। इसके बाद वह गारद कक्ष और आस-पास के स्थानों के लिए निरीक्षण अफसर के साथ आए। अन्य व्यक्ति जो निरीक्षण अफसर के साथ थे अब निरीक्षण के लिए उसके साथ जा सकते हैं।

7. गारद रूम आदि का निरीक्षण पूरा होने के पश्चात् गारद कमाण्डर फिर से निरीक्षण अफसर को सैल्यूट करे और फिर लाइन तोड़कर गारद रूम को लौट जाए।

खण्ड-6

128. गारद को रात के समय ''लाइन बन'' करना

1. जब संतरी ''बड़े मुआइने'' या ''छोटे मुआइने'' को अपनी गारद की तरफ आता देखे, तो संतरी ''तान शस्त्र'' की पोजीशन में आ जाए और यह चिल्ला कर ''थम कौन आता है'' गारद की ओर आने वाले मुआइने को ''थम'' करे।

2. ''थम, कौन आता है'' कहे जाने पर बड़ा या छोटा मुआइना थम करेगा और बताएगा कि वह '' बड़ा मुआइना'' या ''छोटा मुआइना''।

3. जब संतरी को अपने प्रश्न का उत्तर मिल जाए और वह आश्वस्त हो जाए कि आने वाला मुआइना ''बड़ा'' है या ''छोटा'' वह ''थम बड़ा'' (या छोटा) मुआइना, गारद होशियार कहकर गारद को होशियार करे। वह तीन बार गारद स्टैण्ड टू'' या ''गारद होशियार'' कहे और स्वयं भी ''होशियार'' की पोजीशन में खड़ा हो। तब गारद, गारद-कमाण्डर के साथ गारद रूम से बाहर आकर दौड़ कर अपने लिए पहले से नियुक्त अलार्म चौकी पर खड़ा हो जाए।

4. गारद कमाण्डर संतरी से जाकर संतरी कौनसा राउण्ड पूछे और उससे ''बड़े'' या ''छोटे'' राउण्ड का उत्तर मिलने पर वह ''आगे बढ़ो, बड़ा मुआइना या छोटा मुआइना, सब ठीक है'' कहे इस बीच संतरी, उसके लिए पहले से नियुक्त स्थान पर अलार्म चौकी के पीछे अपनी पोजीशन ले और गारद कमाण्डर भी ऐसा ही करे।

5. निरीक्षण पूरा होने पर बड़ा या छोटा मुआइनी निम्नलिखित आदेश दे :-

1. ''गारद जगह छोड़ या

2. गारद लाइन बना''

6. यदि गारद को ''जगह छोड़'' करना हो तो वे अलार्म चौकी छोड़ कर दौड़कर गारद रूम की ओर जाएं।

निरीक्षण अफसर के गारद बुक में निरीक्षण आदि रिकार्ड करने और चले जाने के पश्चात् गारद कमाण्डर गारद रूम की ओर जाए।

7. यदि गारद को ''खड़े होने'' का आदेश दिया जाए तो गारद संतरियों के बिना निर्धारित लाइन पर खड़ा हो और वही प्रक्रिया अपनाई जाए जो कि दिन में निरीक्षण के लिए अपनाई जाती है। हो सकता है कि गारद कक्ष आदि का निरीक्षण न हो और निरीक्षण के बाद गारद को विसर्जित होने के लिए कह दिया जाए।

खण्ड-7

129. संतरियों के लिए सामान्य नियम

1. जब संतरी अपने परिसरण क्षेत्र (बीट) पर घूमना चाहे तो वह पहले सावधान हो, एक कदम आगे बढ़ाए, कंधे शस्त्र करे, अपने दायें या बाएं घूमें और तेज चाल में आगे बढ़े।

2. अपने परिसरण क्षेत्र के आखिरी किनारे पर आक संतरी थम करे और बाहर की ओर (अर्थात् अपने सामने से) दायें या बाएं, जैसा भी मामला हो, दो सुस्पष्ट मोड़ (टर्न) लेकर पीछे मुड़े और फिर से तेज चाल से चले।

3. संतरी गश्त के दौरान अपने बाक्स या चौकी को जहां से अभिनन्दन करना हो या चैलेंज करना हो, छोड़कर अन्यथा कहीं नहीं रुकेगा।

4. संतरी जब अपने बॉक्स या पोस्ट के सामने रुके तो उसका रुख सामने की ओर हो, बाजू शस्त्र हो, एक कदम पीछे ले और विश्राम की पोजीशन में खड़ा हो।

5. संतरी अपना शस्त्र या चौकी छोड़ कर न जाए और मटरगश्ती न करे या किसी से बात न करे (अपनी ड्यूटी के निष्पादन में बोलने के अतिरिक्त) और जब तक कि मौसम अत्यधिक खराब न हो तब तक अपने बॉक्स में आश्रम न ले।

6. संतरी हमेशा सतर्क रहे और सभी आवश्यक अभिनंदन चुस्ती से करे।

संतरियों द्वारा ललकार करना (चैलेंज करना)--

7. रात के समय संतरी की चौकी की ओर आने वाले जिन व्यक्तियों या दलों पर संतरी को संदेह हो कि आने वाला व्यक्ति या दल वहां से गुजरने के लिए प्राधिकृत है या नहीं या वे जिस कारण से आ रहे हों उसके बारे में उसे संदेश हो, तो वह उसके या उनके आने पर ललकार (चैलेंज) करेगा।

8. यदि संतरी को ललकारना (चैलेंज) आवश्यक हो, तो वह निम्नलिखित प्रकार से करेगा :-

जब कोई व्यक्ति या दल संतरी की चौकी के नजदीक आए और इतने फासले पर आ जाए कि वह सुन सके, तो संतरी ''तैयारी'' की पोजीशन में आकर जोर से कहे ''रुको, कौन आता है।'' वह यह बात उस भाषा में, जो उस इलाके में सामान्यतः बोली जाती हो, पुनः दोहराएगा और यह नहीं प्रकट होने देगा कि वह वहां से बोल रहा है। जब वह व्यक्ति या दल रूक जाए तो संतरी ''एक आगे बढ़ो''कहे (यदि आवश्यक हों तो अनुवाद करेगा)। जब संतरी व्यक्ति या दल के संबंध में आश्वस्त हो जाए तो वह ''चलो दोस्त, सब ठीक है'' कहे और जब तक वह व्यक्ति या दल गुजर न जाए तब तक होशियार रहे। यदि संतरी उस व्यक्ति या दल के संबंध में या उसकी या उनकी असलियत के संबंध में आश्वस्त न हो तो वह ''होशियार'' रहे और इस संबंध में गारद कमाण्डर को सूचित करे। यदि संतरी की ललकार (चैंलेज) के प्रश्न के उत्तर में वे ''बड़ा मुआइना'' या ''छोटा मुआइना'' कहें और संतरी इस संबंध में आश्वस्त हो जाए तो वह खण्ड 6 में दिए अनुसार कार्रवाई करे।

टिप्पणी : रात के समय संतरी गारद कक्ष की ओर जाने वाले सभी व्यक्तियों को ललकारें। यदि ललकार के जबाव में वे ''दोस्त'' कहें और संतरी व्यक्ति की पहचान के बारे में आश्वस्त हो जाए तो वह उसे या उन्हें जाने की अनुमति दे देगा।

खण्ड-8

130. गारद और संतरियों को दिए जाने वाले सामान्य अनुदेश और उनके द्वारा किया जाने वाला सामान्य अभिनन्दन --

1. संतरी हमेशा कंधे शस्त्र करके और संगीन लगाकर मार्च करे और दायें या बाएं जैसा भी मामला हो, दो बार मोड़ लेकर बाहर की ओर मुड़े, अर्थात् संतरी कभी भी चौकी की ओर मुंह न करे।

2. गारद कक्ष में रखी राइफलों में हमेशा संगीन लगी रहे।

3. हर बदली के बाहर जाने तथा वापस आने पर गारद कमाण्डर उसका निरीक्षण करे।

4. शस्त्रहीन पार्टियों का अभिनन्दन न किया जाए। गारदों द्वारा अभिनन्दन

5. दिन के समय (रिवेली और स्ट्रिीट के बीच) गारद निम्नलिखित के लिए लाइन सज करे और सलामी शस्त्र करेः-

(क) राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए (राज्यपाल को उनके राज्य में), बिगुल पर आम सैल्यूट की धुन बजाई जाए।

(ख) प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और राज्य मंत्रियों के लिए उनके क्षेत्राधिकारी में, बिगुल पर आम सैल्यूट की धुन बजाई जाए।

प्रधानमंत्री के लिए राष्ट्रीय सैल्यूट की धुन राज्य सरकार की विशेष अनुमति से बजाई जा सकती है।

(ग) पुलिस के उप-महानिरीक्षक और उससे ऊंचे रैंक के पुलिस अफसरों और सेना के मेजर जनरल और उससे ऊंचे रैंक के असफरों के लिए बिगुल पर सामान्य सैल्यूट की धुन बजाई जाए।

(घ) जिलों के पुलिस अधीक्षक के प्रतिदिन पहली बार गारद के निरीक्षण के लिए आते समय।

(ङ) बड़ा मुआइना।

(च) सभी शस्त्र दल जो कि संख्या में गारद की संख्या से अधिक हों।

(छ) तूर्यनाद (रिवेली) और गजर की आवाज होने पर।

(ज) उप-निरीक्षक या उससे ऊंचे किसी रैंक के पुलिस अफसर के लिए जब वह अर्दली या ड्यूटी अफसर बनाया जाए तो गारद दिन में एक बार लाइन बन करेगा और गार्ड कमाण्डर केवल एक बार सैल्यूट देगा।

टिप्पणी :- (1) जब गारद वास्तव में आरोहण या बदली करें तो सम्मान देना आवश्यक है वरिष्ठ अफसर या एनसीओ कमान दें।

(2) अभिनंदन करने संबंधी उपर्युक्त आदेश राष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्रियों राज्यपाल और राज्य मंत्रियों के निवास स्थान या कैंपों में आरूढ़ विपेश गारदों पर लागू नहीं होंगे। ये गारद निचले रैंक या हैसयित के व्यक्तियों का अभिनंदन न करें। जब उनके ड्यूटी के स्थान पर पुलिस अफसर आएं तो वे लाइन बना कर कंध शस्त्र करेंगे।

6. रात्रि (रिट्रीट और रिवेली के बीच)

टाटू के लिए जाने के सिवाय, सशस्त्र दल के आने पर अलार्म होने और बड़े या छोटे मुआयने के आने को छोड़कर, गारद अन्यथा रिट्रीट के बाद या रिवेली से पहले लाइन बन नहीं करेंगी और न ही वे इस बीच किसी का अभिनंदन करेंगी। (बड़े मुआयने को छोड़ कर जिसे वे सलामी शस्त्र करेंगी)।

7. संतरियों द्वारा अभिनन्दन

दिन --

(क) संतरी राज्य चिन्ह या ऊंचे रैंक के बैंज लगाए हुए पुलिस अफसरों और भारतीय थल सेना, नौसेना और वायु सेना के समान रैंक के अफसरों को सलामी शस्त्र करें।

(ख) अभिनन्दन करने से पहले ''संतरी थम'' करे और अपने सामने की ओर मुड़े, यदि वह संतरी बाक्स में खड़ा हो तो सावधान होकर सैल्यूट करे।

(ग) शस्त्र पार्टियों को संतरी सलामी शस्त्र करे और शस्त्र रहित पार्टियों को सैल्यूट करे।

(घ) उपनिरीक्षक और उससे ऊंचे रैंक के पुलिस अफसर जो सलामी शस्त्र के हकदार नहीं हैं, संतरी बट सैल्यूट करे।

रात्रि

(क) रात होने के बाद संतरी किसी भी सशस्त्र पार्टी को सलामी शस्त्र न करे।

(ख) किसी अफसर को पहचानने के बाद संतरी उसके प्रवेश पर थम करे, उसके सामने की ओर मुड़े और उचित अभिनन्दन करे।

8. विशेष अनुदेश --

गारद और संतरियों द्वारा किए जाने वाले अभिनन्दन के संबंध में ऊपर दिए गए आदेश राष्ट्रपति के निवास स्थान या कैंप अथवा राज्यपाल के क्षेत्राधिकार में आरुढ़ विशेष गारदों पर लागू नहीं होंगे। ये गारद छोटी रैंक के व्यक्तियों या जिनके लिए नियुक्ति किए गए हैं, उनसे नीचे के रैंक के व्यक्तियों को सलामी शस्त्र न करें। जब ड्यूटी के अफसर दौरा करें तो वे कंधे शस्त्र न करके लाइन बन करें। ऐसे निवास स्थान या कैंप में संतरी केवल राष्ट्रपति, राज्पाल और सशस्त्र कोर को सलामी-शस्त्र करें। निचले रैंक के अफसरों और शस्त्र रहित दलों को वे सैल्यूट (यदि कंधे शस्त्र की स्थिति में हों तो बट सैल्यूट, यदि बाजू-शस्त्र हो, तो सावधान होकर) करें।

अध्याय - 18

सलामी गारद (गार्ड ऑफ ऑनर)

गार्ड ऑफ ऑनर देने के लिए मान्य व्यक्ति के पद के साथ-साथ अवसर पर भी निर्भर करता है।

खंण्ड-1

131. (क) संख्या एवं रचना--

क्रं.सं.	मान्य व्यक्ति	रैंक व फाइल संख्या		टिप्पणी की पात्रता
1.	राष्ट्रपति	150		दो बैंड उपस्थित होंगे।
2.	उपराष्ट्रपति	100		एक बैंड उपस्थित रहेगा।
3.	प्रधानमंत्री	100	-वही-	
4.	गवर्नर (राज्यपाल)	100	-वही-	
5.	केंद्रीय गृहमंत्री/ गृहराज्यमंत्री/ उपमंत्री (गृह)	50	-वही-	
6.	मुख्यमंत्री	50	-वही-	
7.	राज्य का गृहमंत्री	35	-वही-	
8.	*पुलिस महानिदेशक/ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक	20-30		उपलब्ध होने पर एक बैंड की उपस्थिति।
9.*	पुलिस महानिरीक्षक	12-20		दो बिगुलर।
10.	पुलिस उप महानिरीक्षक	12	-वही-	
11.	विदेशी राज्य का प्रमुख	150		दो बैंड उपस्थित होंगे।
12.	विदेशी राज्य का उपप्रमुख	100		एक बैंड उपस्थित होगा।
13.	राजनयिक शिष्टमंडल का प्रमुख जो राजदूत/उच्चायुक्त स्तर का हो	100	-वही-	
14.	विदेशी पुलिस बल का प्रमुख	20-35	-वही-	

* (छोटे जिलों के होने पर संख्या कम होती है अतः संख्या को ज्यादा कम किया जा सकता है।)

(ख) अवसर--

क्र.सं.	मान्य व्यक्ति की पात्रता		अवसर
1.	राष्ट्रपति		आगमन पर अथवा सार्वजनिक विदाई पर सभी आगमन सार्वजनिक नहीं होत केवल वे आगमन ही औपचारिक माने जाएंगे जो केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित हों तथा स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा अथवा सेना मुख्यालय द्वारा सार्वजनिक माना गया हो पुलिसबल से संबंधित विशेष अवसर पर।
2.	उपराष्ट्रपति	-वही-	
3.	प्रधानमंत्री	-वही-	
4.	गवर्नर(राज्यपाल)		1. विशेष अवसर पर ही राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा वे भी अधिकार क्षेत्र में। 2. नियुक्ति के अवसर पर केवल एक बार आगमन के समय। 3. ऐसी नियुक्ति के कार्यमुक्त होने पर विदाई के समय केवल एक बार।
5.	केंद्रीय गृहमंत्री/ गृह राज्यमंत्री/ उपमंत्री(गृह)		पुलिस से संबंधित विशेष अवसर जिसमें राज्य पुलिस/केंद्रीय पुलिस संगठन के कार्यालय/स्थापना आदि में आगमन होने पर।
6.	मुख्यमंत्री	-वही-	
7.	राज्य के गृहमंत्री	-वही-	
8.	पुलिस महानिदेशक /अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक		शस्त्र पुलिस के जिला मुख्यालय/ पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में औपचारिक दौरे पर हो और जब दौरे में निरीक्षण/ समारोह का अवसर हो तो आगमन व विदाई के दोनों अवसरों पर दिया जाएगा।
9.	पुलिस महानिरीक्षक	-वही-	
10.	पुलिस उप महानिरीक्षक		शस्त्र पुलिस के जिला मुख्यालय/ पुलिस प्रशिक्षण स्कूल में औपचारिक दौरे पर हो और जब दौरे में निरीक्षण/ समारोह का अवसर हो तो आगमन व

	विदाई के दोनों अवसरों पर दिया जाएगा।
11. विदेशी उच्चाधिकारी	विदेशी उच्चाधिकारी को गार्ड ऑफ ऑनर केवल तब दिया जाएगा जब वह राज्य पुलिस/केंद्रीय पुलिस संगठन के कार्यालय/स्थापना में औपचारिक आगमन पर हो।

विशेष नोट -

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं गवर्नर के लिए पात्रता संघ सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी की गई विभिन्न अधिसूचनाओं में निर्धारित की गई है। अन्य व्यक्तियों के लिए खण्ड 1 के पैरा 131 में केवल दिशा निर्देश दिए गए हैं। अन्य व्यक्तियों एवं समारोहों में सलामी गारद देने के लिए संख्या की पात्रता केन्द्र/राज्य सरकारों द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना में निर्धारित की जानी चाहिए।

खण्ड-2

132. वर्दी --

सलामी गारद के सभी जवान ''समीक्षा क्रम ड्रेस'' (रिव्यू आर्डर ड्रेस) पहनेंगे किन्तु अलग-अलग अवसरों पर कौन सी वर्दी पहनी जाए, इसके संबंध में विशेष आदेश जारी किए जाएं।

खण्ड-3

133. विरचना (फार्मेशन)--

(क) गारद--

सलामी गारद का आकार कंपनी के अनुसार होगा और कम्पनी की भांति ही उसे बराबर किया जाएगा। यदि संभव हो तो उसे उस दिशा को रुख करके बनाया जाए जहां से उस व्यक्ति को आना हो जिसके लिए सलामी गारद आरूढ़ की जा रही है।

गारद के रैंकों में, दो बराबर की डिवीजनों में खड़ी हो और पिछली रैंको में, 4 कदम का फासला हो। उन्हें 24 के फासले पर पंक्तिबद्ध किया जाए।

झंडा ले जाने वाली पार्टी हिफाजती पार्टी की दो डिवीजन के बीच 3 कदम का फासला होगा। यदि झंडे न उठाए हो तो इस फासले की आवश्यकता नहीं।

(ख) अफसर --

झण्डे के साथ --

(1) राजपत्रित अफसर और निरीक्षक या उपनिरीक्षक - कमाण्डर दायें से दूसरी फाइल में सामने 4 कदम पर अगला वरिष्ठ राजपत्रित अफसर या निरीक्षक या उपनिरीक्षक बाएं से दूसरे जवान के सामने दो कदम के फासले पर। कनिष्ठ अफसर या निरीक्षक या उपनिरीक्षक (झंडे के साथ) बीच वाले गार्ड के सामने दो कदम के फासले पर।

(2) हवलदार - वरिष्ठ हवलदार मेजर पहली डिवीजन का दाहिना गाइड होगा और दूसरा कनिष्ठ कार्मिक दूसरी डिवीजन का बायां गाइड होगा। तीसरा कनिष्ठ कार्मिक दूसरी डिवीजन का दाहिना गाइड होगा और कनिष्ठतम कार्मिक पहली डिवीजन का बांया गाइड होगा।

झण्डे के बिना

(3) कमाण्डर-- बीच वाले गारद के सामने चार कदम पर अगला वरिष्ठ राजपत्रित अफसर या निरीक्षक या उपनिरीक्षक दायें से दूसरी फाइल के सामने दो कदम के फासले पर तीसरा कनिष्ठ राजपत्रित अफसर या निरीक्षक या उप-निरीक्षक बाएं से दूसरी फाइल के सामने दो कदम के फासले पर।

(4) हवलदार : उनकी पोस्ट वही होगी जैसा कि ऊपर पैरा (ख) (2) में दिया गया है।

(5) विशेष अवसरों पर जब सभी रैंकों की गारदों की संख्या बढ़ाकर 150 कर दी जाए और जब झंडे न ले जाएं तो गारद कमाण्डर बीच वाले गारद के सामने कदम की दूरी पर होगा। अगला वरिष्ठ राजपत्रित अफसर या निरीक्षक या उपनिरीक्षक दायें से दूसरे फाइल के सामने तीन कदम की दूरी पर होगा और तीसरा कनिष्ठ राजपत्रित अफसर या निरीक्षक या उपनिरीक्षक बाएं से दूसरी फाइल के सामने 3 कदम के फासले पर होगा।

(ग) बैंड

(1) बैंड, गारद के साथ लाइन में दायें पार्श्व में खड़ा होगा और गारद के दाहिने गाइड से सात कदम के फासले पर रहेगा। बैंड चार फाइलों के कालम में होगा और प्रत्येक फाइल के बीच 2 कदम का फासला होगा। ड्रम मेजर बैंड की अगली रैंक के सामने 3 कदम के फासले पर होगा और बैंड मास्टर उसके आगे 2 कदम के फासले पर होगा।

(2) जब कोई बैंड उपलब्ध न हो तो दो बिगुलची रखे जाएंगे जो सम्मान गारद के दायीं ओर लाइन में खड़े होंगे। इसी प्रकार यदि दायें पार्श्व में स्थान न हो तो बैंड को गारद के पीछे खड़ा किया जा सकता है।

खण्ड-4

134. ए.डी.सी. (परि सहायक)

दो एडीसी होंगे जो कि मंच के दोनों ओर अगले किनारे से 3 कदम दायें और 3 कदम बाएं खड़े होंगे।

खण्ड-5

135. संचालन अफसर

संचालन अफसर (सिविल या पुलिस अफसर) जो अति विशिष्ट व्यक्ति की अगवानी करता है और उसे सलामी मंच तक ले जाता है, अति विशिष्ट व्यक्ति को मंच तक छोड़ने के पश्चात जा कर मंच के पीछे बीच में तीन कदम के फासले पर खड़ा हो जाएगा।

खण्ड-6

136. झण्डा

राज्य पुलिस की परिपाटी के अनुसार सम्मान गारद परेड पर झण्डे भी ला सकती हैं। जब अन्तर्राज्यीय सम्मान गारद की व्यवस्था की गई हो तो परेड पर झण्डे नहीं लाए जाएंगे।

खण्ड-7

137. सैल्यूट

निरीक्षण से पहले केवल एक सैल्यूट दिया जाएगा राष्ट्रीय या आम सैल्यूट की धुन बजाई जाने पर एडीसी सैल्यूट नहीं करेंगे।

राष्ट्रीय सैल्यूट निम्नलिखित को दिया जाएगा-

(1) भारतीय गणराज्य के राष्ट्रपति को।

(2) राज्यपाल को उनके अपने राज्य में।

सेरिमोनियल अवसरों पर जिन उच्च पदाधिकारी व्यक्तियों को सैल्यूट दिया जाना हो, उन्हें सामान्य सैल्यूट दिया जाएगा।

खण्ड-8

138. राष्ट्रीय गान

राष्ट्रीय गान की धुन भी दो प्रकार से बजायी जाती है।

(1) पूरी धुन जो कि लगभग 52 सैकण्ड तक बजायी जाती है।

(2) संक्षिप्त रूप में, जिसमें नौ ताल खण्ड (संगीत की इकाइयां) होती हैं और जिसे लगभग 20 सैकण्ड तक बजाया जाता है।

पूरी धुन निम्नलिखित अवसरों पर बजायी जानी चाहिए :

(क) उन सभी अवसरों पर जब राष्ट्रपति स्वयं उपस्थित हों (जिसमें राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय दिवसों पर प्रसारित किए जाने वाले भाषण भी शामिल हैं।)

(ख) राज्यपाल के लिए, उन सभी अवसरों पर जब वे अपने राज्य में सेरिमोनियल परेड, सम्मान गारद पर जाएं।

(ग) स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस परेड पर जब राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है।

(घ) कुछ विशेष अवसरों पर भारत के प्रधानमंत्री के लिए भी राज्य सरकार की पूर्व अनुमति से राष्ट्रीय गान की धुन बजायी जा सकती है।

राष्ट्रीय गान की संक्षिप्त धुन अन्य सभी अवसरों पर, अनुदेशों के अनुसार बजायी जा सकती है।

जब राष्ट्रीय गान की धुन बजाई जाए, तो सभी रैंक के जवान सावधान हो जाएं और हवलदार या उससे ऊंचे रैंक के सभी अफसर, यदि वर्दी में हों, तो उचित सैल्यूट दें। जो अफसर सैल्यूट लेने वाले उच्च पदाधिकारी के साथ हों वे केवल सावधान हों और राष्ट्रीय गान बजाए जाते समय सैल्यूट न करें।

खण्ड-9

139. निरीक्षण

निरीक्षण करने के लिए निम्नलिखित कार्यविधि अपनाई जाए :-

(क) जिस व्यक्ति के लिए गारद आरूढ़ है,उसे उचित अभिनन्दन देने के पश्चात् अर्थात् उसके लिए राष्ट्रीय सैल्यूट या आम सैल्यूट देने के पश्चात् गारद को बाजू शस्त्र की पोजीशन में लाया जाए यदि झंडे लाएं जाएं तो वे ''कैरी'' पर रहें।

(ख) इसके बाद गारद कमाण्डर आगे मार्च करके अति विशिष्ट व्यक्ति को रिपोर्ट करेगा। वह पर्याप्त ऊंचे स्वर में बोलेगा और कहेगा ''------ के अफसरान और जवान के सम्मान में गारद, निरीक्षण के लिए हाजिर है, श्रीमान्।''

(ग) इसके बाद अति विशिष्ट व्यक्ति मंच से नीचे उतरेगा और गारद कमाण्डर उसके दायीं ओर, उससे कुछ आगे चलकर उसे संचालित करेगा। वह सामान्य चाल में चलेगा। धीरे चाल में नहीं।

(घ) ए.डी.सी. अतिविशिष्ट व्यक्ति के आगे मार्च नहीं करेंगे।

(ङ) अतिविशिष्ट व्यक्ति बैंड के ड्रम मेजर के पीछे से गुजर कर बैंड का निरीक्षण करेगा। निरीक्षण के दौरान बैंड के जवान अपने सिर अतिविशिष्ट व्यक्ति की ओर नहीं करेंगे और न ही उसे देखेंगे।

वे सामने देखते रहेंगे।

(च) जैसे ही अतिविशिष्ट व्यक्ति बैंड के बायीं ओर के व्यक्ति के पास से गुजर जाएं वैसे ही बैंड मास्टर पीछे मुड़े, बैंड को तैयार करे और बैंड बजाना आरंभ करे। ड्रम की पहली ताल से समय लेते हुए गारद का प्रत्येक अफसर और जवान (अर्थात् पहली और पिछली दोनों रैंक का) अपना सिर और आंखें अतिविशिष्ट व्यक्ति की ओर करे और उसी की ओर देखे

सिवाय उस व्यक्ति के जिसने झण्डा उठाया हो। जब अतिविशिष्ट व्यक्ति आगे बढ़े तो अफसर और जवान उसी को देखते रहें और उसी की ओर मुख किए रहें यदि निरीक्षण के दौरान अतिविशिष्ट व्यक्ति रूक जाए तो सभी अफसरों और जवानों के सिर भी उसी दिशा में ठहर जाएं।

(छ) जैसे ही अतिविशिष्ट व्यक्ति निरीक्षण समाप्त करे, बैंड बजना बंद हो जाए, धुन के आखिरी स्वर से समय लेते हुए अन्त में अपना सिर और आंखें सामने कर लें।

(ज) यदि बैंड पीछे की ओर हो तो बैंड का निरीक्षण न किया जाए और यदि बैंड न हो तो गारद के प्रत्येक अफसर और जवान (उन अफसरों को छोड़कर जिन्होंने झण्डा उठाया हो) अतिविशिष्ट व्यक्ति द्वारा बिगुलचियों का निरीक्षण पूरा करने के पश्चात् दायीं ओर देखे, निरीक्षण के दौरान बिगुलची सामने देखे।

(झ) गारद की केवल अगली लाइन का निरीक्षण किया जाएगा। अतिविशिष्ट व्यक्ति अफसरों और झण्डा उठाने वाले अफसरों के आगे रहे अर्थात् वह गार्ड का सामने की ओर से 3, 4 कदम की दूरी से निरीक्षण करे।

(ञ) गारद कमाण्डर अतिविशिष्ट व्यक्ति को संचालन अफसर की ओर ले जाए। संचालन अफसर मंच के पीछे अपनी पोजीशन से हटकर नई पोजीशन पर आ जाए जहां से उसे अति विशिष्ट व्यक्ति को मिलवाने के लिए ले जाना सरल हो। जब अतिविशिष्ट व्यक्ति संचालन अफसर तक पहुंच जाएं तो गार्ड कमाण्डर उसे सैल्यूट करे और यदि अतिविशिष्ट व्यक्ति गार्ड कमाण्डर से हाथ मिलाए तो उसे इसके लिए भी तैयार रहना चाहिए, उस स्थिति में यदि वह तलवार पकड़े हो तो तलवार को तुरंत बाएं हाथ में पकड़े।

खण्ड-10

140. सामान्य

1. जिस अतिविशिष्ट व्यक्ति के लिए गारद आरूढ़ हुई हो, जब तक वह उस स्थान से चला न जाए तब तक सम्मान गारद मार्च न करे या ''विश्राम'' की पोजीशन में न आए।

2. सम्मान गारद मार्च पास्ट न करे।

3. सूर्यास्त और सूर्योदय के समय के बीच किसी भी स्थान पर सम्मान गारद न रखी जाए।

4. सम्मान गारद की व्यवस्था उन्हीं उच्च पदाधिकारियों के लिए की जाए जो वास्तव में इसके हकदार हैं, अन्य व्यक्तियों के लिए नहीं। सम्मान गारद की संख्या कभी भी 50 से कम नहीं होनी चाहिए और उसे अनिर्धारित स्थान और समय पर आरूढ़ नहीं करना चाहिए।

5. किन्हीं विशेष परिस्थितियों में, जैसे कि स्थान की कमी के कारण यदि उपर्युक्त अनुदेशों का पूरी तरह पालन करना संभव न हो तो अवसर के अनुसार उपयुक्त संशोधन कर लिए जाएं।

अध्याय 19

हर्ष फायर

खण्ड-1

141. अवसर

पियू-दि-जॉय निम्नलिखित अवसर पर दागी जाएगी :

3. गणतंत्र दिवस

2. स्वतंत्रता दिवस

3. राज्य दिवस

4. बल/यूनिट के स्थापना दिवस

खण्ड-2

142. कार्यविधि और कमान-शब्द

1. हर्ष-फायर के लिए निम्नलिखित कार्यविधि अपनाई जाए :

(क) जवानों को खुली लाइन में, तीन रैंकों में खड़ा किया जाए, राइफल बाजू पर हो और संगीन लगी हो।

(ख) परेड हर्ष-फायर करेगी, अफसर और जेसीओ (और झंडा) जगह संभालें।

(ग) पुलिस झंडा कैरी () पर लाए जाएं और ध्वज पार्टी वरिष्ठ अफसर के कमांड पर 6 कदम आगे बढ़े।

(घ) हर्ष-फायर के समय झंडे न झुकाएं जाए।

''खड़े भर'' --

2. गाइड और एनसीओ और रैकों के जवान राइफल भरें राइफल के नालमुख का रुख ऊपर की ओर हो ताकि सामने खड़े व्यक्तियों के सिर को बचाया जा सके। अधिसंख्यक रैंक के जवान बाजू शास्त्र करें।

''पेश कर'' --

3. 135 डिग्री के कोण : फायर करने के लिए राइफलों को उपयुक्त पोजीशन में लाया जाए। सिर एकदम स्थिर रखे जाएं और निशाना लगाने का कोई प्रयत्न न किया जाए।

''शुरू''

4. अगली रैंक का दायीं ओर का जवान फायर शुरू करे और उसके बाद, जितना शीघ्र संभव हो सामने की लाइन, बीच की लाइन और अंत में पिछली लाइन फायर करें।

टिप्पणयां :

(1) हर्ष-फायर 3 हिस्सों में या तीन सीरिज में किया जाए।

(2) जब पिछली रैंक के बायीं ओर का जवान फायर कर दे तो बैंड राष्ट्रीय गान की धुन का पहला भाग बजाए इस समय जवान सलामी शस्त्र करें और अफसर सैल्यूट करें। बैंड के अन्तिम स्वर पर यूनिट कमाण्डर फिर से ''भर'' का आदेश देगा और जवान ऊपर बनाए अनुसार कार्रवाई करें। बैंड राष्ट्रीय गान की धुन का दूसरा भाग बजाए। कुल तीन सीरिज में फायर किया जाए और अंतिम सीरिज की समाप्ति तक राष्ट्रीय गान की पूरी धुन बजायी जाए।

(3) कभी-कभी दो रैंकों में जवानों को खड़ा करके भी हर्ष-फायर करना आवश्यक होता है। ऐसी स्थिति में फायर आगे वाली पंक्ति में दायें से बाएं और पिछली पंक्ति में बाएं से दाएं किया जाएं। पीछे वाली लाइन की दायीं ओर के जवान के फायर करने के पश्चात् बैंड पर राष्ट्रीय गान की धुन बजाई जाए।

''खाली कर''

5. राष्ट्रीय गान पूरा होने पर यूनिट कमाडंर ''खाली कर'' का आदेश दे तब सभी जवान मरने की स्थिति में आ जाएं और अपनी राइफल 135 डिग्री के कोण पर रख कर राइफल खाली कर दे।

बाजू शस्त्र-अफसर (और झण्डा पार्टी) जगह संभाल--

6. झंडा पार्टी लाइन में अपनी पोजीशन पर खड़ी हो और अपने वरिष्ठ अफसर के आदेश पर बाजू शस्त्र करे। झंडे को नीचे किया जाए।

खण्ड-3

143. परेड पर जय बोलना --

1. निम्नलिखित अवसरों पर ''जय'' बोली जाए:-

(क) राष्ट्रपति की जब वे स्वयं परेड का मुआयना कर रहे हों।

(ख) गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस की परेड पर राष्ट्रपति की।

(ग) अतिविशिष्ट व्यक्तियों और पुलिस के अन्य वरिष्ठ अफसरों की उनकी विदाई परेड पर।

2(क) निम्नलिखित अवसरों पर भी ''जय'' बोली जाए:-

(1) निरीक्षण के बाद और मार्च पास्ट से पहले जब समीक्षा क्रम में न बढ़ रहे हों।

(2) समीक्षा क्रम में अभिनन्दन करने के बाद।

(ख) जब मुख्य अतिथि भाषण दे तो भाषण के पश्चात् ''जय'' बोली जाएगी चाहे उस समय कोई भी सेरियोनियल विरचना क्यों न हो।

3. जय बोलने के लिए निम्नलिखित कवायद की जाए :-

(क) ''परेड को सावधान'' की पोजीशन में लाया जाए।

(ख) परेड कमाण्डर आदेश दे ''परेड तीन बार जय बोलेगी''।

(ग) इसके बाद परेड कमाण्डर जोर से बोले :-

(1) पैरा 1 (क) और 1(ग) में उल्लखित अवसरों पर मुख्य अतिथि का वास्तविक नाम।

(2) पैरा 1(ख) में उल्लखिति अवसर पर ''राष्ट्रपति'' कहे।

(घ) तब परेड ''की जय'' कहे और साथ ही प्रत्येक रैंक अपना बायां हाथ अपने सिर से ऊपर उठाएं।

(ङ) उप-पैरा (ग) और (घ) में लिखी कवायद तीन बार की जाए।

अध्याय-20

पासिंग आउट परेड (दीक्षांत परेड)

144. प्रस्तावना

पुलिस अकादमियों, पुलिस प्रशिक्षण कालेजों, भर्ती प्रशिक्षण स्कूलों एवं अन्य पुलिस स्थापनाओं में कर्मियों (कैडेट एवं नई भर्ती) को प्रशिक्षण की समाप्ति के पश्चात उस स्थापना में पासिंग आउट (दीक्षांत परेड) की जाती है।

2. पासिंग आउट परेड एक समारोह का आवसर है। अतः इस यूनिट को इसके लिए श्रमसांधित तैयारी करनी चाहिए क्योंकि इससे ही उसके प्रशिक्षण के स्तर का पता चलता है।

3. पासिंग आउट परेड के दौरान प्रशिक्षार्थी द्वारा व्यावसायिक जीवन में प्रदेश से संबंधित शपथ ग्रहण भी शामिल होती है। यह एक समारोह का अवसर होता है जब प्रशिक्षार्थी अपने भविष्य की ओर देख आत्म-गौरव का अनुभव करता है। अतः उसको इस परेड में अपनी तरफ से उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए।

4. इस लक्ष्य को पाने के लिए सभी स्तरों पर सही अधीक्षण के अंतर्गत कई बार (रिहर्सल) पूर्वाभ्यास किया जाना चाहिए।

खण्ड - 1

145. सामान्य निर्देश :

पासिंग आउट परेड एक समारोह का अवसर होता है। इस अवसर पर सामान्य व्यवस्थाओं, निरीक्षण ग्राउण्ड, यूनिट संगठनों, यूनिट के आकार, परेड संरचना, निरीक्षण अधिकारी (जिसमें अति विशिष्ट व्यक्ति भी शामिल हैं) के स्वागत, अधिकारियों की निरीक्षण पोस्ट, मार्च पास्ट की विभिन्न संरचनाओं एवं आगे के संबंधित आदेशों की समीक्षा संबंधी निर्देश इस मैनुअल के अध्याय- 16 में दिए गए हैं। साथ ही उसी अध्याय में दी गई विशेष हिदायतों का भी अधिकारियों को पालन करना होगा। फिर भी सुविधा के लिए निरीक्षण ग्राउण्ड के स्तर संबंधी/रेखाचित्र में नीचे दिया गया है :-

निरीक्षण या समीक्षा परेड ग्राउण्ड

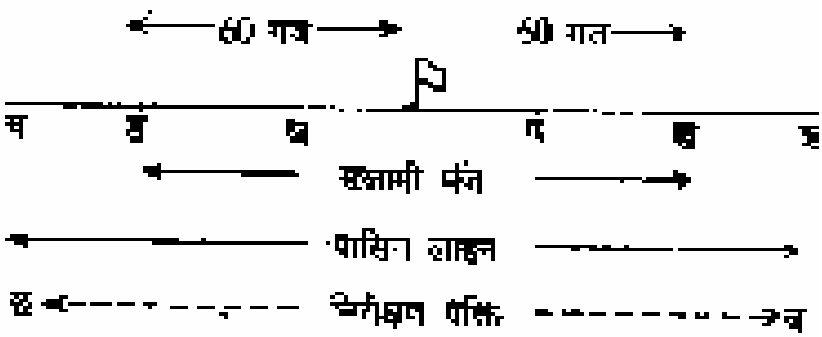

खण्ड-2

146. परेड की संरचना :

1. कार्यक्रम शुरू होने से 20 मिनट पहले 'विदाई परेड' किले की दीवार के पीछे, प्लाटून वार, राइफलों को 'बाडर शस्त्र' (आर्डर आर्मस) स्थिति में नियत संगीनों के साथ उस स्थान पर खड़ी होगी। प्लाटूनों की आधी संख्या किले के द्वार के दाईं तरफ खड़ी होंगी। प्लाटून नं.1 गेट के नजदीक खड़ी होगी। अन्य प्लाटून उसके दाई तरफ एक के पीछे एक क्रमानुसार खड़ी होंगी। प्लाटून के शेष आधे गेट के बाएं तरफ खड़े होंगे क्रम में जो अंत में प्लाटून हैं वह गेट के पास होगी और अन्य अपने क्रम से उल्टे क्रम के उसके बायीं तरफ खड़ी होगी। यानी कि 6 प्लाटून भाग ले रही हैं तो प्लाटून नं. 1, 2, 3 किले के द्वार पर दाईं तरफ और प्लाटून 6, 5, 4, द्वार के बाईं तरफ (परिशिष्ट के अनुसार) खड़ी होगी। यदि प्लाटून हैं तो प्लाटून नं. 5, 4 बाईं तरफ खड़ी होगी।

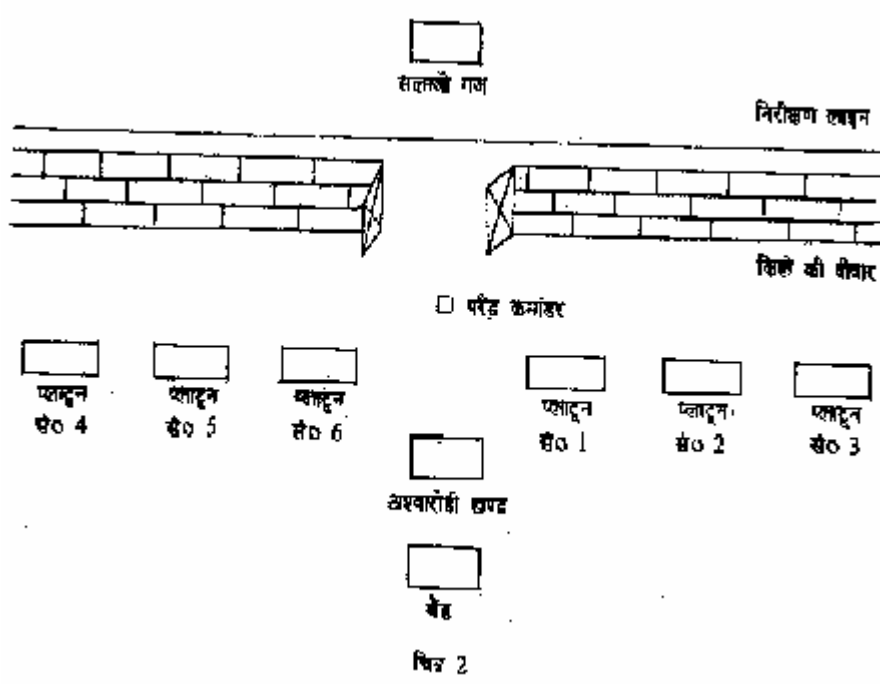

चित्र 2

परेड कमाण्डर सबसे आगे खड़ा होगा। परेड कमाण्डर एवं प्लाटून कमाण्डर की तलवार बिल्कुल सीधी स्थिति में होगी। घुड़सवार दस्ता यदि उपलब्ध हो तो परेड के पीछे खड़ा होगा। उसके बाद बैंड पृष्ठ भाग में बीच में होगा। बिगुलर एवं बल्लम वरदार किले की दीवार के पीछे खड़े होंगे।

2. किले का द्वार दो द्वारपालों द्वारा परेड के शुरू होने से 20 मिनट पहले खोला जाएगा। दो बिगुलर बीच की दीवार की तरफ से परेड ग्राउण्ड में दाखिल होंगे और निरीक्षण लाइन की तरफ (निरीक्षण लाइन पासिंग लाइन आदि को विवरण देने के लिए कृपया परिशिष्ट क देखें।) जाएंगे और मार्कर काल की आवाज करेंगे। उसके बाद बिगुलर वापस मुड़ेंगे और सामने की दीवार के पृष्ठ भाग की तरफ मार्च करेंगे। उसके बाद मार्कर निरीक्षण लाइन पर अपनी स्थिति में खड़े हो जाएंगे।

बिगुलर और बल्लमवरदार भी परेड ग्राउण्ड की तरफ बने किले की दीवार के ऊपर निर्धारित अपनी-अपनी जगह पर खड़े हो जाएंगे।

3. मार्कर काल के 3 मिनट के बाद बिगुलर (एडवांस काल) काल की आवाज लाएंगे। इसके बाद परेड कमाण्डर परेड को 'सावधान' एवं 'कंधे शस्त्र' की स्थिति में लाएगा और निरीक्षण लाइन की तरफ मार्च करेगा। कमांड करेगा। ''परेड दाएं-बाएं से तेज चल''। गेट पार करने के बाद, दाईं तरफ की प्लाटून (नं. 1, 2, 3) दीवार के दाईं तरफ चलेगी और बाईं तरफ की (नं. 6, 5, 4) दीवार के बाईं तरफ चलेगी। मार्कर पर पहुंचने पर प्लाटून कदमताल करेगी। ड्रमों की आवाज के साथ सभी प्लाटून निरीक्षण लाइन पर अपनी निर्धारित स्थिति में पहुंचते ही परेड रुक जाएगी। उसके बाद परेड कमाण्डर एक के बाद एक लगातार निम्नलिखित कमांड करेगा :-

'परेड दाहिने-बाएंने मुड़।'

'परेड बाजू शस्त्र।'

परेड खुली लाइन चल।'

'परेड मध्य सज।'

4. अब परेड अपनी स्थिति के लिए तैयार है (परिशिष्ट नीचे देखें)

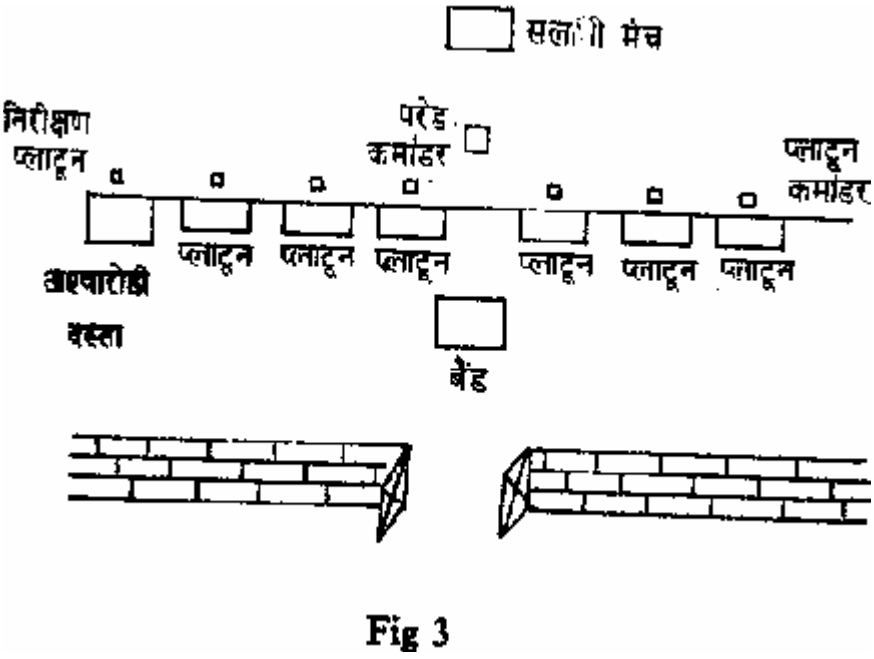

Fig 3

टिप्पणी

1. यह देखा गया है कि बड़े संगठनों के अपने स्थाई किले बने होते हैं जो विशेष तौर पर पासिंग आउट परेड के लिए बनाए गए होते हैं। बिगुलरों को परकोटे पर खड़ा होना होगा अथवा अन्य सुविधाजनक स्थान पर, यदि दीवार पर परकोटा नहीं है।

2. यदि संगठन के पास स्थाई किला नहीं है तो यह अपेक्षित है कि एक अस्थाई किला जो तंबू और कपड़े से बनाया जाए। समारोह की भव्यता के अनुरूप इसे रंग प्रदान किया जाए।

3. उपलब्ध होने पर घुड़सवार दस्ता एवं बल्लमबरदारों को भी शामिल किया जा सकता है।

खण्ड -3

147. संगठन/संस्थान के प्रमुख का अभिनंदन

1. कार्यक्रम शुरू होने के 10 मिनट पहले संगठन/संस्थान का प्रमुख वहां पधारेगा। उसके प्रवेश को देखते ही परेड कमाण्डर परेड को 'सावधान' व 'कंधे शस्त्र' की स्थिति के लिए कहेगा। सलामी मंच पर संस्थान का प्रमुख जैसे ही अपनी जगह लेगा वैसे ही परेड कमाण्डर देगा 'परेड जनरल सैल्यूट सलामी शस्त्र'। उसी समय बैंड जनरल सैल्यूट की धुन बजाएगा। उस धुन के समाप्त होने पर निम्नलिखित कमांड (एक के बाद) लगातार देगा--

'परेड कंधे शस्त्र'

'परेड बाजू शस्त्र'

'परेड विश्राम'

2. सलामी लेने के पश्चात संगठन प्रमुख अतिविशिष्ट व्यक्ति के स्वागत के लिए जिन्हें दीक्षांत परेड के लिए आमंत्रित किया गया है, निर्धारित स्थान पर जाएंगे और उनके आने का इंतजार करेंगे।

खण्ड - 4

148. विशिष्टि/अति विशिष्ट व्यक्ति का आगमन

जैसे ही विशिष्ट/ अति विशिष्ट व्यक्ति दीखे बिगुलर तुरही नाद (फल केयर) की आवाज करेंगे। उसके तुरंत बाद परेड कमाण्डर कमांड देगा 'दीक्षांत परेड सावधान' इसके बाद परेड कंधे शस्त्र की कमांड देगा।

बैंड जनरल सैल्यूट की धुन बजाएगा और जब तक धुन समाप्त नहीं होती परेड उसी स्थिति में खड़ी रहेगी। (यदि विशिष्ट व्यक्ति भारत के राष्ट्रपति अथवा गवर्नर हैं तो राष्ट्रीय सैल्यूट दिया जाएगा और बैंड राष्ट्रीय गान की धुन बजाएगा)। उसके बाद परेड कमाण्डर परेड को 'कंधे शस्त्र' एवं 'बाजू शस्त्र' की स्थिति में लाएगा।

टिप्पणी : सैल्यूट एवं राष्ट्रीय गान की धुन संबंधी निर्देश अध्याय- 18 के खण्ड-7 एवं 8 (गार्ड ऑफ आनर्स के अध्याय) में दिए गए हैं।

खण्ड - 5

149. विशिष्ट व्यक्ति द्वारा परेड का निरीक्षण :

जैसे ही परेड बाजू शस्त्र की स्थिति में आएगी परेड कमाण्डर सलामी मंच की ओर मार्च करेगा वहां रुककर विशिष्ट व्यक्ति का अभिवादन करेगा और कहेगा-- ''श्रीमान (विशिष्ट व्यक्ति महिला है तो महोदया) दीक्षांत परेड आपने निरीक्षण के लिए हाजिर है।''

इसी बीच निरीक्षण जांच (यदि प्रयोग में लाने की योजना हो) जो पास ही खड़ी होगी वह सलामी मंच तक पहुंचेगी। विशिष्ट व्यक्ति जीप के आगे वाले भाग में खड़ा हो जाएगा। जीप के पृष्ठ भाग में संस्थान का प्रमुख एवं परेड कमाण्डर खड़े होंगे। पहले दाईं तरफ और बाद में उनके बाईं तरफ। जीप परेड के दाईं तरफ से चलेगी और परेड के अगले हिस्से के सामने से होकर दाईं से बाईं तरफ चलेगी। यदि जीप का प्रयोग नहीं होता है तो विशिष्ट व्यक्ति पैदल चलेंगे और निरीक्षण लाइन के आगे से निकलेंगे। संस्थान का प्रमुख उनके दाईं तरफ और परेड कमाण्डर उनके बाईं तरफ एक कदम पीछे होकर चलेंगे।

जैसे ही विशिष्ट व्यक्ति (चाहे जीप पर हों या पैदल) पहली प्लाटून के आगे के दाएं पथदर्शक पर पहुंचेगे तो बैंड धीमी मार्च की ध्वनि बजाएगा और जब तक विशिष्ट व्यक्ति द्वारा परेड निरीक्षण पूरा नहीं होता तब तक वह धुन बजाता रहेगा (यदि विशिष्ट व्यक्ति पैदल चल रहा है तो परेड कमाण्डर एवं संस्थान प्रमुख निरीक्षण के दौरान धीमी धुन के समय वहां से हट जाएंगे।)

खण्ड - 6

150 शपथ ग्रहण

1. विशिष्ट व्यक्ति के सलामी मंच पर वापिस आने के बाद परेड कमाण्डर उनको सैल्यूट देगा और शपथ ग्रहण करने की अनुमति निम्नलिखित शब्दों में कह कर लेगा :

श्रीमान (विशिष्ट व्यक्ति महिला होने पर महोदया) शपथ ग्रहण करने की आज्ञा प्रदान करें।

परेड कमाण्डर विशिष्ट व्यक्ति को पुनः एक बार सैल्यूट करेगा और निरीक्षण लाइन के पास अपने निर्धारित स्थान पर वापिस आ जाएगा।

2. उसके बाद परेड कमाण्डर को कांधे शस्त्र की स्थिति में लाएगा और कलर पार्टी को बुलाएगा। (राष्ट्रीय ध्वज व उस संस्थान/ यूनिट के ध्वज धारित कर्मी) और कमांड करेगा 'निशान टोली परेड पर'।

उसके बाद निशान टोली (कलर पार्टी) राष्ट्रीय ध्वज एवं यूनिट ध्वज के साथ निरीक्षण लाइन की तरफ मार्च करेंगे और प्रथम प्लाटून दाएं मार्गदर्शक से 14 कदम दूर जाकर खड़े होंगे। जैसे ही निशान टोली मार्च शुरू करेगा वैसे ही परेड कमाण्डर परेड को राष्ट्रीय ध्वज शस्त्र सलामी देने के लिए कहेगा :-

''परेड राष्ट्रीय सैल्यूट, सलामी शस्त्र'' बैंड राष्ट्रीय गान की पूरी धुन बजाएगा।

राष्ट्रीय सैल्यूट के समय सभी आमंत्रित अतिथि परेड ग्राउण्ड में उपस्थित व्यक्ति खड़े हो जाएंगे तथा उनमें वर्दीधारी अधिकारी भी सैल्यूट देंगे। इस संबंध में होने से पहले उपयुक्त उद्घोषणा भी की जानी चाहिए।

निशान टोली के परेड के दाईं तरफ निर्धारित स्थान पर पहुंचने के बाद निशान टोली कमाण्डर कमांड करेगा ''निशान टोली सलामी शस्त्र'' इस पर निशान टोली भी सलामी देगी। संस्थान/यूनिट के ध्वज को झुकाया जाएगा। इस सबके होते समय परेड 'सलामी शस्त्र' की स्थिति में ही रहेगी।

अब परेड कमाण्डर, परेड एवं निशान टोली को 'कांधे शस्त्र' एवं बाजू शस्त्र की स्थिति में लाएगा। सभी अतिथि व अन्य अपना स्थान ग्रहण करेंगे।

3. इसके बाद परेड कमाण्डर प्लाटून कमाण्डरोंको निम्नलिखित कमांड करेगा :-

''कमाण्डर वापस किर्च''

''कमाण्डर जगह लो''

पहली कमांड पर कमांडर अपनी तलवार को वापस अपनी जगह पर ले जाएंगे। दूसरी कमांड पर वह दाईं तरफ मुड़ेंगे और ड्रम बजने का इंतजार करेंगे। उसके बजने पर अपनी-अपनी प्लाटूनों के दाईं तरफ मार्च करेंगे और रुकेंगे। दुबारा ड्रम बजने पर वे वापिस घूम जाएंगे।

4. उसके बाद परेड कमाण्डर कमांड देगा 'निशान जगह लो' उसके बाद दो ध्वज धारक प्रथम प्लाटून के दाई तरफ के मार्गदर्शक से 7 कदम की दूरी पर ध्वज के साथ मार्च करेंगे और अपनी स्थिति पर खड़े हो जाएंगे। आगे राष्ट्रीय ध्वज होगा बाद में यूनिट/संस्थान का ध्वज होगा। इसी बीच परेड में भाग लेने वाले कर्मी अपने बाएं हाथ को मोड़कर बंदूक को पकड़ेंगे (इसके लिए ड्रम बजाया जाएगा।) ड्रम के दूसरी बार बजने पर वे अपना सीधा हाथ समतल रूप में 45 डिग्री के कोण पर रखेंगे।

5. परेड कमाण्डर की कमांड ''निशान, कार्रवाई शुरू कर'' होने पर दोनों ध्वजधारी जिसमें राष्ट्रीय ध्वज वाला आगे होगा, धीरे-धीरे मार्च करते हए परेड के आगे निकलेंगे। बैंड धीमी गति धुन में से एक मार्च धुन बजाएगा। जब ध्वजधारी अंतिम प्लाटून के बाएं मागदर्शक को पार कर जाएंगे तो बीच वाली पंक्ति के लोग अपने बाएं हाथ को मोड़कर बंदूक को पकड़ेंगे और ड्रम की आवाज या अपना सीधा हाथ उठा देंगे। इसी समय आगे वाली पंक्ति वाले अपना हाथ नीचे करके 'सावधान' की स्थिति में आ जाएंगे। उसी प्रकार पृष्ठ भाग को पूरा करने के बाद ध्वजधारी तेजी से मार्च करते हुए परेड के बीच में पहुंचेंगे और रुक जाएंगे और परेड की तरफ मुंह कर लेंगे।

6. शपथ ग्रहण के लिए ड्रम की आवाज होगी और कैडेट अपना हाथ समतल उठाकर 45 अंश के कोण पर करेंगे बायां हाथ जैसे पहले किया था, मोड़कर बंदूक को पकड़ लेंगे।

7. संगठन/संस्थान का प्रमुख अब निर्धारित शपथ (सुविधानुसार उस शपथ को हिस्सों में बांट लेगा) ऐसी भाषा में जो कि कैडेटों द्वारा समझी और बोली जाती है, में बोलेगा। कैडेट भी प्रत्येक भाग को जो कि पूर्व में बोला गया है, दोहराएंगे। शपथ पूरी होने के बाद कैडेट ड्रम की आवाज होने पर अपना दायां हाथ तुरंत नीचे ले आएंगे, ड्रम की दूसरी आवाज पर वे राइफल को अपने सीधे हाथ में ले लेंगे और सावधान की स्थिति में हो जाएंगे।

8. अब परेड कमाण्डर कमांड करेगा 'कमाण्डरों जगह लो' इसके बाद प्लाटून के आगे निर्धारित जगहों पर खड़े हो जाएंगे। इसी समय निशान टोली भी बाएं मुडेंगी और अपने मार्गरक्षक में शामिल हो जाएंगी।

9. उसके बाद परेड कमाण्डर कमांड देगा 'कमाण्डर निकला किर्च' जिस पर प्लाटून कमाण्डर अपनी तलवार बाहर निकाल लेंगे। इसके बाद परेड कंधे शस्त्र की स्थिति में आ जाएगी।

10. इसके बाद परेड कमाण्डर अब कलर पार्टी को जाने के लिए कमाण्ड करेंगा, ''निशान टोली कूच कर।'' इसके बाद परेड के सामने से गुजरते हुए मार्च समाप्त करेंगे। इसके तुरंत बाद परेड कमाण्डर कमांड करेगा 'परेड, राष्ट्रीय सैल्यूट, सलामी शस्त्र' इस पर परेड राष्ट्रीय ध्वज को सलामी प्रस्तुत करेगी। इस वक्त बैंड राष्ट्रीय गान की पूरी धुन बजाएगा। सभी आमंत्रित अतिथि एवं ग्राउण्ड में उपस्थित अन्य लोग एक बार पुनः खड़े हो जाएंगे और वर्दीधारी अधिकारी ध्वज को सैल्यूट करेंगे। इस अवसर के लिए पहले से घोषण की जाएगी।

11. राष्ट्रीय धुन के समाप्त होने व कलर पार्टी के जाते ही सभी दर्शक अपना-अपना स्थान ग्रहण कर लेंगे। इसके बाद परेड कमाण्डर कमाण्ड देगा ''परेड कांधे शस्त्र एवं परेड बाजू शस्त्र।''

खण्ड -7

151. मार्च पास्ट समारोह

1. कलर पार्टी का मार्च समाप्त होते और परेड के बाजू शस्त्र की स्थिति में होते ही परेड कमाण्डर मार्च पास्ट प्रारंभ करने के लिए निम्नलिखित कमाण्ड करेगा :-

''परेड निकट लाइन चल''

''परेड कांधे शस्त्र''

'' परेड तीन-ओ-तीन कालम में दाहिने चलेगा, 'दाहिने मुड़'''

''बाएं से तेज चल''

(बैंड तेज मार्च की एक धुन बजाना शुरू करेगा।)

''बाएं दिशा बदल, बाएं घूम''

2. निकट कालमों की संरचना

जैसे ही परेड मार्च पास्ट की लाइन के सामने एवं सलामी मंच (प्वाइंट क) के बाएं पहुंचेगी। परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा ''परेड थाम कर , बाएं दिशा प्लाटून के निकट कालम बना''।

प्रत्येक प्लाटून कमाण्डर अपनी-अपनी प्लाटून को रोकेगा और बाएं मुड़ने के लिए क्रमानुसार कहेगा। जब आखिर की प्लाटून की संरचना भी बन जाएगी तो परेड कमाण्डर कमाण्ड देगा ''परेड, बाजू शस्त्र'' और उसके तुरंत बाद प्लाटूनों को तैयार होने के लिए इन शब्दों की कमाण्ड करेगा --

''परेड दाहिने सज''

इस कमाण्ड के बाद सभी प्लाटूनों के दाएं मार्गदर्शक 5 कदम आगे बढ़ेंगे और रुक जाएंगे। पीछे घूमेंगे और आगे की लाइन की एक के बाद एक सज्जा करवाएंगे। सभी प्लाटूनों के दाएं मार्गदर्शक लगातार यही कमाण्ड करेंगे ''हिलो मत'' जैसे ही अंतिम प्लाटून का दायां मार्गदर्शक कमाण्ड समाप्त करेगा, सभी दाएं मार्गदर्शक एक साथ बाएं घूमेंगे, एक कदम आगे बढ़ाएंगे और दूसरी लाइन की सज्जा के लिए वही कार्रवाई दोहराएंगे। तीसरी लाइन के लिए भी एक बार पुनः इसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी। ज्यों ही अंतिम प्लाटून का दायां मार्गदर्शक अपनी प्लाटून की अंतिम लाइन को ''हिलो मत'' की कमाण्ड करेगा, सभी प्लाटूनों के दाएं मार्गदर्शक दाएं तरफ एक साथ घूमेंगे और दो कदम आगे बढ़ेंगे, ''बाएं घूमते'' हुए अपनी-अपनी प्लाटूनों की पहली लाइन से अपने मूल नियत स्थान पर जाकर खड़े हो जाएंगे। ये मार्ग दर्शक सभी प्लाटूनों की आपस के हर क्रियाकलाप में हमेशा समन्वय रखेंगे।

सभी प्लाटूनों की सज्जा समाप्त होते ही परेड कमाण्डर इन शब्दों की कमाण्ड करेगा, ''सामने देख'' इस कमाण्ड के होते ही पूरी परेड एक साथ सामने देखने की स्थिति में आ जाएगी। इसके बाद प्लाटून कमाण्डर एवं परेड कमाण्डर पीछे मुड़ जाएंगे। सभी दाएं मार्गदर्शक एक साथ कदम बढ़ाएंगे और 5 कदम मार्च करेंगे, रुकेंगे और दाईं तरफ घूम जाएंगे। परेड अब मार्च पास्ट के लिए तैयार है।

3. मार्च पास्ट

(क) परेड कमाण्डर अब कमाण्ड करेगा,

''परेड कांधे शस्त्र''

''परेड प्लाटून के कालम में इस मंच से गुजरेगा - नं. 1 प्लाटून आगे।''

इस कमाण्ड के तुरंत बाद नं. 1 प्लाटून का कमाण्डर कमाण्ड करेगा, ''नंबर एक प्लाटून, आगे बढ़ेंगे दाहिने से धीरे चल।'' इस कमाण्ड पर प्लाटूनें एक के बाद एक कालमों की दूरी रखते हुए उनके पीछे चलेगी। प्रत्येक प्लाटून का कमाण्डर स्वतंत्र रूप से अपनी प्लाटून को मार्च शुरू करने के लिए कमाण्ड करेगा, जैसे ही नं. 1 प्लाटून अपनी मार्च शुरू करेगी, परेड कमाण्डर भी मार्च शुरू कर देगा।

(ख) जब प्लाटून नं.1 पाइण्ट ख की तरफ पहुंचेगी तो परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा ''परेड बारी-बारी खुली लाइन चल।''

ध्वज चिह्न के निशान पर प्लाटूनों के पहुंचने पर प्रत्येक प्लाटून-कमाण्डर अपनी-अपनी प्लाटूनों को निम्नलिखित स्वतंत्र कमाण्ड करेगा नं. ---------- प्लाटून खुली लाइन (प्वाइंट ख पर)

(प्लाटून खुले क्रम में रहेगी और मार्च जारी रखेंगी।)

नं. ----------प्लाटून दाहिने देख (प्वाइंट ग पर)

नं. ---------- प्लाटून सामने देख (प्वाइंट घ पर)

''प्लाटून दाहिने देख की कमाण्ड पर दाहिने मार्गदर्शी को छोड़कर समस्त प्लाटून दाईं तरफ आखें करेगी। इसी समय प्लाटून कमाण्डर विशिष्ट व्यक्ति को सैल्यूट करेगा। परेड कमाण्डर स्वतंत्र रूप से सैल्यूट करेगा।''

5. जब सभी प्लाटून सलामी मंच पार कर लेंगी और प्वाइंट घ और ङ के बीच पहुंचेगी तब परेड कमाण्डर परेड को निकट होने का आदेश देगा ''परेड बारी-बारी निकट लाइन चल।'' इसके बाद प्रत्येक प्लाटून का कमाण्डर स्वतंत्र रूप से अपनी-अपनी प्लाटून को कमाण्ड देगा, ध्वज प्वाइंट के चिह्न के पास पहुंचने पर प्लाटून कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्ड करेगा ''प्लाटून नं.- निकट लाइन।''

कोने के ध्वज (प्वाइंट च) पर पहुंचने पर परेड कमाण्डर इन शब्दों के साथ कमाण्ड करेगा ''परेड थम कर, नं. 1 प्लाटून पर प्लाटून का निकट कालम बना।'' इस पर परेड दुबारा से प्लाटून नं.1 के साथ निकट कालम बना लेगी। निकट कालम की जगह पर पहुंचने पर जहां प्लाटून नं.1 रुकी है। उसके पीछे खड़े होने के लिए प्रत्येक प्लाटून का कमाण्डर स्वतंत्र रूप से कमाण्ड देगा ''नं. ----प्लाटून थम'' इसके बाद परेड कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्ड करेगा :-

''परेड दाहिने से बारी-बारी, तीनों-तीन के कालम में आगे बढ़ परेड दाहिने मुड।''

6. जैसे ही परेड दाईं तरफ मुड़ेगी नं. 1 का प्लाटून कमाण्डर अपनी प्लाटून को इन शब्दों में कमाण्ड करेगा - ''नं.1 प्लाटून बाएं से तेज चल, बाएं घूम'' और उसके बाद सभी प्लाटून कमाण्डर अपनी प्लाटून में निर्धारित स्थानों में पहुंच कर निरीक्षण लाइन के साथ मार्च करेंगे। उसके बाद बाएं घूमेंगे और कमाण्ड होगा। 'बाएं घूम' और यह तीन प्वाइंटों पर होगा जो प्वाइंट च छ एवं ज होंगे। परेड पुनः सलामी मंच के पास से तेज मार्च करती हुई प्लाटून कालमों के रूप में गुजरेगी और पासिंग लाइन के पास पहुंचने पर परेड प्लाटून कालम में फिर से आ जाएगी।

पासिंग लाइन के बाएं कोने (प्वाइंट) के नजदीक पहुंचने पर परेड कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्ड करेगा ''परेड बाएं दिशा, प्लाटून के कालम में आगे बढ़।''

इसके बाद प्रत्येक प्लाटून कमाण्ड निम्नलिखित शब्दों से कमाण्ड देकर प्लाटून को आगे बढ़ाएगा --

''नं. -------- प्लाटून आगे बढ़ेगा बाएं मुड़-दाहिने से''

इसी प्रकार जब सलामी मंच के सामने गुजरने वाला हो तो प्लाटून कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों में कमाण्ड करेगा।

''नं. ---------- प्लाटून दाहिने देख (प्वाइंट ग)''

''नं. ---------- प्लाटून सामने देख (प्वाइंट ग)''

कोने के ध्वज पर पहुंचने पर परेड कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्ड करेगा :-

''परेड दाहिने से बारी-बारी''

''तीनो-तीन के कालम में आगे बढ़''

उसके बाद कोने पर पहुंचने पर परेड पुनः तीन लाइन के कालम के रूप में हो जाएगी जैसे निरीक्षण लाइन पर थी। इसके लिए प्रत्येक प्लाटून कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों में कमाण्ड करेगा :-

''नं. ---------- प्लाटून तीनों-तीन लाइन के कालम के रूप में हो जाएगी जैसे निरीक्षण लाइन पर थी। इसके लिए प्रत्येक प्लाटून कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों में कमाण्ड करेगा :-''

7. एक बार जब परेड अपने मूल स्थान उदाहरणों के लिए निरीक्षण लाइन पर पहुंच जाएगी तो परेड कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्ड करेगा ''परेड थम''। इस पर परेड रुक जाएगी। उसके बाद परेड कमाण्डर आगे निम्नलिखित कमाण्ड करेगा :-

''परेड आगे बढ़ेगा, बाएं मुड़''

''परेड खुली लाइन चल''

''परेड मध्य सज''

इस कमाण्डर पर बाएं मुड़ेंगे और खुली स्थिति में आ जाएंगे। ड्रम की आवाज पर किले की दीवार की दाहिने तरफ की प्लाटून अपना सिर बाएं तरफ घुमा लेगी और बाईं तरफ वाली प्लाटून अपना सिर दाहिनी तरफ घुमा लेगी उसके बाद वे अपने को तैयार करेंगे और ड्रम की अगली आवाज पर सामने देखने की स्थिति में हो जाएंगे।

टिप्पणी : (1) खण्ड-7 में सलामी मंच के आगे से परेड को दो बार मार्च पास्ट करने की प्रक्रिया का विवरण दिया गया। पहले प्लाटून कालम में धीरे मार्च के साथ और दूसरे में प्लाटून कालम में तेज मार्च के साथ (विस्तृत जानकारी के लिए अध्याय 16 के खण्ड-16 व खण्ड-17 देखें) यह प्रक्रिया अधिकारी कैडेटों की पासिंग आउट परेड के दौरान अपनाई जाएगी।

2. कांस्टेबलों की भर्ती के समय पासिंग आउट परेड में प्रशिक्षार्थियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण धीमे मार्च पास्ट को नहीं कराया जाता है।

3. धीमे मार्च पास्ट के समय पासिंग लाइन के दाहिने कोने पर (प्वाइंट एफ के नजदीक जहां के सभी प्लाटून सलामी मंच के पास से धीमी मार्च करेगी) बंद निकट कालम संरचना परेड की प्रक्रिया भी शामिल हैं। अध्याय-16 के खण्ड-17 में यह लगातार मार्च के (जैसे बिना रुके) रूप में बताई गई है।

खण्ड-8

152. निरीक्षण क्रम में बढ़ना और संस्थान प्रमुख द्वारा रिपोर्ट, पुरस्कार वितरण एवं विशिष्ट व्यक्ति का भाषण :-

(1) एक बार सज्जा पूरी होने के बाद परेड कमाण्डर परेड को निरीक्षण क्रम में बढ़ने के लिए कमाण्ड करेगा ''परेड निरीक्षण क्रम में मध्य से तेज चल'' इस कमाण्ड पर परेड 15 कदम आगे बढ़ेंगी और अपने आप रुक जाएगी। (इस रुकने के लिए किसी भी प्रकार की कमाण्ड नहीं दी जाएगी) जैसे ही परेड रुकेगी परेड कमाण्डर जनरल सैल्यूट के लिए निम्नलिखित कमाण्ड करेगा :-

''परेड कांधे शस्त्र''

''परेड जनरल सैल्यूट, सलामी शस्त्र''

''परेड कांधे शस्त्र''

''परेड बाजू शस्त्र''

''परेड विश्राम''

संस्थान प्रमुख अब अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

(2) यह हो जाने पर परेड कमाण्डर पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार व ट्राफियां प्राप्त करने के लिए आगे लाएगा। इसके बाद निम्नलिखित कमाण्ड करेगा :-

''परेड सावधान''

''कमाण्डर वापिस किर्च'' (इस कमाण्ड के होने पर कमाण्डर एवं प्लाटून कमाण्डर अपनी तलवार वापिस रख लेंगे।)

''परेड विश्राम''

''पुरस्कार विजेता सावधान''

''पुरस्कार विजेता लाइन बन''

''पुरस्कार विजेता लाइन बन'' की कमाण्ड होने पर ड्रम बजने की आवाज होगी। इस आवाज पर पुरस्कार विजेता अपने बराबर खड़े व्यक्ति के बाएं हाथ में अपनी राइफल पकड़ा देगा। इसके बाद पुरस्कार विजेता परेड कमाण्डर के पीछे दोनों तरफ मार्च करते हुए लाइन बनाएंगे और उनका चेहरा सलामी मंच की तरफ होगा। परेड कमाण्डर की कमाण्ड ''विजेता सज जा'' पर तैयार होंगे।

उसकी अगली कमाण्ड ''विजेता मध्य से तेज चल'' पर सभी पुरस्कार विजेता (जिसमें परेड कमाण्डर खुद भी शामिल होगा) आगे बढ़ेंगे। सलामी मंच के आगे बने निशान पर पहुंचने पर परेड कमाण्डर उनको रुकने के लिए निम्नलिखित कमाण्ड देगा :-

''विजेता सज जा''

''पुरस्कार विजेता, सैल्यूट''

''विजेता विश्राम''

इसके बाद पुरस्कार विजेताओं के नाम पुकारे जाएंगे। इस पर प्रत्येक एक-एक कदम आगे बढ़ाते हुए सलामी मंच की तरफ बढ़ेगा, विशिष्ट व्यक्ति को सैल्यूट करेगा। पुरस्कार/शील्ड प्राप्त करेगा, दुबारा सैल्यूट देगा, बाएं घूमेगा, सलामी मंच के साथ-साथ कुछ कदम मार्च करता हुआ चलेगा, पुरस्कार।ट्राफी उस व्यक्ति को सौंप देगा जो इस कार्य के लिए नियुक्त किया गया है और पुरस्कार विजेताओं की लाइन में अपने मूल स्थान पर वापिस आ जाएगा।

पूरे पुरस्कार बंटने के बाद परेड कमाण्डर पुरस्कार विजेताओं को वापिस ले जाने के लिए निम्नलिखित शब्दों में कमाण्ड देगा :-

''पुरस्कार विजेता सावधान''

''विजेता सैल्यूट''

''विजेता पीछे मुड़''

''विजेता मध्य से तेज चल''

परेड के पास निर्धारित स्थान पर बनी लाइन पर पहुंचने पर परेड कमाण्डर इन शब्दों में कमाण्डर करेगा ''विजेता थम'' इस पर वे रुक जाएंगे। ''पुरस्कार विजेता जगह लो'' की कमाण्ड होने पर पुरस्कार विजेता परेड में अपने-अपने निर्धारित स्थानों पर जगह लेंगे। परेड कमाण्डर पीछे रहेगा। ड्रम की आवाज पर वे अपनी राइफल वापिस ले लेंगे। ड्रम की तीसरी आवाज पर वे आराम की स्थिति में खड़े हो जाएंगे।

(3) अब विशिष्ट अतिथि अपना भाषण देगा।

खण्ड-9

153. परेड भंग (परेड निष्क्रमण)

1. विशिष्ट अतिथि का भाषण समाप्त होने के बाद परेड कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों में कमाण्ड करेगा :-

''परेड सावधान''

''कमाण्डर निकाल किर्च''

2. परेड के सीधा खड़े होने और प्लाटून कमाण्डरों द्वारा अपनी तलवारों को वापिस कर लेने के बाद परेड कमाण्डर सलामी मंच की तरफ जाएगा और विशिष्ट व्यक्ति से परेड भंग करने के लिए निम्नलिखित शब्दों द्वारा अनुमति मांगेगा :-

''श्रीमान (विशिष्ट व्यक्ति महिला के होने पर महोदया) दीक्षांत परेड निष्क्रमण करने की आज्ञा प्रदान करें।''

3. परेड भंग की अनुमति प्राप्त करने के बाद परेड कमाण्डर अपने स्थान पर वापिस आ जाएगा और इन शब्दों में कमाण्ड देगा :-

''दीक्षांत परेड, कांधे शस्त्र''

''परेड दाएं-बाएं मुड़''

''परेड निष्क्रमण के लिए दाएं-बाएं से धीरे चल।''

इस कमाण्ड पर परेड अंदर की तरफ मुड़ेगी और कैडेट तीन कालमों में परेड के प्लाटूनों से दाएं और बाएं तरफ बराबर रूप से सलामी मंच के दोनों तरफ से धीमे मार्च करते हुए चलेंगे। प्रत्येक छः कैडेट अगले 6 कैडेटों से 8 कदम की दूरी पर रहेंगे।

परेड एवं प्लाटून कमाण्डर एवं दाहिने मार्गदर्शक कदम बाहर निकाल कर धीमे मार्च करते हुए कतारों के साथ बीच में आ जाएंगे और 'पीलिंग आफ' तक अपनी बारी का इंतजार करेंगे। 6 कैडेटों की प्रत्येक पंक्ति जैसे ही सलामी मंच के पास बने चिह्न के पास पहुंचेगी व तीन-तीन के रूप में होकर दो पंक्तियों में विभक्त हो जाएंगे। एक सलामी मंच के दाईं तरफ से दूसरी बाईं तरफ से बढ़ेंगी। विशिष्ट अतिथि के समीप पहुंचने पर वे अभिनंदन स्वरूप बट सैल्यूट देंगे। 8 कदम आगे बढ़ाने पर वे सैल्यूट समाप्त करेंगे और खींची गई लाइन को पार करने के बाद वे तेज मार्च करते हुए हथियार गृह की तरफ राइफलों को जमा कराने जाएंगे।

कैडेटों की अंतिम पंक्ति जाने के बाद दाएं मार्गदर्शक प्लाटून कमाण्डर और उसके बाद परेड कमाण्डर मार्च शुरू करेंगे। जैसे ही परेड कमाण्डर विशिष्ट तिथि को पार करेगा, घुड़सवार दस्ता एवं बैंड किले की दीवार के गेट की ओर मार्च करेंगे। उनके जाते ही गेट बंद कर दिया जाएगा।

खण्ड - 10

154. विशेष नोट

(1) इस अध्याय में प्लाटूनों में परेड के निर्माण की प्रक्रिया का विवरण दिया है। यदि ऐसे मामले जहां प्रशिक्षणार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा है वहां परेड की संरचना कंपनी रूप में की जाएगी और इसके मार्च पास्ट संबंधी प्रक्रिया अध्याय-16 के खण्ड-14 में दी गई है।

(2) पासिंग आउट परेड प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण के चरम बिंदु का अवसर होता है। यूनिट सहायक एवं यूनिट एस.एम. की परेड में छोटी-सी भूमिका होती है। इसी प्रकार परेड/आई.सी. की भी एक छोटी-सी भूमिका होती है। तथापि जहां परेड यूनिट/संगठन/संस्थानों के पारंपरिक रूप से अपेक्षित है वहां संबंधित पुलिस महानिदेशक से इस विषय में अनुमति लेनी होगी। तब उनकी स्थिति अध्याय-16 के परिशिष्ट 'क' में दिए गए विवरण के अनुसार होगी।

(3) शस्त्र ड्रिल में कमाण्ड शस्त्र ड्रिल से संबंधित कमाण्ड 303 राइफल के साथ होगी। ऐसी यूनिट जहां प्रशिक्षणार्थियों के पास राइफल न होकर 'एस.एल.आरस' हैं वहां कमाण्ड में ''कांधे शस्त्र'' नहीं बोला जाएगा और मार्च पास्ट बगल शस्त्र में होगी।

(4) यदि अतिविशिष्ट व्यक्ति/विशिष्ट की परेड में जय-जयकार करनी है तो अध्याय-19 के खण्ड-3 में दी गई प्रक्रिया का अनुपालन किया जाए।

अध्याय-21

कलर प्रदान परेड (अलंकरण परेड)

इस अध्याय को दो भागों में विभक्त किया गया है। भाग-1 में कलर एवं शुरुआत की ड्रिल जिसमें अलंकरण सज्जा, उसका खोलना और बंद करने (ड्रेसिंग, केसिंग, अनकेसिंग) आदि के बारे में बताया गया है। भाग-2 में कलर प्रस्तुति समारोह में संबंध प्रक्रिया का वर्णन है।

भाग-1

खण्ड-1

155. कलर की परिभाषा उसके भाग व उनके माप

शस्त्र यूनिट एवं उसके निर्माण का चिह्न अथवा धारित ध्वज कलर कहलाता है। यह उनकी बहादुरी एवं साहस का प्रतीक है। कैवेलरी यूनिट द्वारा धारित कलर को स्टैंडर्ड कहा जाता है।

कलर के भाग

(1) कलर भाले और कपड़े का बना होता है (कृपया उदाहरण चित्र 'अलंकरण' देखें)

1. भाले की लंबाई जिसमें उसका ऊपर का हिस्सा भी शामिल है, 8 फीट 7'' है

2. कलर के कपड़े का माप :-

(क) लंबाई - 3' 9'' (ख) चौड़ाई 3' (ग) झालर 2 फीट (घ) तार 4 फीट 6''

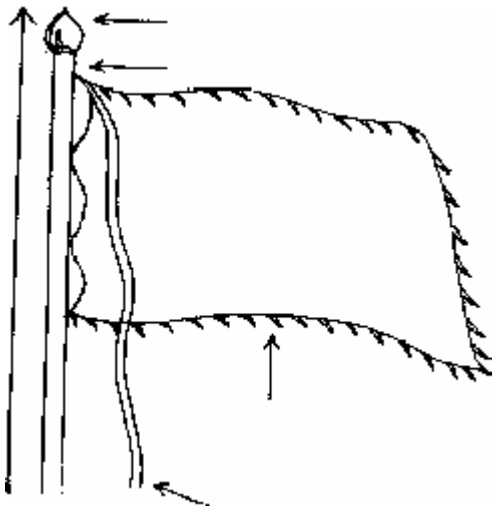

156. कैरी बैल्ट और उसकी सज्जा

1. पेटी बांधना :- जब कलर धारण किया जाए। इसमें साकेट व एक पट्टा होता है। ''युद्ध का सम्मान'' प्रतिरेक चिह्न उसके दोनों तरफ लिखा होता है।

2. कैरी बेल्ट की सज्जा : कैरी बेल्ट क्रास बेल्ट की तरह से होनी चाहिए जो सीधे कंधे की तरफ से बंधनी चाहिए और यह यूनिट की परंपरा पर भी निर्भर करता है। लेकिन ध्वज अधिकारी को सजा हुआ और उसके पदक दिखने वाली स्थिति में लगे होने चाहिए। साकेट हमेशा शरीर के बीच के भाग में होना चाहिए।

खण्ड - 3

157. कलर की सज्जा

विधि : कलर सीधे हाथ के अंगूठे और उंगलियों के बीच में पकड़ा होना चाहिए। भाले के नीचे का हिस्सा ऊपर के हिस्से के मुकाबले थोड़ा आगे दाईं तरफ को होना चाहिए। ऊपर का हिस्सा पकड़ा हुआ और अंगूठे से दबा हुआ होना चाहिए ताकि तरसाल बाहर की तरफ रहे। 6'' के दोहरी परत के कपड़े को दोहरे में मोड़ कर बाएं अंगूठे से दबाया हुआ हो आखिरी मोड़ को इस प्रकार के आकार में रखना चाहिए कि ''युद्ध को सम्मान'' (प्रतिष्ठा) दीख रहा हो। कलर को सीधे हाथ की लंबाई से नीचे से ऊपर की तरफ मोड़ा हुआ होना चाहिए।

खण्ड-4

158. कलर को खोलना एवं बंद करना।

(1) कलर को खोलने के अवसर

(क) परेड समारोह

(ख) पासिंग आउट परेड (पीओपी)

(ग) गार्ड आफ आनर की प्रस्तुति एवं

(घ) यूनिट के किसी मुख्य अवसर पर

(2) खोलना

कलर को उठाने के बाद ध्वज अधिकारी सावधान (अटेंशन) मुद्रा में खड़ा होगा उसके आगे 3 वरिष्ठ एन सी ओ खड़े होंगे। ध्वज अधिकारी अपने मुड़े हुए दोनों हाथों में कलर एन सी ओ की तरफ करके खड़ा होगा। एन सी ओ भी अपने हाथों में कलर को थामे होंगे। ध्वज अधिकारी भाले को दाईं कोहनी के नीचे दबा कर रखेगा और अंदर से केस को खोलेगा।

एन सी ओ इस केस को ऊपर को उठा लेगा और सावधान (अटेंशन) की मुद्रा में खड़ा हो जाएगा। एन सी ओ कलर को सैल्यूट करेंगे दाएं मुड़ेगा एवं वापिस जाएंगे।

(3) बंद करना

जब कभी कलर को क्वार्टरगार्ड अथवा अधिकारी मैस में रखा जाता है तो उसे केस में रखा जाना चाहिए। यदि संभव हो तो उसे एक लकड़ी के बक्से में जिसकी लंबाई 9 फीट व चौड़ाई 3 फीट को तथा उसके ऊपर शीशे की एक परत लगी होनी चाहिए। बक्से में कलर को इस प्रकार रखा जाना चाहिए जिससे कहीं से मुड़ा हुआ न हो। बंद करते समय ध्वज अधिकारी एवं एन सी ओ दोनों (अटेंशन) सावधान मुद्रा में खड़े होंगे। कलर ध्वज अधिकारी के पास रहेगा। बंद करने की क्रिया की शुरुआत पर एन सी ओ कलर को सैल्यूट करेगा। उसके बाद ध्वज अधिकारी कलर को मोड़ेगा और एन सी ओ भाले की ऊपर की नोक को पकड़ेगा। इसके बाद ध्वज अधिकारी अपनी बाई टांग आगे बढ़ाएगा और एन सी ओ अपनी दाईं टांग इन सबके बाद एन सी ओ अपनी दाएं कंधे पर उस केस को रख लेगा।

ध्वज अधिकारी बाएं हाथ से भाले को पकड़ेगा इसके बाद कलर के कोने को कसकर पकड़ेगा और बाईं तरफ से अंगूठे एवं उंगलियों से दबाकर भाले के साथ जोड़ देगा। मुड़ा हुआ कलर भाले पर दाएं से दाएं की तरफ घूमेगा। तरसाल को कलर पर सही ढंग से बांधा जाए जिससे कलर खुल न जाए। ध्वज अधिकारी भाले व कलर को नियंत्रित करेगा और एन सी ओ केस को उस पर धारित करेंगे। ध्वज अधिकारी उसको धारित करने में उसकी मदद करेगा। केस धारित होने के बाद एन सी ओ कलर केस सही प्रकार से रखेगा।

खण्ड-5

159. उठाओ निशान एवं बाजू निशान

(1) आवश्यक

ध्वज अधिकारी के कलर उठाने एवं पकड़ने से पहले उठाओ निशान एवं बाजू निशान संबंधी ड्रिल के बारे में जानकारी अवश्य होनी चाहिए।

(2) उठाओ निशान

गिनती द्वारा गतिविधियों का विवरण

(क) ''गिनती से कलर ड्रिल उठाओ निशान-एक'' की कमाण्ड होने पर कलर को दाएं हाथ से उठाकर शरीर के बिल्कुल सामने लाना चाहिए। इसमें दाएं हाथ की कोहनी भाले के साथ मिल जानी चाहिए। बाएं हाथ से भाले का निचला हिस्सा पकड़े तब साकेट के अंदर डालें।

(ख) इस स्थिति में इन बातों पर ध्यान देगा होगा, कलर को सीधे हाथ से कसकर पकड़ा जाएग और 90 अंश कोण पर रखा जाए कोहनी को भाले से मिलाकर रखें। बाएं हाथ को साकेट पर रखकर शरीर के साथ मिला लें।

(ग) **स्क्वायड-2 :** स्क्वायड-2 की कमाण्ड पर बायां हाथ तेजी से बाईं तरफ लाया जाएगा और सीधा हाथ मुंह के सामने लाएंगे। इस प्रकार कोहनी मैदान के समानंतर हो जाएगी।

(घ) इस स्थिति में न बातों को देखें : सीधा हाथ होटों के सामने हो और उंगलियां अंदर की तरफ हों और अंगूठा बाहर की तरफ, दायां हाथ का अग्रभाग कोहनी से कलाई तक जमीन के समानांतर रहेगा। बाकी सब सावधान (अटेंशन) की स्थिति में होगा।

(3) बाजू निशान :

(क) गिनती द्वारा गतिविधियों का विवरण : उठाओ निशान की स्थिति में ''गितनी से बाजू निशान एक'' शब्द की कमाण्ड प्राप्त होने पर भाले को नीचे से इतना ऊंचा उठाएं कि वह साकेट से अलग हो जाए। दाईं कोहनी को भाले के साथ मिलाएं। बाएं हाथ को भाले पर लाएं जिससे भाले के नीचे के हिस्से को बाहर निकालने में मदद हो।

(ख) इस स्थिति में ध्यान देने योग्य बातें : उठाओ निशान की स्थिति से इसमें केवल एक ही फर्क है। इसमें भाले का निचला हिस्सा साकेट से अलग होता है।

(ग) स्क्वायड-2 : स्क्वायड-2 की कमाण्ड होने पर कलर को दाएं हाथ से दाई तरफ करके पेटी की लाइन के पास लाकर पकड़ेंगे इससे भाला कंधे से मिल जाएगा। भाले का निचला हिस्सा जमीन से ऊपर हो और दाएं बूट की नोक की लाइन में दाएं तरफ हो।

(घ) इस स्थिति में ध्यान देना होगा कि भाले का निचला हिस्सा जमीन से आधा इंच ऊपर होगा और दाएं हाथ से भाला पकड़ा हुआ होगा। बाएं हाथ में पेटी की सीध में कलर को पकड़ा हुआ होगा। शेष स्थिति सावधान खड़ा होने (अटेंशन) की रहेगी।

स्क्वायड-3 : इन शब्दों की कमाण्ड पर बायां हाथ तेजी से बाईं तरफ लाएं और सावधान (अटेंशन) की मुद्रा में हो जाएं।

खण्ड - 6

160. उठाओ निशान से कंधे निशान और कांधे निशान से उठाओ निशान

1. कांधे निशान की आवश्यकता :- यह प्रक्रिया कलर को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने की है।

2. गिनती द्वारा गतिविधियां का विवरण :

(क) उठाओ निशान स्थिति में ''गिनती से कलर ड्रिल कांधे निशान एक'' शब्द की कमाण्ड होने पर दाएं हाथ से कलर उठाएं जिससे भाले का निचला हिस्सा साकेट के सामने आ जाए।

(ख) इस स्थिति में बाजू निशान की पहली मुद्रा की तरह ही रहेगी।

(ग) **स्क्वायड-2 :** स्क्वायड-2 के शब्दों की कमाण्ड पर बायां हाथ सावधान (अटेंशन) मुद्रा में ले आएं और कलर को कंधे पर ले जाएं। दाईं कोहनी शरीर को छूनी चाहिए।

(घ) **इस स्थिति में इन बातों का ध्यान रखना होगा :** दाईं कोहनी शरीर के दाईं तरफ मिल जाएगी। दाएं हाथ से भाले को पकड़ा जाएगा और कंधे पर 45 अंश का कोण बना हो और भाले के ऊपर से लेकर दाएं हाथ की पकड़ तक कलर से ढका होना चाहिए।

खण्ड-7

161. कलर का फहराना, पकड़ना एवं झुकना

(1) फहराना : कलर को फहराने से संबंधित प्रक्रिया का वर्णन नीचे किया जा रहा है और यह तभी फहराया जाएगा जब ''सलामी शस्त्र'' की कमाण्ड होगी।

(2) क्रियाकलापों का विवरण :

''लेट फ्लाई'' शब्द की कमाण्ड होने पर भाले सहित दाएं हाथ को लगभग 6'' तक बढ़ाएगा और कलर को हाथ से मुक्त कर दें। जब कलर मुक्त हो जाए तो दायां हाथ दुबारा से पुरानी स्थिति में ले आएं। सलामी शस्त्र की तीसरी गतिविधि पर यह गतिविधि की जाएगी। दयां हाथ भाले पर से नहीं हटाना होगा।

(3) इस स्थिति में इस बात पर ध्यान देना होगा कि सारी स्थिति ''उठाओ निशान'' की तरह रहेगी केवल कलर फहराता रहेगा।

(4) **(कलर) को पकड़ना :** यह क्रियाकलाप बाजू शस्त्र की कमाण्ड पर होगा। इस कमाण्ड के होने पर कलर को बाएं हाथ से पकड़ कर बाईं तरफ लाना होगा। ''बाजू शस्त्र'' शब्द की कमाण्ड होने पर कलर बाजू निशान की स्थिति में लाना होगा। यदि विशिष्ट अतिथि को सैल्यूट के बाद निरीक्षण करना है तो कलर को ले जाने की स्थिति में रखना होगा और ध्वज अधिकारी शस्त्र ड्रिल शब्द की कमाण्ड की अपनी गतिविधियों में समन्वय करेगा।

(5) (कलर) झुकाने का अवसर

(क) राष्ट्रपति का कलर

राष्ट्रपति के कलर निम्नलिखित के लिए झुकाए जाएंगे :-

(1) राष्ट्रपति

(2) राज्य के राज्यपाल

राष्ट्रपति कलर को केवल तब ही झुकाया जाएगा जब राष्ट्रीय सैल्यूट दिया जाना हो।

(ख) रेजीमेंटल कलर

इसको निम्नलिखित के लिए झुकाया जाएगा :-

1. राष्ट्रपति
2. उपराष्ट्रपति
3. राज्यपाल
4. प्रधानमंत्री
5. केंद्रीय गृहमंत्री
6. फील्ड मार्शल
7. राज्य के मुख्यमंत्री
8. गृह मंत्रालय की अनुमति से थल सेनाध्यक्ष, वायुसेना अध्यक्ष, नौसेना अध्यक्ष।
9. पुलिस महानिदेशक, अनुमति होने पर।

(1) गिनती द्वारा क्रियाकलापों का विवरण

खड़ी स्थिति में ''गिनती से कलर ड्रिल झुकाओ निशान एक'' की कमाण्ड प्राप्त होने पर दाईं कोहनी को भाले के साथ मिलाना होगा।

(2) स्क्वायड-2 : स्क्वायड-2 शब्द की कमाण्ड होने पर दाएं अथवा बाएं हाथ की दिशा पर निर्भर होगा। कलर को 45 अंश पर उठाना होगा ताकि कलर हाथ में पूरी तरह से फहराए।

खण्ड-8

162. कलर पार्टी और मार्गरक्षी

(1) उपर्युक्त बतलाई कलर प्रक्रिया के लिए ध्वज अधिकारी पुलिस उपाधीक्षक/सहायक पुलिस अधीक्षक के रैंक का होगा। कलर पार्टी के मार्गरक्षी के रूप में विशेष रूप से चुने 3 एन सी ओ होंगे। (बटालियन में सबसे वरिष्ठ एन सी ओ जो बटालियन में हलवदार मेजर एवं दो अन्य वरिष्ठ एन सी ओ मार्गरक्षी के रूप में होंगे)

(2) पूरी कलर पार्टी अपने को परेड के मध्य में स्थित करेगी।

(3) इसके अतिरिक्त दो विशेष चयनित एन सी ओ कलरों के केस के साथ कलर पार्टी के पास रहेंगे।

(4) यदि वहां दो कलर हैं जैसे राष्ट्रपति का कलर एवं रेजिमेंटल कलर, वहां दो ध्वज अधिकारी होंगे। राष्ट्रपति का कलर हमेशा दाएं तरफ होगा और उसको धारित करने वाला अधिकारी दोनों में वरिष्ठ होगा और पार्टी का कमाण्डर होगा।

(5) पुजारी : पुजारी अथवा धार्मिक गुरु (आरटीएस) परेड के लिए विशेष रूप से चयन किया जाएगा। उसको पूर्वाभ्यास के दौरान भी शामिल किया जाएगा।

(6) संगठन/यूनिट की परंपरा के अनुसार ही आरटीएस की संख्या होगी। परेड के शुरू होने से पहले आरटीएस सलामी मंच के पीछे दाईं तरफ कुछ कदम आगे की तरफ होकर अपना स्थान होगा।

भाग-2

खण्ड-1

163. सामान्य निर्देश

किसी बल/यूनिट द्वारा की गई सेवाओं के सम्मान के लिए कलर प्रदान किया जाता है। यह यूनिट द्वारा किए गए साहस प्रदर्शन, बहादुरी, जीवट एवं समर्पण की भावना का प्रतीक है। कलर प्रदान परेड एक बहतु बड़े समारोह का अवसर है। अतः इसके लिए सभी स्तरों पर पूर्ण रूप से ध्यानपूर्वक एवं सही निरीक्षण में तैयारियां की जानी चाहिए ताकि परेड का स्तर ऊंचा हो। इसके अंतर्गत सामान्य व्यवस्था संबंधी कार्य किए जाने आवश्यक हैं जिनमें परेड ग्राउण्ड, यूनिट संगठन, निरीक्षण अधिकारी का स्वागत, निरीक्षण, मार्च पास्ट, अधिकारियों की नियुक्ति, निरीक्षण क्रम से संबंधित आदेश जो इस मैनुअल के अध्याय-16 में दिए गए हैं, अनुसार किए जाएंगे। उसी अध्याय के खण्ड-8 में परेड समारोह के लिए दिए गए विशेष दिशा निर्देशों का अधिकारियों द्वारा पालन किया जाएगा। अतः अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि इस अध्याय के साथ-अध्याय-16 का ध्यानवूर्वक अध्ययन करें।

खण्ड-2

164. अतिविशिष्ट व्यक्तियों द्वारा कलर प्रदान

किसी भी बल/यूनिट द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों को सम्मान स्वरूप कलकर प्रदान होना एक बहुत ही महत्वपूर्ण अवसर होता है। यह एक ऐसा अवसर होता है जब बल/यूनिट के सदस्यों को हमेशा यादगार के रूप में अंकित रहेगा। अतः बल के प्रमुख के लिए आवश्यक है कि बल/यूनिट को कलर प्रदान केवल अतिविशिष्ट व्यक्ति द्वारा कराया जाए।

राष्ट्रपति के कलर के लिए

राष्ट्रपति का कलर एक पुलिस बल (के. पु. संगठन/राज्य पुलिस) को निम्नलिखित अतिविशिष्ट व्यक्तियों द्वारा प्रदान किया जाता है।

(क) राष्ट्रपति

(ख) प्रधानमंत्री

(ग) केंद्रीय गृह मंत्री

रेजीमेंटल कलर के लिए

रेजीमेंटल कलर एक ऐसे पुलिस संगठन (बटालियन/पुलिस प्रशिक्षण कालेज) को निम्नलिखित में से किसी एक द्वारा प्रदान किया जाता है :-

(क) गवर्नर

(ख) राज्य के मुख्यमंत्री

(ग) गृह राज्यमंत्री

खण्ड-3

165. परेड की संख्या : कलर प्रदान परेड (अलंकरण परेड) में निम्नलिखित द्वारा बनेगी :-

(1) राष्ट्रपति के कलर के लिए

(क) परेड कमाण्ड (कमाण्डेंट/पुलिस अधीक्षक)

(ख) परेड द्वितीय कमाण्ड (उप कमाण्डेंट/अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक)

(ग) परेड सहायक

(घ) अधिकारी - 4 (कंपनी कमाण्डर)

(ङ) सूबेदार मेजर - 1

(च) एस ओ एस - 12

(छ) अन्य रैंक - अलग-अलग 75 अन्य रैंकों की 4 कंपनियां

(ज) ध्वज अधिकारी - 1

(झ) कलर के मार्गदर्शी - 3 +2

(ञ) बैंड - दो बैंड (ब्रास एवं पाइप मिश्रित)

(ट) घुड़सवार दस्ता - उपलब्ध होने पर

ध्वज अधिकारी एवं मार्गदर्शी संबंधी निर्दशों पर पहले ही इस अध्याय के खण्ड-8 में चर्चा की जा चुकी है।

(2) रेजीमेंटल कलर के लिए

(क) परेड कमाण्डर (उप कमाण्डेंट)

(ख) परेड द्वितीय कमाण्ड (पुलिस उपाधीक्षक)

(ग) परेड एस एम

(घ) ध्वज अधिकारी-1

(ङ) कलर के लिए मार्गदर्शी 3 + 2

(च) एस ओ एस : अन्य रैंकों की संख्या के अनुसार

(छ) अन्य रैंक्स : कम से कम दो कंपनी

(ज) बैंड : एक/दो उपलब्धता के अनुसार

(झ) घुड़सवार दस्ता : उपलब्धता के अनसार

खण्ड - 4

166. परेड की विरचना

(1) कार्यक्रम की शुरुआत से 30 मिनट पहले अलंकरण परेड किले की दीवार के पीछे जाकर खड़ी हो जाएगी। कंपनीवार राइफलों के साथ जिसमें संगीनें भी लगी हों, बाजू शस्त्र की स्थिति में (शस्त्र क्रम) खड़ी होगी। दो कंपनी किले के द्वार दाईं तरफ अपनी स्थिति लेगी। कंपनी नं. 1 द्वार के पास खड़ी होगी और अन्य कंपनी नं: 2 उसके दाईं तरफ खड़ी होगी। अंतिम कंपनी (कंपनी नं. 4) गेट के दाईं तरफ होगी और कंपनी नं.3 बाईं तरफ उसके आगे खड़ी होगी। उसके पीछे घुड़सवार दस्ता खड़ा होगा और पृष्ठ भाग में बैंक होगा जो परेड के बीच में होगा। बिगुलर एवं बल्लमदार, किले की दीवार के पीछे अपनी स्थिति में खड़े हो जाएंगे।

(2) किले के द्वार को दो द्वारपालों द्वारा परेड के शुरू होने के 20 मिनट पहले खोला जाएगा। दो बिगुलर परेड ग्राउण्ड में बीच की दीवार की तरफ से प्रवेश करेंगे और निरीक्षण लाइन की तरफ मार्च करेंगे (निरीक्षण लाइन, पासिंग लाइन आदि के लिए अध्याय-16 के खण्ड-2 को देखें परेड ग्राउण्ड का चित्र नीचे दिया जा रहा है।) और वहां पहुंचकर मार्कर काल करेंगे। इसके बाद बिगुलर वापिस मुड़ेंगे और मार्च करते हुए किले की दीवार के पृष्ठभाग में आएंगे और निरीक्षण लाइन पर अपनी स्थिति लेंगे।

परेड ग्राउण्ड की तरफ बने किले की दीवार के ऊपर बिगुलर एवं बल्लमदार अपनी-अपनी स्थिति लेंगे।

इसके बाद बिगुलर मार्कर काल के 3 मिनट बाद काल इन काल (एडवांस काल) की आवाज करेंगे।

निरीक्षण या समीक्षा परेड ग्राउण्ड

(3) परेड सूबेदार मेजर अब परेड को ''सावधान'' एवं कांधे शस्त्र की स्थिति में लाएगा और निरीक्षण लाइन की तरफ मार्च करेगा और कमाण्ड करेगा ''परेड दाएं बाएं से तेज चल'' गेट को पार करने पर दाईं तरफ की कंपनियां (कंपनी नं. 1, 2) दीवार के दाई तरफ बढ़ेगी और बाई तरफ की कंपनियां (3 व 4) दीवार के बाईं तरफ बढ़ेगी मार्कर पर पहुंचने पर प्लाटून मार्क समय लेगी। जब सारी प्लाटून निरीक्षण लाइन के पास अपने स्थान पर पहुंचेगी तो परेड रुकेगी तब ड्रम बजेगा। परेड सूबेदार मेजर निम्नलिखित कमाण्ड एक के बाद एक लगातार देगा :-

''परेड आगे बढ़ेगा दाहिने बाएं मुड़''

''परेड बाजू शस्त्र''

''परेड खुली लाइन चल''

''परेड मध्य सज''

''परेड विश्राम''

घुड़सवार दस्ता बाईं तरफ खड़ा हो जाएगा और परेड के बीच में निरीक्षण के पीछे बैंक के सदस्य खड़े होंगे।

(4) परेड सहायक मंच की तरफ से मार्च करते हुए परेड की तरफ आएगा। परेड सहायक के दिखते ही परेड सूबेदार मेजर परेड को सावधान की स्थिति में लाएगा और परेड का दायित्व परेड सहायक को सौपेंगे। उसके बाद पीछे मुड़ेगा और अपनी स्थिति पर वापस आ जाएगा।

(5) परेड सहायक मंच की तरफ पीछे मुड़ेगा और परेड को ''विश्राम की स्थिति में लाएगा।''

(6) द्वितीय परेड कमाण्ड के मंच के अंत तक पहुंचते ही परेड सहायक परेड को सावधान की स्थिति में लाएगा।

(7) परेड सहायक परेड का दायित्व द्वितीय परेड कमाण्ड को सौंप देगा, पीछे मुड़ेगा और अपनी स्थिति पर आ जाएगा।

(8) द्वितीय परेड कमाण्ड मंच की तरफ पीछे मुड़ेगा।

(9) अधिकारी काल : बिगुलरों द्वारा ''आफिस काल'' करने पर बीच से होकर परेड ग्राउण्ड के लिए मार्च करेंगे। दाएं-बाएं घूमेंगे और अपनी-अपनी कंपनी के आगे निर्धारित स्थानों पर दाएं-बाएं से मंच की तरफ को मुंह करके खड़े हो जाएंगे। यह ड्रम की आवाज पर होगा। जैसे ही अधिकारी अपना स्थान लेंगे, द्वितीय परेड कमाण्डर ''आफिसर, एसओएस, किर्च, निकालेंगे, किर्च निकाल'' की कमाण्ड करेगा। इसके बाद सभी अधिकारी एवं एसओएस ध्वज अधिकारी और बैंड मास्टर को छोड़कर अपनी-अपनी तलवार निकाल लेंगे। इसके बाद द्वितीय परेड कमाण्डर परेड को विश्राम की स्थिति में लाएगा और परेड कमाण्डर के आने की प्रतीक्षा करेगा।

(10) परेड कमाण्डर के आने के बाद द्वितीय परेड कमाण्डर परेड को सावधान एवं कांधे शस्त्र की स्थिति में लाएगा और कमाण्ड करेगा :-

''परेड सलामी देगी सलामी शस्त्र''

इस पर परेड कमाण्डर को सैल्यूट देगी। (बैंड नहीं बजेगा) और द्वितीय परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा ''परेड काधे शस्त्र'' और परेड बाजू शस्त्र मंच की तरफ मार्च करेगा और परेड कमाण्ड को परेड का दायित्व सौंप देगा।

(11) परेड कमाण्ड एवं द्वितीय परेड कमाण्डर अपने-अपने निर्धारित स्थान पर जाएंगे और पीछे मुड़ेंगे।

(12) परेड कमाण्डर द्वितीय परेड कमाण्डर को जगह छोड़ने के लिए उपयुक्त समय देगा ताकि दोनों अपने निर्धारित स्थानों पर एक साथ पहुंचें।

(13) इसके बाद परेड कमाण्डर परेड को विश्राम की स्थिति में लाएगा और पुलिस महानिदेशक के आने का इंतजार करेगा।

विशेष ध्यान दें :-

1. बड़ी परेड होने पर यह अपेक्षित है कि वे ऐसे स्थान पर हो जहां स्थाई किला उपलब्ध हो। इन किलों पर परकोटा होना चाहिए। बिगुलरों को परकोटे पर खड़ा होना चाहिए। यदि उन दीवारों पर परकोटा नहीं है तो किसी अन्य सुविधाजनक स्थान पर खड़े हों।

2. यदि राज्य/ यूनिट के पास कोई स्थाई किला नहीं है तो कैनवास के कपड़े का अस्थाई किला तैयार किया जाए। उसको समारोह के अनुरूप ही रंग और भव्यता दी जाए।

3. घुड़सवार दस्ता एवं बल्लमदारों के उपलब्ध होने पर ही उनको परेड में शामिल किया जाना चाहिए।

4. समय की बचत के लिए इस प्रक्रिया में बदलाव लाया जा सकता है। जिसमें द्वितीय परेड कमाण्डर, कंपनी कमाण्डर, परेड सहायक एवं परेड सूबेदार मेजर इन सबको किले की दीवार के पीछे खड़ा किया जाए। द्वितीय परेड कमाण्डर परेड को परेड ग्राउण्ड में लाएं और परेड कमाण्डर को दायित्व सौंप दें।

खण्ड - 5

167. बंद कलर केस का आगमन :

परेड कमाण्डर द्वारा अपनी जगह लेने के बाद वह परेड को आदेश देगा ''कांधे शस्त्र'' तथा कलर पार्टी को बंद कलर परेड ग्राउण्ड में लाने के लिए निम्नलिखित कमाण्ड करेगा :-

(क) ''परेड कांधे शस्त्र''

(ख) '' निशान टोली परेड पर''

इन शब्दों की कमाण्ड पर (कलर पार्टी) निशान टोली कमाण्ड के साथ मार्च करेगी और अपनी जगह लेगा (परिशिष्ट 'अ' देखें)

स. (कलर पार्टी द्वारा अपनी जगह लेने के बाद)

''परेड बाजू शस्त्र''

द. ''परेड विश्राम''

खण्ड - 6

168. पुलिस महानिदेशक का अभिनंदन

कार्यक्रम शुरू होने के 10 मिनट पहले पुलिस महानिदेशक का आगमन होगा। जैसे ही वे आते दीखे परेड कमाण्डर परेड को ''सावधान'' और ''कांधे शस्त्र'' की स्थिति में लाएगा। जैसे ही पुलिस महानिदेशक सलामी मंच पर चहुंचेंगे परेड कमाण्डर परेड को कमाण्ड करेगा ''परेड जनरल सैल्यूट, सलामी शस्त्र'' बैंड जनरल सैल्यूट की धुन बजाएगा। इसके समाप्त होने पर परेड कमाण्डर निम्नलिखित कमाण्ड एक के बाद एक लगातार करेगा :-

''परेड कांधे शस्त्र''

''परेड बाजू शस्त्र''

''परेड विश्राम''

सलामी लेने के बाद महानिदेशक महोदय उस स्थान की तरफ जाएंगे जहां कलर प्रदान करने के लिए आमंत्रित अति विशिष्ट व्यक्ति को आना है।

टिप्पणी : पुलिस महानिदेशक के अतिरिक्त संगठन/ राज्य पुलिस बल के महानिदेशक एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को भी जनरल सैल्यूट दिया जाएगा। जो परेड की तैयारी/ निरीक्षण में शामिल है। यह सैल्यूट महानिदेशक के आने से पहले दिया जाएगा।

खण्ड-7

169. विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति का आगमन

जैसे ही विशिष्ट/अति विशिष्ट व्यक्ति दिखाई दे बिगुलर ''फन फेयर'' की आवाज करेगा और परेड कमाण्डर तुरंत कमाण्ड देगा :-

''अलंकरण परेड सावधान'' इसके बाद ''परेड कांधे शस्त्र'' जैसे ही अतिविशिष्ट व्यक्ति महानिदेशक के साथ सलामी मंच पर पहुंचे परेड उनको शस्त्र प्रस्तुत करेगी जिसके लिए परेड कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों की कमाण्ड करेगा :-

''परेड जनरल सैल्यूट, सलामी शस्त्र''

बैंड जनरल सैल्यूट की धुन बजाएगा और जब तक धुन समाप्त नहीं हो जाती परेड उसी स्थिति में खड़ी रहेगी। (यदि अति विशिष्ट व्यक्ति भारत के राष्ट्रपति अथवा गवर्नर हैं तो ''राष्ट्रीय सैल्यूट'' दिया जाएगा और बैंड राष्ट्रीय गान की धुन बजाएगा।)

इसके बाद परेड कमाण्डर को ''कांधे शस्त्र'' एवं ''बाजू शस्त्र'' की स्थिति में लाएगा।

टिप्पणी : राष्ट्रीय सैल्यूट और राष्ट्रीय गान बजने से संबंधित निर्देश अध्याय-18 के खण्ड-7 व खण्ड-8 (गार्ड आफ आनर के अध्याय) में दिए गए हैं, अनुपालन किया जाए।

खण्ड - 8

170. अतिविशिष्ट व्यक्ति द्वारा परेड का निरीक्षण

जैसे ही परेड ''बाजू शस्त्र'' की स्थिति में आएगी परेड कमाण्डर सलामी मंच की तरफ मार्च करता हुआ जाएगा और रुकेगा, अति विशिष्ट व्यक्ति का अभिवादन करेगा और रिपोर्ट करेगा :-

''श्रीमान (यदि अतिविशिष्ट व्यक्ति महिला है तो महोदया) अलंकरण परेड आपके निरीक्षण के लिए हाजिर है'' इस बीच निरीक्षण जीप (यदि प्रयोग में लाने की योजना है तो) जो परेड के कौने पर खड़ी होगी सलामी मंच की तरफ पहुंचेगी। अतिविशिष्ट व्यक्ति जीप के आगे के हिस्से में खड़े हो जाएंगे और पुलिस महानिदेशक एवं परेड कमाण्डर जीप के पृष्ठभाग में खड़े होंगे जो पहले दो दाईं तरफ होंगे और बाद में बाईं तरफ होंगे। इसके बाद जीप परेड के दोहिने तरफ से परेड की अगली लाइन के सामने से दाईं से बाईं होकर गुजरेगी। (ऐसे मामले में जहां जीप का प्रयोग नहीं किया जाता है अतिविशिष्ट व्यक्ति पैदल चलकर निरीक्षण लाइन पर जाएगा उसके साथ दाईं तरफ पुलिस महानिदेशक तथा बाईं तरफ परेड कमाण्डर दोनों चलेंगे और अतिविशिष्ट व्यक्ति से एक कदम पीछे चलेंगे।)

जैसे ही अतिविशिष्ट व्यक्ति निरीक्षण जीप अथवा पैदल पहली प्लाटून के दाएं मार्गदर्शी को पार करेगा, बैंड धीमी मार्च की कोई एक धुन बजाएगा और जब तक अतिविशिष्ट व्यक्ति द्वारा निरीक्षण पूरा नहीं कर लिया जाता तब तक धुन बजती रहेगी। (यदि अतिविशिष्ट व्यक्ति पैदल निरीक्षण कर रहा है तो पुलिस महानिदेशक एवं परेड कमाण्डर निरीक्षण के दौरान धीमा मार्च करेंगे) अतिविशिष्ट व्यक्ति के सलामी मंच पर लौटने के बाद, परेड कमाण्डर उसको सैल्यूट करेगा और मुड़कर अपनी जगह पर वापिस आ जाएगा।

टिप्पणी - चूंकि कलर प्रदान समारोह एक बड़ा अवसर होता है और परेड भी काफी बड़ी होती है तो यह अपेक्षित है कि एक निरीक्षण जीप की व्यवस्था की जानी चाहिए।

खण्ड - 9

171. परेड टूप

(1) यह तब होता है जब संगठन के पास पुराना कलर होता है और उसे कलर प्रदान किया जा रहा है। उस समय दो ध्वज अधिकारी होंगे। वरिष्ठ ध्वज अधिकारी पुराना कलर कनिष्ठ ध्वज अधिकारी को सौंपेगा। जो उसे लेकर परेड ग्राउण्ड से बाहर चला जाएगा और वरिष्ठ ध्वज अधिकारी वहीं रहेगा और नया कलर प्राप्त करेगा।

(2) इसके लिए परेड कमाण्डर कमाण्ड देगा ''परेड टूप'' इस कमाण्ड पर बैंड और ड्रम परेड ग्राउण्ड में बाएं से दाएं धीमे टूप की धुन बजाते हुए निकलेंगे। जब ड्रम मेजर परेड ग्राउण्ड के मध्य में होगा तो पुराने कलर से गिनकर 10 कदम की दूरी पर जाकर रुकेंगे। अब दोनों मार्गरक्षी पार्टियां परेड ग्राउण्ड में जाएंगी।

(3) जब दोनों मार्गरक्षी पार्टियां चलेगी तो परेड कमाण्डर ''पुराने कलर'' को ''जनरल सैल्यूट'' के लिए निम्नलिखित कमाण्ड देगा :-

अ. ''परेड कांधे शस्त्र''

ब. ''परेड जनरल सैल्यूट सलामी शस्त्र''

(मार्गरक्षी पार्टियां भी उसी समय शस्त्र प्रस्तुत करेंगी)

स. ''परेड कांधे शस्त्र''

द. ''परेड बाजू शस्त्र''

(4) इसके बाद परेड कमाण्डर कमाण्ड देगा ''ध्वज अधिकारी जगह लो''

इस कमाण्ड पर ध्वज अधिकारी मार्च करता हुआ परेड कमाण्डर को आगे केंद्र लाइन पर जाएगा। वरिष्ठ ध्वज अधिकारी कनिष्ठ ध्वज अधिकारी को पुराना कलर सौंपेगा। इस लेन देन के बाद दोनों अधिकारी अपने-अपने निर्धारित मार्गरक्षियों से मिलेंगे। कनिष्ठ ध्वज अधिकारी की कमाण्ड पर मार्गरक्षी जिन्होंने पुराना कलर ले रखा है परेड ग्राउण्ड से बाहर चले जाएंगे।

(5) जैसे ही पुराने कलर वाले मार्गरक्षी परेड कमाण्डर अपेक्षित समानांतर कमाण्ड करेगा। वरिष्ठ ध्वज अधिकारी परेड में नए कलर केस के साथ अपने मूल स्थान पर आ जाएगा।

खण्ड -10

172. खाली वर्ग की विरचना

खाली वर्ग विरचना के लिए परेड कमाण्डर निम्नलिखित कमाण्ड देगा :-

(क) परेड खाली वर्ग बनाएगी बाजू दल आधे दाहिने-बाहिने मुड़ (उस पर केवल आगे की पंक्ति के बगली रक्षी आधे बाएं और दाएं मुड़ जाएंगे।)

(ख) ''बाजू दल दाएं-बाएं से तेज चल'' (इस पर बैंड बजेगा और बगली रक्षी खाली वर्ग बनाएंगे। अंदर वाले रक्षी वैसी ही स्थिति में रहेंगे। द्वितीय कमाण्डर, कमाण्डर रक्षी एवं सहायक भी अपनी जगह ले लेंगे।)

(ग) (जब बगली टुकड़ियां अपने स्थानों पर पहुंच जाएंगी तो कमाण्ड होगी) ''बाजू दल थम''

(घ) ड्रम की आवाज पर सज्जा (ड्रेसिंग होगी) ''बाजू दल मध्य सज''

(ङ) ''बाजू दल सामने देख'' (बगली रक्षी सामने देखेंगे)

(च) इसके बाद परेड कमाण्डर परेड को ''विश्राम'' में लाएंगे।

खण्ड - 11

173. ड्रमों का जमा होना एवं समर्पण का मापदण्ड

1. परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा ''ड्रमर्स ड्रम लगाओ'' इस कमाण्ड पर 10 साइड ड्रमर्स और एक बेस ड्रमर परेड के केंद्रीय पृष्ठभाग में तेजी से आगे बढ़ेगा। वह सलामी मंच के सामने और परेड ग्राउण्ड के बीच में पहुंचेंगे और ड्रमर्स के लिए बनाए गए चिह्न के पास रुकेंगे अंदर की तरफ मुंह करेंगे। इसके बाद पहले से बनाई गई जगह पर ड्रम जमा हो जाएंगे।

2. ड्रम बजाने के स्वर के साथ जब ड्रमर मार्च कर रहे होंगे तब द्वितीय परेड कमाण्डर आगे बढ़ेगा और ड्रम और परेड के बीच में ड्रमों की कतार से 7 कदम की दूरी पर जगह लेगा।

3. अब परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा ''निशान जगह लो'' इसके बाद एनसीओ जिन्होंने कलर केस ले रखा है परेड के मध्य से आगे बढ़ेंगे और ड्रमों से 10 कदम की दूरी पर रुक जाएंगे। द्वितीय परेड कमाण्डर कलर को बक्से में से निकालेगा। (वह सैल्यूट नहीं करेगा) और बक्से को एनसीओ को सौंप देगा। द्वितीय परेड कमाण्डर कलर को उन ड्रमों के ऊपर रख देगा और अपनी जगह पर वापिस आ जाएगा। एनसीओ केस के साथ वापिस मुड़ेगा और तेज समय के साथ किले के अंदर चला जाएगा।

नोट : नए कलर के साथ मार्गरक्षी निरीक्षण लाइन पर रुके रहेंगे। केवल वही एनसीओ जिसके पास कलर बक्स है, आगे बढ़ेगा।

4. इसके बाद परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा ''धर्म गुरू जगह लो'' इसके बाद धर्म गुरू (धार्मिक अध्यापक) अपने सेवादारों के साथ परेड ग्राउण्ड में आएंगे और बाईं तरफ उनके लिए चिह्न निशान पर ड्रमों की तरफ मुंह करके रुक जाएंगे।

5. धार्मिक अध्यापकों (आरटीएस) द्वारा अपने स्थान पर पहंचने के बाद परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा ''धर्म गुरू पवित्र कार्रवाई शुरू करो'' इसके बाद धर्मगुरू प्रतिष्ठा करेगा।

6. जैसे ही धार्मिक गुरू द्वारा प्रतिष्ठा का कार्य पूरा होगा परेड कमाण्डर परेड को सावधान करेगा और कमाण्ड करेगा ''ध्वज अधिकारी जगह लो'' केवल ध्वज अधिकारी आगे बढ़ेगे और ड्रमों की पंक्ति से 10 कदम दूर पर रुक जाएगा। मार्गरक्षी लाइन पर ही खड़े रहेंगे।

खण्ड - 12

174. कलर प्रदान करना

1. परेड कमाण्डर सलामी मंच की तरफ आएगा और विशिष्ट/अति विशिष्ट व्यक्ति से कलर प्रदान करने का अनुरोध करेगा। विशिष्ट/ अतिविशिष्ट व्यक्ति का अभिवादन करने के पश्चात् वह कहेगा :-

''श्रीमान निशान प्रदान करने के लिए निवेदन है।''

अतिविशिष्ट/विशिष्ट व्यक्ति पुलिस महानिदेशक एवं परेड कमाण्डर के साथ सलामी मंच से नीचे आकर परेड ग्राउण्ड के बीच में पहुंचेंगे।

2. विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति एवं पुलिस महानिदेशक ड्रमों के सामने की जगह पर जाएंगे। द्वितीय परेड कमाण्डर आगे बढ़ेगा और कलर को ड्रमों पर से उठाएगा और पुलिस महानिदेशक को सौंपेगा, जो इस कलर को विशिष्ट/अति विशिष्ट व्यक्ति को सौंपेंगे। इस बीच ध्वज अधिकारी अपना दायां घुटना मोड़ लेगा कलर प्रदान करने का इंतजार करेगा। इसके बाद विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति कलर प्रदान करेगा। बैंड ''फन फेयर'' बजाएगा। ध्वज अधिकारी फिर उठेगा और अपनी जगह लेगा।

3. विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति सलामी मंच की ओर आएगा। धार्मिक गुरू परेड ग्राउण्ड से बाहर सलामी मंच के पीछे अपने स्थान पर चला जाएगा और जब तक परेड संपन्न नहीं होती तब तक वहां रहेगा।

4. परेड कमाण्डर अपने मूल स्थान पर वापिस आ जाएगा। ध्वज अधिकारी उसी स्थान पर खड़ा रहेगा।

5. परेड कमाण्डर अब परेड को ''विश्राम'' में लाएगा ताकि यह बोध हो कि समारोह खत्म हो गया। कुछ पल के बाद वह परेड को ''सावधान'' की स्थिति में लाएगा।

खण्ड-13

175. निरीक्षण लाइन पर परेड की पुनः विरचना

1. निरीक्षण लाइन पर परेड की पुनः विरचना के लिए परेड कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों में से एक के बाद एक लगातार कमाण्ड करेगा।

(क) ''बाजू दल पीछे मुड़'' (बगली रक्षी पीछे मुड़ेंगे)

(ख) ''परेड लाइन पर बनेगी बाजू दल आधा दाहिने-बाहिने मुड़'' (बगली रक्षी आधे दाएं एवं आधे बाएं मुड़ेंगे)

(ग) '' बाजू दल दाहिने और बाहिने से तेज चल'' (बगली रक्षी तेज कदमों से मार्च करते हुए निरीक्षण लाइन पर पुनः विरचना करेंगे)

(घ) ''बाजू दल थम'' (बगली रक्षी रुक जाएंगे)

(ङ) ''बाजू रक्षी आगे बढ़ेगा पीछे मुड़'' (बगली रक्षी पीछे मुड़ जाएंगे और सलामी मंच की तरफ मुंह करेंगे)

(च) ''परेड मध्य सज'' (परेड बीच से ड्रमों से पुनः सज जाएगी)

अब परेड निरीक्षण लाइन पर पुनर्विरचना कर लेगी सिवाय उन ड्रमों के जो परेड ग्राउण्ड के बीच में रखे हुए हैं।

2. परेड कमाण्डर परेड को ''विश्राम'' की स्थिति में लाएगा और कमाण्ड देगा ''ड्रमर्स ड्रम उठाओ'' इस पर ड्रमर्स लाइन में आएंगे अपने ड्रम उठाएंगे और बैंड में शामिल हो जाएंगे और वे मार्च के समय ड्रम बजाएंगे। ड्रमर्स के बैंड में शामिल होने के बाद परेड कमाण्डर परेड को सावधान की स्थिति में लाएगा। नए कलर के मार्गरक्षी अब ध्वज अधिकारी के साथ शामिल हो जाएंगे।

3. परेड कमाण्डर अब कमाण्ड करेगा :-

'निशान स्थान लो'

इन शब्दों के कमाण्ड पर ध्वज अधिकारी निरीक्षण लाइन पर आएगा ''दाहिने चल'' पर सलामी मंच की तरफ मुंह करके जगह लेगा।

जब ध्वज अधिकारी कलर को निरीक्षण लाइन पर लाएगा तो परेड कमाण्डर इन शब्दों की कमाण्ड करेगा -

''परेड निशान को सम्मान देगी, जनरल सैल्यूट''

''सलामी शस्त्र'' इसके बाद परेड नए कलर का अभिवादन करेगी। इसके बाद परेड कमाण्डर परेड को ''कंधे शस्त्र'' व बाजू शस्त्र की स्थिति में ले आएगा।

खण्ड-14

176. समारोह मार्च पास्ट

1. इसके बाद परेड समारोह मार्च पास्ट करेगी जिसमें परेड दो बार मार्च पास्ट करेगी। पहले धीमी गति से और फिर तेज गति से। प्लाटूनों द्वारा मार्च पास्ट से संबंधित प्रक्रिया का अध्याय-16 (ड्रिल समारोह के अध्याय) के खण्ड-16 व खण्ड-17 में वर्णित है। अधिकारियों, सैनिकों एवं कलर की जगह उसी प्रकार होगी जैसे कि उस अध्याय के परिशिष्ट 'एफ' में दर्शाया गया है। इस प्रकार की मार्च पास्ट संबंधी प्रक्रिया का वर्णन अध्याय-20 के खण्ड-7 में भी दिया गया है। (पासिंग आउट परेड के अध्याय में)

2. यदि मार्च पास्ट कंपनियों द्वारा किया जाना हो तो वही प्रक्रिया अपनायी जाएगी जैसे पहले धीमी गति और फिर तेज गति से रक्षी द्वारा मार्च पास्ट संबंधी चर्चा अध्याय-16 के खण्ड-14 कर चुके हैं। अधिकारियों की जगह आदमियों और कलर आदि भी उसी अध्याय में दिए गए परिशिष्ट 'घ' के अनुसार होंगे। फिर भी उस प्रक्रिया में दी जाने वाली कमाण्ड का एफ लघु रूप नीचे दिया जा रहा है -

(क) परेड कमाण्डर निम्नलिखित कमाण्ड करेगा :-

''कमाण्ड निकट लाइन चल''

''परेड कंधे शस्त्र''

''परेड तीनों तीन के कालम में दाहिने चलेगा दाहिने मुड़''

''परेड बाजू से तेज चल''

''परेड दो बार दिशा बदल बाएं घूम''

(ख) बंद कालम की विरचना

जब परेड मार्च पास्ट के लिए पहुंचेगी तो आगे की लाइन जो सलामी मंच के बाएं होगी ('क' स्थल के पास) तो परेड कमाण्डर परेड को बंद कालम बनाने का आदेश देगा।

वह निम्निलिखित कमाण्ड देगा :-

''परेड बाएं दिशा थम कर, नंबर एक पर कंपनियों का निकट कालम बना''

नंबर एक कंपनी अपने कंपनी कमाण्डर की कमाण्ड पर रुक जाएगी। अन्य कंपनियां भी अपने-अपने कमाण्डरों की कमाण्ड पर उनके लिए निर्धारित जगहों पर जाकर रुक जाएगी। ध्वज अधिकारी की कमाण्ड पर पार्टी अपनी जगह लेगी।

परेड रुकेने के बाद परेड कमाण्डर निम्नलिखित कमाण्ड एक के बाद एक लगातार करेगा :-

''परेड बाजू शस्त्र''

''परेड दाहिने सज''

''परेड सामने देख'' (सज्जा समाप्त होने के बाद)

3. मार्च पास्ट : सज्जा होने के बाद परेड कमाण्डर कमाण्ड करेगा ''परेड दाहिने से बारी-बारी कंपनियों के काल में धीरे-धीरे तेज चाल में मंच से गुजरेगी, फासला 20 कदम, नंबर एक कंपनी आगे''

इसके बाद प्रत्येक कंपनी कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों में कमाण्ड देगा :-

(क) ''नबर ----- कंपनी आगे बढ़ेगी, दाहिने से धरे चल''

(ख) ''नंबर ---- कंपनी खुली लाइन चल'' प्वाइंट 'ख' पर कंपनी खुला क्रम में आएगी मार्च जारी रखेगी।

(ग) ''नंबर --- कंपनी दाहिने देख'' (प्वाइंट 'ग' कंपनी अपनी आंखें दाहिने घुमाएगी)

(घ) ''नंबर ---- कंपनी सामने देख'' (प्वाइंट 'घ' पर कंपनी आंखें सामने करेगी)

(ङ) ''नंबर ----- कंपनी निकट लाइन चल'' (कंपनी उचित क्रम में आ जाएगी और मार्च जारी रखेगी।)

*विभिन्न चिह्नों के विवरणों (जैसे प्वाइंट अ प्वाइंट व आदि के लिए) व निरीक्षण ग्राउण्ड के अन्य विवरणों के लिए कृपया अध्याय 16 के खण्ड 2 को देखें।

(च) दाहिने कोने पर पहुंचने पर (प्वाइंट च) कमाण्ड देगा - ''परेड थम कर, कंपनी का निकट कालम बना''

इसके बाद प्रत्येक कंपनी कमाण्डर अपनी कंपनी को रोकने के लिए कमाण्ड देगा नं ----- कंपनी थम।

(छ) परेड के रुकने के बाद परेड कमाण्डर परेड को दाहिने मोड़ेगा और इन शब्दों में कमाण्ड करेगा -

''परेड दाहिने से तीनों तीन के कालम में आगे बढ़ परेड दाहिने मुड़''

(ज) परेड के दाहिने मुड़ने के बाद प्रत्येक कंपनी कमाण्डर कमाण्ड देगा ''नं. ----- कंपनी बाएं से बाएं घूम तेज चल'' इस पर प्रत्येक कंपनी के कमाण्डर की कमाण्ड पर एक के पीछे एक चलेगी।

(झ) मार्च पास्ट तेज गति से : अब कंपनी बंद कालम में बिना कहीं रुके तेज गति से मार्च पास्ट करेगी। सभी कंपनियां विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति को जैसे धीमे मार्च के समय सलामी मंच के पास अभिवादन किया था फिर से वैसा अभिवादन करेगी।

(ञ) पर परेड निरीक्षण लाइन पर अपनी मूल जगह पर पहुंच जाए तो प्रत्येक कंपनी कमाण्डर अपनी कंपनी को रोकने के लिए कमाण्ड करेगा-

''नं. ------ कंपनी थम''

जब परेड रुक जाएगी तो परेड कमाण्डर निम्नलिखित शब्दों में कमाण्ड करेगा -

''परेड आगे बढ़ेगी, बाएं मुड़''

''परेड बाजू शस्त्र''

''परड मध्य सज'' (ड्रम की आवाज पर परेड तैयार होगी)

टिप्पणी : यदि इस अध्याय के भाग-1 खण्ड-7 में दिए गए अनुसार अपेक्षित है तो कलर को सलामी मंच के पास झुकाया जा सकता है।

खण्ड - 15

177. निरीक्षण क्रम में बढ़ना और अतिविशिष्ट व्यक्ति का भाषण

अध्याय-16 के खण्ड-18 में दी गई प्रक्रिया के अनुसार परेड निरीक्षण क्रम के अनुसार आगे बढ़ेगी। विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति का अभिवादन करेगी और विश्राम की स्थिति में आ जाएगी। अब विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति अपना भाषण देगा। भाषण समाप्त होने के बाद विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति का जय-जयकार होगा जैसा कि अध्याय-19 के खण्ड-3 में बताया गया है।

खण्ड - 16

178. कलर की वापसी

उपयुक्त प्रक्रिया के बाद परेड कमाण्डर कमाण्ड देगा -

''परेड सावधान''

''परेड कंधे शस्त्र''

''निशान जगह लो''

अंतिम कमाण्ड होने पर कलर पार्टी सलामी मंच के बाएं से मार्च करेगी और ध्वज अधिकारी के इन शब्दों के कमाण्ड पर अपने क्रियाकलाप करेगी-

क. 'निशान टोली कंधे शस्त्र'

ख. 'निशान टोली, मध्य से तेज चल'

कलर पार्टी द्वारा सलामी मंच के बाएं तरफ होने पर परेड कमाण्डर कमाण्ड देगा -

''निशान कूच कर''

अब कलर पार्टी परेड ग्राउण्ड के बाहर जाएगी और इसी समय परेड इस कमाण्ड पर कलर का अभिवादन करेगी -

''परेड निशान को सम्मान देगी जनरल सैल्यूट, सलामी शस्त्र''

जब तक कलर पार्टी मैदान से बाहर नहीं चली जाती परेड सलामी शस्त्र की स्थिति में रहेगी। बैंड जनरल सैल्यूट की धुन बजाएगा।

खण्ड- 17

179. परेड का सौंपना

1. कलर पार्टी के मैदान से जाने के बाद परेड कमाण्डर निम्नलिखित कमाण्ड करेगा-

(क) ''परेड कंधे शस्त्र''

(ख) ''परेड बाजू शस्त्र''

(ग) ''अधिकारी एस ओ एस किर्च वापिस करेंगे वापिस किर्च''

(सभी अधिकारी एवं एसओएस अपनी तलवारें खींच लेंगे)

(घ) ''आफिसर मेरे बाएं लाहन बन, सूबेदार मेजर परेड कूच के लिए स्थान लो''

(जब कमाण्ड पर सभी अधिकारी परेड कमाण्डर के बाईं तरफ लाइन बना लेंगे। सूबेदार मेजर परेड को समाप्त करने के लिए जगह लेगा)

(ड) ''आफिसर्स दाहिने से तेज चल''

(विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति से परिचय के लिए)

(च) ''आफिसर्स थम'' (अधिकारी सलामी मंच के सामने आकर रुक जाएंगे)

(छ) ''आफिसर्स सैल्यूट'' (सभी अधिकारी विशिष्ट/अति विशिष्ट व्यक्ति को सैल्यूट देंगे)

2. अधिकारियों द्वारा सैल्यूट देने के बाद विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति को परिचय दिया जाएगा। वे उनसे हाथ मिलाएगा। अधिकारी सलामी मंच के सामने पंक्ति बनाएंगे परेड कमाण्डर निम्नलिखित कमाण्ड करेगा -

''आफिसर्स सैल्यूट (सभी अधिकारी विशिष्ट/अतिविशिष्ट व्यक्ति को सैल्यूट देंगे)''

''आफिसर्स लाइन तोड़'' (सभी अधिकारी अलग-अलग हो जाएंगे)

3. अधिकारियों के अलग होने पर सूबेदार मेजर परेड को समाप्त करने के लिए निम्नलिखित कमाण्ड करेगा-

''परेड कंधे शस्त्र''

''परेड अंदर को मुड़'' (इस कमाण्ड पर सभी कंपनियां अंदर की तरफ मुड़ जाएंगी।)

''परेड दाएं-बाएं घूम तेज चल''

सभी कंपनियां किले की दीवार के पीछे चली जाएंगी। बैंड भी कुमतल मार्च करता हुआ किले की दीवार के पीछे चला जाएगा और किले का द्वार बंद हो जाएगा।

अध्याय -22

फेयरवैल परेड (विदाई परेड)

180. प्रस्तावना

1. फेयरवैल परेड (विदाई परेड) सामान्यतः किसी वरिष्ठ अधिकारी के सेवानिवृत्त एवं स्थानान्तरण के अवसर पर दी जाती है।

2. फेयरवैल परडे जाने वाले अधिकारी द्वारा बल/यूनिट के लिए की गई सेवाओं के प्रति सम्मान दर्शाने के लिए दी जाती है।

3. जैसे कोई अधिकारी सेवानिवृत्ति/स्थानांतरण पर जा रहा है और उसका स्थान लेने वाला नया अधिकारी आने वाला है तो यह अपेक्षित है कि नए व्यक्ति को भी परेड में उपस्थित होना चाहिए, यदि सम्भव हो।

खण्ड-1

181. सामान्य निर्देश --

फेयरवैल परेड एक समारोह का अवसर होता है, अतः सामान्य व्यवस्था की पूरी प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए जैसे परेड ग्राउंड यूनिट आर्गेनाइजेशन, निरीक्षण अधिकारी का स्वागत, निरीक्षण, मार्च पास्ट, अधिकारियों की पोस्ट एवं समीक्षा संबंधी आदेश जो अध्याय 16 में दिए गए हैं, के अनुसार की जानी चाहिए। अधिकारियों को इसी अध्याय के खण्ड-8 में दिए गए समारोह परेड सम्बन्धी निर्देशों का अनुपालन करना होगा।

खण्ड-2

182. परेड की संख्या --

फेयरवैल परेड की संख्या जाने वाली अधिकारी के रैंक के अनुसार होनी चाहिए। आडम्बर रूप में नहीं होनी चाहिए। परेड की संख्या विभिन्न अधिकारियों के रैंकों के अनुसार होनी चाहिए। जिनका विवरण नीचे दिया जा रहा है (किसी भी मामले में निर्धारित संख्या से अधिक नहीं होनी चाहिए।)

क्र.सं.	जाने वाले अधिकारियों का रैंक	परेड कमाण्डर का रैक	परेड 2/आई.सी. परेड की संख्या का रैंक
1.	पुलिस महानिदेशक	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक	पुलिस उपाधीक्षक	तीन कंपनियां, घुड़सवार दस्ता, यदि उपलब्ध हो, मोटर कालम जैसे सिग्नल्स, संचार वाहन आदि यदि उपलब्ध हों।
2.	अतिरिक्त महानिदेशक	-वही-	-वही-	2 से 3 कम्पनी, घुड़सवार दस्ता यदि उपलब्ध हो।
3.	पुलिस महानिरीक्षक	ए.एस.पी./ पुलिस उपाधीक्षक	इंस्पेक्टर	2 कम्पनी घुड़सवार दस्ता, यदि उपलब्ध हो,
4.	पुलिस उपमहानिरीक्षक	-वही-	-वही-	5 प्लाटून, घुड़सवार दस्ता, यदि उपलब्ध हो।
5.	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/ एस.पी./कमाडेण्ट	-वही-	-वही-	4 प्लाटून, घुड़सवार दस्ता, यदि उपलब्ध हो।

2.पुलिस महानिदेशक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक की (फेयरवैल) विदाई परेड में कम से कम 2 बैंड जिसमें 40 बैंड टुकड़ी होना आवश्यक है जबकि महानिरीक्षक के लिए 30 बैंड टुकड़ी हो तथा पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक के लिए एक बैंड संगठित किया जाना चाहिए।

3. बिगुलरों की संख्या निम्नलिखित अनुसार होगी :-

रैंक	बिगुलरों की संख्या
क. महानिदेशक/ अतिरिक्त महानिदेशक	8-12
ख. महानिरीक्षक	6
ग. पुलिस उप-महानिरीक्षक	4
घ. व.पु. अधीक्षक/पु.अधीक्षक/कंमाडेण्ट	2

4. पुलिस महानिदेशक व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक की विदाई परेड के लिए किले की दीवार के दोनों तरफ 8 से 12 लांसर, यदि उपलब्ध हों भी खड़े होने चाहिए।

खण्ड-3

183. परेड की विरचना -

1. कार्यक्रम के शुरू होने से 20 मिनट पहले फेयरवैल परेड की विरचना की जानी चाहिए। यह विरचना किले की दीवार के पीछे होनी चाहिए। (यदि किला उपलब्ध हो) अन्यथा परेड ग्राउंड के बाहर प्लाटूनवार, राइफलों के साथ ''बाजू शस्त्र'' (शस्त्र आदेशों) की स्थिति में और संगीनें लगी हुई हों आधी प्लाटून किले के द्वार के दाईं तरफ खड़ी होगी (अथवा परेड ग्राउंड के प्रवेश के पास) प्लाटून नं. 1 गेट के पास खड़ी होगी और अन्य प्लाटून गेट के दाहिने हाथ पर एक के बाद अपने क्रमानुसार खड़ी होंगी। बाकी बची हुई आधी, गेट के बाएं तरफ खड़ी हो जाएगी। जैसे यदि 6 प्लाटून परेड में भाग ले रही हैं तो प्लाटून नं. 1, 2, 3 किले के गेट के दाहिने तरफ तथा किले के गेट के बाई तरफ 6, 5, 4 के क्रम में खड़ी होंगी। यदि 5 प्लाटून भाग ले रही हैं तो किले के गेट के दाईं तरफ 1, 2, 3 पर खड़ी होगी और बाईं तरफ 5, 4 की संख्या वाली प्लाटून खड़ी होंगी।

परेड2/आईसी सामने की स्थिति में खड़ी होगी। परेड2/आईसी एवं प्लाटून कमाण्डर अपनी तलवार सीधी करके रखेगा। घुड़सवार दस्ता यदि उपलब्ध है तो परेड के पीछे खड़ा होगा उसके बाद बैंड परेड की पृष्ठभूमि में खड़ा होगा। किले की दीवार के पीछे बिगुलर एवं लांसर खड़े होंगे।

2. परेड शुरू होने के 15 मिनट पहले दो गेट कीपरों द्वारा किले का गेट खोल दिया जाएगा। दो बिगुलर परेड ग्राउंड में गेट के बीच की दीवार की तरफ से मार्च करते हुए निरीक्षण लाइन की तरफ जाएंगे और मार्कर कॉल की आवाज करेंगे। इसके बाद बिगुलर मुड़ेंगे और किले की दीवार की पृष्ठभूमि की तरफ मार्च करेंगे। इसके बाद मार्कर निरीक्षण लाइन पर जाकर अपनी स्थिति लेंगे।

परेड ग्राउंड की तरफ किले की दीवार के ऊपर बिगुलर एवं लांसर भी अपने निर्धारित स्थानों पर खड़े हो जाएंगे।

3. मार्कर काल के 3 मिनट बाद बिगुलर फाल इन काल (अग्रिम काल) की आवाज करेंगे। इसके बाद परेड2/आईसी परेड को ''सावधान'' एवं ''कन्धे शस्त्र'' की स्थिति में लाएंगे और निरीक्षण लाइन की तरफ मार्च करेंगे और कमाण्डर करेंगे ''परेड दाएं-बाएं से तेज चल'' गेट को पार करने के बाद दाएं तरफ की प्लाटून (नं. 1, 2, 3) दीवार की दाईं तरफ और बाईं तरफ की प्लाटून (6, 5, 4) दीवार के बाईं तरफ मार्च करेगी। मार्कर पर पहुंचने पर प्लाटून मार्क के लिए समय लेगी।

ड्रम के बजने पर सभी प्लाटूनें निरीक्षण लाइन पर अपने-अपने निर्धारित स्थानों पर पहुंच जाएंगी। परेड रूकेगी, इसके बाद परेड कमाण्डर निम्नलिखित कमाण्डर एक के बाद एक लगातार देगा :-

''परेड दाएं-बाएं मुड़''

''परेड बाजू शस्त्र''

''परेड खुली लाइन चल''

''परेड मध्य सज''

घुड़सवार दस्ता बाएं तरफ खड़ा होगा। बैंड जिसमें 8 सदस्य होंगे, निरीक्षण लाइन के पीछे केंद्र में खड़ा होगा।

4. परेड कमाण्डर के आने पर परेड 2/आईसी निम्नलिखित कमाण्ड करेगी :-

'' परेड सावधान''

'' परेड कन्धे शस्त्र ''

परेड सलामी देगा, परेड सलामी शस्त्र (बैंड नहीं बजेगा)

'' परेड कन्धे शस्त्र ''

'' परेड बाजू शस्त्र ''

तब परेड2/ आईसी परेड कमाण्डर की ओर मार्च करेगी। उनका अभिनंदन करेगी और परेड का दायित्व उनको सौंप देगी।

5. परेड कमाण्डर एवं परेड2/आईसी दोनों अपने स्थान लेंगे और परेड कमाण्डर परेड को ''विश्राम'' में लाएगा।

खण्ड-4

184. पदमुक्त (जाने वाले) अधिकारी का आगमन--

जैसे ही पद मुक्त (जाने वाला) अधिकारी आते हुए दीखे बिगुलर ''फनफेयर'' की आवाज करेंगे। परेड कमाण्डर तुरंत कमाण्ड देगा, ''विदायगी परेड सावधान'' इसके बाद ''परेड कन्धे शस्त्र''।

जैसे ही पद-मुक्त (जाने वाले) अधिकारी के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारी अनुरक्षक के रूप में चलते हैं और वह सलामी मंच पर जाकर अपनी स्थिति लेता है परेड उसको शस्त्र प्रस्तुत करेगी और परेड कमाण्डर निम्नलिखित कमाण्ड देगाः-

''परेड जनरल सैल्यूट, सलामी शस्त्र''

तत्पश्चात् बैंड 'जनरल सैल्यूट' धुन बजाएगा और परेड धुन समाप्त होने तक उसी स्थिति में खड़ी रहेगी।

खण्ड-5

185. पदमुक्त (जाने वाले) अधिकारी द्वारा परेड का निरीक्षण

परेड जैसे ही ''बाजू शस्त्र'' की स्थिति में आएगी परेड कमाण्डर सलामी मंच की ओर मार्च करेगा, रूकेगा, जाने वाले अधिकारी का अभिनन्दन करेगा और रिपोर्ट करेगा :-

'' श्रीमान (विशिष्ट व्यक्ति महिला होने पर ''महोदया'') विदायगी परेड आपके निरीक्षण के लिए हाजिर है''

इस बीच निरीक्षण जीप (यदि प्रयोग में लाने की योजना हो) जो परेड के कौने पर खड़ी होगी, सलामी मंच की तरफ पहुंचेगी। जाने वाला अधिकारी जीप के अगले हिस्से में खड़ा हो जाएगा और परेड कमाण्डर जीप के पिछले हिस्से में खड़ा हो जाएगा। इसके बाद जीप परेड की आगे की लाइन के सामने से दाईं तरफ से बाईं तरफ चलेगी (ऐसे मामले जिनमें जीप का प्रयोग नहीं होगा तो जाने वाला अधिकारी निरीक्षण लाइन तक पैदल चलकर जाएगा परेड कमाण्डर उसके एक कदम पीछे बाईं तरफ चलेगा (जैसे ही जाने वाला अधिकारी) चाहे जीप पर हो या पैदल पहली प्लाटून के दाईं मार्गदर्शक को पार करेगा। बैंड अपनी कोई धीमी गति से धुन में से एक धुन बजाएगा और तब तक बजाता रहेगा जब तक परेड का निरीक्षण समाप्त नहीं हो जाता।(यदि जाने वाला अधिकारी पैदल है तो परेड कमाण्डर समीक्षा के दौरान धीमा मार्च करता हुआ चलेगा।

खण्ड-6

186. समारोह मार्च पास्ट --

निरीक्षण समाप्त करने के बाद पदमुक्त (जाने वाला) अधिकारी सलामी मंच पर वापिस आ जाएगा और परेड कमाण्ड उसको सैल्यूट करेगा और वापिस अपनी जगह पर आ जाएगा। इसके बाद परेड मार्च पास्ट करेगी। मार्च पास्ट प्रक्रिया अध्याय-16 के खण्ड-16 में दी गई है। यदि तेज मार्च से पहले एक धीमा मार्च अपेक्षित है तो इसकी प्रक्रिया अध्याय-16 के खण्ड-17 में दी गई है। अध्याय-20 के खण्ड-7 में मार्च पास्ट प्रक्रिया की चर्चा की गई है।

खण्ड-7

187. निरीक्षण क्रम में खड़े होना एवं भाषण का दिया जाना-

1. मार्च पास्ट समारोह पूरा होने पर और परेड के निरीक्षण लाइन पर खड़े होने के बाद परेड कमाण्डर अध्याय-16 के खण्ड-18 में (अध्याय-20 के खण्ड-8 में दिया गया है) दी गई प्रक्रिया के अनुसार परेड को निरीक्षणक्रम में खड़े होने को कहेगा।

2. जब परेड रूकेगी, परेड कमाण्डर जाने वाले अधिकारी को जनरल सैल्यूट देने के लिए निम्नलिखित कमाण्ड करेगाः--

" परेड कन्धे शस्त्र "

" परेड जनरल सैल्यूट, सलामी शस्त्र "

" परेड कन्धे शस्त्र "

" परेड विश्राम "

3. अब यूनिट/बल का सबसे वरिष्ठतम अधिकारी (पदमुक्त और कार्यभार ग्रहण करने वाले अधिकारियों को छोड़कर) पदमुक्त अधिकारी द्वारा किए गए कार्यो के लिए कुछ शब्द कहेगा। यह भाषण छोटा और नपा तुला होगा। अपने भाषण के बाद वह पद्मुक्त (जाने वाले) अधिकारी से कुछ शब्द बोलने का अनुरोध करेगा।

खण्ड-8

188. पदमुक्त (जाने वाले) अधिकारी की जय-जयकार --

पदमुक्त (जाने वाले) अधिकारी के भाषण के समाप्त होने के बाद परेड कमाण्डर परेड को सावधान की स्थिति में लाएगा और अध्याय-19 के खण्ड-3 में दी गई प्रक्रिया के अनुसार पदमुक्त (जाने वाले) अधिकारी की जय-जयकार करेगा।

खण्ड-9

189. सामान्य नोट --

(1) जयकार के बाद वरिष्ठ अधिकारी जाने वाले अधिकारी को कार्यक्रम के अनुसार अधिकारियों की मैस/कार्यालय ले जाएंगे। परेड कमाण्डर परेड की बागडोर परेड2/ आईसी को देगा जो परेड ग्राउंड के बाहर परेड को मार्च समाप्ति के लिए ले जाएगा।

(2) यदि जाने वाले अधिकारी के भाषण के बाद कुछ सांस्कृतिक/खेल प्रदर्शन किया जाना हो तो, परेड कमाण्डर सलामी मंच तक मार्च करेगा, जाने वाले अधिकारी का अभिनंदन करेगा और मार्च समाप्त करने के लिए अनुमति मागेगा और कहेगा "श्रीमान, परेड को कुछ करने की आज्ञा प्रदान करें"। अनुमति लेने के बाद वह जाने वाले अधिकारी का पुनः अभिनन्दन कर अपने स्थान पर वापिस आ जाएगा और परेड की बागडोर परेड 2/आईसी को इन शब्दों में कमाण्ड सौंप देगा-- "परेड 2/आईसी संभाल परेड"। परेड 2/आईसी परेड कमाण्डर को सैल्यूट देगा और निम्नलिखित कमाण्ड देते हुए वापिस मुड़ेगा

" परेड कन्धे शस्त्र "

" परेड अन्दर को मुड़ " (इस कमाण्ड के साथ सभी प्लाटून अन्दर की ओर मुड़ जाएंगी)

" परेड दाएं-बाएं घूम तेज चल "।

सभी प्लाटून किले की दीवार के पीछे चली जाएंगी। बैंड कोमेटल मार्च करते हुए किले की दीवार के पीछे जाएगा। किले का द्वार बंद हो जाएगा।

अध्याय - 23

अंत्येष्टि- कवायद (ड्रिल)

अंत्येष्टि ड्रिल उन मृतक पुलिसकर्मियों के सम्मान में की जाती है जो सेवा के दौरान अपने प्राणों की आहुति देते हैं। तथापि पुलिसबल का प्रमुख किसी अन्य अधिकारी अथवा व्यक्ति, जो इस सम्मान का हकदार हो, को सम्मानित करने के लिए अंत्येष्टि परेड की अनुमति दे सकता है।

खण्ड- 1

190. अंत्येष्टि के समय की जाने वाली कार्रवाई

1.फायर टुकड़ी-- फायर टुकड़ी में एक हवलदार, एक नायक, एक लांस नायक और बारह कांन्स्टेबल होंगे जो सभी अफसरों, वरिष्ठ अफसरों (एसओ) अवर अफसरों (यूओ) और कांस्टेबलों की अत्येष्टि पर एक साथ फायर करेंगे। धीरे चाल में मार्च करते समय शस्त्र उल्टी तरफ होगा और तेज चाल में मार्च करते समय ट्रेल पर। मार्च के दौरान शस्त्र बदले जा सकते हैं किन्तु टुकड़ी आराम से मार्च न करे।

2. उठाने वाली टुकड़ी -- इस टुकड़ी में एक अफसर, एक हवलदार और आठ उठाने वाले होंगे। ये उठाने वाले किस रैंक के हों इसका निर्धारिण मृतक के रैंक के अनुसार किया जाए। उठाने वालों को मृतक की धार्मिक प्रथाओं के बारे में समझा दिया जाए। कमाण्डर देखे कि झण्डा पगड़ी या टोपी, तलवार या संगीन और फूल-मालाएं ठीक तरह से रखी हों और उन्हें शवपेटी या अर्थी से बांध दिया गया हो ताकि वे गिर न जाएं।

3. खड़ा होने का क्रम -- फायर टुकड़ी कंधे शस्त्र के साथ दो रैंकों में खड़ी हो और उनके फाइलों के बीच एक कदम का फासला हो और उनका हक उस ओर हो जिस इमारत में शव रखा हो। नायक अगली लाइन के उस ओर हो जिस ओर शवयात्रा को जाना हो। हवलदार सभी कमान शब्द बोलेगा और वह पीछे, मध्य खड़ा हो। जैसे ही शव को इमारत से बाहर निकाला जाए, वैसे ही फायर टुकड़ी का हलवदार कमान-शब्द ''सलामी शस्त्र'' कहेगा। जब शव पेटी या अर्थी को वाहन (कैरिज) में रखा जाए और जुलूस चलने के लिए तैयार हो, तो वह आदेश दे ''उल्टे शस्त्र'' ''दाहिने या बाएं मुड़'' (नायक दो कदम आगे की ओर, आगे रैंक के बीच में रहे)'' धीरे चल''।

4. वर्दी पहने हुए शोक करने वाले, बैंड और ड्रम बजाने वाले दो लाइनों में अन्दर की तरफ मुंह करके खड़े हों, जवान के बीच दो कदम का और रैंकों के बीच आठ कदम का फासला हो।

5.फायर टुकड़ी और जुलूस का अगला भाग लाइनों के बीच में से गुजरे।

जुलूस नीचे लिखे क्रम से गुजरे --

(क) मार्ग रक्षी

(ख) फायर - टुकड़ी

(ग) बैंड और ड्रम

(घ) गन-कैरेज पर मृत शरीर पाल उठाने वाले अन्य उठाने वाले व्यक्ति

(ङ) विलाप (शोक) करने वाले प्रमुख व्यक्ति

(च) राष्ट्रपति का विशेष प्रतिनिधि, यदि उसे आना हो।

(छ) वर्दी पहन कर आए हुए शोक करने वाले व्यक्ति वरिष्ठता के क्रम में खड़े होंगे (सबसे वरिष्ठ सबसे आगे)।

(ज) शोक करने वाले व्यक्ति जो वर्दी में न हों।

(झ) ट्रप जब धीरे चाल से चले और क्रम से हथियार उल्टें तो आन्तरिक पार्श्व से आरंभ करके तीनों तीन की लाइन में चलें।

(ञ) पिछली टुकड़ी (डिटैचमेंट)।

(ट) आरूढ़ यूनिटें जो मार्ग रक्षियों का ही एक हिस्सा हैं।

(ठ) मोटर कार या अन्य वाहन, जब तक उनसे किसी और मार्ग पर से होकर जाने के लिए न कहा जाए।

टिप्पणी :-- पाल उठाने वालों की अनुपस्थिति में अन्य उठाने वाले (बेयरर) गन-कैरेज के दोनों ओर मार्च करेंगे। पाल उठाने वालों के मौजूद होने पर वे ही गन-कैरेज के दोनों ओर चलेंगे और अन्य उठाने वाले (बेयरर) बाहर की ओर से कदम के फाले पर रहेंगे। पाल उठाने वालों की पोजीशन शवपेटी के दोनों ओर वरिष्ठता के क्रम में होगी, सबसे वरिष्ठ अफसर दाहिनी ओर सबसे पीछे होगा, उससे अगला वरिष्ठ अफसर बायीं ओर सबसे पीछे होगा और इसी प्रकार क्रम चलेगा।
यदि विलाप करने वाले व्यक्ति किसी कारण से जुलूस के साथ चलने में असमर्थ हो तो बेकार से किसी और रास्ते से आएंगे।

6. बैंड और ड्रम --

जब जुलूस मुर्दाघर से 300 कदम दूर रह जाए तो बैंड या ड्रम ''डेड मार्च'' बजाना आरंभ करेंगे और उतने फासले तक बजाते रहेंगे जहां तक बजाने के लिए प्रभारी अफसर से मार्च आरंभ करने से पहले आदेश दिया हो, कब्रिस्तान या श्मशान से कुछ दूर पहले प्रभारी अफसर फायर दल को ''तेज चल''का कमाण्ड दे। (इस समय बैंड बजना बन्द हो जाएगा) तो फायर दल का प्रभारी हवलदार ''धीरे चल'' का कमाण्ड देगा और बैंड और ड्रम फिर से बजने लगेंगे।

खण्ड-2

191. कब्रिस्तान या श्मशान पहुंचने पर की जाने वाली कार्रवाई --

जब जुलूस का अगला भाग कब्रिस्तान या श्मशान घाट के समीप पहुंचे तो जुलूस के अगले भाग पर फायर दल की लाइनें तथा बैंड और ड्रम बजाने वाले व्यक्तियों की लाइनें छः कदम खुल जाएगी और फायर दल के प्रभारी हवलदार के कमाण्ड पर थम जाएगी। तब हलवदार ''अन्दर मुड़'' और ''शोक शस्त्र'' का आदेश देगा। अर्थी उठाने वाले अर्थी या शवपेटी को उठायेंगे और उसे पैरों वाले भाग से फायर-दल की लाइनों के बीच में ले जाएंगे। अब जुलूस का क्रम इस प्रकार से होगा, धर्म पुरोहित, पाल बेयरर शव को उठाए हुए और उठाने वाले (यदि स्थान के अभाव के कारण वे अपने सही स्थान पर न चल पाएं तो वे शव के पीछे चलें), शोक करने वाले व्यक्ति बैंड और ड्रम और फायद दल। तब शोक करने वाले की कब्र या चिता के चारों ओर फायर करेंगे, थम करेंगे और बिना किसी कमाण्ड के अन्दर की ओर मुख करेंगे। फायर दल शोक करने वालों के पीछे चलेगा और फिर कब्र या चिता के पास उसे प्रभावी हवलदार के आदेश से थम कर दिया जाएगा। प्रभारी हवलदार कमाण्ड देगा, ''सावधान उल्टा शस्त्र,-- रैंक दाहिने या बाएं मुड़ -- धीरे चल बाएं मुड़, शोक शस्त्र''। अगली टुकड़ी (यदि उपस्थित हो) को पूर्व निर्धारित स्थान पर रोक दिया जाएगा।

खण्ड -3

192. सर्विस के दौरान प्रक्रिया

ज्योंही शोक करने वाले प्रमुख व्यक्ति पोजीशन में हो जाएं और कब्रिस्तान (या दहन) में होने वाली क्रिया की तैयारी हो जाए, अर्थी उठाने वाले शवपेटी (या अर्थी) या लाश को टिकठी के ऊपर उठाएंगे, उस पर से सबसे पहले झण्डा फिर पगड़ी या टोपी फिर तलवार या संगीन, फूल-मालाएं आदि अलग करेंगे और फिर उसे कब्र या चिता पर रख देंगे और उसे उठाने वाले जवान कब्र या चिता से अलग हटकर विश्राम की पोजीशन में खड़े हो जाएंगे। यह क्रिया समाप्त होने पर यदि ''वौली'' फायर की जानी हो, तो हवलदार आदेश देगा--

''फायरिंग टोली, सलामी शस्त्र'', ''कन्धे शस्त्र''
'' फायरिंग टोली वौली तथा खाली कारतूस भर --फायर कर''
(इसी समय दो और वौली फायर की जाएंगी)
''खाली कर''
'' बाजू शस्त्र''
'' लगा संगीन ''
'' कन्धे शस्त्र''
'' सलामी शस्त्र''

यदि कोई वौली फायर न की गई हो तो हवलदार आदेश देगा :--

'' सलामी शस्त्र ''

'' कन्धे शस्त्र''
'' बाजू शस्त्र ''
'' लगा संगीन ''
'' कन्धे शस्त्र ''
'' सलामी शस्त्र ''

टिप्पणीः- यदि अन्त्येष्टि के समय जवान रास्ते पर लाइन बनाने के लिए तैनात किए गए हों तो वे पहले अन्त्येष्टि के जुलूस को ''सलामी शस्त्र'' करेंगे दुबारा ''शोक शस्त्र करने से पहले '' उल्टा शस्त्र करेंगे। जब अन्त्येष्टि दल का अगला भाग उसके निकट पहुंचे तो वे सामान्यतः सलामी शस्त्र करेंगे और जब फायरिंग उनके पास पहुंचे तो वे ''उल्टा शस्त्र करेंगे।

खण्ड-4

193. दागने की प्रक्रिया :--

यदि फायर टोली के पास राइफल हो तो उसके द्वारा तीन बार दागने की निम्नलिखित प्रक्रिया होगी :-

(क) ''शलक-भर'' -- इस आदेश पर भरने की पोजीशन में आएं भरें राइफल की नालमुख का रुखऊपर की ओर हो ताकि सामने खड़े जवान का सिर बचा रहे।

(ख) ''पेश कर'' -- इस आदेश पर राइफलों को फायर करने की पोजीशन में 135 डिग्री के कोण तक लाया जाए सिर बिल्कुल स्थिर रखा जाए और निशान लगाने की कोई कोशिश न की जाए।

(ग) '' फायर'' -- इस आदेश पर प्रत्येक व्यक्ति '' पेश कर'' की पोजीशन में रहते हुए एक साथ घोड़ा दबाएगा, और जब तक ''दोबारा भर'' या '' खाली कर'' कमाण्ड न दिया जाए तब तक इसी स्थिति में रहेगा-- इसी प्रकार दो बार और दागी जाए।

(घ) '' खाली कर '' --राइफल को भरने की पोजीशन में लाएं और भरने की पोजीशन में रहते हुए उन्हें खाली कर राइफल को 135 डिग्री के कोण पर रखें।

'' कन्धे शस्त्र ''--
'' बाजू शस्त्र '' --

खण्ड-5

194. शवपेटी ले जाने की प्रक्रिया --

शवपेटी (या अर्थी) को हमेशा पहले पैरों की तरफ से आगे ले जाया जाए और उठाने वाले (बेयरर) सामान्यतः उठाने वाली टोली के प्रभारी अफसर या प्रभारी एनसीओ के कमाण्ड के अनुसार कार्य करेंगे। कमान शब्द हमेशा धीरे नीची आवाज में बोले जाएंगे जैसे कि ''उठाने को तैयार'' ''धीरे चल'' ''थम'' ''रखने को तैयार''। ये क्रियाएं किसी सिग्नल द्वारा नियंत्रित नहीं की जा सकती, इनके लिए कमान शब्द बोलना आवश्यक है।

जब शव को उठाया हुआ हो तो उठाने वाली टोली सामन फासले पर होनी चाहिए, शव पेटी (या अर्थी) के दोनों ओर चार-चार जवान होने चाहिए, उनके शस्त्र आड़े और एक दूसरे के कन्धे के चारों ओर होने चाहिए, शवपेटी (या अर्थी) कन्धे पर हो या चेहरा शवपेटी (अर्थी) के पास हो। शवपेटी (अर्थी) उठाने वाले व्यक्ति की पगड़ी या टोपी किसी एन सी ओ या इस प्रयोजन के लिए विशेष रूप से तैनात ड्रमर द्वारा ले जाई जाए। शव पेटी (या अर्थी) को अनावश्यक रूप से हिलने-डुलने से बचाने के लिए शवपेटी (अर्थी) उठाने वाले जवान अन्दर की तरफ वाले पैर से चलना आरंभ करें।

शवपेटी (या अर्थी) उठाने वाली टोली का प्रभारी एनसीओ पीछे की ओर तथा टोली के मध्य में दो कदम के फासले पर रहेगा।

खण्ड-6

195. उल्टा शस्त्र और शोक-शस्त्र करने की प्रक्रिया :-

1. सलामी शस्त्र से उल्टा रास्ता --

''गिनती से उल्टा शस्त्र, स्कवाड-एक''-- इस कमाण्ड पर दायां घुटना मोड़ कर पैर को बाएं के साथ रखें जैसा कि सलामी शस्त्र से कन्धे शस्त्र में किया जाता है। उसके साथ ही राइफल को शरीर के सामने की ओर, दोनों बाजुओं की पूरी लम्बाई में रखें, बायां हाथ जितना नीचे संभव हो, रखें।

''स्क्वाड-दो''--राइफल के कुन्दे को शरीर की दिशा में बाजुओं के बीच में लाकर (हाथ की पकड़ बदल कर) धीरे-धीरे तब तक उल्टे जब तक कि वह पूरी उल्टी न हो जाए, उसका नालमुख भूमि की ओर हो, उसकी मैगजीन (बीच का भाग) शरीर की ओर छाती की सीध में हो, बाजू सीधे हो, दोनों हाथों के अंगूठे और उंगलियां राइफल की चारों ओर हों।

''स्क्वाड-तीन''-- बाएं हाथ से कुन्दे का छोटा वाला भाग पकड़ कर हाथ का पिछला हिस्सा बायीं ओर करके और जल्दी से राइफल सीधे हाथ से संतुलन के बिन्दु से पकड़ कर हाथों की पोजीशन परस्पर बदली जा सकती है।

''स्क्वाड-चार''-- राइफल को बाएं हाथ से छोड़कर बाएं बगल में पकड़ें, इस स्थिति में उसकी मैगजीन सबसे ऊपर शरीर के सामने की ओर हो, नालमुख पीछे की तरफ हो, राइफल एक ओर हो, कोहनी राइफल के साथ हो तथा राइफल 45 डिग्री के कोण पर हो। इसी समय दायीं बाजू शरीर के पीछे, कमर की पेटी के साथ-साथ ले जाकर राइफल को बाहरी बैंड के पास पकड़े हाथ का पिछला भाग नीचे की ओर हो।

टिप्पणी :- उल्टी राइफल केवल धीरे चाल में मार्च करते समय पकड़ी जाती है।

2. उल्टा शस्त्र से बदल शस्त्र --

''गिनती से बदल शस्त्र-स्क्वाड एक''-- दायें हाथ से राइफल छोड़ दें और दायां हाथ तेजी से बगल की ओर गिराएं। उसी समय राइफल को बाएं हाथ से कुन्दे के छोटे भाग से पकड़ें, उसकी मजल आगे की ओर झूलने दें ताकि राइफल सीधी खड़ी (लम्ब) हो। बायां हाथ छाती की जेब की सीध में रखें।

''स्क्वाड-दो'' :

राइफल शरीर के सामने से ले जाकर दायें हाथ से जो कि छाती को जेब की सीध में हो, कुन्दे के छोटे भाग को पकड़ें और बायां हाथ तेजी से बायीं ओर गिराएं।

''स्क्वाड-तीन''-

राइफल बगल में रखकर उसे बाएं हाथ से, हाथ शरीर के पीछे से ले जाकर उल्टी पोजीशन में बाहरी बैंड के पास से पकड़ें।

टिप्पणी:- मार्च करते समय बाएं पैर की अनुक्रमिक बीट के अनुसार गतिविधियां की जाती हैं।

3. उल्टा शस्त्र के शोक शस्त्र -

टिप्पणी:-केवल तब किया जाता है, जब राइफल बायीं बगल में हो।

शोक-शस्त्र --

दायां हाथ तेजी से दायीं ओर ले जाएं और बाएं हाथ से राइफल सीधी खड़ी पोजीशन में लायें: नालमुख बाएं पैर के पास पंजे और जूते के फीते के बीच में रखे ताकि कुन्दा शरीर के पास के सामने रहे, सिर और आंखें दायीं ओर करें और दायीं बाजू दायीं ओर कन्धे के स्तर तक ले जाएं, बाजू सीधी हो, उंगलियां फैली हुई, हाथ का पिछला भाग ऊपर की ओर हो। दायां बाजू सीधा ही रखे हुए सामने की ओर 45 डिग्री तक ले जाएं। बाजुओं को झुकाकर दायीं हथेली कुन्दे की प्लेट पर रखें, हाथ का पिछला भाग ऊपर की ओर हो, उंगलियां कुन्दे के बायीं ओर फैली हो, अंगूठा कुन्दे के अगले भाग के चारों ओर हो, इसके बाद रूकें और सिर तथा आंखें सामने की ओर करें। राइफल दायें हाथ से पकड़ें और फिर बाएं हाथ से वैसा ही करें (अर्थात् पहले सिर बायीं ओर को मोड़ें आदि-आदि) कुन्दे की प्लेट पर दायीं हथेली के ऊपर बायीं हथेली रखें, फिर कुछ ठहरें और तब सिर सामने की ओर मोड़ें। इसके बाद ठहरें, दोनों कोहनियां नीचे शरीर के साथ ले जाएं और ठोढ़ी को नीची करके छाती तक ले जाएं।

उपर्युक्त कार्रवाइयों को करते समय दायें या बाएं हाथ के व्यक्ति से जैसा भी मामला हो, समय ले लेना चाहिए।

शोक शस्त्र से सावधान --

''स्क्वाड-सावधान''--

सिर की सावधानी की सामान्य पोजीशन में रखें और साथ ही दोनों कोहनियां उठाएं ताकि अग्रबाहु भूमि के समानान्तर हो।

टिप्पणी :- यह कमाण्ड हमेशा ''शोक शस्त्र'' से अन्य हरकतें करने के पहले दिया जाता है।

खण्ड--7

196. अन्त्येष्टि ड्रिल के दौरान तलवार का प्रयोग --

यह प्रक्रिया अधिकारी/अधिकारियों द्वारा अन्त्येष्टि पार्टी के साथ तलवार ले जाते समय की जाएगी।

जब कमाण्डर शस्त्र ड्रिल के लिए कमाण्ड करेगा, उसी समय अन्य अधिकारियों के साथ-साथ कमाण्डर द्वारा भी तलवार की प्रक्रिया में भाग लेना होगा।

(क) सलामी शस्त्र से उल्टा शस्त्र	तलवार की एक जैसी दो बार प्रक्रिया की जाएगी। (1) तलवार को वापिस कवर में डाला जाएगा। (2) तलवार को सीधे हाथ के नीचे रखें जिससे तलवार की नोंक नीचे रहे और धार ऊपर की तरफ रहे तलवार की मूठ दाएं हाथ में रहे। दाईं कलाई शरीर के बराबर में रहे और तलवार 45 अंश के कोण पर रहे।
(ख) उल्टा शस्त्र से बदल शस्त्र	तलवार के साथ यह प्रक्रिया तीन बराबर भाग में की जाएगी। (1) सबसे पहले तलवार को सीधा रखेंगे। (2) उसके बाद तलवार को शरीर के पास से ले जाते हुए हाथों में बदल लें। बाएं हाथ से मूठ को पकड़ लें और दाएं हाथ को नीचे की तरफ ले आएं। (3) अब तलवार को उल्टा करें बाएं हाथ के नीचे और दाएं हाथ से तलवार के ब्लेड को पकड़ लें शरीर के पृष्ठ भाग की तरफ ले आएं बाई कलाई शरीर के पास ले आएं और तलवार को 45अंश के कोण पर ले आएं।
(ग) उल्टा शस्त्र	तलवार को इस प्रकार नीचे लाया जाए ताकि उसकी नोंक धरती पर हो (शोक शस्त्र) और दोनों पैरों के बीच तलवार की धार दाईं तरफ रहे इसके लिए सबसे पहले दाएं हाथ से मूठ को पकड़ें और बांए हाथ को बाईं तरफ कर लें। अब धीरे-धीरे तलवार को नीचे लाएं और इस प्रकार लाएं कि उसकी नोंक दोनों पैरों के बीच में हो और धार दाईं तरफ हो। बाएं हाथ को हाई तरफ बढ़ाएं ताकि हाथ का पिछला हिस्सा ऊपर हो। बाएं हाथ को धीरे से मूठ के शीर्ष पर लाएं और दाईं तरफ को रखें। दोनों कलाई एक तरफ हो जाए। अब सिर को छाती की तरफ लाएं। यह सभी प्रक्रियाएं उस व्यक्ति द्वारा समन्वित हो जो शस्त्र ड्रिल करा रहा है।
(घ) शोक शस्त्र से सावधान	शस्त्रों को उलटना सिर उठा लें।
(ङ) शोक शस्त्र से सलामी शस्त्र	तलवार के साथ यह प्रक्रिया तीन बार एक जैसी की जाएगी। (1) सबसे पहले बायां हाथ उस जगह से हटाकर बाएं तरफ लाएंगे और तलवार को खड़ी स्थिति में रखेंगे। (2) उसके बाद तलवार पुनः कवर में डाली जाएगी। (3) अब तलवार को सलामी की स्थिति में लाएंगे।
(च) शस्त्र ड्रिल में एक अन्य प्रक्रिया और भी है जिसे शोक शस्त्र से	उलटा शस्त्र की कमाण्ड होने पर तलवार के साथ एक जैसी प्रक्रिया की जाएगी। तलवार को सीधे हाथ की बगल में करेगा

उलटा शस्त्र की कमाण्ड में प्रयोग किया जा सकता है।	और उसी समय बाएं हाथ से तलवार की धार को बाएं हाथ के पीछे रखेगा (बाकी की स्थिति का ऊपर वर्णन किया जा चुका है।)

----------ANNEXURE अनुबंध --

197. WORDS OF COMMAND कमान शब्द

Sl.No. English	हिन्दी
1. Halt	थम
2. About Turn	पीछे मुड़
3. Right Turn	दाएं मुड़
4. Right Form	दाएं बन
5. Right Incline	आधा दाएं मुड़
6. Left Turn	बाएं मुड़
7. Left Form	बाएं बन
8. Left Incline	आधा बाएं मुड़
9. Mark Time	कदम ताल
10. Halt (When Marking Time)	थम (कदम ताल पर)
11. Forward (When Marking Time)	आगे बढ़ (कदम ताल पर)
12. Break Into Quick Time,Quick March	तेज चाल में आ, तेज चल
13. Break Into Slow Time, Solw March	धीरे चाल में आ, धीरे चल
14. Break Into Double Time, Double March	दौड़ चाल में आ, दौड़ चल
15. On The Right or Left Form Squad	दाएं (या बाएं स्क्वाड बना)
16. Open Order March	खुली लाइन चल
17. Close Order March	निकट लाइन चल
18. Squad Attention	स्क्वाड सावधान
19. Stand-At-Ease	विश्राम
20. Stand-Easy	आराम से
21. Right (or Left) Dress	दाएं (या बाएं) सज
22. Eyes Front	सामने देख
23. Turning About By Number, Squad-One	गिनती से पीछे मुड़ना स्क्वाड पीछे मुड़-एक
24. Turning to the Right By Numbers, Right Turn-One	गिनती से दाएं मुड़ना, दाहिने मुड़-एक
25. Squad-two	स्क्वाड दो
26. Squad Will Advance, Quick March	स्क्वाड आगे बढ़ेगा, तेल चल
27. Step Out	लम्बा कदम
28. Step Short	छोटा कदम
29. Paces Forward or Step Back-March	कदम आगे या पीछे चल
30. Change Step-One	कदम बदल-एक
31. Squad-Two	स्क्वाड-दो
32. Squd-Three	स्क्वाड-तीन
33. Double March	दौड़ के चल
34. Salute To The Front By Numbers-Squad-One	गिनती से सामने सैल्यूट--स्क्वाड एक
35. Salute To The Right-Salute	दाएं को सैल्यूट--सैल्यूट

36. Salute To The Left-Salute	बाएं को सैल्यूट --सैल्यूट
37. Squad, Dismiss	स्क्वाड, विसर्जन
38. Salute To The Right/Left Salute	दाएं (बाएं) को सैल्यूट-स्क्वाड सिलूट
39. Squad or Platoon Fall-in	स्क्वाड या प्लाटून लाइन बना
40. Blank File	खाली फाइल
41. By The Right Quick March	दाएं से तेज चल
42. Platoon Will Retire, About Turn	प्लाटून पीछे लौटेगा, पीछे मुड़
43. Platoon Will Advance, About Turn	प्लाटून आगे बढ़ेगा, पीछे मुड़
44. Change Direction Right. Right Form	दाएं दिशा बदल, दाएं बन
45. Change Direction Left, Left Form	बाएं दिशा बदल, बाएं बन
46. Platoon Forward	प्लाटून आगे बढ़
47. Move To The Right In Threes, Right Turn	तीनों-तीन में दाहिने चलेगा, दाएं मुड़
48. By The Left Quick March	बाएं से तेज चल
49. Platoon Will Advance, Left Turn	प्लाटून आगे बढ़ेगा, बाएं मुड़
50. Platoon Will Retire, Left Turn	प्लाटून पीछे लौटेगा, बाएं मुड़
51. Platoon Will Advance, Right Turn	प्लाटून आगे बढ़ेगा, दाहिने मुड़
52. Platoon Will Retire, Right Turn	प्लाटून पीछे लौटेगा, दाहिने मुड़
53. Change Direction Left or Right, Left of Right	बाएं या दाएं दिशा बदल, बाएं या दाएं घूम
54. On The Left, Form Squad or Platoon	बाएं को स्क्वाड या प्लाटून बना
55. On The Right Form Squad or Platoon	दाएं को स्क्वाड या प्लाटून बना
56. Form Two Ranks	दो लाइन बना
57. Form Three Ranks	तीन लाइन बना
58. In Three Ranks Right Dress	तीन लाइन में दाहिने सज
59. Form Single File From The Left-Quick	बाएं से एक फाइल बना, तेज चल
60. Form Single File The Left	बाएं से एक फाइल बना
61. At The Halt On The Right Form Threes-Quick March	दाएं थम से एक फाइल में आगे बढ़, तेज चल
62. Advance In Single File, From The Right, Quick March	दाएं से एक फाइल में आगे बढ़, तेज चल
63. Form Single File, From The Right	दाएं से एक फाइल बना
64. At the Halt On The Left Form Line, Quick March	बाएं थमकर एक लाइन बना, तेज चल
65. On the Left Form Line	बाएं पर लाइन बना
66. Attention	सावधान
67. Slope Arms By Numbers-Squad One	गिनती से कन्धे शस्त्र --स्क्वाड एक
68. Order Arms By Numbers-Squad One	गिनती से बाजू शस्त्र -स्क्वाड एक
69. Present Arms By Numbers-Squad One	गिनती से सलामी शस्त्र -स्क्वाड एक
70. The Squad Will Fix Bayonets, Squad Fix	स्क्वाड संगीन लगाएगा, संगीन
71. Squad Bayonets	स्क्वाड लगा
72. (A) Squad Will Unfix Bayonets, Squad Unfix	स्क्वाड संगीन उतारेगा, संगीन
72. (B) Squad Bayonets	स्क्वाड उतार
73. Port Arms	बाएं शस्त्र
74. For Inspeetion Port Arms By Numbers Squad-One	गिनती से निरीक्षण के लिए बाएं शस्त्र, स्क्वाड-एक

75. Ease Spring By Numbers- Squad One	गिनती से बोल्ट चला, स्क्वाड-एक
76. Examine Arms	जांच शस्त्र
77. Trail Arms	तोल शस्त्र
78. Trail Arms By Numbers- Squad One	गिनती से तोल शस्त्र, स्क्वाड -एक
79. Secure Arms By Numbers- Squad One	गिनती से संभाल शस्त्र, स्क्वाड-एक
80. ChangeArms By Numbers- Squad One	गिनती से बदल शस्त्र, स्क्वाड-एक
81. Ground Arms By Numbers- Squad One	गिनती से भूमि शस्त्र, स्क्वाड -एक
82. Short Trail	समतोल शस्त्र
83. Sling Arms	लटका शस्त्र
84. Draw Swords	निकाल किर्च
85. Slope Swords	गिनती से वापस किर्च, स्क्वाड -एक
87. No. .. Centre File And File of Direction The Objective Is	नम्बर ... मध्य फाइल और दिशा के फाइल उद्देश्य है
88. To The Right Extend	दाहिने फैंल
89. To The Left Extend	बाएं फल
90. From The Centre Extend	मध्य से फैंल
91. On The Right Close	दाहिने सिमट
92. On The Left Close	बाएं सिमट
93. On The Centre Close	मध्य सिमट
94. Street Lining From The Rear on Both Sides Of the Road ...Paces Extend, Quick March	सड़क के दोनों तरफ पीछे से कदम खोलकर लाइन बना, तेज चल
95. On the Right or Left Close	दाहिने या बाएं सिमट
96. Inward About Wheel	अन्दर से पीछे घूम
97. Street Lining From The Rear On Both Sides Of the Road Alternatively—Paces Extend	सड़क के दोनों तरफ पीछे से बारी-बारी...कदम खोल कर लाइन बना
98. Street Linging From The Centre On Both Side of the Road Ranks Outward Turn	सड़क के दोनों तरफ मध्य से खोल कर लाइन बना, लाइन बाहर मुड
99. From The Rear---Paces Extend Quick	पीछे से कदम खोल कर तेज चल
100. Street Lining From The Rear Down the Centre Facing Outward---Paces Extend	सड़क के मध्य बाहर मुंह करते हुए पीछे से .. कदम खोलकर लाइन बना
101. Outward About Wheel	बाहर से पीछे घूम
102. Steady	हिलो मत
103. No... Platoon, Eyes Front	नं. ... प्लाटून, सामने देख
104. The Compayn Will Retire	कम्पनी पीछे लौटेगी
105. The Company Well Advance	कम्पनी आगे बढ़ेगी
106. Change Direction Right. Right Wheel	दाहिने दिशा बदल, दाहिने घूम
107. Forward	आगे बढ़
108. Advance (or Retire) In Column Of Three From The Right, Company-Right or Left Turn	दाहिने से तीनों-तीन कालम में आगे बढ़ (पीछे लौट) कम्पनी दाहिने या बाएं मुड़
109. Move To The Right (or Left) In Column Of Three , Company Right (or Left) Turn	तीनों-तीन कालम में दाहिने (या बाएं)चल, कम्पनी दाहिने (या बाएं) मुड़

110. Move To The Right (or Left) In Line of Platoon In Threes Company Right (or Left) Turn, Quick March	प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन में दाहिने (या बाए) चल, कम्पनी दाहिने (या बाएं) मुड़, तेज चल
111. On The Left Form Line, Remainder Left Turn, Quick March	बाएं को लाइन बना,बाकी बाएं मुड़, तेज चल
112. By The Left, At The Halt, Facing Left, Form Line	बाएं से थमकर बायीं दिशा लाइन बना
113. Advance In Column	कालम में आगे बढ़
114. Retire In Coulmn Company About Turn	कालम में पीछे लौट, कम्पनी पीछे मुड़
115. On No... Platoon Form Column Of Platoons Remainder Mark Time	नम्बर.. प्लाटून पर प्लाटूनों की कालम बना, बाकी, कदम ताल
116. On No..Platoon Form Close Column of Platoons, Remainder Quick Time	नम्बर.. प्लाटून पर प्लाटूनों की कालम बना बाकी तेज चल
117. On N0... Platoon Form Close Column of Platoons, Remainder Double March	नं .. प्लाटून पर प्लाटूनों के निटक कालम बना, बाकी दौड़ के चल
118. At The Halt Facing Left(or Right) Form Lineथम	कर बाएं (या दाहिने) दिशा लाइन बना
119. Change Deirection Right	दाहिने दिशा बदल
120. Advandc In Column of Threes From The Right, Company Right Turn, Platoon On The Left To The Frontm, Remainder Left Wheel Quick March	दाहिने से तीनों-तीन कालम में आगे बढ़, कम्पनी दाहिने मुड़ प्लाटून बाएं घूम, तेज चल
121. Move To The Right In Column of Threes, Company Right Turn, Platoon On The Left To The Front, Remainder Left Wheel, Quick March	तीनों -तीन कालम में दाहिने चल, कंपनी दाहिने मुड़ बाएं प्लाटून सामने को, बाकी बाएं घूम, तेज चल
122. On The Left Form Line, Remainder Left Incline, Double March	बाएं को लाइन बना, बाकी आधा बाएं मुड़, दौड़ के चल
123. At The Halt Facing Right Form Column Of Platoons, Platoons Right Form, Quick March	थमकर दाहिने दिशा प्लाटूनों की कालम बना, प्लाटूनों दाहिने बन, तेज चल
124. At The Halt, Facing Left, Into Line, Platoons Left Form, Quick March	थमकर बाएं दिशा लाइन बना, प्लाटूनों बाएं बन, तेल चल
125. Move To The Right or Left, In Line of Platoons In Threes,Company Right of Left Turn	प्लाटूनो की तीनों-तीन की लाइन में दाहिने या बाएं, चल, कम्पनी दाहिने या बाएं मुड़
126. On The Right Form Column (or Close Column) Of Platoons, Remainder Right Turn, Quick March	दाहिने को प्लाटूनों की कालम (या निकट कालम) बना, बाकी दाहिने मुड़, तेज चल
127. Advance In Column of Platoons From The Right, Ramainder Right Turn, Quick March	दाहिने से प्लाटून के कालम में आगे बढ़, बाकी दाहिने मुड़, तेज चल
128. Advance In Line of Platoons In Threes From Thr Left, Company Left Turn, Platoons Right Wheel, Quick March	बाएं से प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन में आगे बढ़, कम्पनी बाएं मुड़, प्लाटूनों दाहिन घूम तेज चल
129. The Company Will Form Column of Platoons, On The Left form Platoons	कम्पनी प्लाटून के कालम बनाएगी, बाएं प्लाटून बना
130. At The Halt On The Left Form, Close Column	थमकर बाएं को प्लाटूनों का निकट

Of Platoons	कालम बना
131. At The Halt Facing Left Form Column (or Close Column) of Platoons	थमकर बाएं दिशा प्लाटूनों का कालम (या निकट कालम) बना
132. Facing Left Advance In Column	बायीं दिशा कालम में आगे बढ़
133. On The Right Form Line Of Platoons In Threes at... Paces Interval, Remainder Double March	दाएं को ... कदम के फासले पर प्लाटूनों की तीनों -तीन की लाइन बना, बाकी दौड़ के चल
134. At The Halt On The Right Form Line Of Platoons In Threes at Column Paces Interval Remainder Left Inclin	थमकर दाएं को कालम के फासले पर प्लाटूनों की तीनों तीन की लाइन बना,बाकी आधा बाएं मूड़
135. Advance In Column Of Threes From The Left Platoon On The Left To The Front, Remainder Left Wheel, Company Quick March	बाएं से तीनों-तीन की कालम में आगे बढ़ेगा, बाएं प्लाटून आगे, बाकी बाएं घूम, कम्पनी तेज चल
136. Company Facing Left Advance In Column Of Threes, Platoons Left Wheel, Quick March	कम्पनी बाएं दिशा तीनों तीन की कालम में आगे बढ़, प्लाटूनों बाएं घूम, तेज चल
137. Company, At The Halt Form Line, On The Right Form Platoons	कम्पनी थमकर लाइन बनाएगी, दाहिने पर प्लाटून बना
138. Advance or Retire In Column of Platoons Company Left or Right Trun	प्लाटूनों की कालम में आगे बढ़ेगा या पीछे लौटेगा कम्पनी बाएं या दाएं मुड़
139. Move To The Right In Line Of Platoons In Threes, Platoons Right Wheel	प्लाटूनों की तीनों-तीन की लाइन में दाएं चल, प्लाटूनें दाहिने घूम
140. Number	गिनती कर
141. Odd Number One Pace Forward, Even Numbers One Pace Step Back March	विषम एक कदम आगे, सम एक कदम पीछे चल
142. Stand Fast The Right Hand Man. Odd Numbers To The Right, Even Numbers To The Left, Ranks Right And Left Turn	दाएं जवान खड़ा रहेगा, बाकी विषम दाहिने, सम बाएं, लाइन दाहिने और बाएं मुड़
143. Form Three ranks-Quick March	तीन लाइन बना --तेज चल
144. Fall Out The Officers	आफिसर्स लाइन तोड़
145. National Salute	राष्ट्रीय सिलूट
146. Present And Ready For Inspection	श्रीमान जी परेड निरीक्षण को हाजिर है
147. No... Company Stand Fast Remainder Stand At Ease	नं... कंपनी खड़ी रहे, बाकी विश्राम
148. Move To The Right In Column of Threes Battalion Right Turn, By The Left Quick March	तीनों-तीन कालम में दाहिने चल, बटालियन दाहिने मुड़, बाएं से तेज चल
149. At The Halt, Facing Left, Form Close Column of Companies	थम कर बाएं दिशा, कम्पनियों के निकट कालम बना
150. No. .... Company, Halt, Company Will Advance, Left Turn	नं. ... कम्पनी थम, कम्पनी Will आगे बढ़ेगी, बाएं मुड़
151. No... Company, By Thr Right Quick March	नं. ... कम्पनी दाहिने से तेज चल
152. In Succession Advance In Column of Three From The Right	दाएं से बारी-बारी तीनों-तीन की कालम में आगे बढ़
153. Move to The Right In Column Of Route Battalion Right Turn	कूच कालम में दाहिने चल, बटालियन दाहिने मुड़

154. Battalian Will March Past In Column Of Route	बटालियन कूच कालम में मंच से गुजरेगी
155. No. .. Compan, By The Left Quick March	नं. .. कम्पनी बाएं से तेज चल
156. Platoons At The Halt, Right Form	प्लाटून थम कर, दाहिने बन
157. Quick March, Platioons Left Dress, Platoons Eyes Front	तेज चल, प्लाटून बाएं सज, प्लाटून सामने देख
158. Battalion Will March Past In Quick Time By The Left Quick March	बटालियन तेज चाल से मंच से गुजरेगी, बाएं से तेज चल
159. Change Direction Left	बाएं दिशा बदल
160. Platoons At The Halt, Left Form	प्लाटून थम कर बाएं बन
161. Center Dress	मध्य सज
162. The Battalion Will March Past In Slow Time, By The Right Slow March	टालियन धीरे चाल में मंच से गुजरेगी, दाएं से धीरे चल
163. Break Into Quick Time, Quick March	तेज चाल में आ, तेज चल
164. In Succession Advance In Column of Three From The Right	बारी-बारी तीनों -तीन कालम में दाएं से आगे बढ़
165. Facing Left Advance In Column Of Platoons	बाएं दिशा प्लाटून के कालम में आगे बढ़
166. Advance In Review Order, By The Centre Quick March	समीक्षा क्रम से मध्य से, तेज चल
167. For Inspection, Port Arms	निरीक्षण के लिए, बाएं शस्त्र
168. Guard Examine Arms	गार्ड जांच शस्त्र
169. Ease Spring	बोल्ट चना
170. Marker	दर्शक
171. Duties on Parade	डयुटिज परेड पर
172. Guard Will Fix Bayonets, Guard Fix Bayonets Attention	गार्ड संगीन लगायेगा-गार्ड संगीन-लगा सावधान
173. Guard Number	गार्ड गिनती कर
174. Guard Will Unfix Bayonets-Guard Unfix Bayonets- Attention	गार्ड संगीन उतारेगा- गार्ड संगीन-उतार-सावधान
175. No. Front (or Rear) Rank Stick Orderly Stick Orderly- Dismiss	ञं. सामने (या पिछली) लाइन स्टिक आरडरली विजर्सन
176. Guard Commander Take Over	गार्ड कमाण्डर जगह लो
177. Guard By The Right Quick March	गार्ड दाएं से तेज चल
178. Old Guard Slope Arms	पुरानी गार्ड कंधे शस्त्र
179. New Guard Slope Arms	नई गार्ड कंधे शस्त्र
180. Old Guard Order Arms	पुरानी गार्ड बाजू शस्त्र
181. New Guard Order Arms	नई गार्ड बाजू शस्त्र
182. Old Guard Stand At Ease	पुरानी गार्ड विश्राम
183. New Guard Sand At Ease	नई गार्ड विश्राम
184. As a Guard Number	गार्ड की तरह गिनती कर
185. First Relief	पहली बदली
186. Second Relief	दूसरी बदली
187. Third Relief	तीसरी बदली
188. First Relief Stand Fast, Remainder Stand At Ease	पहली बदली खड़ी रहेगी, ाकी विश्राम

189. First Relief Slope Arms	पहली बदली कंधे शस्त्र
190. Relief Form Up	बदली बन
191. Relief Move To The Right In Single File Right Turn	बदली एक लाइन में दाहिने चल, दाएं मुड़
192. Old Guard Attention	पुरानी गार्ड सावधान
193. New Guard Attention	नई गार्ड सावधान
194. Old Guard Close Order Mach	पुरानी गार्ड निकट लाइन चल
195. Old Guard Move To The Right In File (or Single File) Right Turn	पुरानी गार्ड-एक फाइल में दाहिने चल, दाए मुड़
196. New Guard Present Arms	नई गार्ड सलामी शस्त्र
197. Old Guard Eyes Left-Eyes Front	पुरानी गार्ड बाएं देख, सामने देख
198. Relieving Sentries	बदली संतरी
199. Sentries Pass	संतरी बदली करो
200. Relief Quick March	बदली तेज चल
201. Guard Turn Out	गार्ड लाइन बना
202. Guard Ready For Inspection	निरीक्षण के लिए गार्ड हाजिर है
203. Turn In The Guard-Disimiss the Guard	गार्ड लाइन तोड़ - गार्ड विसर्जन
204. Halt, Who Comes There	थम, कौन आता है
205. Grand Round or Visiting Round	बड़ा मुआयना या छोटा मुआयना
206. Advance Crand Round or Visiting Round All Is Well	आगे बढ़ो बड़ा मुआयना या छोटा मुआयना, सब ठीक है
207. Stand Down The Guard	गार्ड जगह छोड़
208. Fall In The Guard	गार्ड लाइन बना
209. Advance, One	एक,आगे बढ़ो
210. Pass Friend All Is Well	चलो दोस्त सब ठीक है
211. General Salute	जनरल सैल्यूट
212. Guard of Honour Consisting of ... Officers -- And.. Other Ranks Is Ready For your Inspectinn, Sir	के अफसरों और जवानों का सम्मान गार्ड निरीक्षण के लिये हाजिर है श्रीमान्
213. Standing Load	खड़े भर
214. Present	पेश कर
215. Unload	खाली कर
216.Parade Will Give Three Cheers	परेड तीन बार जय बोलेगी
217. Reverse Arms	उल्टा शस्त्र
218. Reverse Arms By Numbers, One	गिनती से उल्टा श्स्त्र, स्क्वाड, एक
219. Change Arms By Numbers, One	गिनती से बदल शस्त्र, स्क्वाड, एक
220. Rest On Your Arms Reversed	शोक शस्त्र
221. Rest On Your Arms Reversed By Number, One	गिनती से शोक शस्त्र, स्क्वाड , एक
222. Present Arms By Number, One	गिनती से सलामी शस्त्र स्क्वाड, एक